RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 192
नई दिल्ली, रविवार, 17 मई, 2020
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

लॉकडाउन में मनोरंजन के नए अवसर
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

निकले थे घर को, बीच रास्ते में बन गए काल का निवाला

सड़क हादसों में 34 मजदूरों की मौत

- उप्र के औरैया में तड़के ट्रकों की भिड़ंत में 24 मजदूर मरे
- लगभग 40 घायल एचएसओ निलंबित, ट्रक जब्त, प्रधानमंत्री मोदी ने जताया शोक

पायनियर समाचार सेवा। औरैया, लखनऊ

उप्र के औरैया, उन्नाव और मप्र में हुए तीन सड़क हादसों में 34 श्रमिकों की जान चली गयी। औरैया जिले में शनिवार सुबह ट्रक और एक डीसीएम मेटाडोर (ट्रक से छोटा वाहन) की टक्कर में 24 प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई जबकि 36 अन्य मजदूर घायल हो गए। इन दोनों वाहनों में ज्यादातर पश्चिम बंगाल और झारखंड के मजदूर सवार थे। पुलिस ने बताया कि गंभीर रूप से घायल 14 मजदूरों को इटावा जिले के सैफई स्थित पीजीआई में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि कुछ श्रमिक दिल्ली से आ रहे थे और औरैया कानपुर देहात राष्ट्रीय राजमार्ग 19 के पास सुबह तीन से साढ़े तीन बजे के बीच चाय पीने के लिए रुके थे तभी यह हादसा हुआ। यह हादसा इतना जबरदस्त था कि दोनों वाहन पलट कर नजदीक के एक गड्ढे में जा गिरे। मरने वाले श्रमिकों में अधिकतर झारखंड, पश्चिम बंगाल के थे जबकि दो श्रमिक उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के थे। अधिकारियों ने बताया कि जो वाहन खड़ा हुआ था वह दिल्ली से आ रहा था और मध्य प्रदेश जा रहा था जबकि दूसरा वाहन राजस्थान से आ रहा था। यह दोनों वाहन प्रवासी मजदूरों को उनके गृह नगर लेकर जा रहे थे क्योंकि लॉकडाउन के दौरान ए लोग बेरोजगार हो गए थे और घर जाने के लिए परेशान थे। कानपुर के पुलिस महानिरीक्षक मोहित अग्रवाल ने बताया कि (शेष पेज 9)

उत्तर प्रदेश के औरैया में हुए सड़क हादसे के बाद घटना स्थल पर सहायता कार्यों में लगी पुलिस

योगी ने मृतक परिजनों व घायलों के लिए की मुआवजे की घोषणा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को औरैया में एक सड़क दुर्घटना में प्रवासी श्रमिकों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया और शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। यहां जारी एक सरकारी बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने इस दुर्घटना में मरने वाले मजदूरों के परिवार को दो-दो लाख रुपए और गंभीर रूप से घायल मजदूरों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को पीड़ितों को हरसंभव राहत प्रदान (शेष पेज 9)

दुर्घटना में प्रवासी दंपति की गयी जान

उन्नाव (पीएनएस)। हरियाणा से आटो रिक्शा में बिहार अपने घर जा रहे प्रवासी दंपति की लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर शनिवार को एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई जबकि उनका छह साल का बच्चा बाल बाल बच गया। पुलिस ने बताया कि अशोक चौधरी (35) हरियाणा के झज्जर में आटो चलाकर आजीविका चलाता था। वह अपनी पत्नी और बेटे के साथ आटो से बिहार के दरभंगा स्थित अपने घर जा रहा था। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता की घोषणा की है। पुलिस ने बताया कि अशोक के आटो में पेट्रोल खत्म हो गया था और वह पत्नी की मदद से टैंक में पेट्रोल भर रहा था कि अचानक एक तेज रफ्तार लोडर ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसा बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र में हुआ। अशोक और उसकी पत्नी छोटी (33) की मौके पर ही मौत हो गई। उनकी पहचान ड्राइविंग लाइसेंस और आधार कार्ड से हुई।

एमपी में तीन दुर्घटनाओं में आठ प्रवासी श्रमिकों की मौत

भोपाल(पीएनएस)। मध्यप्रदेश में शनिवार को तीन अलग-अलग दुर्घटनाओं में आठ प्रवासी श्रमिकों की मौत हो गई। प्रदेश के सागर, गुना और बड़वानी जिलों में ये हादसे हुए। सागर के पास शनिवार सुबह हुए हादसे में घायल लोगों में से एक की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। इसके साथ ही इस हादसे में मरने वालों की संख्या पांच से बढ़कर छह हो गई है। ये प्रवासी श्रमिक ट्रक से महाराष्ट्र से उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में अपने घर जा रहे थे। यह ट्रक सागर-कानपुर रोड पर जिला मुख्यालय से लगभग 70 किलोमीटर दूर सेमरा पुल के पास पलट गया। इस हादसे में पांच प्रवासी श्रमिकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि 19 अन्य घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए बंडा के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एएसपी ने बताया कि ट्रक में कपड़े के बंडल लदे थे जिस पर ये प्रवासी श्रमिक बैठे थे। (शेष पेज 9)

पीएम केयर्स फंड को लेकर घटा उत्साह, कम हुआ दान

- विपक्षी दलों के विरोधी अभियान और जागरूकता के अभाव के कारण लगा झटका

जे गोपीकृष्णन। नई दिल्ली

कोविड-19 से निपटने लिए 50 दिन पहले स्थापित किए गए कोष पीएम केयर्स फंड में अभी तक 9000 करोड़ रुपये से कम दान आया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 28 मार्च को इस विशेष कोष का ऐलान किया था और शुरुआती हफ्ते में इसमें लोगों ने जमकर दान किया। तीन अप्रैल को दूसरे हफ्ते तक दान स्वरूप में इस कोष में करीब 6500 करोड़ रुपये आए। उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक समय बीतने के साथ शुरुआती उत्साह खत्म होने लगा और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में खुले इस कोष में अब औसतन प्रति दिन 40 करोड़ रुपये ही जमा हो रहे हैं।

पीएम केयर्स फंड की निगरानी करने वाले अधिकारियों के मुताबिक शुक्रवार (15 मई) तक दान में मिली कुल राशि 8800 करोड़ रुपये पार कर गई थी। भारतीयों के स्वभाव से मितव्ययी होने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) मार्च 2019 तक पिछले पांच साल में 2200 करोड़ रुपये कम राशि आई थी। 1948 में स्थापित इस कोष में फिलहाल 4000 करोड़ रुपये है। संभवत: यही कारण था कि पीएम मोदी ने कोरोना संकट से निपटने के लिए एक अलग कोष की स्थापना की थी। केंद्र ने हाल ही में पीएम केयर्स फंड से वेंटीलेटर खरीदने, प्रवासी मजदूरों के कल्याण तथा वैक्सीन रिसर्च के लिए 3100 करोड़ रुपये का आवंटन किया है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आत्मनिर्भर भारत के लिए 20 लाख करोड़ रुपये के पैकेज के ऐलान एक दिन बाद 13 मई पीएमओ द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक इन 3100 करोड़ रुपये में करीब 2000 करोड़ रुपये वेंटीलेटरों की खरीद, 1,000 करोड़ रुपये का इस्तेमाल प्रवासी मजदूरों के लिए तथा वैक्सीन के विकास के लिए 100 करोड़ रुपये आवंटन किया गया है।

प्रधानमंत्री द्वारा 28 मार्च को नए फंड की स्थापना किए जाने की घोषणा के तुरंत बाद उसमें 25 करोड़ रुपये दान करने वाले फिल्म स्टार अक्षय कुमार उन कुछ लोगों में शामिल थे, जिन्होंने इसमें सबसे पहले योगदान दिया। रतन टाटा, मुकेश अंबानी अजीम प्रेमजी, अनिल अग्रवाल समेत कई कारपोरेट ने भी इस फंड में अच्छा खासा दान किया था। कई कारपोरेट ने पीएम केयर फंड में योगदान के अलावा कोविड-19 के संबंध में स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए (शेष पेज 9)

उप्र में श्रमिकों के दो पहिया वाहनों, पैदल प्रवेश पर रोक

- मुख्यमंत्री योगी ने सभी जिलाधिकारियों को दिए निर्देश- प्रवासी मजदूरों के लिए करें बसों की व्यवस्था

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश की सीमा में प्रवेश करते ही प्रवासी श्रमिकों को भोजन व पानी उपलब्ध कराया जाए। इसके बाद उनकी स्क्रीनिंग करते हुए उन्हें सुरक्षित व सम्मानजनक ढंग से उनके गंतव्य तक पहुंचाया जाए।

उन्होंने कहा कि बार्डर क्षेत्र के प्रत्येक जनपद में जिलाधिकारी के निवर्तन पर 200 बस रखने के आदेश पहले ही दिए गये हैं तथा प्रवासी श्रमिकों को बस से भेजने के लिए

धनराशि भी स्वीकृत है। लोग पैदल यात्रा न करें, इसके दृष्टिगत जिलाधिकारी बसों की व्यवस्था सुनिश्चित करें। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

योगी ने कहा कि प्रवासी श्रमिकों के लिए क्वारंटीन सेन्टर तथा कम्युनिटी किचन की व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखा जाए। इनमें साफ-सफाई तथा सुरक्षा के समुचित प्रबन्ध किए जाएं। कम्युनिटी किचन के माध्यम से शुद्ध एवं पर्याप्त भोजन की व्यवस्था की जाए। दूसरी ओर यूपी की सीमा में किसी भी प्रवासी व्यक्ति के प्रवेश (शेष पेज 9)

दिल्ली में लगातार तीसरे दिन 400 से ज्यादा कोरोना मामले

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना वायरस घातक रूप में सामने आने लगा है। पिछले तीन से हर रोज लगातार 400 से अधिक केस मिल रहे हैं। पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 438 केस आए हैं। इसी दौरान छह मरीजों ने दम तोड़ दिया। दिल्ली में अब तक कुल 9333 कन्फर्म कोरोना मरीज हो गए हैं और 129 लोगों की मौत हो चुकी है। इससे पहले गुरुवार को दिल्ली में रिकॉर्ड 472 और शुक्रवार को 425 मामले आए थे। इसके अलावा चार दिन में 48 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, मरने वाले में 60 साल या उससे ज्यादा उम्र के मरीजों की संख्या अधिक है। राजधानी में 3,926 मरीजों को स्वस्थ होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। इनमें से 408 लोगों को बीते 24 घंटों में डिस्चार्ज किया गया। राजधानी में कोरोना के (शेष पेज 9)

प्रवासी मजदूरों के बीच पहुंचे राहुल, बांटा उनका दुख-दर्द

नई दिल्ली में प्रवासी मजदूरों से बातचीत करते कांग्रेस नेता राहुल गांधी

- प्रियंका ने अपने नेता पर जताया नाज, कहा- मजदूर अपने लोग हैं, छोड़ नहीं सकते

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को उन प्रवासी मजदूरों से बातचीत की जो अपने गृह राज्यों में लौटने के लिए सुखदेव विहार फ्लाईओवर पर चल रहे थे। इस दौरान राहुल ने उनकी परेशानियों के बारे में जाना। गौरतलब है कि कोरोना वायरस के प्रसार के कारण देश में 25 मार्च से लगे लॉकडाउन के कारण शहरी क्षेत्रों से प्रवासी (शेष पेज 9)

कोयला निजी क्षेत्र के लिए खुला डिफेंस में बढ़ी एफडीआई सीमा

- सरकार ने कोल सेक्टर में अपनी मोनोपली खत्म की, हथियारों में ज्यादा विदेशी निवेश से मेक इन इंडिया को बढ़ावा देना लक्ष्य

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को 20 लाख करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज की चौथी किस्त जारी किया। इसमें उन्होंने कोयला, खनिज, रक्षा उत्पादन, सामाजिक बुनियादी ढांचा, विमानन, बिजली वितरण, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सुधारों की घोषणा की। वित्त मंत्री ने

निर्मला सीतारमण

कोयला क्षेत्र में सरकार का एकाधिकार समाप्त करने के उपायों की घोषणा करते हुए कहा कि इसके लिए लगभग 50 कोयला प्रखंड पेश किये जाएंगे।

उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्र को कोयले का वाणिज्यिक उत्खनन करने के लाइसेंस राजस्व में हिस्सेदारी की व्यवस्था के तहत दिए जाएंगे। वित्त मंत्री ने प्रोत्साहन आर्थिक पैकेज की चौथी किस्त की घोषणा करते हुए यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि निजी क्षेत्र को प्रति टन निर्धारित शुल्क की जगह राजस्व में सरकार की हिस्सेदारी व्यवस्था के आधार पर कोयले का वाणिज्यिक उत्खनन का लाइसेंस दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए नीलामी में लगभग 50 कोयला प्रखंडों को पेश किया जायेगा। घटिया कोयले के आयात को कम करने और कोयला उत्पादन में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। इसके अलावा, सरकार कोयला खान क्षेत्र से बाहर पहुंचाने के बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिये 50,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।

खनिजों के खनन के क्षेत्र में भी कई सुधारों की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के लिए एक सपाट समग्र खोज एवं उत्पादन व्यवस्था लाई जाएगी। उन्होंने बताया कि नयी समग्र खोज-खनन-उत्पादन व्यवस्था के (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	31,097
निफ्टी	9,136
सोना	/10g
चांदी	/kg

क्विक न्यूज

सीबीएसई 10वीं, 12वीं परीक्षा टली, नई तिथि 18 को

नई दिल्ली। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने सीबीएसई की 10 वीं और 12 वीं कक्षा की शेष परीक्षाओं की तिथियों की घोषणा को तकनीकी कारणों से शनिवार को टाल दिया। केंद्रीय मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने कहा कि सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं के कार्यक्रम को अंतिम रूप देने से पहले कुछ अतिरिक्त तकनीकी पहलुओं को ध्यान में रखा जा रहा है, इस वजह से आज 5 बजे होने वाली कक्षा 10 वीं और 12 वीं परीक्षा की डेटशीट की घोषणा अब सोमवार (18 मई 2020) तक होगी।' इससे पहले निशंक ने सुबह कहा था कि कोरोना वायरस संकट के चलते सीबीएसई की बची हुई परीक्षाओं को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी।

देश में संक्रमण के 3,970 नए मामले सामने आए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश में कोरोना वायरस के कारण मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर शनिवार को 2,752 हो गई और संक्रमितों की संख्या 85,940 पर पहुंच गई। पिछले 24 घंटों में 103 लोगों ने इस बीमारी से जान गंवाई और संक्रमण के 3,970 नए मामले सामने आए।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार 53,035 संक्रमित लोगों का इलाज चल रहा है जबकि 30,152 लोग स्वस्थ हो गए हैं और एक मरीज देश छोड़कर चला गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, अभी तक करीब 35.08 प्रतिशत मरीज बीमारी से उबर चुके हैं। कुल संक्रमित लोगों में विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। शुक्रवार सुबह से लेकर अब तक 103 लोगों की मौत हुई है। इनमें 49 लोगों की महाराष्ट्र में, 20 की गुजरात में, 10 की पश्चिम बंगाल में, आठ की दिल्ली में, सात की उत्तर प्रदेश में, पांच की तमिलनाडु में, दो की मध्य प्रदेश में और एक-एक व्यक्ति की मौत कर्नाटक तथा हिमाचल प्रदेश में हुई है।

देश में अब तक कुल 2,752 लोग इस संक्रामक रोग के कारण जान गंवा चुके हैं। इनमें से सबसे अधिक 1,068 लोगों की मौत महाराष्ट्र में हुई। इसके बाद गुजरात में 606, मध्य प्रदेश में 239, पश्चिम बंगाल में 225, राजस्थान में 125, दिल्ली में 123, उत्तर प्रदेश में 95, तमिलनाडु में 71 और आंध्र प्रदेश में 48 लोगों की मौत हुई। मंत्रालय के अनुसार कर्नाटक में 36 लोग जान गंवा चुके हैं जबकि तेलंगाना में 34 और पंजाब में 32 लोग जान गंवा चुके हैं।

गए थे कोरोना से बचने, सांप के काटने से मौत

- यूपी के गोण्डा और ओडिशा के बालनगीर में क्वॉरंटीन सेंटरों का बुरा हाल, सांप और बिच्छुओं का खतरा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस के शुरुआती लक्षणों या संभावित खतरे वाले मरीजों को क्वॉरंटीन सेंटरों में कितनी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि अलग-अलग क्वॉरंटीन केंद्रों में 24 घंटे में दो लोगों को सांप ने काट लिया। इनमें से एक की मौत हो गई।

एक घटना उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले की है तो दूसरी ओडिशा के बालनगीर जिले की है। मालूम हो कि

उत्तर प्रदेश के गोण्डा जिले का पूर्व माध्यमिक विद्यालय इमलिया जो बना है क्वारंटीन सेंटर

उत्तर प्रदेश के क्वॉरंटीन केंद्रों में लोग लगातार बदहाली की शिकायतें कर रहे हैं और चोरी-छिपे वहां से भाग रहे हैं या छुट्टी दिए जाने की आवाज उठा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में गुरुवार को हरियाणा के कैथल से लगभग 33 प्रवासी मजदूर यहां पहुंचे थे। यहां थाना वजीरगंज क्षेत्र के गांव इमलिया के सभी मजदूर जब अपने घर पहुंचे तो कोरोना के खतरे को देखते हुए घर वालों की सलाह पर वे गांव के ही स्कूल में बने क्वॉरंटीन सेंटर में भर्ती हो गए। इस दौरान गुरुवार रात को स्कूल में 16 साल के महेंद्र कुमार को जरहीले सांप ने काट लिया। बालक को फौरन जिला

क्वारंटीन सेंटर में मिला सांप

अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन बचाया नहीं जा सका।

महेंद्र को सांप के काटते ही स्कूल में हड़कंप मच गया। मृतक के परिजनों का आरोप है कि स्कूल में कोई साफ-सफाई न होने का कारण ये घटना हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि जब इस घटना की सूचना 112 पर फोन कर पुलिस को दी तब भी पुलिस और एंबुलेंस आधे घंटे के बाद भी मौके पर नहीं पहुंची। इसके बाद परिवार वालों ने खुद ही बाइक से घायल बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। ओडिशा के बालनगीर जिले के सिंधेकेला गांव में भी इसी तरह गुरुवार की रात क्वॉरंटीन सेंटर में सो रहे प्रवासी मजदूर को सांप ने काट लिया।

उसे टिटलागढ़ सब डिविजनल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। टिटलागढ़ सब कलेक्टर सुधाकर नायक ने कहा कि यह इलाका जंगलों से सटा हुआ है और गर्मी के सीजन में सांप बाहर निकल आते हैं। इससे पहले 2 मई को भी उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के नेशनल इंटर कॉलेज में क्वारंटीन किए गए 31 वर्षीय युवक को सांप ने डंस लिया था। छावनी थाने के मलौली गोसाई निवासी 31 वर्षीय उदयराज को नेशनल इंटर कॉलेज हर्रैया में क्वारंटीन किया गया था जहां रात में सांप ने उसे काट लिया।

प्रवासी मजदूरों के लिए भारत-पाक विभाजन जैसे बनी स्थिति

सुरेश अनेजा। इंद्री

लॉकडाउन ने लोगों की जिंदगी को तबाह कर के रख दिया है। फैक्ट्रियों में काम करने वाले लाखों प्रवासी मजदूर जो कि पैदल ही अपने घरों को निकल पड़े हैं उनके लिये एक बार फिर से भारत पाकिस्तान जैसे स्थिति पैदा हो गई है। इस का एक उदाहरण उस समय सामने आया जब इंद्री जिला करनाल से गुजर रहे दर्जनों लोगों ने अपना दुखड़ा मीडिया के सामने रखा। ये लोग पैदल ही लुधियाना से चलकर आ रहे हैं और इनमे से कुछ को मध्य प्रदेश के जिला संगरोली और कुछ को कई अन्य जिलों में जाना है।

लुधियाना से पिछले आठ दिनों से पैदल चलते हुए ये शनिवार को इंद्री पहुंचे हैं। अपनी व्यथा सुनाते

लुधियाना से पैदल ही मध्य प्रदेश के लिए निकले कई लोग

हुए साठ वर्षीय परशुराम ने बताया कि वो लगभग बीस लोग हैं जिनमें कुछ बच्चे और महिलाएं हैं। ये लोग आठ दिन पहले लुधियाना से चले थे। उन्होंने बताया कि वो एक मसाला फैक्ट्री में काम करते थे। लाकडाउन के कुछ दिन बाद उनका ठेकेदार भाग गया जिससे उन्हें पैसों की दिक्कत हो गई। अब पैसे न होने के कारण खाने-पीने की समस्या पैदा हो गई और नौकरी भी छूट गई जिसके चलते उन्हें वापस अपने गांव मध्यप्रदेश के जिला संगरोली में जाना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि प्रशासन ने उन लोगों के लिये

इन्द्री में पत्रकारों को अपनी व्यथा सुनाते लुधियाना से पैदल चल रहे प्रवासी।

जाने का कोई प्रबंध नहीं किया है। रास्ते में खाने पीने की भी दिक्कत हो रही है। उन लोगों के पास जो थोड़ा बहुत राशन था वो भी खत्म होने जा रहा है। परशुराम ने बताया कि कोई भी प्राइवेट वाहन उन्हें नहीं बैठा रहा है और अगर कोई बैठा भी देता है तो पुलिस उतार देती है और डंडे मारती है।

उन्होंने अपील की कि प्रशासन को हमारे लिये वाहन की व्यवस्था करनी चाहिये ताकि हम लोग सुरक्षित अपने घर पहुंच सकें। एक महिला आरती व उसके पति आदेश ने बताया कि वो भी लुधियाना में मजदूरी करते थे। लाकडाउन के कारण पैसे खत्म हो गये और मकान मालिक का किराया चुकता न कर पाने के कारण उन्हें कमरे से निकाल दिया। अब हम पैदल ही अपने गांव की ओर जा रहे हैं। हमारे छोटे बच्चे और बुजुर्ग गांव में ही हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने राशन व वापसी के लिये दो तारीख को आनलाइन रजिस्ट्रेशन कराई थी लेकिन कोई भी मंजुरी न मिलने के कारण उन्हें पैदल ही गांव के लिये जाना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि अगर मरना ही है तो घर जाकर रूखी-सूखी रोटी खाकर ही मर लेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार गरीब मजदूर परिवारों के लिये कुछ भी नहीं कर रही है। उन्होंने बताया कि रास्ते में भी हमारी प्रशासन ने कोई मदद नहीं की है। कई जगहों पर तो पुलिस भी मदद करने की बजाए डंडे मारती है।

पहले दिन रोडवेज की बसों को नहीं मिले यात्री

पंचकूला-करनाल रूट पर केवल एक यात्री ने किया सफर

नारनौल-रेवाड़ी रूट पर मिले केवल बीस यात्री

पहले दिन पचास हजार भी नहीं पहुंची आमदन

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा सरकार द्वारा लॉकडाउन के तीसरे चरण में भले ही बस सेवा शुरू कर दी है लेकिन अभी तक यात्री को प्रोत्साहन नहीं मिल रहा है। पहले दिन नाम मात्र यात्रियों ने ही राज्य परिवहन की बसों में सफर किया। हरियाणा सरकार द्वारा कोरोना के चलते 23 मार्च से बसें बंद की गई थी। जिन्हें शुक्रवार को दोबारा रोड पर उतारा गया है।

राज्य परिवहन द्वारा हरियाणा के अंबाला, भिवानी, हिसार, कैथल, करनाल, नारनौल, पंचकूला, रेवाड़ी, रोहतक और सिरसा समेत दस जिलों में बस सेवा शुरू की है। सरकार ने शुक्रवार को 29 रूटों पर बसें उतारी हैं। जो इस समय 14 जिलों को कवर कर रही है। हरियाणा के सभी जिला डिपूओं की तरफ से पहले दिन की स्टेट्स रिपोर्ट शनिवार को चंडीगढ़ मुख्यालय में भेजी गई है। जिसके अनुसार पहले दिन सभी बसों में यात्रियों का आंकड़ा दो सौ तक भी नहीं पहुंच पाया है।

औमतौर पर सामान्य दिनों में करीब तीन करोड़ रुपये रोजाना कमाने वाली हरियाणा रोडवेज को कोरोना काल में पहले दिन की आमदन महज 42 हजार 780 रुपये रही है। लॉकडाउन से पहले रोडवेज की बसें रोजाना जहां दस लाख किलोमीटर सफर तय करती थी वहीं शुक्रवार को पहले दिन 3898 किलोमीटर सफर तय किया। रिपोर्ट के अनुसार पंचकूला-रेवाड़ी मार्ग पर पहले दिन 15 यात्रियों ने सफर किया और इससे सरकार को 5025 रुपये की आमदन हुई। पंचकूला से करनाल रूट पर चली बस में केवल एक यात्री ने सफर किया। जिससे रोडवेज को केवल 135 रुपये की आमदन हुई। सरकार द्वारा नारनौल से रेवाड़ी रूट पर चलाई गई बस में सर्वाधिक बीस यात्रियों ने सफर किया।

पंचकूला से कई रूटों पर पहली बार चली बसें

हरियाणा के इतिहास में शुक्रवार को पहला ऐसा अवसर था जब पंचकूला से हरियाणा के अन्य शहरों और अन्य शहरों से पंचकूला के लिए पहली बार बसें चली। हरियाणा सरकार द्वारा पंचकूला को भले ही राज्य की मिनी राजधानी के रूप में विकसित किया है, लेकिन आजतक यहां बसों का सबसे बड़ा अभाव रहा है। पंचकूला से हरियाणा के दूसरे शहरों में जाने तथा आने के लिए सीधी बस सेवा नहीं है। लोगों को चंडीगढ़ या जीरकपुर से अपने गंतव्य की ओर जाना पड़ता है। इन दिनों में चंडीगढ़ के सेक्टर-17 स्थित बस अड्डे में सब्जी मंडी लग रही है। जिसके चलते हरियाणा सरकार ने चंडीगढ़ की बजाए पंचकूला से बसों का संचालन किया है।

पहले दिन रोडवेज की बसों की यह रही स्थिति

तय रूट	यात्रियों की संख्या	राजस्व आया
रेवाड़ी-नारनौल	08	00440
सिरसा-पंचकूला	10	02950
अंबाला-पंचकूला	04	00260
पंचकूला-सिरसा	07	02065
पंचकूला-नारनौल	10	03550
नारनौल-पंचकूला	09	03195
नारनौल-रेवाड़ी	08	00440
हिसार-पंचकूला	16	03920
पंचकूला-भिवानी	09	02385
भिवानी-पंचकूला	16	04240
पंचकूला-हिसार	07	01715
रेवाड़ी-पंचकूला	09	03015
पंचकूला-रेवाड़ी	15	05025
पंचकूला-करनाल	01	00135
रोहतक-पंचकूला	15	03675
पंचकूला-रोहतक	12	02940
पंचकूला-अंबाला कैंट	07	00455
करनाल-पंचकूला	07	00945
नारनौल-रेवाड़ी	20	01100
रेवाड़ी-नारनौल	06	00330

“ **हरियाणा** वासियों की सुविधा के लिए बस सेवा शुरू की गई है। जिसके संचालन में सोशल डिस्टेंसिंग का पूरा ख्याल रखा जा रहा है। यात्रियों की सुविधा के लिए बसों को नियमित रूप से सेनिटाइज किया जा रहा है। धीरे-धीरे यात्रियों का प्रोत्साहन मिलेगा। उसी के आधार पर बसों की संख्या न केवल बढ़ाया जाएगा बल्कि रूटों का भी विस्तार कर दिया जाएगा।

मूलचंद शर्मा, परिवहन मंत्री हरियाणा।

सीवरेज हादसे में जान गंवाने वाले के परिवार सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग

कैथल। 12 मई को हुडा के सैक्टर 18 में हुए सीवरेज हादसे में जान गंवाने वाले काकौत निवासी युवक के परिवार को न्याय देने की मांग को लेकर भारतीय प्रजापति हीरोज ऑर्गेनाइजेशन ने सरकारी नौकरी व मुआवजे की मांग की है। आर्गेनाइजेशन के जिलाध्यक्ष राजपाल प्रजापति, संगठन सचिव विनोद डीग, सतीश बात्ता आदि ने कहा कि अपनी जान पर खेल कर दो लोगों की जान बचाने वाला काकौत निवासी सतीश आजाद वास्तविक हीरो है।

दूसरों को बचाने के लिए उस बहादुर सतीश आजाद ने अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। उन्होंने कहा कि इससे पहले शुक्रवार को समाज के लोगों व सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा ने भी कैथल उपायुक्त को पत्र लिखकर मांग की कि सतीश आजाद को मरणोपरांत बहादुरी पुरस्कार से पुरस्कृत करते हुए 50 लाख का मुआवजा दिया जाए। उनकी मांग है कि परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। आर्गेनाइजेशन के पदाधिकारियों ने कहा कि अगर सरकार और प्रशासन द्वारा सतीश आजाद को न्याय नहीं देगा तो प्रजापति समाज सहित कर्मचारी संघ सड़कों पर उतरेगा।

पशुपालकों व मछली पालकों को मिलेंगे किसान क्रेडिट कार्ड

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने ऐलान किया है कि जिनके पास खुद की जमीन नहीं है लेकिन वे दूसरों की जमीन पट्टे पर लेकर खेती करते हैं। ऐसे काश्तकारों को भी अब बैंकों से फसली ऋण मिलेगा। प्रदेश सरकार द्वारा काश्तकारों के भी किसान क्रेडिट कार्ड बनाए जाएंगे। सीएम मनोहर लाल ने शनिवार को 'हरियाणा आज' कार्यक्रम के तहत प्रदेश के लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि काश्तकारों को ऋण देने के लिए सकरार कानून बनाएगी। यह एक्ट बनने के बाद जमीन के मालिक को कब्जे का खतरा भी नहीं रहेगा। गिरदावरी काश्तकार के नाम होने के बाद भी जमीन की मलकियत पर किसी तरह का असर नहीं पड़ेगा। सीएम ने कहा, केंद्र सरकार द्वारा किसानों के लिए घोषित किए गए 3 लाख करोड़ के पैकेज से हरियाणा के 16 लाख किसानों को लाभ होगा।

रक्तदान से बड़ा दान कोई नहीं हो सकता : यादव

नारनौल। कोरोना महामारी से जहां आम जनजीवन प्रभावित हुआ है वहीं संकट की घड़ी ने ये साबित कर दिया है कि हर विपत्ति हर पल आमजन एक-दूसरे की मदद के लिए तत्पर हैं। सरकारी अस्पतालों के सभी स्टाफ के प्रति लोगों की श्रद्धा बढ़ी है। यह बात सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री ओमप्रकाश यादव ने बाबा खेतानाथ युवा जागृति समिति की हेल्पिंग हैंड्स फाइट अगेंस्ट कोरोना मुहिम के तहत सामान्य अस्पताल में रक्तदान शिविर के आयोजन पर कही।

बतौर मुख्य अतिथि मंत्री ओमप्रकश यादव ने रक्तदाताओं को प्रशंसा पत्र वितरित किये और मेडिकल स्टाफ की प्रशंसा की। किसान मोर्चा भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य राकेश शर्मा एडवोकेट विशिष्ट अतिथि थे। उन्होंने कहा कि रक्तदान से बड़ा दान कोई नहीं हो सकता। इस घड़ी में तो ये दान और भी पुण्य का काम है। शिविर में 31 यूनिट दान किया गया। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष मनीप्रकाश, महासचिव अमर सिंह सरपंच, शिविर संयोजक वैभव शर्मा, ब्लड बैंक प्रभारी डॉक्टर सुरेन्द्र कुमार, लोकेश शर्मा संस्था वालिंटियर, प्रदीप कुमार नहर विभाग, श्याम सोनी, हिमांशु, हरिकृष्ण एवं सोमपाल इसराना आदि मौजूद थे। सिविल सर्जन डॉक्टर अशोक कुमार ने सभी का आभार व्यक्त किया।

रक्तदाताओं को प्रशंसा पत्र वितरित करते मंत्री ओमप्रकाश यादव।

गृहमंत्री का ऐलान, शराब घोटाले की होगी फिजीकल वैरीफिकेशन

आनन-फानन में स्टॉक पूरा करने में जुटे दागी अधिकारी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में इन दिनों सर्वाधिक सुर्खियां बटौर रहे शराब घोटाले में अब बड़ी बछलियां भी फंस सकती हैं। हरियाणा के गृहमंत्री अनिल विज ने शनिवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में शराब घोटाले की फिजीकल वैरीफिकेशन कराने का ऐलान कर दिया है। फिजीकल वैरीफिकेशन हो जाती है तो विभाग के कई अधिकारी जहां बेनकाब हो जाएंगे वहीं कई बड़े घोटाले भी उजागर होंगे। पर्दे के पीछे चल रहे खेल में विभाग की कई महिला अधिकारियों के भी शामिल होने के संकेत मिल रहे हैं।

हरियाणा में शराब घोटाला उजागर होने के बाद विभाग के दागी अफसरों में खलबली मची हुई है। जिसके चलते वह पूर्व समय के दौरान किए गए घोटालों पर पर्दा डालने और सबूत मिटाने में जुट गए हैं। जानकारी के अनुसार आबकारी विभाग में पिछले वर्षों के दौरान पकड़ी गई शराब के केसों रिपोर्ट बनाकर मुख्यालय को तो भेज दी गई। मुख्यालय जुर्माना लगाता इससे पहले ही अवैध शराब को बेच दिया। इस तरह के घोटाले एनसीआर के जिले में होने की बात विभाग में चर्चा का विषय बनी हुई है। अब एक तरफ जहां कई जिलों में पुलिस की एसआईटी इस मामले की जांच कर रही है वहीं गृहमंत्री द्वारा बनाई गई एसईटी भी प्रदेश स्तर पर इसकी जांच करेगी। इसके अलावा आबकारी विभाग द्वारा लीपा-पोती के लिए स्टॉक की वैरीफिकेशन करवा रहा है। जिसके चलते दागियों द्वारा पिछले तीन दिनों से स्टॉक पूरा किया जा रहा है। गृहमंत्री अनिल विज के अनुसार एसईटी के माध्यम से फिजिकल वैरीफिकेशन करवाई जाएगी। जिससे वास्तविकता सामने आएगी।

जांच में कहां फंसा है पेंच

हरियाणा सरकार द्वारा अलग-अलग तरीके से जो जांच करवाई जा रही है उसमें स्टॉक का मिलान किया जा रहा है। स्टॉक वेरीफिकेशन में दागी अफसर खुद को बचाने के लिए स्टॉक पूरा करा रहे हैं। स्टॉक में केवल इतना ही अंतर दिखाया जा रहा है जितने को विभाग में छूट दी जाती है। ऐसे में अगर फिजीकल वैरीफिकेशन होती है तो वर्ष 2018 में जो शराब बरामद की गई थी संबंधित अधिकारी को वहीं शराब दिखानी होगी। जिसमें कई अधिकारी फंस सकते हैं।

ओलावृष्टि से बर्बाद हुई फसल मुआवजे के लिए किया जाएगा प्रयास : विधायक

टमाटर, खीरा, शिमला मिर्च, खरबूजा, गोबी धनिया, मक्का और गन्ने की फसल हुई नष्ट

पायनियर समाचार सेवा। इंद्री

विधानसभा क्षेत्र के दर्जनों गांवों में हुई ओलावृष्टि के कारण खेतों में खड़ी फसलों को काफी नुकसान हुआ। क्षेत्र में इस प्रकार की ओलावृष्टि 35 साल बाद हुई। ओलावृष्टि से खेतों में खड़ी फसल, पेड़ों के पत्ते, बाहर खड़े पशुओं, पक्षियों आदि को काफी नुकसान हुआ। ओलावृष्टि से नुकसान का जायजा लेने के लिए इंद्री विधायक रामकुमार कश्यप ने खेड़ी मानसिंह, समौरा, जनेसरो, बीबीपुर, गढ़ी गुजरान, नगला रोडान, कमालपुर, चुरनी, माखु माजरा, संघोया, संघोई और जयरामपुरा आदि गांवों का जायजा लिया। साथ ही पीडित किसानों से बातचीत की।

दौरे के दौरान पीड़ित किसानों ने अपने दु:खी मन से विधायक को बताया कि फसल बुवाई पर लाखों रुपये का खर्च हुआ है, लेकिन ओलावृष्टि ने लाखों का नुकसान कर दिया। किसानों ने विधायक को बताया कि उनके खेतों में टमाटर, खीरा, शिमला मिर्च, खरबूजा, गोबी, धनिया आदि सब्जियों के अलावा मक्का, पशु चारा व गन्ने की फसलें नष्ट हुई हैं। किसानों के नुकसान को देखते हुए विधायक ने किसानों को आश्वासन दिया कि ओलावृष्टि के कारण खेतों में हुए नुकसान के बारे में मुख्यमंत्री मनोहर लाल से बातचीत कर उनसे मुआवजे की बात करेंगे और उनका प्रयास होगा की ज्यादा से ज्यादा मुआवजा पीड़ित किसानों को मिले। उन्होंने प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे किसानों के खेतों पर जाए और सर्वे करके वीरवार को हुई बरसात व ओलावृष्टि के नुकसान की रिपोर्ट तैयार करें।

मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता महेन्द्र सिंह पंजोखरा, ईश्वर सिंह, राजेश संधू, तेजेन्द्र सिंह, राजेश समोरा, समौरा के पूर्व सरपंच धर्मपाल, बलजौर सिंह, मनीष कुमार, खेडी मानसिंह के सरपंच तजेन्द्र सिंह, नरेन्द्र सिंह, पाला राम, चंद्रभान आदि के अलावा काफी संख्या में विभिन्न गांवों के किसान भी उपस्थित थे।

क्वारेंटाइन सेंटरों में मिलेगी पौने दो सौ रुपये की डाइट

साफ सफाई का भी रखा जाएगा ख्याल

चंडीगढ़। हरियाणा में चल रहे क्वारेंटाइन सेंटरों में निम्न स्तर का खाना मिलने और साफ सफाई के बेहतर प्रबंध नहीं होने के वीडियो वायरल होने का संज्ञान लेते हुए हरियाणा सरकार ने क्वारेंटाइन सेंटरों में रहने वालों की डाइट में सुधार करने और साफ-सफाई का बेहतर प्रबंध करने के निर्देश जारी कर दिए हैं। स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज के अनुसार कोविड अस्पतालों से आई सूचनाएं सही हैं, जबकि क्वारेंटाइन सेंटरों में किसी तरह की अनियमितताएं नहीं हैं। प्रदेश सरकार ने अब कोविड अस्पताल में उपचाराधीन मरीज की डाइट मनी 65 रुपये प्रतिदिन से बढ़ाकर 175 रुपये प्रतिदिन कर दी है।

प्रदेश में 11 कोविड अस्पताल हैं, जहां कोरोना पॉजिटिव मरीजों का इलाज हो रहा है। यहां करीब चार सौ एक्टिव मरीज हैं। काफी मरीज ठीक होकर जा चुके हैं। खाने का पूरे दिन का रेट काफी कम था, इसलिए खाने की क्वालिटी में अंतर पड़ गया था। मरीजों को सुबह, दोपहर व शाम के खाने में पौष्टिक आहार मिलना कम हो गया था। ऐसी पहली सूचना खानपुर से आई, जिसके बाद गृह व स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने डाइट के रेट संशोधित कर इसे 175 रुपये प्रतिदिन कर दिए, जिसमें तीनों समय का आहार शामिल है। स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने कहा कि वह हर जिले से रिपोर्ट लेते हैं, लेकिन कहीं से अभी ऐसी सूचना मेरे तक नहीं पहुंची है। प्रदेश के क्वारेंटाइन सेंटरों में 27 हजार 984 बेड की व्यवस्था है। इसके अलावा आइसोशलन बेड 9040, आईसीयू बेड 2075 और अस्पतालों में वेंटीलेटर 1047 हैं।

संक्षिप्त समाचार

बीटीएफ ने सफाई कर्मचारियों का समर्थन किया

कुरुक्षेत्र। बिना किसी पूर्व नोटिस एवं सूचना के कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड द्वारा सफाई कर्मचारियों को निकालने का बेगमपुरा टाइगर फोर्स ने विरोध किया है। फोर्स के पदाधिकारी धरने पर बैठे सफाई कर्मचारियों का समर्थन करने के लिए पहुंचे। फोर्स के प्रधान सुनील चमारा ने चेताया कि अगर सफाई कर्मचारियों को बहाल नहीं किया, तो आंदोलन तेज किया जाएगा। कर्मचारियों को न्याय न मिलने तक संगठन चुप नहीं बैठेगा। उन्होंने कहा कि एक तरफ सफाई कर्मचारियों पर फूल बरसा कर उन्हें कोरोना योद्धा का नाम दिया और अब उन्हें नौकरी से हटाया जा रहा है। लॉकडाउन की घोषणा करते समय प्रधानमंत्री ने कहा था कि किसी भी व्यक्ति को नौकरी से नहीं निकाला जाएगा, मगर कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड शायद प्रधानमंत्री के निर्देशों का पालन करना जरूरी नहीं समझता। इस दौरान डा. जोगिंदर भौरिया, दीपक कामोदा, राजेश बिडलान, सुनील मिर्जापुर, यूनियन प्रधान ओमप्रकाश ,सुरेश, रविंदर तोमर, जिला प्रधान बनारसी दास, अमन कुमार मौजूद रहे।

डीएवी की छात्रा निधि नैन बनी सीआरपी में एसिसटेंट कमांडेंट

पूंडरी। डीएवी पब्लिक स्कूल पूण्डरी की छात्रा निधि नैन का केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में एसिसटेंट कमांडेंट के रूप में चयन हुआ है। स्कूल की प्राचार्य साधना बख्शी ने इस उपलब्धि पर निधि नैन, स्कूल स्टॉफ, अभिभावकों को बधाई और शुभकामना दी है। निधि नैन ने धीन बंधु सर छोटू राम साइंस एंड टेक्नोलॉजी यूनिवर्सिटि मुरथल से कैम्किल इंजिनियरिंग में पढ़ाई करने के बाद यूपीएससी की परीक्षा दी और उसमें सफलता हासिल की। उसके बाद निधि का केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल में एसिसटेंट कमांडेंट के रूप में चयन हुआ। निधि ने अपनी कामयाबी का श्रेय अपने परिवार व शिक्षकों को दिया है। प्राचार्य ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि निधि ने स्कूल के साथ-साथ अपने अभिभावकों का नाम रोशन किया है। प्राचार्य ने निधि नैन की इस उपलब्धि पर उसके अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई व शुभकामना दी है।

राज्यमंत्री ढांडा को सौंपा 21 हजार रुपये का चेक

कैथल। कोरोना वैश्विक महामारी के चलते कोरोना रिलीफ फंड के लिए मुंदड़ी के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में कार्यरत लैक्चरार खुशी राम ने हरियाणा की महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री कमलेश ढांडा को 21 हजार रुपये का चेक सौंपा। राज्य मंत्री कमलेश ढांडा ने कहा कि एक शिक्षक द्वारा अपनी निजी कमाई से कोरोना रिलीफ फंड के लिए योगदान दिया है, जोकि सराहनीय है। एक शिक्षक समाज के निर्माण में अहम भूमिका का निर्वहन करता है। अपनी डयूटी के साथ-साथ सामाजिक दायित्व का निर्वहन करते हुए किसी की मदद करना बहुत बड़ी बात है। इस अवसर पर बलवान सिंह आदि मौजूद रहे।

सत्ता के बाद संगठन भी सतविंद्र राणा के बचाव में

चंडीगढ़। हरियाणा में शराब चोरी के आरोप में सलाखों के पीछे पहुंचे जजपा नेता सतविंदर राणा के बचाव में अब संगठन भी आ गया है। आबकारी मंत्री दुष्यंत चौटाला द्वारा उनका बचाव किए जाने के बाद अब संगठन ने भी साफ कर दिया है कि उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। सतविंदर राणा लंबे समय तक कांग्रेस में रहे हैं। वर्ष 2014 में कांग्रेस से बागी होकर जब उन्होंने बसपा की टिकट पर कालका से चुनाव लड़ा तो पार्टी ने उन्हें निकाल दिया। इसके बाद पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान वह जननायक जनता पार्टी में शामिल हो गए और उन्होंने कलायत विधानसभा क्षेत्र से जजपा की टिकट पर चुनाव लड़कर करीब 37 हजार वोट हासिल किए। जजपा द्वारा उन्हें पार्टी का उपाध्यक्ष बनाया गया है। शराब चोरी के मामले में पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद दुष्यंत चौटाला साफ कर कर चुके हैं कि सतविंद्र किसी मामले में अपराधी नहीं है। जब तक कानूनी प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती तब तक कुछ नहीं कहा जा सकता। जजपा अध्यक्ष निशान सिंह ने भी दुष्यंत चौटाला के दावे पर अपनी मोहर लगाते हुए कहा कि सतविंदर राणा की संगठन में अहम भूमिका रही है। निशान सिंह के अनुसार सतविंद्र जब तक मुलाकात करके सारी जानकारी नहीं देते, तब तक उनके विरुद्ध किसी तरह की कार्रवाई का कोई मतलब नहीं बनता। जांच का निषकर्ष निकलने के बाद ही संगठन के स्तर पर कोई फैसला लिया जाएगा।

कोरोना को लेकर डरने या घबराने की जरूरत नहीं : आर्य

असंध। कोरोना वायरस को लेकर डरने या घबराने की जरूरत नहीं है। कोरोना वायरस से बचाव को लेकर सावधानियां बरतने की जरूरत है। किसान यूनियन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सेवा सिंह आर्य ने कहा कि असंध प्रशासन के अधिकारी कोरोना की जंग में सराहनीय कार्य कर रहे हैं और सशक्त कोरोना योद्धा एसडीएम अनुराग ढालिया और उनकी टीम दिन-रात मेहनत कर रही है जिनको हम सल्यूट करते हैं। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सेवा सिंह आर्य ने कहा कि संकट की घड़ी में भारतीय किसान यूनियन सरकार व प्रशासन के साथ है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि सोशल डिस्टेंसिंग का विशेष ध्यान रखें और मास्क का प्रयोग जरूर करें। आर्य ने कहा कि सरकार व प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें और प्रशासन का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि कोरोना योद्धाओं के कारण ही देश सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी से लड़ने में सफाईकर्मी, स्वास्थ्यकर्मी और पुलिसकर्मी अहम भूमिका निभा रहे हैं। आर्य ने कहा कि कोरोना को हराने के लिए पूर्ण रूप से लॉकडाउन नियमों का पालन करें और जरूरी काम के लिए ही घर से बाहर निकलें और मास्क लगाकर ही निकलें।

सुबह पुलिस कर्मी संग पी थी शराब, दोपहर को मिली मौत की खबर

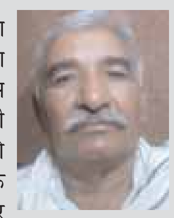

कैथल। कैथल की पंतनगर कॉलोनी में एक व्यक्ति का शव रहस्यमय परिस्थिति में बरामद हुआ है। बताया गया है कि मृतक युवक ने शनिवार को दिन में एक पुलिस कर्मचारी के साथ गाड़ी में बैठकर शराब पी थी जिसकी दोपहर बाद मृत्यु होने का समाचार परिवार वालों को मिला। मृतक के चाचा प्रेमचंद पूर्व सरपंच ने बताया कि उनका भतीजा कर्मवीर जो आरकेएसडी कॉलेज में स्वीपर है, शनिवार सुबह 10 बजे घर से निकला था। दोपहर बाद उन्हें पता लगा कि गाड़ी में उसका शव बरामद हुआ है। सिविल लाइन थाना प्रभारी प्रहलाद टीम के साथ मौके पर पहुंचे। डीएसपी कुलवंत सिंह भी सरकारी अस्पताल में पहुंच गए। थाना प्रभारी प्रहलाद ने बताया कि मृतक ने पुलिस कर्मचारी रणधीर के साथ गाड़ी में बैठकर शराब पी थी। मृतक कर्मवीर की मौत का मामला रहस्यमय बना हुआ है पुलिस मामले में जांच कर रही है। फिलहाल यह तो तय है कि कर्मवीर ने मरने से पहले पुलिस कर्मचारियों के साथ शराब पी थी लेकिन उसकी मौत किन कारणों से हुई अभी इस मामले से पर्दा उठना बाकी है।

एक स्टाफ नर्स व एक मजदूर मिला संक्रमित, आंकड़ा 134 पहुंचा

सोनीपत। उपायुक्त डॉ. अंशज सिंह ने कहा कि सोनीपत में शनिवार को कोविड-19 के दो नये पॉजिटिव केस दर्ज किये गये हैं। इनमें एक स्टाफ नर्स व एक मजदूर शामिल हैं, जिनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। इस प्रकार अब सोनीपत जिला में कोरोना वायरस के पॉजिटिव मामलों का आंकड़ा 134 हो गया है। जिला स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर उपायुक्त डा. अंशज सिंह ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बीपीएस मेडिकल कालेज खानपुर कलां की 34 वर्षीय स्टाफ नर्स कोरोना संक्रमित पाई गई है। स्टाफ नर्स को पहले ही क्वारेंटाइन किया जा रहा था। उनकी संपर्क सूची में तीन व्यक्तियों को शामिल किया गया है।

सीखंचों के पीछे पैर पसार रही महामारी

रोहिणी जेल में 15 कैदियों को कोरोना

एक स्टाफ भी संक्रमित, पहले एक कैदी के पॉजिटिव मिलने पर कराई गई थी 19 की जांच

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

रोहिणी जेल में १५ कैदी और एक जेल स्टाफ कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। १९ कैदियों की कोरोना जांच कराई गई थी. सभी को क्वारंटाइन किया गया. जेल को सैनिटाइज किया जा रहा है. बाकी कैदियों को अलग किया गया।

रोहिणी की जेल में २९ वर्षीय एक कैदी में कोरोना वायरस की पुष्टि होने के बाद उसके साथ बैरक में रहे १९ अन्य कैदियों और एक मुख्य वार्डन की कोरोना जांच कराई गई थी। रिपोर्ट आने पर १५ में संक्रमण की पुष्टि हुई है। जेल अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि दिल्ली के जेल विभाग ने उक्त कैदी के साथ बैरक में रहने वाले १९ कैदियों की जांच करवाई थी जिसके नतीजे बुधवार को आए और उनमें से १५ में संक्रमण की पुष्टि हुई। अभी तक उन सभी कैदियों और मुख्य वार्डन में कोविड-१९ के कोई लक्षण नहीं पाए गए हैं।

महानिदेशक (जेल) संदीप गोयल ने कहा, रोहिणी जेल का कैदी कुलदीप किसी अन्य बीमारी के इलाज के लिए डीडीयू अस्पताल गया था जहां उसकी जांच में कोरोना वायरस की पुष्टि हुई। इसके बाद उसके बैरक में रह रहे कैदियों की जांच करवाई थी। उनमें से 15 में संक्रमण की पुष्टि हुई। जेल के पांच कर्मचारियों की भी जांच करवाई गई थी जिसमें एक मुख्य वार्डन में कोविड-१९ की पुष्टि हुई। गोयल ने कहा कि अभी तक इन सभी में कोई लक्षण नहीं दिखे हैं। जिन कैदियों में संक्रमण पाया गया है उन्हें अन्य कैदियों से अलग आइसोलेशन में अलग बैरक में रखा गया है जबकि हेड वार्डन को होम क्वॉरंटीन में रखा गया है।

इसके अलावा कुछ अन्य कर्मचारियों को भी होम क्वॉरंटीन में भेज दिया गया है। दिल्ली की किसी जेल में कोरोना वायरस संक्रमण का पहला मामला उक्त कैदी का था। रविवार को दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में उसकी आंतों की सर्जरी हुई थी। अगले दिन डॉक्टरों ने जांच के लिए उसके नमूने लिए तो उसमें कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई। कैदी को बाद में लोक नायक अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

किराए का दबाव बना रहे 9 मकान मालिकों पर केस

नई दिल्ली। लॉकडाउन के दौरान छात्रों पर किराए के लिए दबाव बनाने के आरोप में मकान मालिकों के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने नौ प्राथमिकी दर्ज की हैं। सभी नौ मामले उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के मुखर्जी नगर थाने में दर्ज किए गए हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि छात्रों ने शिकायत की थी कि उनके पास पैसे नहीं है और मकान मालिक किराए के लिए दबाव बना रहे हैं जिसके बाद मकान मालिकों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा-188 (सरकारी अधिकारी के आदेश की अवेहलना) के तहत मामले दर्ज किए गए। मुखर्जी नगर को छात्रों को प्रशासनिक सेवा और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले कोचिंग संस्थानों के केंद्र के रूप में जाना जाता है। यहां पर अधिकतर छात्र दूसरे राज्यों के रहने वाले हैं और पीजी एवं किराए के मकानों में रहते हैं।

प्रवासी मजदूरों को लेकर दो ट्रेन रवाना

पहली ट्रेन दादरी रेलवे स्टेशन से और दूसरी दनकौर से भेजी गई

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

बिहार के प्रवासी मजदूरों को लेकर गौतम बुद्ध नगर से 2 विशेष ट्रेन शनिवार की सुबह और दोपहर रवाना हो चुकी हैं। पहली ट्रेन दादरी रेलवे स्टेशन से रवाना की गई और दूसरी ट्रेन दनकौर रेलवे स्टेशन से भेजी गई है। ट्रेनों में मजदूरों को सवार करने और जरूरी सामान देने के लिए सुबह 8:00 बजे से ही गौतम बुद्ध नगर पुलिस और प्रशासन तैयारियों में लगे हुए थे। इसके बावजूद दनकौर से बक्सर के लिए जाने वाली ट्रेन 2 घंटे लेट हो गई।

बिहार के प्रवासी मजदूरों को लेकर पहली ट्रेन दादरी रेलवे स्टेशन से सुबह 11:00 बजे औरंगाबाद के लिए रवाना की गई। इस मौके पर गौतम बुद्ध नगर के पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह और जिलाधिकारी सुहास एलवाई मौजूद रहे। सोशल डिस्टेंसिंग का ख्याल रखते हुए एक-एक मजदूर को ट्रेन में बैठाया गया।

दनकौर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में बैठे प्रवासी मजदूर। फोटो : दीपक यादव

मजदूरों के मोबाइल में आए एसएमएस को चेक किया गया। इससे पहले बसों में सवार करके सभी मजदूरों को दादरी रेलवे स्टेशन पर लाया गया था।

सुबह दादरी से 11 बजे औरंगाबाद के लिए पहली ट्रेन को निकलना था लेकिन, यह ट्रेन दोपहर 1:15 बजे रवाना हो सकी। ट्रेन करीब सवा दो घंटा लेट हो गई। इस ट्रेन से 1368 मजदूरों ने जाने के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया था। ट्रेन में केवल 968 मजदूर सवार हो पाए थे। बाद में अधिकारियों ने कुछ ऐसे मजदूरों को मेडिकल करके सवार होने की अनुमति दी जिन्होंने रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया था लेकिन, वह जाना चाहते थे।

दूसरी ट्रेन दनकौर रेलवे स्टेशन से बक्सर के लिए रवाना की गई। मजदूरों को घर भेजने की तैयारी में प्रशासन और पुलिस दो दिनों से लगे थे। स्टेशन पर 7:00 बजे से ही लोगों का आना-जाना शुरू हो गया था।

प्रदेश कांग्रेस दफ्तर शेल्टर होम में तब्दील

रहने-खाने के अलावा टिकट की भी व्यवस्था कर रही विपक्षी पार्टी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रवासी मजदूरों के रहने के लिए अपने दफ्तर को शेल्टर होम में तब्दील कर दिया है। प्रवासियों को हो रही समस्याओं को ध्यान में रखते हुए दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने यह कदम उठाया है। यहां ५० लोग रह सकते हैं। पार्टी उन्हें खाने पीने समेत सभी जरूरी सुविधाएं भी मुहैया कराएगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने बताया कि उनकी जानकारी में आया है कि कई ऐसे मजदूर हैं जिनकी दिल्ली से ट्रेन की टिकट होती है लेकिन उनके पास यहां रहने के लिए कोई ठिकाना नहीं होता। उनकी इन सब समस्याओं को ध्यान में रखते हुए पार्टी ने यह कदम उठाया है जिसके अंतर्गत प्रवासी मजदूर यहां आकर ठहर सकते हैं।

चौधरी ने बताया कि गत शुक्रवार देर शाम महाराष्ट्र के रहने वाले कुछ लड़कों के पास दिल्ली में रहने की जगह नहीं थी और उनकी रेलगाड़ी शनिवार सुबह थी। इसके बाद उन्होंने प्रदेश कार्यालय को शेल्टर होम के बदलने का फैसला किया। कल ही सभी युवा दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ऑफिस में ही रुके थे और उन्हें सभी जरूरी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई।

इस योजना के बारे में उन्होंने बताया कि जब तक प्रवासी मजदूरों की समस्या का हल नहीं हो जाता तब तक दिल्ली कांग्रेस ऐसे ही सभी मजदूरों को सहायता उपलब्ध कराती रहेगी। श्रमिकों की टिकट की समस्या को लेकर हेल्पलाइन बनाई गई है और मजदूरों को टिकट भी उपलब्ध कराया जाएगा। शुक्रवार को भी तमिलनाडु में रहने वाले कुछ मजदूरों को उनके घर भेजा गया था।

प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा भी लगातार उन्हें दिशा-निर्देश मिलते रहते हैं। वह उन्हीं का पालन करते हुए श्रमिकों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं।

पार्टी कार्यालय में प्रवासी मजदूरों को भोजन कराते दिल्ली प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार।

नल से हाथ-मुंह धोने के विवाद में युवक की हत्या, आरोपी फरार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

शाहदरा इलाके में नल से मुंह, हाथ और पैर धोने के विवाद में एक युवक की हत्या कर दी गई। क्रिकेट बैट से हमला कर इस वारदात को इंजाम दिया गया। वारदात के बाद आरोपी वहां से भाग गए। बाद में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी की पहचान नंदलाल उर्फ नंदू के रूप में हुई है। वह मूलरुप से उत्तर प्रदेश के जिला मऊ का रहने वाला है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल बैट जब्त कर लिया है। हत्या की इस वारदात को महज दो घंटे के भीतर ही पुलिस ने सुलझा लिया। डीसीपी अमित शर्मा ने बताया गत शुक्रवार को जानकारी मिली थी कि डीटीसी बस ट्रमिनल शाहदरा में एक युवक को डंडे से पीटा गया है। वारदार के बाद हमलावर वहां से भाग गए हैं। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने चालीस साल के एक शख्स को बेहोश हालत में पाया। उसके सिर पर चोट के निशान थे। उसे अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस को डीटीसी में एटीआई जयपाल चश्मदीद मिला जिसके बयान पर केस दर्ज किया गया। पुलिस को बताया गया नंदू उर्फ नंदलाल ने इस शख्स को मारा है।

नोएडा में अब तक पांच लोगों की मौत

नोएडा। कोरोना वायरस के कारण नोएडा में अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है।सेक्टर 8 में रहने वाले 65 वर्षीय एक व्यक्ति की शुक्रवार देर रात कोविड-19 के संक्रमण की वजह से ग्रेटर नोएडा स्थित राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान में मौत हो गई।

जिम्स के निदेशक ब्रिगेडियर (रिटायर्ड) डॉ राकेश गुप्ता ने बताया कि सेक्टर 8 के एक निवासी की शुक्रवार देर रात उपचार के दौरान मौत हो गई। उन्होंने बताया कि जिम्स अस्पताल में कोरोना वायरस के कारण यह तीसरी मौत है। जिला निगरानी अधिकारी सुनील दोहरे ने बताया कि कोविड-19 के संक्रमण से जनपद गौतम बुद्ध नगर में पांच लोगों की मौत हो चुकी है।

लिव इन पार्टनर की हत्या कर 5 घंटे तक शव के साथ सोया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कंझावला इलाके में युवक ने अवैध संबंधों के शक में लिव इन पार्टनर की गला घोंटकर हत्या कर दी। फिर शव के साथ ही दुष्कर्म किया। इसके बाद खुद ही थाने जाकर अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने आरोपी युवक सतपाल को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार 37 साल का सतपाल बहादुरगढ़ स्थित जूता-चप्पल फैक्ट्री में क्लर्क का काम करता था। वह अपनी पत्नी के साथ सावदा जेजे कालोनी में रहता था। इन दिनों लाकडाउन की वजह से वह घर पर ही रह रहा था। महिला के परिवार वालों ने बताया कि डेढ़ साल पहले ही दोनों ने शादी की थी। शादी के कुछ दिनों बाद से ही दोनों में झगड़ा चल रहा था। सोमवार की रात को वह शराब के नशे में धुत होकर घर आया। इस दौरान उसने पत्नी को किसी से फोन पर बातें करते हुए देखा और इसी बात पर उनका विवाद हो गया। इस दौरान उसने दुपट्टे से उसका गला घोंट दिया।

इसके बाद सतपाल ने अपनी पत्नी के शव के साथ शारीरिक संबंध बनाए। फिर करीब पांच घंटे तक शव के साथ सोया रहा।

अश्लील फोटो भेजने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज

गाजियाबाद। लिंकरोड थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी निवासी महिला के व्हाट्सएप नंबर पर एक व्यक्ति अश्लील फोटो भेज रहा है। पीड़िता के मना करने पर भी वह नहीं मान रहा। पीड़िता ने नंबर के आधार पर लिंकरोड थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

महिला का आरोप है कि उनके व्हाट्सएप पर एक नंबर से एक व्यक्ति अश्लील फोटो भेज रहा है। वह उसको नहीं जानती। उन्होंने परिजनों को मामले की जानकारी दी। व्यक्ति से कॉल कर कई बार मना किया। इससे वह मानसिक रूप से काफी परेशान है। पीड़िता ने लिंकरोड थाने में आरोपी के खिलाफ तहरीर दी है।

ऑनलाइन परीक्षा कराने के डीयू वीसी के फैसले पर बहस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- एनडीटीएफ ने आम राय के बिना निर्णय को बताया अनुचित

दिल्ली विश्वविद्यालय में ऑनलाइन परीक्षा की तैयारी का डीयू के महत्वपूर्ण परिषदों के सदस्यों ने विरोध किया है। नेशनल डेमोक्रेटिक टीचर्स फ्रंट ने इस मुद्दे पर फिर चर्चा कर उचित राह निकलने की मांग की है। फ्रंट ने इस मामले में एक पत्र भी कुलपति प्रो. योगेश त्यागी से की है।

डीयू कार्यकारी परिषद के निर्वाचित सदस्य डॉ. वी एस नेगी की अगुवाई में विद्वत परिषद व दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ कार्यकारिणी के सदस्यों ने कुलपति को लिखे पत्र में कहा है कि विश्वविद्यालय बिना चर्चा के छात्रों के विषय में कोई भी निर्णय न किया जाये। इन लोगों का कहना है कि वे भी चाहते है कि ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के नतीजे समय से आ जाये लेकिन इसके लिए कोई एक तरफा निर्णय उचित नहीं है।

रिश्वत के आरोप में हेडकांस्टेबल निलंबित

गाजियाबाद। पासपोर्ट के लिए पुलिस वेरिफिकेशन के नाम पर घूस लेने के आरोप में एसएसपी कलानिधि नैथानी ने थाना लिंकरोड में तैनात हेड कांस्टेबल महेंद्र सिंह को निलंबित कर दिया है। एसएसपी ने बताया कि आरोपित पुलिसकर्मी के खिलाफ विभागीय जांच भी की जा रही है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एसएसपी ने बताया कि बीते दिनों उन्हें एंटी क्राइम हेल्पलाइन नंबर 9454403434 पर थाना लिंकरोड क्षेत्र के सूर्यनगर निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत की थी। शिकायतकर्ता का आरोप था कि थाने से एक होमगार्ड को पुलिस वेरिफिकेशन के लिए भेजा गया था। इस होमगार्ड ने उनसे पुलिस वेरिफिकेशन के नाम पर 100 रुपये की मांग की।

सत्यापन अटकने के चक्कर में उन्होंने उस समय रुपये दे दिए और इसकी तुरंत हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत की। एसएसपी के मुताबिक आरोपों के आधार पर लिंकरोड एसएचओ शैलेंद्र प्रताप सिंह को प्राथमिक जांच दी गई थी।

एसएचओ ने अपनी जांच में प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए और एसएसपी को अपनी रिपोर्ट सौंपी। इसके आधार पर डाक मुंशी महेंद्र सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। हेड कांस्टेबल के खिलाफ विभागीय जांच सीओ साहिबाबाद डॉ. राकेश कुमार मिश्र को सौंपी गई है।

मेरठ रोड पर पैदल घर की ओर कूच करते मजदूर।

घर जाने की चाहत में मजदूर पहुंचे गाजियाबाद

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

- मंडल कमिश्नर ने किया कई जगह निरीक्षण

दो दिन से जिला और पुलिस प्रशासन के हाथ-पांव फूले हुए हैं। कारण है गाजियाबाद में अन्य जनपदों से हजारों की संख्या मे पहुंचने वाले मजदूर। मोरटा व गाजियाबाद रेलवे स्टेशन से श्रमिक स्पेशल ट्रेन चलने के बाद से विभिन्न जनपदों से पैदल चलकर हजारों की संख्या में प्रवासी श्रमिक घर वापसी की उम्मीद में गाजियाबाद पहुंच रहे हैं।

कोई अकेले तो कोई परिवार के साथ ही पैदल ही आ रहा है ताकि किसी तरह गाजियाबाद पहुंचकर वह अपने घर वापस जा सकें। जिला प्रशासन द्वारा लगातार मोरटा से श्रमिकों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया जा रहा है।

शुक्रवार को भी 63 बसों से श्रमिक यूपी के विभिन्न जिलों के लिए रवाना किए गए थे। लगातार कई दिन से यहां से श्रमिकों को रवाना किया जा रहा है। देर शाम तक श्रमिकों की सूची बनाई जाती है फिर उनकी संख्या के आधार पर बसों को भेजा जा रहा है। मजदूरों की इतनी आमद को देखते हुए जिला और पुलिस प्रशासन को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। लॉकडाउन के लिए उसके द्वारा की गईं तमाम व्यवस्थाएं ध्वस्त होती दिख रही हैं।

मेरठ मंडल कमिश्नर अनिता सी मेश्राम व आईजी प्रवीण कुमार ने इसी सिलसिले में शनिवार को गाजियाबाद पहुंचकर डीएम अजय शंकर पांडे व एसएसपी कलानिधि नैथानी से ना सिर्फ जानकारी ली बल्कि जनपद के समस्त हॉट स्पॉट एरिया, आइसोलेशन सेंटर, क्वारंटीन सेंटर का निरीक्षण भी किया।

नोएडा की कंपनी को मिला 50 हजार वेंटिलेटर बनाने का ऑर्डर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

कोरोना से जंग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वदेशी अभियान को आगे बढ़ाते हुए केंद्र सरकार ने नोएडा की कंपनी एग्वा हेल्थकेयर को कोरोना से जंग लड़ने के लिए 50 हजार वेंटिलेटर बनाने का ऑर्डर दिया है। उत्तर प्रदेश सरकार की कोशिशों से वेंटिलेटर का उत्पादन बढ़ाने के लिए मारुति सुजुकी ने इस कंपनी से हाथ मिलाया है।

नोएडा की इस कंपनी ने हर महीने 10 हजार वेंटिलेटर बनाने की क्षमता विकसित की है। पिछले दस दिनों में इस मझोले आकार की कंपनी ने 3000 वेंटिलेटर बनाकर अपनी क्षमता को सिद्ध किया है। नोएडा की यह कंपनी अभी तक साल में महज तीन सौ वेंटिलेटर बनाती थी। प्रदेश के एमएसएमई और निर्यात प्रोत्साहन विभाग के प्रमुख सचिव डा नवनीत सहगल के मुताबिक नोएडा की कंपनी एग्वा हेल्थकेयर देश में वेंटिलेटर बनाने में अग्रणी भूमिका निभाने जा रही है।

भारत सरकार ने इस कंपनी को 50 हजार वेंटिलेटर बनाने का का ऑर्डर दे दिया है। इस कंपनी ने यूपी सरकार को 240 वेंटिलेटर दे दिए हैं। कंपनी से 160 और वेंटिलेटर अगले दो दिन में यूपी सरकार को मिल जाएंगे। यह नोएडा के लिए बड़ी उपलब्धि है। नोएडा की कई कम्पनी इस क्षेत्र में शानदार काम कर रही हैं।

सोशल डिस्टेंसिंग बढ़ाने वाली डोर बेल, बिना छुए ही बजेगी

कोरोना संकट में स्कूली छात्र की उपयोगी खोज, 11वीं में पढ़ता है सार्थक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोविड-१९ के खिलाफ जंग में केवल देश के वैज्ञानिक और तकनीकी संस्थान ही योगदान नहीं दे रहे हैं बल्कि स्कूली छात्र भी बढ़ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। किसी ने एक जगह से दूसरी जगह ले जा सकने वाले वेंटिलेटर बनाए हैं तो किसी ने बिना छुए काम करने वाली डोर बेल इजाद कर दी है। शालीमार बाग के मॉडर्न पब्लिक स्कूल में पढ़ने वाले ११वीं कक्षा के छात्र सार्थक जैन ने बिना छुए ही बजने वाली दरवाजे की घंटी बनाई है।

इस डोर बेल में अल्ट्रासोनिक सेंसर लगे हुए हैं, जिसके चलते बाहर से आने वाले व्यक्ति को घंटी छूने की जरूरत नहीं पड़ती। इससे कोरोना वायरस के संक्रमण की गुंजाइश कम हो जाती है। सार्थक ने बताया कि दरवाजे की घंटी से वायरस के संक्रमण का खतरा होता है। हम सभी दिन में न जाने कितने बार इसका इस्तेमाल करते हैं। इसको इस्तेमाल करने में उतने बार घंटी को छूना पड़ता है। इससे संक्रमण फैलने की आशंका अधिक रहती है।

उन्होंने कहा कि यह घंटी 30 से 50 सेमी की दूरी के भीतर किसी व्यक्ति या वस्तु की मौजूदगी का पता लगा सकती है। इसके बाद बिना छुए यह खुद ही बज जाती है। दिल्ली में ही एमिटी इंटरनेशल स्कूल में नौवीं कक्षा के छात्र शिवम मुखर्जी ने अभय नामक हाथ में बांधने वाला फीता तैयार किया है, जिससे संक्रमण को दूर रखा जा सकता है। शिवम के अनुसार इस फीते को आसानी से कलाई में बांधा जा सकता है। इसमें सेंसर और यूवी लाइट लगी हुई है। जब इसे पहना हुआ कोई व्यक्ति किसी संक्रामक वस्तु को छूता है कि तो यह फीता यूवी लाइट और एल्कोहल से निर्मित स्प्रे से उसके हाथ को कीटाणु रहित कर देता है। यह फीता कंप्यूटर के जरिए चलता है और ऐप के माध्यम से भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अलावा, जब स्प्रे खाली हो जाए तो इसे दोबारा भरा जा सकता है। उसने उपकरण का नाम नाम अभय रखा है जिसका मतलब है निडर।

वहीं, हरियाणा में अंबाला के दो भाइयों कार्तिक और विनायक तारा ने लकड़ी से एक ऐसा वेंटिलेटर तैयार किया है जिसे एक जगह से दूसरी जगह ले जाया जा सकता है। इसे कोविड-१९ रोगियों और उनका इलाज कर रहे डॉक्टरों पैरा मेडिकल स्टाफ के बीच सोशली डिस्टेंसिंग का ख्याल रखते हुए तैयार किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

क्रॉसिंग रिपब्लिक सोसायटी को किया गया सेनेटाइज।

संत निरंकारी धर्मार्थ न्यास की पहल

गाजियाबाद। संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के सेवादारों ने शनिवार को क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र की विभिन्न सोसायटियों को सेनेटाइज किया। इस दौरान निवासियों ने इस सेवाभाव से गदगद होकर सेवादारों का तालियां बजाकर अभिनन्दन किया। इसके अलावा शहर के विभिन्न इलाकों में प्रशासन के सहयोग से खाद्य सामग्री पहुंचाने और रक्तदान का भी कार्य सेवादार पिछले डेढ़ माह से कर रहे हैं। फाउन्डेशन के सहायक प्रवक्ता सुखजिन्दर सन्धु ने बताया कि सन 2010 में बाबा हरदेवसिंह जी महाराज ने मानव कल्याण और सेवा के लिए सन्त निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन की स्थापना की थी। सदगुरू माता सुदीक्षा जी महाराज के मार्ग दर्शन में कोविड से लड़ने के लिए सेवादार कार्य कर रहे हैं।

गाजियाबाद नगर निगम रसोई में तैयार हो रहे गुड के पैकेट।

निगम ने भोजन के साथ बांटे गुड के पैकेट

गाजियाबाद। जिले के हाई-वे से दूसरे राज्यों के लिए गुजर रहे प्रवासी मजदूरों को गाजियाबाद नगर निगम ने भोजन के तैयार पैकेटों के साथ गुड के पैकेटों का भी वितरण किया, ताकि गर्मी के मौसम में उनमें उर्जा का संचार बना रहे। यह जानकारी गाजियाबाद नगर निगम के आयुक्त दिनेश चन्द ने देते हुए बताया कि गाजियाबाद नगर निगम राज्य का पहला निगम है ,जो प्रवासी मजदूरों की प्रकृति के मुताबिक उन्हें नगर निगम रसोई द्वारा तैयार भोजन के पैकेट वितरित कर रहा है। उन्होंने बताया कि गर्मी के मौसम में भोजन के साथ गुड़ का सेवन करने से गर्मी में प्यास कम लगती है और शरीर की उर्जा बनी रहती है। उन्होंने बताया कि शनिवार को 2500 भोजन के पैकेट के साथ गुड के पैकटों का भी वितरण हुआ।

पार्षद के पति को अस्पताल से मिली छुट्टी

गाजियाबाद। कोरोना संक्रमण कोई बड़ी बीमारी नहीं है। इसे दिलो-दिमाग पर हावी नहीं होने देना है। अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान मुझे पार्टी व परिवार के लोगों का जिस तरह प्यार व सहयोग मिला। उससे मैं कोरोना को हराने में सफल रहा। यह कहना है वसुंधरा सेक्टर-13 निवासी बीजेपी पार्षद आशा भाटी के पति नरेश भाटी का। राजेंद्र नगर स्थित ईएसआइसी अस्पताल से छुट्टी के बाद शुक्रवार शाम घर पहुंचे पार्षद पति नरेश का परिवार के लोगों ने तिलक कर व माला पहनाकर स्वागत किया। इस बीच स्थानीय लोगों ने भी उनका तालियां व थालियां बजाकर उत्साह बढ़ाया। नरेश भाटी का कहना है कि कोरोना वायरस का इलाज भी बुखार, खांसी और जुखाम की तरह है। डॉक्टरों की निगरानी में रहना पड़ता है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 17 मई, 2020

पांव के छालों की परवाह नहीं, चले जाते हैं मंजिल की ओर

भविष्य की चिंता में पैदल ही पलायन करने को मजबूर हैं श्रमिक, उन्हें अपनों का प्यार खींच रहा है अपनी ओर

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

गुरुग्राम की सड़क से जाते प्रवासी मजदूर।

बहुत छाले हैं उसके पांवों में, वह जरूर उसूलों पर चला होगा...। किसी शायर ने यह बहुत गहरी बात लिखी है। यह बात आज उन मजदूरों और उनके परिवारों पर सटीक बैठती है, जो अपने परिवार के भविष्य की चिंता लेकर और अपनों के बुलावे पर हिम्मत करके पैदल ही अपने घरों को निकले हुए हैं। गुरुग्राम समेत देशभर में इनके ही मजबूत हाथों से गहरी जमीन से लेकर गगनचुम्बी इमारतें खड़ी हुई हैं।

बंजर जमीन पर फसलें भी लहलहाई हैं। जिन हम फर्राटे भरते हैं, वे मजबूत सड़कें भी इनके हाथों से बनी हैं। बिना बाधा के निकलने को फ्लाईओवर भी इनके श्रम का परिणाम है। जहां दुनियाभर के लोगों का उपचार होता है, वे अस्पताल भी इन्हीं लोगों के परिश्रम से बने हैं। मतलब हर क्षेत्र में इनकी भागीदारी किसी न किसी रूप में रही है।

आज इनकी बदकिस्मती ही कही जाएगी कि ना तो वो अस्पताल ही इनके काम आ रहे हैं, जो इनके स्वास्थ्य का ख्याल रख सकें। ना वो गगनचुंबी इमारतों में इन्हें शरण मिल रही है।

बच्चों को नहीं आने देते कोई दिक्कत

इनके बच्चे कभी पैदल चलते हुए थक जाते हैं तो उन्हें कंधे पर बिठा लेते हैं और सफर जारी रहता है। कोई ब्रिफकेस पर तो कोई अन्य जुगाड़ करके बच्चों को ले जा रहा है। 21वीं सदी में चंद्रयान लांच कर चुके हमारे देश में इन प्रवासियों की यह तस्वीर हमारी व्यवस्था, हमारे विकास को धत्ता बताती है।

पांवों में चप्पलें नहीं छाले हैं

पैदल ही अपने परिवारों को लेकर अपने घरों को जा रहे इन श्रमिकों, मजदूरों के पांवों में चप्पलें भले ही ना हो, छाले जरूर हैं। किसी तरह से छालों में पट्टी, पॉलीथिन आदि बांधकर ये सफर को सुहाना बनाने का प्रयास करते हैं। यह ठीक है कि इनके पांव के छाले सफर में बाधा नहीं बन सकते। क्योंकि ये हौसले के साथ आगे बढ़ रहे हैं। इन्हें पता है कि अगर छाले देख लिए, महसूस कर लिया तो अपनी मंजिल तक पहुंचना कठिन हो जाएगा।

सड़कें इनके जरूर काम आ रही हैं

हां, एक बात जरूर है। सड़कें इनके काम आ रही हैं। जिन सड़कों पर चलते हुए ये अपने घरों की ओर बढ़ रहे हैं, उन सड़कों पर चलते हुए इनके पांव में छाले भी पड़ रहे हैं। बहुतों की गाड़ियों के रोंदे जाने से जान भी जा रही है। जिन सड़कों पर हम गाड़ियों में फर्राटा भर रहे हैं, वे सड़कें अपने निर्माणकर्ताओं के खून से लाल भी हो रही हैं। उनके शरीर की खाल से और भी प्लेन हो रही हैं। बड़ी गाड़ियों से रोंदे जाने पर तो इनका मांस भी खुर्चना पड़ता है। सरकार ने इनके लिए रेलगाड़ियां भी चलाई हैं, बसें भी चलाई हैं। व्यवस्था के नाम पर रजिस्ट्रेशन करने को कहा जा रहा है। ऐसे में इन लोगों के लिए कोई कुछ नहीं सोच रहा कि इन्हें रेल व बसें मुहैया क्यों नहीं हैं।

संक्षिप्त समाचार

शीट बेल्ट व हेलमेट ना पहनने पर 20 वाहनों के चालान

नूंह। जिले में लगातार यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरुक करती नजर आ रही ट्रैफिक पुलिस अब वाहन चलाते समय नियमों में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ सख्त नजर आ रही है। ट्रैफिक पुलिस ऐसे लोगों को चालान काट कर सबक सिखा रही है। शनिवार को ट्रैफिक पुलिस के जवानों ने नूंह के अडबर चौक पर खास तौर पर शीट बेल्ट व हेलमेट न पहनने वालों पर सिकंजा कसते हुए 20 वाहनों के चालान काटें। बता दें कि नूंह जिले में ट्रैफिक पुलिस लगातार अपनी मुहिम में लगी हुई है। लोगों को लगातार नियमों के प्रति जागरूक करने के अलावा जब लोग अपनी आदतों से बाज नहीं आ रहे तो उनके चालान काटे जा रहे हैं, ताकि वो आगे से वाहन चलाते समय नियमों का पालन करें। ट्रैफिक पुलिस की सख्ती के बाद से हादशों में भी गिरावट आई है। लॉकडाउन के समय जो लोग बिना वजह घूमने निकल रहे हैं, ऐसे लोगों पर ट्रैफिक पुलिस पैनी नजर रख रही है। शनिवार को अडबर चौक पर चालान करते समय सब इंस्पेक्टर हरी सिंह, गिर्राज, विवेक रावत, जाहिद व राशिद होमगार्ड़।

रेड़क्रास सोसायटी व वोलंटरी एसोसिएशन ने रोजेदारों को बांटा सामान

नूंह। रमजान के पवित्र महीने में नूंह के बस स्टैंड के पास रेड़क्रास सोसायटी व वोलंटरी एसोसिएशन फाउंडेशन ने मिलकर रोजेदारों को रुहअफजा, किसमिस व खजूर बांटे और सभी को लॉकडाउन की पालना करने व सोशल डिस्टेंस का ख्याल रखने के लिए जागरुक किया। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनिंदर हुड्डा ने कहा कि भारत में रह रहा प्रत्येक व्यक्ति हमारा परिवार है। हम सब मिलकर काम करेंगे तो कोरोना से जंग जीत लेंगे। उन्होंने कहा कि महामारी के इस संकट में बेसहारा व गरीबों की मदद के लिए हम आगे रहते हैं। गरीबों की मदद करने के साथ-साथ हमने रोजेदारों की सेवा करने का निर्णय लिया और उन्हें रोजा इफ्तयार के लिए सामान वितरित कर दिया। उन्होंने बताया कि रोजेदारों की सेवा में वह ईद तक लगातार कार्य करते रहेंगे। इस मौके पर मुकेश शर्मा, वीरेंद्र शर्मा, हाकमदीन, अफरोज, मुस्तकीम राज मिस्त्री यूनियन नूंह, अमन, वारिश, साजिद आदि ने तन मन धन से अपना योगदान दिया।

छूट मिलते ही सड़कों पर फर्राटे भरने लगे वाहन

सोहना। सोहना और सोहना से पलवल, बल्लभगढ़, रेवाड़ी, नूंह आदि शहरों को जाने वाली सड़कों पर वाहन फर्राटे भरने लगे है। क्षेत्र की सड़कों पर रात के समय में सड़क और रेल लाइन के निर्माण कार्यो में लगे डंपर दौड़ने लगे है। लॉकडाउन में धीरे-धीरे दी जा रही छूट से जहा बाजारों में दुकानें नियम के साथ खुलने लगी है। वहीं सोहना शहरी क्षेत्र के साथ-साथ सोहना से गुरुग्राम, दिल्ली, पलवल, नूंह, बल्लभगढ़, रेवाड़ी, अलवर को जाने वाले मार्गों पर वाहन दौड़ने लगे हैं। इन सड़कों पर रात्रि के समय में मालवाहक वाहन जैसे डंपर, ट्राला, केंटर आदि रात्रि के समय में फर्राटे भर रहे है। रात्रि समय में सड़क और रेल लाइन निर्माण कार्यों में लगे डंपर, टैंकर निर्माण सामग्री लेकर चल रहे हैं। दिन के समय में सड़कों पर लगे पुलिस बैरिकेडों पर वाहनों की जांच कम हो रही है। सोहना से जिला नूंह, पलवल, गुरुग्राम जाने वाले मार्गों पर पुलिस के लगे बैरीकेडों पर वाहनों के आवागमन पर ढिलाई बरती जा रही है। सतपाल का कहना है कि सोहना के अंबेडकर बाईपास चौक पर तैनात ट्रैफिक पुलिस को दो दिन से कम नजर आ रही है। जिसके चलते चौक से गूजरने वाले वाहन बिना रोक-टोक के चल रहे है। उन्होने बताया कि बैरिगेटों पर तैनात पुलिस कर्मी दूसरे जिलों से आने व जाने वालों वाहनों की जांच कर रही है।

गुरुग्राम से पैदल जा रहे प्रवासियों को पहनाई चप्पलें

गुरुग्राम। अगर आपके पांव में चरण पादुकाएं नहीं हैं तो आप चंद कदम नहीं चल सकते। लेकिन प्रवासियों की हिम्मत तो देखिये वे नंगे पांव भी सैंकड़ों किलोमीटर पैदल ही जाने की मुश्किलों से जिद लगाकर निकले हैं। ऐसे लोगों की इस पीड़ा को नवकल्प फाउंडेशन ने समझा और निर्णय लिया कि इन्हें चप्पलें पहनाई जाएंगी। इसकी शुरुआत शनिवार से कर दी गई। पहले राशन, भोजन, चाय आदि आवंटित करके कोरोना काल में वंचित लोगों को राहत पहुंचाने वाले नवकल्प फाउंडेशन के पदाधिकारी, वॉलंटियर चप्पलों की जोड़ियां लेकर निकल पड़े हाइवे पर। भरी दुपहरी में टीम के सदस्य जब सड़क किनारे खड़े थे तो यूपी के ऐटा के लिए युवक जा रहा था। संस्था के सदस्यों ने उसे रुकवाया। उसके पांव में घिसी हुई चप्पलें थी। एक-दो जगह से टूटी भी थी।

गुरुग्राम से 1200 प्रवासी बुलंदशहर के लिए रवाना

गुरुग्राम से यूपी के बुलंदशहर के लिए बसों से रवाना होते श्रमिक।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

जिला से शनिवार को 1200 प्रवासी नागरिक हरियाणा राज्य परिवहन की 40 बसों में सवार होकर उत्तरप्रदेश के बुलंदशहर के लिए रवाना हुए। ये बसें सिद्धरावली, सेक्टर-10, वजीरपुर तथा बजघेड़ा से रवाना हुई। इनमें से 1 बस सिधरावली, 24 बसें सेक्टर-10 व वजीरपुर तथा 15 बसें गांव बजघेड़ा से रवाना की गई।

हरियाणा सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के प्रवासी नागरिकों को अपनी राज्य परिवहन की बसों में निशुल्क बुलंदशहर भेजा जा रहा है, जहां से इन प्रवासी नागरिकों को इनके घरों तक उत्तर प्रदेश सरकार भेज रही है। सोहना की एसडीएम एवं नोडल अधिकारी डॉ. चिनार चहल ने जिला से जाने वाले प्रवासी नागरिकों को एक बार फिर से भविष्य में अच्छे स्वास्थ्य के साथ वापिस काम पर लौटने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार के सकारात्मक दृष्टिकोण से आज कोविड-19 के तहत चल रहे लॉकडाउन में प्रवासी नागरिकों को उनके गृह जिलों में परिजनों के पास भेजने की व्यवस्था नि:शुल्क की गई है। सुबह इन प्रवासी नागरिकों को पहले एकत्रित किया गया और इनकी थर्मल स्कैनिंग के माध्यम से स्वास्थ्य की जांच की गई। जिनमें कोरोना संक्रमण के लक्षण नही थे, उन्हें ही इन बसों में भेजा गया। इसके अलावा इन्हें सोशल डिस्टेंसिंग के साथ बसों में मास्क पहनाकर, पानी की बोतलें, फूड पैकेट व बिस्कुट पैकेट आदि देकर रवाना किया गया है।

श्रमिक ट्रेन से 1424 प्रवासी दरभंगा भेजे

गुरुग्राम। कोरोना महामारी के इस दौर में लॉकडाउन की स्थिति में हरियाणा सरकार द्वारा प्रवासी नागरिकों को उनके घर नि:शुल्क पहुंचाने में गुरुग्राम जिला से 6 स्पेशल ट्रेन अलग-अलग राज्यों के लिए चलाई जा चुकी हैं। जिनमें 8500 से ज्यादा प्रवासी नागरिकों को उनके घर भिजवाया जा चुका है। शनिवार को भी यहां रेलवे स्टेशन से एक श्रमिक स्पेशल ट्रेन चलाई गई, जिसमें 1424 यात्रियों को बिहार के दरभंगा के लिए रवाना किया गया। इस दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का विशेष तौर पर ध्यान रखा गया।

जिला के रेलवे स्टेशन से बिहार के दरभंगा के लिए स्पेशल श्रमिक ट्रेन रवाना की गई। रेलवे स्टेशन पर प्रवासी नागरिकों को उनके गृह जिला में रवाना करने के लिए अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई थी। पुलिसकर्मियों से लेकर, सिविल डिफेंस सहित अन्य अधिकारियों की निगरानी में यह ट्रेन रवाना की गई। बिहार के दरभंगा के लिए यह ट्रेन सुबह 11 बजे रवाना हुई। रेलवे स्टेशन पर श्रमिकों के प्रवेश से पूर्व उनकी थर्मल स्कैनिंग से स्वास्थ्य की जांच की गई और सोशल डिस्टेंसिंग के साथ साथ यह सुनिश्चित किया गया कि सभी श्रमिकों ने फेस मास्क पहने हों। प्रवासी श्रमिक अपने परिजनों से मिलने को लेकर उत्साहित थे, वहीं उनके चेहरों पर मौन संतुष्टि का भाव दिखाई दे रहा था। जाते हुए वे हरियाणा की संस्कृति और हरियाणा सरकार की ओर से की गई मदद के विचार अपने साथ जरूर लेकर गए हैं। जिला उपायुक्त अमित खत्री के मार्गदर्शन में बिहार के दरभंगा जाने वाले प्रवासी नागरिकों के सुखद भविष्य की कामना करते हुए उन्हें सुरक्षा कवच के रूप में मास्क, पानी की बोतल व बिस्कुट के पैकट देते हुए रवाना किया गया।

प्रत्येक परिवार को हर महीना एक किलो चना दाल व प्रति सदस्य पांच किलो गेहूं मिलेगा

नूंह। जिला नूंह में कोविड-19 वैश्विक महामारी से बचाव के लिए राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन हरियाणा सरकार द्वारा जरूरतमंद परिवारों को डिस्ट्रेस राशन टोकन जारी करने की प्रक्रिया आरंभ कर दी है, जिसके तहत नूंह जिला में अब तक 7539 परिवारों की डिस्ट्रेस राशन टोकन के लिए पहचान भी कर ली गई है। जिला के विभिन्न राशन डिपो पर इन टोकन की मैपिंग करते हुए पहले चरण में 1285 परिवारों के लिए निशुल्क गेहूं व दाल भी एलोकेट कर दी गई है, जिसके चलते 1285 डिस्ट्रेस राशन टोकन पर लोगों को निशुल्क गेहूं व दाल मिलेगी। गौरतलब है कि कोरोना वैश्विक महामारी से उत्पन्न हुई आपात स्थिति व लॉकडाउन की वजह से गरीब व जरूरतमंद लोगों सहित प्रवासी श्रमिकों को मई व जून माह 2020 के लिए डिस्ट्रेस राशन टोकन जारी किए जा रहे हैं।

गुरुग्राम में रखा जाएगा सभी वर्गों का ध्यान: सुरेश शर्मा

गुरुग्राम के सिलोखरा क्षेत्र में लोगों को राशन बांटते ब्राह्मण समाज के सदस्य।

गुरुग्राम। ब्राह्मण समाज ने सभी वर्गों का ध्यान रखते हुए शनिवार को दो सौ साठ परिवारों को राहत सामग्री गांव सिलोखरा में बांटी। ब्राह्मण समाज इससे पूर्व भी कई बार गांव सिलोखरा गांव में राहत सामग्री बांट चुका है। जिसमें सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है। इस आपदा की घड़ी में जिला प्रशासन के साथ सभी जन एक साथ खड़े हैं।

हरियाणा सरकार व भारत सरकार की हरसंभव सहायता पहले भी करते रहें हैं। इससे पूर्व भी ब्राह्मण समाज ने 504000 रुपये प्रधानमंत्री राहत कोष को भेज चुका युवा नेता अनमोल शर्मा ने भी अभी तक ग्यारह सौ लोगों को सुखा राशन दिया है। जिसकी चारों तरफ प्रशंसा हो रही है। इसके लिए पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश जरावता ने भी उन्हें विशेष रूप से सम्मानित किया। महासभा के पूर्व प्रधान सुरेश शर्मा, पूर्व महामंत्री कुलदीप शर्मा, पूर्व ऑडिटर राजकुमार, पूर्व सेक्रेटरी रवीन्द्र शर्मा, युवा नेता अमन शर्मा, पिंटू शर्मा सुंदर शर्मा, ब्राह्मण वेलफेयर एसोसिएशन अध्यक्ष अजय शर्मा एवं हितेंद्र पुत्र बाबूराम ने गांव में जरूरतमंदों को भोजन सामग्री बांटी।

गलत सूचना देकर मूवमेंट पास बनवाने के आरोप में एक पर केस

गुरुग्राम। लॉक डाउन में गलत सूचना देकर मूवमेंट पास बनवाने के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ पुलिस में एफआईआर दर्ज करवाई गई है। बिना परमिट प्राप्त किए बस में प्रवासी नागरिकों को ले जाते हुए पाए जाने पर भी एक अन्य एफआईआर दर्ज की गई है। मामला संज्ञान में आते ही गुरुग्राम जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की। पहली एफ आई आर शिवाजी नगर थाने में दर्ज हुई है, जबकि दूसरी एफ आईआर सेक्टर-14 के थाने में दर्जकी गई है।

सूचना के अनुसार गलत सूचना देकर मूवमेंट पास प्राप्त करके एक टैक्सी मालिक प्रवासी नागरिकों से ज्यादा पैसे लेकर उन्हें उनके गांव भेज रहा था। आरोप है कि अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) निवासी अमित कुमार सिंह अपनी टैक्सी एचआर-55 एए 3098 में प्रवासी नागरिकों को उनके गांव छोड़कर आने का काम कर रहा था। इसके लिए वह प्रवासी नागरिकों से ज्यादा पैसे ले रहा था।

कोरिडोर रेल लाइन और बोम्बे हाइवे का निर्माण कार्य शुरू

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

लॉकडाउन थ्री में सामाजिक दूरी नियम के साथ दी गई निर्माण कार्यों में छूट से केन्द्र सरकार की राष्ट्रीय स्तरीय सड़क और रेल लाइन बिछाने के विकास कार्य भी गति पकड़ने लगे है। रेवाड़ी से पलवल के बीच कोरिडोर रेल लाइन और बोम्बे हाइवे पर निर्माण कार्य शुरू हो गए है।

गुरुग्राम से सोहना के बीच सड़क निर्माण कार्य पिछले करीब 10 दिनों से चल रहा है। वहीं सोहना की सीमा क्षेत्र के अंदर से केन्द्र सरकार की दो बड़े विकास कार्यो पर निर्माण कार्य आरंभ कर दिए गए है। इन निर्माण कार्यों पर काम करने वाले कर्मचारियों की संख्या 50 फीसदी ही रखी जा रही है। ताकि सामाजिक दूरी का पालन सही तरीके से अपनाते हुए निर्माण कार्य धीरे से ही सही लेकिन गति पकड़ने लगे हैं। रेवाड़ी से पलवल जाने वाली कोरिडोर रेल लाइन बिछाने का निर्माण कार्य 26 अप्रैल से शुरू किया गया था। निर्माण का कार्य शुरू में 20 से 25 फीसदी मजदूर रखकर किया था। अब इस रेल लाइन निर्माण कार्य पर 50 फीसदी मजदूर, इंजीनियर और अन्य कर्मचारी काम कर रहे है। निर्माण कार्य में अपने अनुभव से कार्य करवा रहे इंजीनियर प्रमोद शर्मा ने बताया कि रेल लाइन का निर्माण कार्य अब धीरे-धीरे गति पकड़ता जा रहा है। उनके पास मजदूरों की कमी नहीं है। लेकिन कोरोना संक्रमण और सरकार के आदेशानुसार निर्माण कार्य चल रहा है।

बोम्बे हाइवे पर कार्य शुरू

इसी तरह से सोहना के गांव बेरका, सिरसका, लोहटकी, दौला, खरौदा व बालूदा की सीमा क्षेत्र से जा रहा बोम्बे हाइवे का निर्माण कार्य भी गति पकड़ने लगा है। गांव बालूदा निवासी दलेर यादव ने बताया कि उनके खेतों के पास से हाइवे मार्ग जा रहा है। जिस पर मिट्टी डालने से लेकर कही-कही रोढ़ी बिछाने का कार्य भी चल रहा है। उन्होंने बताया कि दिन प्रति दिन मार्ग के निर्माण में लगी मशीनरी और मजदूरों की संख्या बढ़ रही है।

स्वास्थ्य क्षेत्र एवं मानवता में नर्सों का योगदान महत्वपूर्ण और अतुलनीय: मधुमिता ढल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

स्वास्थ्य क्षेत्र में कैंसर ऐसा रोग है, जहां नर्सों का काम, उनका योगदान, उनका अस्तित्व कहीं अधिक कठिन है। नर्सों के योगदान और उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए, राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एवम् रिसर्च सेंटर (आरजीसीआईआरसी) ने 'नर्स वीक' का आयोजन किया है। सप्ताहभर चलने वाले इस कार्यक्रम में आरजीसीआईआरसी के मैनेजमेंट, डॉक्टर, नर्स, स्टाफ एवं अन्य अभिव्यक्तियों संग चर्चा, वार्ता, प्रस्तुति, प्रश्नोत्तरी, सहित विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से नर्सों के कार्य एवं उनके योगदान को सेलीब्रेट किया जाएगा। सरकार द्वारा जारी गाइडलाइंस का अनुपालन करते हुए इसका आयोजन ऑनलाइन किया गया है।

नर्सवीक के दौरान वेबीनार, डिबेट एवं ज्ञानवर्धक सत्रों के बीच मजेदार प्रश्नोत्तरी सत्र, पोस्टर प्रेजेन्टेशन आदि का आयोजन किया जायेगा। सत्रों के दौरान नर्सों को बेहतर जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित करने की विभिन्न पहल, उनकी समस्याओं, उनके हल, आदि केन्द्र रहेंगे। इसके साथ-साथ आरजीसीआईआरसी के वरिष्ठ मैनेजमेंट ने नर्सों को प्रोत्साहित करने के लिए उनकी हौसला अफजाई करते सकारात्मक व प्रेरित करने वाले विडियो संदेश जारी किये हैं।

डीएस नेगी (सीईओ, आरजीसीआईआरसी) ने कहा, हम हर वर्ष स्वास्थ्य सेवा की दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण योगदान करने वाली नर्सों के लिए नर्सिकॉन का आयोजन करते हैं। इस वर्ष कोविड-19 के चलते हमने इसे ऑनलाइन आयोजित किया है। नर्सों के बिना कोई व्यक्ति सहज निष्पादन के बारे में नहीं सोच सकता है। नर्सों का योगदान एक डॉक्टर या मरीज के परिवार से भी अधिक है, क्योंकि सभी चुनौतियों के बावजूद वे अपना शत-प्रतिशत देती हैं। उन्होंने नर्सिंग क्षेत्र को मजबूत करने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि हमें लोगों को उचित स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान करने और उनके जीवन स्तर में सुधार करने और इस तरह के शिक्षित कार्यक्रमों को जारी रखने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के बारे में बात करते हुए ले. कर्नल मधुमिता ढल्ल, चीफ ऑफ नर्सिंग, ने नर्सों के अंतहीन योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा 'नर्स हमारे देश की लाइफलाइन हैं। देश को स्वस्थ रखने में नर्सिंग समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका है, वह एक मरीज की मदद कर रही है, साथ ही गंभीर बीमारी से लड़ने में वह एक राष्ट्र निर्माता है। चौबीसों घंटे बिना रुके, बिना थके काम करने वाली इन नर्स को हमारा सलाम है।

मेहनत लाई रंग, न्यू कोट ड्रेन में सफाई का कार्य हुआ शुरु

मेवात कारवां एवं एक्सन एड संस्था ने उठाई थी आवाज

नूंह। लगातार क्षेत्र के लोगों की प्रमुख मांगों को उठाने वाले मेवात कारवां एवं एक्सन एड सामाजिक संस्था की मेहनत से पुन्हाना के दर्जनभर गावों से होकर निकलने वाली न्यू कोट ड्रेन में करीब दस साल बाद सफाई का कार्य शुरु हुआ है। किसानों की परेशानी को देखते हुए मेवात कारवां एवं एक्सन एड के सदस्यों ने मिलकर न्यू कोट ड्रेन की सफाई करवाकर पानी छुडवाने की मांग को कई बार प्रमुखता से उठाया और इस सिलसिले में चंडीगढ़ बैठे अधिकारियों से भी मुलाकात की।

संगठन के चीफ असफाक आलम व मानव अधिकार रक्षक मंच के संयोजक तोसिफ खान बीसरु ने बताया कि पुन्हाना क्षेत्र से होकर जाने वाली न्यू कोट ड्रेन करीब दस सालों से बंजर अवस्था में थी। जिसमें पानी नहीं आता था और किसानों को सिंचाई के समय भारी कठिनाइयों से गुजरना पड़ रहा था। जब यह मामला मेवात कारवां संगठन के सद्स्यों के पास पहुंचा तो उन्होंने सीएम विंडो से लेकर हर जगह इस आवाज को प्रमुखता से उठाया। तोसिफ खान ने बताया कि इस समस्या की ओर यहां के नेताओं का तनक भी ध्यान नहीं था। उन्होंने बताया कि आखिरी समय संस्था के सभी सदस्यों ने इस मामले को लेकर चंडीगढ़ पहुंच कर संबंधित अधिकारियों को एक ज्ञापन सौंपा था। जिस पर अमल हुआ और न्यू कोट ड्रेन की सफाई शुरू हो गई, जिससे लोगों को ड्रेन में जल्द पानी आने की आस है।

ब्लैकबक ने ट्रक ड्राइवरों के लिए 50 करोड़ का कोविड 19 राहत कोष और यात्रा बीमा की घोषणा की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत के सबसे बड़े ऑनलाइन ट्रकिंग प्लेटफॉर्म ब्लैकबक ने आज माल परिवहन में तेजी और लॉजिस्टिक्स इंडस्ट्री को वापस पटरी पर लाने के लिए कई विशेष प्रयासों की घोषणा की। ब्लैकबक ने पूरे देश में ट्रकों और सामानों का परिवहन शुरू करने और लॉकडाउन में टूटी सप्लाई चेन दोबारा कायम करने के लिए मूव इंडिया पहल की है। मूव इंडिया पहल के तहत कंपनी इस बीच कोई कमीशन नहीं लेगी ताकि ट्रक कारोबारी इसके प्लैटफॉर्म से जुड़ें और फिर से कारोबार शुरू करें। साथ ही, ब्लैकबक ने सुरक्षा के कई उपाय किए हैं जैसे डायरेक्ट मनी ट्रांसफर (डीएमटी) और ट्रिप इंश्योरेंस ताकि दूसरी पंक्ति के कोरोना योद्धाओं, ट्रक ड्राइवरों को मदद और सुरक्षा मिले क्योंकि वे भारतीय अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने की बड़ी जिम्मेदारी निभाने वाले हैं।

मूव इंडिया की पहल से 10 लाख से अधिक ट्रकों के साथ 50,000 से अधिक फ्लीट मालिकों को मांग की जानकारी होगी तथा कई अन्य सेवाएं मिलेंगी जैसे कि फास्टैग, जीपीएस और फ्यूल कार्ड। कमीशन नहीं लिए जाने से ट्रक मालिकों को हर ट्रिप पर 2,000 से 3,000 रुपये का अतिरिक्त लाभ होगा। कई बड़े ट्रक फ्लीट मालिकों के लिए केवल इस इंसेंटिव से लाखों की कमाई होगी। इससे पूरी तरह कार्य परिचालन शुरू करने का उनका हौसला बुलंद होगा। इतना ही नहीं पूरी लॉजिस्टिक्स इंडस्ट्री को वापस पटरी पर लाने के इस प्रयास के साथ कम्पनी ने अपने प्लैटफॉर्म का विस्तार कर छोटे ट्रांसपोर्टरों, मंडी के विक्रेताओं और वितरकों (जो वर्तमान में ब्लैकबक प्लेटफॉर्म का हिस्सा नहीं हैं) के लिए भी कमीशन माफ करने का निर्णय लिया है।

बीमार ट्रक ड्राइवरों को राहत में 50,000 का डीएमटी

ब्लैकबक अपने ड्राइवर पार्टनरों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। कम्पनी ने ड्राइवर पार्टनरों लिए 50 करोड़ रुपये का कोविड 19 राहत कोष बनाया है ताकि ड्यूटी के दौरान कोविड 19 होने पर उन्हें इसका लाभ मिले। बीमार ट्रक ड्राइवरों को राहत में 50,000 रुपये का डायरेक्ट मनी ट्रांसफर (डीएमटी) किया जाएगा। प्रभावित ट्रक ड्राइवरों के ब्लैकबक से संपर्क करने के लिए कम्पनी का मुफ्त हेल्पलाइन भी है। कंपनी हर ट्रिप पर नि:शुल्क बीमा देगी जिसमें किसी दुर्घटनावश अस्पताल में भर्ती होने पर 50,000 रुपये तक का खर्च और दुर्भाग्य से ड्राइवर की मृत्यु हो जाए या स्थायी विकलांगता हो जाए तो उसके परिवार को तीन लाख रुपये मिलेंगे। ब्लैकबक के के फाउंडर और सीईओ राजेश याबजी ने कहा, सरकार के ट्रक परिवहन दोबारा बहाल करने के साथ हमारी मूव इंडिया पहल का मुख्य उद्देश्य फ्लीट मालिकों को प्रोत्साहन और हमारे ड्राइवर पार्टनरों को सुरक्षा प्रदान कर ट्रकों को सड़क पर वापस लाना है। लगभग 2 महीनों के लॉकडाउन के बाद हमारी अर्थव्यवस्था के लिए सबसे जरूरी तत्काल लॉजिस्टिक्स सेक्टर को पुनर्जीवन देना है ताकि फसल कटनी के सीजन में देश की स्थिति सुधारने में मदद मिल।

गर्भवती समेत चार पॉजिटिव, दो नेगेटिव

कोरोना का कहर जारी

जिले में अब तक 144 पॉजिटिव, पांच मौत 77 नेगेटिव

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना पॉजिटिवों की संख्या का आंकड़ा आये दिन बढ़ता जा रहा है। शनिवार देर शाम तक चार नए कोरोना पॉजिटिव मरीज पाये गए हैं। साथ ही राहत यह भी है कि होम आईसोलेशन पर रह रहे पांच मरीजों में से दो की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। जिस पर उनको स्वास्थ्य विभाग ने स्वस्थ्य घोषित कर दिया है। इसमें एक गर्भवती और एक बच्चा शामिल है। बल्लभगढ़ सिविल अस्पताल के एसएमओं डॉ. मान सिंह ने बताया कि उनके यहां कोरोना पॉजिटिवों के सम्पर्क में आने वाले 87 लोगों के सैम्पल लिये गए है। बीके अस्पताल की तरह बल्लभगढ़ में भी काफी लोग जांच को आ रहे है।

मंडी से भी मिल रहे मरीज

शुक्रवार देर रात डबुआ मंडी को 12 बजे सील कर दिया गया था। मंडी से शनिवार सुबह दो लोग पॉजिटिव पाए गए हैं। जिसमें एक पॉजिटिव पहले से सील की गई आढ़त से सामने आया है। शनिवार को पॉजिटिव पाये गए 26 व 29 वर्षीय व्यक्तियों का संबंध डबुआ मंडी की एक आढ़त से ही बताया जा रहा है। इनमें वायरस का संक्रमण पीड़ित के सम्पर्क में आने से हुआ है। इसके अलावा पिछले दिनों कोरोना संक्रमण के कारण मरने वाले सेक्टर-16 स्थित निजी लैब के सुरक्षाकर्मी के सम्पर्क में आने से 55 वर्षीय महिला के कोरोना पॉजिटिव आने की पुष्टि शनिवार को विभाग ने की है। वहीं पर्वतिया कालोनी निवासी 25 वर्षीय गर्भवती महिला को भी पॉजिटिव घोषित किया गया है। फिलहाल उसे संक्रमण कहा से लगा, इसका पता लगाया जा रहा है। वहीं इन सभी को ईएसआइसी मेडिकल कॉलेज मे भर्ती कराया गया है।

ये हैं आंकड़े

नोडल अधिकारी डा. रामभगत ने बताया कि जिले में अब तक 7578 यात्रियों को सर्विलांस पर लिया जा चुका है, जिनमें से 1728 लोगों का निगरानी में रखने का 28 दिन का पीरियड पूरा हो चुका है। शेष 5845 लोग अंडर सर्विलांस हैं। कुल सर्विलांस में रखे गए लोगों में से 7434 होम आइसोलेशन पर हैं। अब तक 6673 लोगों के सैंपल लैब में भेजे गए थे, जिनमें से 5845 की नेगेटिव रिपोर्ट मिली है तथा 684 की रिपोर्ट आनी शेष है। अब तक 144 लोगों के सैंपल पॉजिटिव मिले हैं, जिनमें से 59 लोगों को अस्पताल में दाखिल किया गया है तथा तीन पॉजिटिव मरीजों को घर पर आइसोलेट किया गया है। इसी प्रकार ठीक होने के बाद 77 मरीजों को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। अब तक पांच मरीजों की मौत हो चुकी है।

कंटेनमेंट जोन की संशोधित सूची में बढ़े कई इलाके

फरीदाबाद। जिलाधीश यशपाल ने फरीदाबाद जिला में कंटेनमेंट जोन की सूची संशोधित की है, जिसके तहत नए क्षेत्र कंटेनमेंट जोन में शामिल किए हैं। इन कंटेनमेंट जोन में जिला प्रशासन, हरियाणा सरकार व केंद्र सरकार द्वारा जारी सभी हिदायतें लागू होंगी। जिला संकट समन्वय समिति की बैठक में हाल ही में जिन क्षेत्रों में कोरोना पॉजीटिव के नए मामले सामने आएं हैं, उन एरिया में नए कंटेनमेंट जोन बनाने का निर्णय लिया गया था।

जिलाधीश ने बताया कि कंटेनमेंट जोन की सूची में शिव दुर्गा विहार, पलवली गांव, डबुआ कालोनी, सेक्टर-88 स्थित एफ ब्लॉक, चावला कालोनी स्थित डी ब्लॉक, एनआईटी-1 स्थित ब्लॉक-ए, बी, सी, गांव बड़खल एवं अनखीर, सेक्टर-28, बाढ़ मोहल्ला ओल्ड फरीदाबाद, ब्लाक-बी जवाहर कालोनी, मुजेसर, ग्रीन फील्ड कालोनी को शामिल किया है। संजय कालोनी, सेक्टर-23 का मकान नंबर-एमसीएफ 9470, गली नंबर 294, 295 नजदीक गौंछी ड्रेन, एमसीएफ-9491, गली नंबर 295, दुकान नंबर 8810 नजदीक गली नंबर 285 और प्लॉट नंबर एफ-12 वर्कशाप एरिया को कंटेनमेंट जोन नंबर-13 बनाया है। कंटेनमेंट जोन-14 में सेक्टर-23ए व संजय कालोनी में मकान नंबर-1235, मकान नंबर-1648, म.नं.-1353 सेक्टर-23ए तथा दुकान नंबर-48 गली नंबर 8 व दुकान नंबर 13 गली नंबर 3, संजय कालोनी का एरिया शामिल किया है। कंटेनमेंट जोन-15 में प्लाट नंबर 1136 से 1145, 1520 से 1563, 1886 से 1961, 1962 से 1965, 2028 से 2031, 2032 से 2041, 2079 से 2087, 2935 से 2937, 2980 से 2982, सेक्टर 62 का क्षेत्र शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि कंटेनमेंट जोन-16 में आदर्श कालोनी नजदीक मुल्ला होटल के क्षेत्र में दुकान नंबर जे-1 शामिल किया गया है।

प्राईमरी के बच्चों से भी वसूली जा रही फीस, दी शिकायत

फरीदाबाद। फीस के चक्कर में स्कूल प्रबंधक प्रेप, नर्सरी, एलकेजी व प्राइमरी क्लास के छोटे बच्चों को ऑनलाइन क्लास व होमवर्क देकर उनके स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं रहे हैं। हरियाणा अभिभावक एकता मंच ने इसकी शिकायत राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग व चेयरमैन सीबीएसई से की है। मंच के जिला सचिव डॉ. मनोज शर्मा ने बताया कि वैसे तो मोबाइल के 2 इंच की स्क्रीन पर किसी भी क्लास की ऑनलाइन पढ़ाई कराना बच्चों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करना है। लेकिन 3 से 6 साल के बच्चों को भी इस तरह की ऑनलाइन क्लास व होमवर्क देना पूरी तरह से अमानवीय है। मंच को कुछ निजी स्कूलों के अभिभावकों ने बताया है कि उनके छोटे बच्चों का शिक्षा सत्र 2020-21 में दाखिला अक्टूबर 2019 में ही कक्षा नर्सरी, एलकेजी में हो गया था जिसकी एवज में उन्होंने हजारों रुपए एडवांस में स्कूल वालों को दिए थे जिसमें अप्रैल-मई-जून 2020 की भी फीस भी शामिल थी।

प्रवासी मजदूरों को बांटा भोजन और मास्क

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में जरूरतमंद मजदूर भोजन और अन्य आर्थिक सहयोग न मिलने के कारण अपने घरों को जाने को मजबूर हो गए है। ऐसे में भूख प्यास से लाचार मजदूरों की सहयता का बीड़ा भारतीय जनता पार्टी चिकित्सक प्राकोष्ठ के जिलाध्यक्ष डॉक्टर दिनेश गुप्ता व डॉ. अतुल अग्रवाल सचिव नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन ने उठाया। उन्होंने शनिवार को प्रवासी मजदूरों को बल्लभगढ़ के अंबेडकर चौक पर भोजन के पैकेट, मास्क व सेनीटाइजर का वितरण किया। उन्होंने कहा कि जिस संख्या में प्रवासी मजदूर यहां से पलायन कर रहे हैं, यह बड़े दुख की बात है। इन सब बातों का ध्यान में रखते हुए यह कार्य किया गया। साथ ही इन लोगों से न जाने की अपील की गई। लोगों को विश्वास दिलाया गया कि इस दुख की घड़ी में हम सभी आपके साथ हैं।

घोटाला: बहाल हुए कर्मियों को पदोन्नति मिलेगी

वेतन वृद्धि देर में

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

गुरूग्राम और फरीदाबाद में आठ साल पहले हुए पिलर बॉक्स घाटाले में शामिल अधिकारियों व कर्मचारियों को विभागीय जांच में बहाल कर दिया गया है। इसके बाद अधिकारियों की पदोन्नति तो हो सकेगी, मगर एक साल तक वेतन वृद्धि नहीं होगी। इससे अधिकारियों ने राहत की सांस ली है। हालांकि घोटाले में शामिल कुछ अधिकारियों के मामले अदालत में विचाराधीन है।

यह थी योजना

सरकार ने बिजली चोरी रोकने के लिए 2012 में पिलर बॉक्स योजना शुरू की थी। इसके तहत एक बॉक्स में एक साथ 10 से 12 बिजली मीटरों को लगाकर उसे बंद करना था। ताकि मीटरों में कोई छेड़छाड़ न कर सके। मीटर बाहर आने से सही रीडिंग ली जा सकेगी और उपभोक्ता के घर में मौजूद न होने का बहाना भी खत्म हो जाता। पिलर बॉक्स के साथ रबड़युक्त तारें डाली जानी थी, इससे बिजली चोरी पर भी अंकुश लगता। बिजली निगम को हर साल चोरी व लाइन लॉस की वजह से हो रहे करोड़ों रुपए के नुकसान को कम किया जा सके। यह योजना ट्रायल बेस पर सर्कल में शुरू की गई थी। इसके परिणाम देखने के बाद इसे पूरे जिले में लागू किया जाता।

यह थी शिकायत

ज्ञात हो कि मार्च 2014 में ग्रामीण, स्लम क्षेत्रों में बनने वाले नये प्लॉटों और मौजूदा घरों के लिए अलग से बिजली नेटवर्क बनाने की योजना बनाई गई थी। जिसके लिए तीन निजी कंपनियों समेत कई छोटी छोटी कंपनियों को ठेका दिया गया था। लेकिन अक्टूबर 2013 में इन कंपनियों को लेकर एक आरटीआई कार्यकर्ता ने इस योजना में घोटाले की शिकायत सरकार से थी।

57 निलंबित हुए बहाल

घोटाला सामने आने के बाद निगम ने 57 अधिकारी और कर्मचारियों को निलंबित कर दिया था। इसमें अधीक्षण अभियंता, कार्यकारी अभियंता, एसडीओ, जेई और फोरमैन भी शामिल थे। करीब पांच साल इनमें कई कार्यकारी अभियंता और एसडीओ को बहाल कर दिया गया था। इस दौरान निगम ने अधिकारियों की पदोन्नति और वेतन वृद्धि पर विभागीय जांच पूरी होने तक रोक लगा दी गई है।

अधिकारी का वर्जन

बिजली निगम के अधीक्षण अभियंता नरेश कक्कड़ ने बताया कि इस जांच घोटाले के 57 निलंबितों में से कई अधिकारियों और कर्मचारियों को जांच में पहले ही बहाल कर दिया गया था। पदोन्नति और वेतन वृद्धि पर रोक जरूर विभाग की ओर से थी। अब पदोन्नति और वेतन वृद्धि पर से भी रोक हटा दी गई है, मगर वेतन वृद्धि एक साल बाद हो सकेगी।

2014 में रोका काम

जांच में गड़बड़ी सामने आई। आरोपी कंपनी द्वारा गुड़गांव-फरीदाबाद समेत दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के नौ सर्किलों में काम किया गया था। कंपनी का नाम सामने आते ही बिजली निगम ने कंपनी द्वारा किए जा रहे काम को (योजना को जनवरी वर्ष 2014 में) बंद कर दिया गया था। जांच में पाया गया था कि कंपनी का माल बिना अधिकारियों के निरीक्षण के लगाया गया था। उपयोग सामान की क्वालिटी घटिया थी। जांच में करीब 150 करोड़ के घोटाले की बात सामने आई थी।

संक्षिप्त समाचार

1500 खिलाड़ियों ने लिया ऑनलाइन चैस टूर्नामेंट में हिस्सा

फरीदाबाद। चैस एसोसिएशन फरीदाबाद द्वारा श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी के सौजन्य से ओपन स्पोर्टिफी सवसु ऑनलाइन चैस टूर्नामेंट 13 मई को आयोजित किया गया। जिसका परिणाम 15 मई को निकलना था। श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी ने 10 हजार इनामी राशि स्पांसर की थी और इस टूर्नामेंट में 1500 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। यह प्रतियोगिता ओपन थी, जिसका मकसद था फिट इंडिया हेल्थी इंडिया। इसमें कोई बी एंट्री फीस चैस एसोसिएशन द्वारा नहीं ली गई। जिसमें 55 इनाम थे। इसमें इंडिया, इंडोनेशिया, नेपाल, यूनाइटेड स्टेट अमेरिका, सेरेबिआ, पेरू, जॉर्जिया, रूस, उज्बेकिस्तान आदि देशों के खिलाड़ियों ने भाग लिया था। इसमें बॉयज केटेगरी मई रूस के अर्टेमोदगांव प्रथम स्थान पर रहे एंड गर्ल्स केटेगरी में रूस की सुरेना संवानोवा प्रथम स्थान पर रही। लीचेस रेटिंग 1600 केटेगरी में राजर्षि दत्ता इंडिया, वेस्ट बंगाल से प्रथम स्थान पर रहे। कैटेगरी 1601-1800 में दीप्त यंदेय वेस्ट बंगाल, इंडिया से प्रथम स्थान पर रहे। केटेगरी 1701-2000 मई ज्ञान सिंह, दिल्ली इंडिया से प्रथम स्थान पर रहे। कैटेगरी 2001-2200 में दिनेश राजन चेन्नई, तमिलनाडु, इंडिया से प्रथम स्थान पर रहे। हरियाणा से अर्श प्रीत सिंह डीसीसूरी एंड गर्व गौर टॉपर पर रहे। चैस एसोसिएशन के प्रधान नवनीत चौबे एंड श्री विश्वकर्मा स्किल यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधत्व ज्योति राणा एंड अन्य अधिकारियों ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया। खिलाड़ियों को पेटिएम, फोनपे आदी के जरिये दिए जायेंगे। बाकि कई खिलाड़ियों को उनकी रैंक के हिसाब से प्राइज वितरित किये जायेंगे।

जेल के कोरोना योद्धाओं का किया स्वागत

फरीदाबाद। जिला सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दीपक गुप्ता के दिशा निर्देशानुसार व मंगलेश कुमार चौबे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फरीदाबाद की देखरेख में पैनल अधिवक्ता रविंद्र गुप्ता, राजेंद्र गौतम, रामवीर तंवर, ओम प्रकाश सैनी व शिवकुमार द्वारा जिला कारागार में जेल सुपरिंटेंडेंट संजीव कुमार, डिप्टी सुपरिंटेंडेंट रमेश कुमार, संदीप कुमार, सचिन कुमार, रोहन हुड्डा व अन्य कर्मचारियों का कोरोना योद्धाओं के रूप में फूल माला पहनाकर व ताली बजाकर उनका स्वागत किया गया। क्योंकि इन सभी ने महामारी के इस दौर में जेल के करीब 2500 कैदियों को हाथ धोने और सोशल डिस्टेंसिंग तरीका सिखाने के साथ ही साबुन और सेनिटाइजर उपलब्ध करवा कर उन्हें महामारी से बचाने का सरहानीय कार्य किया है। कारागार के बंदियों को इस महामारी से बचाने में सुपरिटेंडेंट जेल संजीव कुमार का विशेष योगदान रहा है

आरडब्ल्यूए ने 110 जरूरतमंदों को दिया राशन

फरीदाबाद। सेक्टर तीन रेजिडेंट वेलफेयर फेडरेशन के शनिवार को 110 जरूरतमंद दिहाड़ीदार गरीब मजदूर परिवारों को सुखा राशन वितरित किया। मजदूरों को दी गई राशन किट में पांच किलो आटा, तीन किलो चावल, आधा किलो दाल व आधा लीटर सरसों का तेल शामिल था। इस अवसर पर फेडरेशन के प्रधान सुभाष लांबा व सचिव रतनलाल राणा ने कहा कि फेडरेशन सेक्टर में रहने वाले किसी भी गरीब मजदूर को भूखा नहीं मरने देगी। मंगलवार को दोबारा फिर सुखा राशन वितरण किया जाएगा। शनिवार को राशन वितरण का कार्य फेडरेशन के पदाधिकारी व गणमान्य नागरिक सुभाष लांबा, रतनलाल राणा, राजेंद्र भाटी, धर्मपाल चहल, एसपी उपाध्याय, चौधरी देवी सिंह, मनीश बत्रा, सतेन्द्र शर्मा, परवीन, धर्मवती, अशोक शर्मा, गोपाल गुप्ता, जेपी गर्ग, धूम सिंह राधव, अभिषेक शर्मा, प्रमोद राणा, रामफल शर्मा, मास्टर प्रदीप कुमार, दिनेश कुमार, गरजन चौहान, सत्यम, सुरज, सन्नी व अन्नु ने किया।

आग के कारण फोन हुए ठप

फरीदाबाद। सेक्टर-15ए स्थित भारतीय संचार निगम लिमिटेड के टेलिफोन एक्सचेज में आग लगने के परिणामस्वरूप जिले में दूरभाष व्यवस्था ठप्प हो गई। जिससे फरीदाबाद नगर निगम के द्वारा स्थापित किये गये नियंत्रण कक्ष के फोन नंबर 0129-2515549 और 0129-2411664 भी ठप्प हो गये हैं। डा. यश गर्ग के निर्देश पर निगम प्रशासन ने जनहित में एक वैकल्पिक व्यवस्था करते हुए नियंत्रण कक्ष के दूरभाष नंबर-0129-2415549 और 0129-2411664 ठीक होने तक जलभराव, सीवर ओवरफलो और नगर निगम से संबंधित अन्य शिकायतों की सूचना प्राप्त करने के लिए एक मोबाईल नम्बर 9716677401 नम्बर जारी किया है। निगम के जन संपर्क अधिकारी रतन लाल रोहिल्ला ने देर सायं जारी एक प्रैस विज्ञप्ति में यह जानकारी देते हुए बताया कि आम नागरिक मोबाईल नं. 9716677401 पर प्रात: 9 बजे से सायं 5 बजे तक जलभराव, सीवर ओवरफलो और नगर निगम से संबंधित अन्य शिकायतों की सूचना दे सकते है, जिससे कि इन समस्याओं का निवारण हो सकें।

प्रथम वर्षगांठ तक नहीं मिला लीजा के परिजनों को न्याय

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में 17 मई 2019 का दिन इतिहास में काला दिन बन गया है। इस दिन सेक्टर-3 में अपनी पत्नी व दो बच्चों सहित रहने वाले सरकारी स्कूल में अध्यापक भगवान दास के घर की खुशियों को ग्रहण लग गया था। उनकी बेटी लीजा को उनके ही घर में उस समय निमर्म तरीके से मौत के घाट उतार दिया था। जब वह अपने घर में अकेली थी। लीजा कक्षा 12 वीं पास करने के बाद डाक्टरी की पढाई करने की तैयारी कर रही थीं। लीजा के पिता का सपना था कि उनकी बेटी डाक्टर बनकर देश की सेवा करें।

मगर यह सपना अधूरा ही रह गया, क्योंकि सेक्टर 3 के ही पास रहने वाले आकाश पुत्र कृष्ण कुमार ने उनके घर में घुसकर लीजा को बेट से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया था। उस बेरहम कातिल ने लीजा पर धारदार हतियार से कई बार किए थे। इस घटना ने फरीदाबाद ही नहीं पूरे हरियाणा में हलचल मचा दी थी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को समझते हुए तुरंत कार्यवाही की और आरोपी को पकड़ लिया था। जो अब तक नीमका जेल में बंद है। पीडित पिता भगवान दास ने नम आंखों से अपनी बेटी को भावभीनी श्रद्धाजंलि देते हुए बताया, जब उनको यह सूचना मिली थी, उनके जीवन में भूचाल सा आ गया था। वह आज-तक अपनी बेटी के खून से लथपथ शव को भुला नहीं सके हैं। कोई भी पिता इस तरह की घटना को ताउम्र भुला भी नहीं सकता। बतौर शिक्षक लीजा के माता-पिता ने अपने बच्चों को हमेशा देश की सेवा करने की प्रेरणा दी है।

निजी कंपनी के सहयोग से गरीबों को उपलब्ध करवाया राशन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

प्रदेश रेडक्रास सोसायटी की वाइस चेयरपर्सन सुषमा गुप्ता ने आज यहां सेक्टर-12 के सेंट्रल पार्क में फिन एंड ब्लैकरॉक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 200 परिवारों के लिए उपलब्ध कराया सूखा राशन व हरी सब्जियां वितरित कीं। इस अवसर पर जिला रेडक्रास सोसायटी के सचिव विकास कुमार व फिन एंड ब्लैकरॉक कंपनी के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे। सोशल डिस्टिसिंग का पूरा ख्याल रखते हुए कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा सभी को हैंड सेनिटाइजर व ग्लव्स वितरित किए गए। इस बेहतरीन कार्य की सभी उपस्थित जनों ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। कंपनी के पदाधिकारियों ने कहा कि वे समस-समय पर जरूरतमंदों की मदद को कार्य करते रहते हैं और भविष्य में भी रेडक्रॉस के माध्यम से जहां भी जरूरत होगी इसी तरह राशन व अन्य सहायता मुहैया कराते रहेंगे।

मृतकों के 25 और घायलों को 15 लाख दे सरकार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सीटू जिला कमेटी फरीदाबाद ने उत्तर प्रदेश के औरैया, लखनऊ, कानपुर रोड में हुए अलग अलग सड़क हादसों और मध्य प्रदेश के छतरपुर में हुए सड़क दुर्घटना में दर्जनों मजदूरों की दर्दनाक मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने प्रशासन से घायलों को अस्पताल में भर्ती करके उनका समुचित इलाज करने की मांग की। सीटू जिला कमेटी ने इन हादसों में मारे गए मजदूरों के परिजनों को 25 लाख का मुआवजा और घायलों को 15 लाख का मुआवजा देने की मांग की। सीटू के जिला प्रधान निरंतर पराशर एवं जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह डंगवाल ने केंद्र और राज्य सरकारों पर पलायन कर रहे मजदूरों के बारे में विस्तारित नीति नहीं बनाने का आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि 25 मार्च जब से लॉक डाउन लागू हुआ तब से लगातार देश के कोने कोने से मजदूर अपने घरों के लिए पैदल ही जा रहे हैं। इनके लिए सरकार के पास कोई इंतजाम नहीं है। इसी का परिणाम है कि सड़क और रेल हादसों में अब तक 100 से अधिक मजदूरों की जाने चली गई है। उन्होंने कहा कि कई दिन तक भूखे प्यासे मजदूरों को खाना नहीं मिला। जहां एक तरफ कावड़ लाने वाले लोगों के लिए देश की जनता शिविर लगाकर उनको खाद्य सामग्री और हर प्रकार के फल फूल खाने के लिए प्रदान करती है।

अर्बन इलाके में सर्वे को लेकर बैठक

दोबारा होगा शहरी इलाके में सर्वे : डॉ. रमेश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

शहरी इलाकों से कोरोना के मरीज अधिक बढ़ रहे है। जिसे देखते हुए अर्बन (शहरी) इलाकों में सर्वे दौबारा से करवाया जाएगा। यह बात डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. रमेश ने कही। उन्होंने बताया कि जिला सिविल सर्जन डॉ. कृष्ण कुमार ने अर्बन इलाके में सर्वे के निर्देश जारी किए है। जिसके तहत अब जिले में एक बार फिर से सर्वे होगा।

जानकारी के मुताबिक डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. रमेश चंद ने सीएमओं डॉ. कृष्ण कुमार की अध्यक्षता में अर्बन इलाके के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों के इंचार्जो के साथ एक बैठक की। इस बैठक के बारे में डॉ. रमेश ने बताया कि जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या अर्बन इलाके से बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि चल रही स्क्रीनिंग के तहत शहरी इलाके के लगभग हर घर को कवर कर लिया गया है। लेकिन इसमें कुछ इलाकों की बहुमंजिला इमारतें और कुछ कॉलोनियों में लोगों के कोरोना पॉजिटिव आने से संशय बन गया है। जिसे देखते हुए कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने को लिए अर्बन में अब एक बार फिर से डोर-टू-डोर स्क्रीनिंग की पद्धति अपनाई जाएगी। इसके तहत हॉट स्पॉट वाले कंटेनमेंट एरिया के साथ साथ उन इलाकों की भी स्क्रीनिंग की जा रही हैं, जहां पॉजिटिव केस नहीं मिले हैं।

सर्वे में यह होगा दर्ज

सर्वे वाली टीमें दिए गए प्राफोमें पर बुखार, सांस की तकलीफ और पॉजिटिव मरीजों के संपर्क में आए लोगों से भी पुछताछ करेगी। इस सर्वे फार्म में नाम, पते दर्ज के अलावा अन्य कई तरह की चीजे दर्ज की जाएगी। उनका कहना है कि जिनमें अभी तक कोरोना के लक्षण अभी तक नहीं उभरे हैं, वे भी इस सर्वे में सामने आ जाएंगे। इस तरह से हम उन कोरोना संक्रमित मरीजों का इलाज करवा सकेंगे।

कोरोना : एथलीटों की समस्याओं को किया जा रहा दूर

कविता। फरीदबाद/पलवल

लॉकडाउन के बीच फरीदाबाद के एथलीटों की समस्याओं का समाधान करने में जिला एथलेटिक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष सत्यवीर धनखड़ से जुड़े हुए है। अब उन्हें पलवल जिले की विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे एथलेटिक हरियाणा के महासचिव राजकुमार मिटान के साथ मिल मिलकर पलवल जिले के खिलाड़ियों को समय-समय पर खेलों से संबंधित जानकारी देने के साथ समस्याओं का निवारण भी कर रहे है।

एथलीटों को दे रहे जानकारी

सत्यवीर धनखड़ ने बताया कि वे जिले में ब्लाक व तहसील स्तर के खिलाड़ियों को जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के प्रमाण पत्र वितरण का कार्य कर रहे हैं। कोराना बीमारी के चलते एथलीटों को घर पर अभ्यास से संबंधित जानकारी समय समय पर देते रहते हैं। खिलाड़ियों से अभ्यास की जानकारी फोटो और वीडियो के द्वारा प्राप्त कर रहे हैं। पलवल के एथलीट प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए महामारी के बीच कड़ी मेहनत कर रहे है।

घर पर अभ्यास

सत्यवीर ने बताया कि होडल के गढ़ी गांव की नन्दनी सोरोत 2017 से लगातार 400 मीटर बाधा दौड में राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शामिल होकर हरियाणा टीम का मान बढा रही है। इसके अलावा 100, 200 मीटर का धावक भारत भी 2017 से जिला एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा दिखा रहा है। दोनो ही लॉकडाउन में घर पर ही अभ्यास कर आने वाली प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रहे हैं।

कृपाल तंवर दिखाऐंगे जोहर

सत्यवीर ने बताया कि भुलवाना निवासी कृपाल तंवर पैरा कैटेगरी के एथलीट हैं। कृपाल ने 2008 में राजा नाहर सिंह एथलेटिक मैदान फरीदाबाद में भारतीय रेलवे में कार्यरत नरसी कसानिया के प्रशिक्षण में अभ्यास शुरु किया था। नरसी राम के नेतृत्व मे राष्ट्रीय स्तर पर कई पदक जीते और 2012 कुवैत और साऊदी अरब के लिए 100, 200 मीटर दौड में भारतीय टीम में स्थान सुनिश्चित किया। 2017 चीन में वर्ल्ड ग्रांड प्रिक्स प्रतियोगिता में ऊंची कुद में भाग लिया था। 2018 में पहली भारतीय ओपन पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता बैंगलोर में कांस्य पदक जीता। 2018 में दुबई ग्रांड प्रिक्स के लिए क्वालीफाई किया और एशियन गेम्स की ट्रायल में छठी रैंकिंग प्राप्त की। 2019 में विश्व पैरा एथलेटिक प्रतियोगिता की ट्रायल में विश्व में 12वां स्थान प्राप्त कर भारत देश का नाम रोशन किया।

सीमा त्रिखा ने किया सम्मानित

फरीदाबाद। बड़खल विधानसभा की विधायका सीमा त्रिखा ने बादशाह खान सिविल अस्पताल परिसर में कोरोना योद्धाओं को सम्मानित किया। जिसमें उन्होंने आरएसएस के सदस्यों के साथ मिलकर स्वास्थ्य विभाग के कोरोना योद्धाओ को सम्मानित किया। जिसमें जिला सिविल सर्जन डॉ. कृष्ण कुमार के अलावा डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. रामभगत, डॉ. संजीव भगत, बल्लभगढ़ के एसएमओं डॉ. मानसिंह, डॉ. जयंत आहूजा, डॉ. विनय गुप्ता, डॉ. विकाश, डॉ. राजेश के अलावा कोविड-19 का पूरा स्टाफ जिसमें ऋषिराज गौतम, सुषमा, प्रवीन, सविता मदान, सोनम, अंजु, कमलेश, निधि और कृष्णा समेत अन्य मौजूद थे। इस मौके पर विधायका सीमा त्रिखा ने कोविड-19 में ड्यूटी दे रहे कोरोना योद्धाओं को अंगौछा भेंट कर उनका हौंसला बढ़ाया।

अपनानी होगी एक नई जीवन शैली

अब जबकि अधिक से अधिक देश लॉकडाउन से बाहर निकल रहे हैं, हमें इस वायरस के साथ जीना सीखना होगा क्योंकि आर्थिक संकट बढ़ने से स्थितियां और ज्यादा बिगड़ जाएंगी।

सुरवि शर्मा
(लेखिका पेशे से चिकित्सक एवं स्तम्भकार हैं)

दुनियाभर में हर किसी को, नीति नियंताओं, सरकारों एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन को भी महसूस होने लगा है कि कोरोनावायरस महामारी जल्द समाप्त होने वाली नहीं है। सात हफ्तों के लाकडाउन के बाद भी, भारत में संक्रमणों व मौतों की संख्या बढ़ रही है और हम एक अवश्यंभावी दौर में प्रवेश कर चुके हैं। यह न केवल आर्थिक बल्कि चिकित्सा परिप्रेक्ष्य में भी अवश्यंभावी है।

क्योंकि भारत लाकडाउन के चरणों से बाहर निकलने जा रहा है, देश में सरकारी तथा निजी दोनों प्रकार के अस्पतालों को जीवन रक्षक शल्य क्रियाओं एवं कार्य प्रणालियों के भारी बोझ से निबटना पड़ेगा। देश की ढुलमुल स्वास्थ्यरक्षा प्रणाली को विशेषज्ञता शल्य क्रियाओं, आईसीयू बिस्तरों, जीवन रक्षक दवाओं की मांग तथा ओपीडी तथा वार्डों में गैर कोविड मरीजों की संभावित भीड़ से निबटने के लिए आवश्यक स्वास्थ्यरक्षाकर्मियों के जबर्दस्त अभाव से जूझना ही पड़ेगा।

संभवतः यह समय है कि उपचार की प्रतीक्षा में खड़ी शेष जनसंख्या पर दबाव को हल्का करने के लिए महामारी के मरीज़ों का प्रबंधन किसी जीर्ण व्याधि के पीड़ितों की तरह किया जाए और बड़ी संख्या में लोगों को प्रभावित करने वाली बीमारी की तरह नहीं। हालांकि, उपचार, एकांतवास एवं कोविड-19 के लिए स्वास्थ्यरक्षाकर्मियों के रक्षा प्रोटोकाल जैसी चुनौतियों को देखते हुए, इसे देश की स्वास्थ्यरक्षा प्रणाली के अन्य व्याधि वक्रों से जुड़ जाना चाहिए। हमें जीवन को पुनः प्रारम्भ करने एवं पुराने समय के नए प्रतिरूप की ओर लौटने के रास्ते निकालने होंगे, लेकिन इस बार कोरोनावायरस भी हमारे बीच रह रहा है। हमें मालूम है कि हम एक नई दुनिया, नए युग में प्रवेश करने जा रहे हैं। हम सभी के पास एक अदृश्य दुश्मन के साथ जीने एवं अपनी आर्थिक तथा सामाजिक बेहतरी के लिए जीते रहने के अलावा और कोई रास्ता नहीं है।

लाकडाउन को सही ठहराने के पीछे तर्क है नैतिक एवं सिद्धांत आधारित परिप्रेक्ष्य कि इससे जीवन बच जाते हैं, मगर अब यह बदल रहा है और गहन मूल्यांकन का विषय बन गया है क्योंकि इससे अर्थव्यवस्थाओं तथा जीवन पर जबर्दस्त दबाव पड़ता है। विविध राज्यों में लाकडाउन के चलते शिशुओं एवं बच्चों के टीकाकारण कार्यक्रम रुक गए, वो भी एक ऐसे देश में जहां सघन जनसंख्या है और संक्रामक बीमारियों की बहुतायत है। पिछले वर्ष संक्रामक व्याधियों का शिकार होकर 4.4 लाख लोग काल के गाल में समा गए थे और यह लाकडाउन बच्चों की मौतों, पोलियों से विकलांगता होने, टिटनेस, डिप्थीरिया अथवा मीजल्स जैसी बीमारियों को बढ़ा देगा। असलियत में, हमारे देश में टीकाकरण कार्यक्रम रुक जाने के परिणाम आने वाले कई वर्षों तक महसूस किए जाएंगे। इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। हम असलिसत में एक बीमारी का बोझ दूसरी से बदल रहे हैं।

बहुत से भारतीय पहले से हीह कोरोनावायरस संक्रमण से जूझ रहे हैं क्योंकि इसके कारण जीवन रक्षक कैंसर आपरेशनों, हृदय रोग उपचार प्रक्रियाओं एवं अन्य उपचार प्रोटोकालों को विलंबित किया गया है। अब यह निर्णय लेने का समय आ गया है कि इन कार्यों में और कितना विलंब किया जाए।

जिन राज्यों में कोरोना संक्रमण के मामले कम हैं उन राज्यों की सरकारों को अस्पतालों को जितना जल्दी संभव हो सर्जरी एवं जीवन रक्षक उपचारों की दिशा में आगे बढ़ने की अनुमति देकर इस अंतराल को पाटना चाहिए। अस्पतालों को विशेष कोविड वार्डों एवं अन्य अस्थायी सुविधाओं की आवश्यकता हो सकती है जब तक प्रभावी उपचार पद्धतियां एवं वैक्सीन इस वर्ष के अंत तक अथवा अगले वर्श की शुरुआत में बाजार में उपलब्ध नहीं हो जाती हैं। अब हमें कोरोनावायरस के युग के लिए पुनर्कल्पित जगत में वापस लौटने का प्रयास करना होगा, जहां साामजिक दूरी बनाना, उपयुक्त स्वच्छता मानक अपनाना एवं बेहतर सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए सरकार द्वारा लागू किए गए विविध प्रकार के प्रतिबंध हमारी दैनिक गतिविधियों का हिस्सा बन गए हैं, एक ऐसी जीवन शैली जिसके तब तक कायम रहने की संभावना है जब तक कोई वैक्सीन या उपचार मिल नहीं जाता और प्रयोग के लिए बाजार में उपलब्ध नहीं हो जाता।

हमें दैनिक जीवन की शुरुआत उसी तरह करनी होगी जैसे कि दक्षिण कोरिया में किया गया है। सरकारी प्राधिकारियां को एक बेहतर शोध पर आधारित दिशा निर्देश जारी करने चाहिए जिनमें फिल्म देखने जाने, भीड़ भरे एलीवेटरों व प्रवेश द्वारों से परहेज करने तथा सामाजिक आयोजनों में भाग लेने तथा हाथ मिलाने, गले लगाने अथवा कंधा थपथपाने के बजाए लोगों से हाथ जोड़ कर मिलने व दूर से हाथ हिलाने जैसी सावधानियां शामिल हों।

बीजिंग, हांग कांग एवं सियोल, तथा सिडनी, आस्ट्रेलिया एवं ताइवान जैसे देशों में नई सामाजिक प्रथाएं एवं निर्देश प्रभावी हो गए हैं और इन देशों ने सफलतापूर्वक महामारी पर अंकुश लगाया है और इनके उदाहरण हमारे एक वास्तविक जीवन पुनरावलोकन की अनिवार्यता प्रस्तुत करते हैं जो संभवतः दुनियाभर में सभी लोगों के लिए आम हो जाएंगे। इन देशों में लोग बाहर निकल रहे हैं, लेकिन शारीरिक दूरी बनाकर, मास्क, दस्ताने पहन रहे हैं, सैनीटाइजर का प्रयोग कर रहे हें और कुछ सार्वजनिक प्रतिबंध सामान्य हो गए हैं। सरकार आर्थिक एवं सामाजिक गतिविधियों के लिए पर्याप्त गुंजाइश मुहैया कराते हुए वायरस को दूर रखने का प्रयास कर रही है। अधिकारी गण नवीन सैनीटेशन एवं सामाजिक दूरी संबंधी दिशा निर्देशों का स्वाद चख रहे हैं, जैसे कि ट्रेनों व बसों में मास्क का प्रयोग तथा रेस्टोरेंटों व मॉलों के बाहर तापमान परीक्षण का अनिवार्य बना दिया जाना।

हांगकांग में रेस्टोरेंटों में मेजों के बीच की दूरी कम से कम पांच फीट रखना अनिवार्य बना दिया गया है और ग्राहकों द्वारा अपने मास्क रखने के लिए थैले साथ लाना अनिवार्य है। दक्षिण कोरिया में, बेसबाल के खेलों में प्रशंसक नजर नहीं आते तथा खिलाड़ी मैदान पर थूक नहीं सकते। दर्शक गलियारें रंगीन बैनरों व पुतलों से पटे पड़े हैं जिससे खिलाड़ियों को स्टेडियम भरा हुआ महसूस हो। सिडनी में ब्यूटी सैलून मास्कों, दस्तानों एवं हस्त सैनीटाइजरों की आपूर्तियों के साथ वापस काम करने लगे हैं। कुछ सैलूनों में, पत्रिकाएं व पेय पदार्थ अब ग्राहकों को पढ़ने के लिए नहीं दिए जाते हैं।

कुछ सरकारें ऐसे दिशा निर्देश भी जारी कर रही हैं कि कितने लोग एक साथ एकत्र हो सकते हैं। सिडनी में निवासियों को अपने घरों में एक समय में केवल दो अतिथियों की मेजबानी करने की अनुमति है, जबकि हांगकांग में पदाधिकारियों ने सार्वजनिक स्थान पर चार से अधिक लोगों के जमा होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। ताइवान में, ज्यादा है जहां बाहरी जमावड़े में 500 तक लोग एकत्र होते हैं।

हवाई यात्रा करने से परहेज करने की सिफारिशें की गई है और उसके स्थान पर सड़क मार्ग से यात्रा करने की सलाह दी गई है क्योंकि सबको पता है कि कार के भीतर मौजूद लोगों के स्वास्थ्य की जानकारी उन्हें होगी होगी, तथा वाहनों के पार्क किए जान के स्थान तथा आटोमोबाइल के भीतर के पृष्ठ विमान की तुलना में सुरक्षित होंगे, जिसका इस्तेमाल बहुत से लोग करते हैं। सड़क मार्ग से यात्रा ज्यादा लंबी हो सकती है लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से यही उचित है और यही समय की मांग है।

लाकडाउन के पश्चात जीवन पुनः प्रारम्भ करने की चुनौतियों में से, स्कूल तथा शिक्षण संस्थाएं खोलना सबसे विशाल चुनौती हैं। कक्षाएं जीवाणुओं की उत्पादक होती हैं तथा वहां पर निकट शारीरिक एवं सामाजिक संपर्क होते हैं। मगर हम जानते हैं कि, एक समाज के तौर पर हम तब तक काम करने की स्थिति में नहीं होंगे जब तक हम नियमित रूप से अपने बच्चों को स्कूल न भेज सकें। सिडनी में चरणबद्ध रूप से स्कूल खोले जा रहे हैं। वहां प्रत्येक कक्षा के एक चौथाई छात्रों को लेकर सप्ताह में एक बार कक्षाएं चलती हैं, और कक्षाओं का आकार धीरे-धीरे बढ़ाया जा रहा है। जून के अंत तक यही स्थिति रहेगी। हांगजू नामक चीनी शहर में, एक प्राथमिक स्कूल में बच्चों से सामाजिक दूरी बनाना सीखने के लिए अपनी हैट खुद बनाने को कहा गया है जिसमें तीन फीट लंबे कार्डबोर्ड के पंख होते हैं। क्योंकि वे अपनी हैट्स के साथ स्कूल में भाग लेते थे, वे अपने शिक्षकों द्वारा कोरोनावायरस के संवर्धन काल एवं उसके लक्षण तथा बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में किए गए सवालों का जवाब देते थे। ताइवान में, स्कूलों ने सुबह की सभाओं को निरस्त कर दिया है और छात्रों से मास्क पहनने एवं लगातार हाथ धोते रहने को कहा है। उनसे गले लगने, एक दूसरे के अधिक निकट रहने अथवा खाते समय बोलने से परहेज करने को कहा गया है। संपर्क वाले खेलों को हतोत्साहित किया जा रहा है।

प्रौद्योगिकी सरकारों व बिजनेसों के लिए काफी मददगार साबित हो रही है जिन्हें अब सामाजिक दूरी बनाए रखने की मांग से समायोजित करने व उसे अपनाने को बाध्य होना पड़ता है। सियोल में, कुछ सिनेमा थिएटर, रोबो फिल्मों के समय, एवं विश्राम कक्षों के अवस्थिति के बारे में ग्राहकों को जानकारियों देने के लिए तैयार किए गए हैं। स्नैक्स का वितरण हाथों के बजाए स्वचालित कियोस्कों के द्वारा किया जा रहा है। निवासियों के यात्रा एवं स्वास्थ्य संबंधी विवरणों का पता लगाने के लिए ऐप्स का इस्तेमाल किया जा रहा है तथा रेस्टोरेंटों, कार्यालय भवनों एवं अपार्टमेंटों में प्रवेश पाने के लिए उन्हें क्यूआर कोड के द्वारा अपने आंकड़े दर्शाना अनिवार्य होता है।

पुराने मानक अचानक अच्छे नहीं रह गए। शारीरिक दूरी की अनिवार्यता अब लंबे समय तक रहने वाली है। सप्ताहों एवं महीनों के लाकडाउन से मुक्त होने वाले देशों में बहुत से लोगों का कहना है कि अब उनके पास वायरस द्वारा जीवन में लाए गए बदलावों को अपनाने के सिवा और कोई चारा नहीं है। हमें इस वायरस के साथ जीना सीखना होगा क्योंकि आर्थिक संकट बढ़ने से स्थितियां और ज्यादा बिगड़ जाएंगी। हम सभी को प्रतिबंधित तरीकों एवं जीवन की सहजता के अनुरूप चलना सीखना होगा।

अत्यधिक भय व आशंकाओं का सबब कोविड-19

अन्य वायरसों की तरह कोविड-19 भी है। समय आ गया है कि हम आगे बढ़ कर लॉकडाउन पूर्णतः समाप्त करने की ओर चलें तथा जीवन की रूपरेखा परिभाषित करें। इसके साथ ही भारत में वैक्सीन व इलाज खोजने के प्रयास जारी रहने चाहिए।

हिरण्यमय कार्लेकर
लेखक दि पायनियर के सलाहकार संपादक हैं।

कोविड-19 से भय की बात समझ में आती है क्योंकि अभी इसका कोई इलाज या टीका नहीं है। लेकिन इससे अत्यधिक भय चीजें और बिगाड़ देगा। इस संक्रमणकारी वायरस की पकड़ से भागने की इच्छा नकारात्मक व्यवहार का कारण बन सकती है, जबकि वैश्विक महामारी के प्रसार से निपटने के लिए एक समग्र अखिल भारतीय रणनीति विकसित करना जरूरी हो गया है ताकि जीवन बचाने के साथ अर्थव्यवस्था की वृद्धि हो और जनता को होने वाले कष्ट न्यूनतम किए जा सकें। वर्तमान रणनीति में वायरस का प्रसार रोकने के लिए सोशल डिस्टेंसिंग को सर्वाधिक प्रभावी माना गया है और लाकडाउन उसका सबसे अच्छा तरीका है। लाकडाउन की प्रशंसा करते हुए उसका चौथा चरण 18 मई को शुरू हो रहा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि लाकडाउन के बिना कोविड-19 मामलों और मौतों की संख्या बहुत अधिक होती। मैं उनसे बहस नहीं कर सकता क्योंकि मैं इस मामले का विशेषज्ञ नहीं हूं। मैं केवल इतना कह सकता हूं कि उन्होंने केवल माडल-आधारित अनुमान लगाए हैं जो कभी सही और कभी गलत हो सकते हैं।

लेकिन इसके साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग सुनिश्चित करने के मामले में लाकडाउन की गंभीर सीमायें हैं। भारत की 22 प्रतिशत जनसंख्या मलिन बस्तियों में रहती है जहां भयानक भीड़ है। यहां अक्सर 6-10 लोग छोटे-छोटे कमरों में रहते हैं तथा भयानक गरीबी और गंदगी है। यही कारण है कि इन मलिन बस्तियों में ऐसी संक्रामक बीमारियां फैलने की संभावना ज्यादा होती है। ऐसे में सोशल डिस्टेंसिंग या घर से काम करना असंभव है। यह स्थिति उन अत्यधिक भीड़भाड़ वाले स्थानों के लिए भी सही है जो मलिन बस्तियां नहीं हैं। सोशल डिस्टेंसिंग तुलनात्मक रूप से विशेषाधिकार प्राप्त कालोनी निवासियों के बीच ही संभव है। ऐसे में ज्यादा भीड़ वाले इलाकों या मलिन बस्तियों में रहने वाले लोग न केवल कोविड-19 संक्रमण से सर्वाधिक प्रभावित होते हैं, बल्कि उनके ऊपर लाकडाउन का विपरीत आर्थिक प्रभाव भी सबसे ज्यादा पड़ता है।

मलिन बस्तियों व अत्यधिक भीड़ वाले क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों में प्रवासी श्रमिक भी शामिल हैं जो अत्यधिक कुशल नहीं हैं और उनकी दिहाड़ी मजदूरी ज्यादा नहीं है। लाकडाउन लागू होने से पहले भी उनमें बहुत से लोगों को रोज काम नहीं मिलता था। लाकडाउन के बाद वे पूरी तरह बेरोजगार हो गए हैं और उनकी आमदनी बंद हो गई है। इसलिए हजारों परिवारों की अपने गांवों की ओर लंबी यात्रा की त्रासदी सामने आई है जहां महिलायें बच्चों को अपनी गोद में लिए भीड़ में शामिल हैं। इसलिए वर्तमान समय में व्याप्त संकटपूर्ण स्थिति के शिकार सबसे ज्यादा ये प्रवासी मजदूर ही हुए हैं जिनके रोजगार लाकडाउन के चलते छिन गए हैं और घरों को वापस लौटने के बाद इनके समक्ष आजीविका की नए सिरे से तलाश करने की भीषण चुनौती खड़ी हो गई है।

कठोर तथ्य यह है कि लाकडाउन की अर्थव्यवस्था पर गहरी मार पड़ी है और समाज के सबसे संकटग्रस्त तबकों को अभूतपूर्व कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इन पीड़ितों में न केवल शहरी गरीब व प्रवासी श्रमिक, बल्कि ग्रामीण गरीब भी हैं जो शहरी क्षेत्रों को सप्लाई करते हैं या शहरों में काम कर रहे अपने परिवार के प्रवासी श्रमिकों द्वारा भेजे जाने वाले पैसे पर निर्भर हैं। प्रधानमंत्री ने निश्चित रूप से अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए 20 लाख करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज की घोषणा की है तथा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इसके विस्तृत विवरण दिए हैं। इन उपायों का प्रभाव अर्थव्यवस्था में तत्काल नकदी प्रवाह बढ़ाएगा। लेकिन अधिकांश बातें जमीनी स्तर पर नतीजे दिखाने वाली व्यवस्था पर निर्भर करेंगी जिनमें केन्द्रीय व राज्यों की नौकरशाही शामिल है। इन दोनों की क्षमता निश्चित नहीं है। बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि लाकडाउन किस तरीके से उठाया जाता है। इस संदर्भ में न केवल चौथे चरण के दौरान दी जाने वाली रियायतें, बल्कि उनका क्रियान्वयन भी महत्वपूर्ण होगा। इनको लाकडाउन-पूर्व आर्थिक गतिविधियों व सामाजिक जीवन बहाल करने की तैयारी की तरह देखा जाना चाहिए, हालांकि कुछ क्षेत्र व गतिविधियों पर नियंत्रण बनाए रखना अत्यधिक जरूरी होगा।

> **राज्यों व जनता की ओर से बाद वाली स्थितियों में काफी दबाव होंगे जो भयभीत करने वाले पूर्वानुमानों से ग्रस्त है। इसके साथ ही कोविड-19 मामलों तथा उससे होने वाली मौतों की संख्या में ज्यादा वृद्धि से देश में पहले से ही व्याप्त भय और आशंका का माहौल और खराब हो सकता है। भारत को ऐसे भयभीत लोगों को अनदेखा कर बीमारी का प्रसार रोकने तथा मौतों की संख्या न्यूनतम करने की दिशा में युद्धस्तर पर काम करना चाहिए।**

हालांकि, राज्यों व जनता की ओर से बाद वाली स्थितियों में काफी दबाव होंगे जो भयभीत करने वाले पूर्वानुमानों से ग्रस्त है। इसके साथ ही कोविड-19 मामलों तथा उससे होने वाली मौतों की संख्या में ज्यादा वृद्धि से देश में पहले से ही व्याप्त भय और आशंका का माहौल और खराब हो सकता है। भारत को ऐसे भयभीत लोगों को अनदेखा कर बीमारी का प्रसार रोकने तथा मौतों की संख्या न्यूनतम करने की दिशा में युद्धस्तर पर काम करना चाहिए। ऐसे में ऐतिहासिक परिदृश्य पर नजर डालना भी जरूरी है। दुनिया ने अनेक वैश्विक महामारियों का सामना किया है। चौदहवीं शताब्दी में ब्यूबोनिक प्लेग ने यूरोप व एशिया तथा उत्तर अमेरिका में भारी तबाही पैदा की थी। इसका सबसे भयानक चरण 1347 से 1351 के बीच था, जब विभिन्न अनुमानों के अनुसार यूरोपीय जनसंख्या की एक तिहाई या 50 से 60 प्रतिशत जनसंख्या समाप्त हो गई थी। मरने वालों की संख्या 50 से 200 मिलियन के बीच थी। इस बीमारी से लंदन में 1965-66 में लगभग 1,00,000 लोग मरे थे जो शहर की जनसंख्या के एक चौथाई थे। इसके पहले बैजन्टाइन या पूर्वी रोमन साम्राज्य के एक बादशाह के नाम वाले जस्टीनियन प्लेग का फैलाव 541-542 में हुआ था जिसमें कांस्टैंटिनोपोल या वर्तमान इस्तांबूल राजधानी में रोज 10,000 लोग मरे थे।

वास्तव में प्लेग के कारण ही क्वेरेंटाइन जैसी व्यवस्था का जन्म सर्वप्रथम वर्ष 1377 में हुआ था। उस समय वेनेशियन गणराज्य में स्थित रागुसा बंदरगाह के रेक्टर ने आने वाले जहाजों को 30 दिन तक क्वेरेंटाइन करने का आदेश दिया था और बाद में यह समय बढ़ा कर 50 दिन किया गया था। वैसे प्लेग इस मामले में केवल एक उदाहरण है। दुनिया में 12,000 साल तक चेचक का वर्चस्व रहा जिससे बीसवीं शताब्दी में 300 मिलियन लोग मरे थे। भारत में मुख्यतः बिहार, ओडिशा व पश्चिम बंगाल में इससे 15,000 लोग मरे थे। यह निरोधक टीके तथा एंटीबायोटिक द्वारा इलाज उपलब्ध होने के बावजूद हुआ था। इन दोनों की उपलब्धता के बावजूद विश्व स्वास्थ्य संगठन-डब्लूएचओ के अनुसार 2004-2008 के बीच कालरा के 8,38,315 मामले सामने आए थे। वास्तव में कालरा का प्रकोप इससे भी ज्यादा था और इससे हर साल तीन से पांच मिलियन लोग प्रभावित होते थे जिनमें से 1,00,000 से लेकर 1,30,000 मर जाते थे।

दुनिया ने उपरोक्त वैश्विक महामारियों तथा अन्य बीमारियों से बड़ी संख्या में मौतों को सफलतापूर्वक झेला है। वह कोविड-19 से भी पार पाने में सफल होगी, लेकिन वैक्सीन या इलाज उपलब्ध होने के बावजूद उसे लंबे समय तक इसके साथ रहना होगा। निरोधक टीके तथा प्रभावी इलाज से प्लेग का उन्मूलन नहीं हुआ था। डब्लूएचओ के अनुसार 1985 से 2003 तक 25 देशों में इसके 43,000 से अधिक मामले सामने आए थे। यह बीमारी आज भी बनी हुई है।

ऐसे में हमारा लक्ष्य यथासंभव लाकडाउन शीघ्रातिशीघ्र समाप्त करने तथा भविष्य की रूपरेखा बनाना होना चाहिए। यह काम आसान नहीं है क्योंकि इसके लिए तीन स्तरों पर काम करना होगा। इसमें राष्ट्रीय व स्थानीय स्तरों के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर यानी अन्य देशों के साथ संबंध भी शामिल हैं। बीमारी के कारण पैदा भयानक भय का प्रतिकार करना होगा। इसके साथ ही भारत में वैक्सीन व इलाज खोजने के प्रयास जारी रहने चाहिए। इसके लिए न केवल एलोपैथी, बल्कि होम्योपैथी, आयुर्वेद व यूनानी चिकित्सा पद्धतियों पर भी ध्यान देना चाहिए। ओजोन थेरेपी से इलाज पर भी विचार करना चाहिए जिसके अच्छे नतीजे बताए जा रहे हैं।

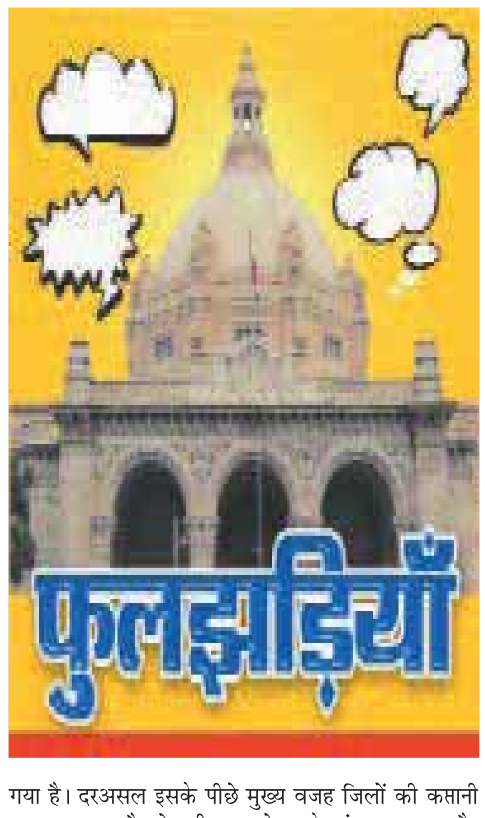

फिर से बगलगीर

आखिर लंबे प्रयास के बाद साहब को महाराज जी के करीब आने का मौका मिल ही गया जिसका नतीजा यह हुआ कि मुख्यमंत्री आवास पर साहब के विभाग का एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें उनके विभाग के मंत्री, महाराज जी और साहब ही मौजूद थे। भाई विभाग ही ऐसा है। प्रदेश में छोटे उद्योगों को जो बढ़ावा देना है। मजेदार बात यह हुई कि साहब तो इस कार्यक्रम को लीड कर रहे थे लेकिन दूसरे खेमे के एक बड़े अधिकारी वहां नहीं मौजूद थे जो कि अमूमन हर कार्यक्रम में महाराज जी के आस-पास ही दिखाई पड़ते हैं। दरअसल साहब पिछली सरकार में सर्वेसर्वा रहे और इस भगवा सरकार में शुरू से ही दूसरे खेमे के लोगों ने अपना सिक्का जमा लिया और साहब अलग-थलग पड़ गए। मगर लगातार अपने काम में लगे रहने का परिणाम यह हुआ कि साहब को महत्वपूर्ण विभाग का जिम्मा दिया गया। इस जिम्मेदारी को बखूबी निभाते हुए साहब ने यूपी में उद्योगों को बढ़ाने का काम तेज कर दिया और अंतत: वह सूबे के मुखिया के प्रति अपना भरोसा जमाने में कामयाब हो गए।

हुनरमंद पत्नी

कहते है कि मुसीबत में पत्नी ही काम आती है। सालों साल से चली आ रही यह कहावत लाकडाउन के दौरान योगी सरकार के एक वरिष्ठ मंत्री पर पर एकदम सटीक बैठी। दरअसल काफी विलंब से ब्याह रचाने वाले सरकार के इस मंत्री के बाल बहुत बढ़ गये थे। मंत्री जी के बालों ने लाकडाउन काल में इस कदर ऊछाल भरी की सिर के साथ साथ उनकी गर्दन के काफी नीचे बाल आ गये थे। जिससे उन्हें बडी दिक्कत हो रही थी। कोरोना संकट के बीच पहले तो मंत्री जी के लिये नाई की तलाश शुरू हुई लेकिन फिर कोरोना संक्रमण के डर से घर पर नाई बुलाने का आइडिया कैंसिल कर दिया गया लेकिन मंत्री जी के बाल बढ़ने का सिलसिला जारी रहा। अपने मंत्री पति की तकलीफ उनकी पत्नी से देखी नहीं गई और उन्होंने बाल काटने की मशीन से गर्दन के नीचे के बालों को साफ करके उन्हें आंशिक रूप से तकलीफसे निजात दिला दी। पत्नी के हाथों बाल कटने के बाद मंत्री जी को राहत मिली है।

कोराना ने किया साइड

काफी समय से साइड पोस्टिंग में दिन गुजार रहे खाकी महकमे के कुछ अफसरों को यह लॉकडाउन फूटी आंखों नहीं सुहा रहा है। ऐसा इसलिए बिल्कुल नहीं है कि आम जनता की तरह घूमने फिरने की उनकी कोई आजादी छिनी है या फिर दैनिक जीवन में उन्हें इसकी वजह से अन्य किसी प्रकार की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। उल्टे लॉकडाउन में उनके काम का बोझ पहले से काफी हल्का हो गया है। दरअसल इसके पीछे मुख्य वजह जिलों की कप्तानी का वह स्वाद है जो पूरी तरह से उनके मुंह लग चुका है। फील्ड की ड्यूटी के सिवाय अब उन्हें दूसरी कोई ड्यूटी सुहाती ही नहीं है। अभी तक तो इंचार्जी से हटने पर कुछ समय इधर उधर गुजार कर दोबारा अपने जुगाड़ के दम पर कप्तानी हथियाते रहे लेकिन इस बार लंबे खिंचे लॉकडाउन ने उनके अरमानों पर पानी फेर रखा है। इंचार्जी से हटने के बाद दोबारा जोड़ तोड़ में जुटे थे कि तभी लॉकडाउन घोषित हो गया। उम्मीद थी कि जल्दी ही स्थिति सामान्य हो जाएगी लेकिन लॉकडाउन है कि खिंचता ही चला जा रहा है। ऐसे में ट्रांसफर पोस्टिंग पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा हुआ है। लिहाजा जुगाड़ फिट होने के बाद भी नई तैनाती संभव नहीं दिख रही और मन मसोसकर बैठने के सिवाय दूसरा कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा।

गायब हुयी कमाई

जब से महामारी ने अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू किया है तब से उच्च शिक्षण संस्थानों में सेमिनार की आड़ में कमाने खाने वालों की रोजी रोटी पर संकट आ गया है। उनकी सेटिंग गेटिंग वाली व्यवस्था के दिन लद गए हैं। नहीं तो पहले सेमिनार के नाम पर हजार रुपये की प्लेटें चलती थी चाहे उसमें वैरायटी हो या न हो पर कीमत हजार से कम नहीं। लाखों में तम्बू लगते थे। हजारों की माला ऊपर से स्मृति चिन्ह के नाम पर लाखों रुपये का वारा न्यारा होता था। दो दिन के सेमिनार पर 15 से 20 लाख खर्च न हुए तो सेमिनार सेमिनार नहीं माना जाता था। बुलाते नेपाल से तो सेमिनार अंतराष्ट्रीय हो जाता था। आगन्तुकों के रहने के लिए कम से कम थ्री स्टार होटल चलने के लिए कैब की कतारें रहती थीं। मगर कोरोना महाराज ने ऐसा मारा की पूरे धंधे का सत्यानाश कर दिया। अब तो सेमिनार न होने से चाय भी घर की पीनी पड़ रही है। मतलब धंधे में कहीं कोई गुंजाइश रही नहीं है। जिसके चलते धंधा करने वालों के दिन अब लद गए नजर आ रहे हैं।

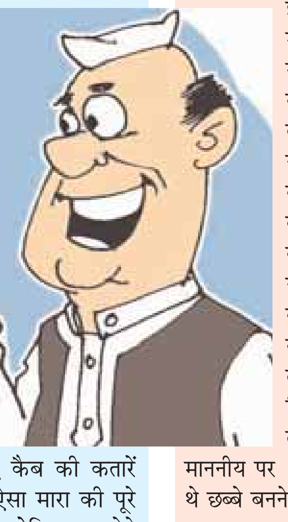

चौबे-छब्बे-दुबे

पर्यटन पर निकले माननीय इस समय बहुत परेशान हैं। उनकी समझ में नहीं आ रहा कि वे क्या करें। इससे तो अच्छा नारद वाला कार्य ही था। सिर्फ सूचना ही इधर से उधर करनी होती थी लेकिन जब से माननीय ने पर्यटन का मार्ग पकड़ा है समस्याओं से ही जूझ रहे हैं। एक तो सबसे बड़ी विकट समस्या यह है कि इस पर्यटन पर देश के मुखिया से लेकर प्रदेश के मुखिया की नजर हर समय रहती है। दूसरे इस कोरोना ने कुछ न करने देने की कसम खा ली है। यह वह माननीय हैं जिन्होंने अपने कंठ को नीला कर रखा है। लेकिन मौजूदा समय में यह नीलकंठ धारी माननीय बड़े असमंजस में हैं। कुछ चाह कर भी नहीं कर पा रहे हैं। कोरोना का संक्रमण पर्यटन पर इतना भारी है कि अब तो केवल नाम का ही रह गया है। कुल मिलाकर पर्यटन की तो सत्या ही पिट गई है तो माननीय की क्या कहें। ऐसी स्थिति में माननीय पर एक ही कहावत चरितार्थ होती है। चौबे गए थे छब्बे बनने और दुबे बनकर आ गए।

प्रवासी श्रमिकों को सुरक्षित घर पहुंचाने का सभी जनप्रतिनिधि करें प्रयास: केशव प्रसाद मौर्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को प्रयागराज (गंगा पार) के विभिन्न जनप्रतिनिधियों व समाजसेवियो से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए वार्ता करते हुए अपील की, कि करोना संकटकाल में वह प्रवासी लोगो को सम्मानजनक तरीके से तथा सुरक्षित तरीके से उनकी घर वापसी में पूरी मदद करें। उन्होंने यह भी अपील की कि सोशल डिस्टेंसिंग बनाए रखते हुए उन्हें रास्ते में खानपान व पानी आदि उपलब्ध कराने का कार्य पूरी सेवा भावना के साथ करें। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी सहानुभूतिपूर्वक, सुरक्षित तथा सम्मानजनक तरीके से प्रवासी लोगों को उनके गंतव्य स्थल तक पहुंचाने का हर संभव व्यवस्था कर रही है।

श्री मौर्य ने कहा कि इन प्रवासी श्रमिकों को भरपूर मात्रा में रोजगार और काम दिया जाएगा। इन्हें किसी भी कीमत पर भूखा नहीं सोने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की सभी के साथ पूरी सहानुभूति है और संकट की घड़ी में सरकार सभी के साथ खड़ी है और हर प्रवासी की हर संभव मदद की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में प्रधानमंत्री द्वारा आर्थिक पैकेज की घोषणा भी की गई है तथा मुख्यमन्त्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भी कई महत्वपूर्ण कदम श्रमिक हितों में उठाए गए हैं। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वह सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं पर नजर रखें तथा सुविधाएं उपलब्ध कराने में सहयोग भी प्रदान करें।

केशव प्रसाद मौर्य ने प्रयागराज के विभिन्न जनप्रतिनिधियों व समाजसेवियों से वार्ता करते हुए वहां की समस्याएं सुनी व सुझाव भी लिये और समस्याओं के निस्तारण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने कहा कि इस संकटकाल में गरीबों के लिए अकाउंट में सीधे पैसा जा रहा है। इस कार्य में बैंकों का भी उल्लेखनीय योगदान रहा है। गांवों की आर्थिक व्यवस्था सुदृढ़ करने तथा इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। नगरीय क्षेत्रों में पटरी दुकानदारों एठेलिया लगाने वाले लोगों के लिए भी मदद का प्राविधान किया गया है। किसानों के लिए भी आर्थिक पैकेज में बहुत अच्छी व्यवस्था की गई है। वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट योजना के तहत उत्तर प्रदेश के लोगों को काम देने का माहौल बनाना है। हम स्वदेशी अपनाकर स्वाबलंबन व आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होगे। उन्होंने कहा कि कोरोना संकटकाल में दुनिया का परिदृश्य बदलने वाला है और प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत दुनियां का प्रतिनिधित्व करेगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि किए जा रहे प्रयासों के फलस्वरूप उत्तर प्रदेश निवेश का हब बनेगा और गांव के लोगों तथा बेरोजगार लोगों को अधिक से अधिक काम मिलेगा। औरैया में हुई सड़क दुर्घटना पर दु:ख व्यक्त करते हुए श्री केशव प्रसाद मौर्य ने मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मृतको के परिजनों को आर्थिक सहायता व घायलों को आर्थिक सहायता देने की भी व्यवस्था की गई है। संकट की घड़ी में हम सब उनके साथ हैं।

डीजीपी ने सीएम को सौंपा 7 करोड़ 70 लाख का चेक

पायनियनर समाचार सेवा। लखनऊ

डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी ने शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर भेंट कर सात करोड़ 70 लाख रुपए का चेक सौंपा। पुलिसकर्मियों के स्वैच्छिक योगदान से एकत्रित यह धनराशि कोरोना से बचाव व राहत कार्य के लिए मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में जमा की जाएगी। पुलिस विभाग अब तक कुल 27 करोड़ 70 लाख रुपए का योगदान कर चुका है।

इस मौके पर डीजीपी के अलावा मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव एसपी गोयल व संजय प्रसादए एडीजी कानून-व्यवस्था पीवी रामाशास्त्री व लखनऊ के पुलिस कमिश्नर सुजीत पांडेय भी मौजूद रहे। यह धनराशि कोरोना महामारी से बचाव एवं रोकथाम पर खर्च की जा सकेगी। इससे पहले गत 15 अप्रैल को डीजीपी ने 20 करोड़ रुपए का चेक मुख्यमंत्री को भेंट किया था। डीजीपी की अपील पर यह धनराशि भी पुलिस विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों की तरफ से किए गए स्वैच्छिक योगदान से एकत्रित की गई है।

अवैध खनन एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण हो: डॉ. रोशन जैकब

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सचिव एवं निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग डा रोशन जैकब ने बताया कि उनके संज्ञान में आया है कि पर्याप्त इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं कार्मिको की उपलब्धता न होने के कारण खनन क्षेत्रों एवं परिवहन मार्ग की नियमित जांच करने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में सरकार द्वारा प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु जिला अधिकारियों को अधिकार प्रदत्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि डीएमएफ निधि से अवैध खनन एवं परिवहन पर जिला अधिकारी प्रभावी नियंत्रण करें।

डॉ. रोशन जैकब ने बताया कि भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा निर्गत गाइडलाइन के अनुसार मानसून सत्र में खनन संक्रिया प्रतिबंधित रहती है। उन्होंने बताया कि भूतत्व एवं खनन निदेशालय में प्राप्त सूचना के अनुसार अभी तक भंडारण अनुज्ञप्ति हेतु 71 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं, जिनमें अपेक्षा के अनुरूप पर्याप्त भंडारण लाइसेंस प्रदान नही किए गए हैं इस सम्बन्ध में सभी जिला अधिकारियों को निर्देशित किया हैएकि वह अपने जनपदों में प्राप्त भंडारण अनुज्ञापत्रों के आवेदन पत्रों पर समीक्षा कर शीघ्र निस्तारण की कार्रवाई सुनिश्चित करेंए ताकि माह मई की अवशेष अवधि एवं जून माह मे पर्याप्त मात्रा में उप खनिजों का भंडारण किया जा सकेए जिससे शासकीय निर्माण कार्योंए विकास परियोजनाओं एवं आम जनमानस को आगामी मानसून सत्र के दौरान खनिजों की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में अन्य राज्यों से आने वाले खनिज वाहनों पर उस राज्य के वैध अभिवहन प्रपत्र के अतिरिक्त उत्तर प्रदेश का इंटरस्टेट ट्रांजिट पास होने पर ही खनिज का परिवहन विधिमान्य किया गया है। उन्होंने जिला अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जनपद स्तर से उप खनिजों के वाहनों की नियमित रूप से जांच कर यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि आईएसटीपी के माध्यम से ही प्रदेश में खनिजों का परिवहन हो।

लाकडाउन में हुआ 88 नई इकाईयों के जरिए सात सौ करोड़ का पूंजी निवेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना महामारी को देखते हुए औद्योगिक निवेश प्रभावित न हो इसके लिए यूपीसीडा ने विशेषकर विदेशी पूंजी निवेश को देखते हुए 21 सुविधाओं को आन लाइन किया। इसका लाभ यह हुआ कि लाकडाउन की अवधि में नई 88 इकाईयों के लिए उद्यमियों को उपलब्ध कराई गई। इस विकसित भूमि का कुल क्षेत्रफल 46.94 एकड़ हैं। इस निवेश में मुख्य रूप से खाद्य प्रसंस्करण, इन्जीनियरिंग उद्योग, कैमिकल, टैक्सटाईल आदि सम्मिलित हैं। इन इकाईयों में लगभग 700 करोड का पूॅजी निवेश तथा 9000 रोजगार के अवसर सृजित किए जाएंगे। यूपीसीडा के सीईओ अनिल गर्ग ने बताया कि 21 सेवाओं को आन लाइन करने के बाद लाकडाउन अवधि में यूपीसीडा द्वारा उद्यमियों से प्राप्त कुल 590 सेवा आवेदनों का आनलाईन निस्तारण किया गया। इन आवेदनों में 88 नई इकाई की स्थापना के लिए भूमि आवंटन, 22 भवन मानचित्र अनुमोदन, 65 परियोजनाओं के लिए समयविस्तारण, 136 लीज डीड निष्पादन के लिए आवेदन, 36 आवेदन लीजडीड बन्धक रखे जाने के लिए एवं अन्य सेवाओं जैसे कि उत्पादनरत होने के प्रमाण पत्र, अनादेय प्रमाण पत्र, भूखण्डों पर किरायेदारी आदि सम्बन्धित उद्यमियों से प्राप्त आवेदनों का निस्तारण किया गया है। अनिल गर्ग ने बताया कि 21 सेवाओं को आन लाइन किया गया इनमें भूमि का आवंटन, भवन मानचित्र अनुमोदन, परियोजना के लिए समय विस्तारण, लीज डीड निष्पादन एवं उद्यमियों को वित्तीय सुविधाए उपलब्ध कराने के लिए लीजडीड बैंको को बन्धक रखे जाने आदि सम्मिलित हैं। गर्ग ने बताया कि जिन कंपनियों ने निवेश किया उनमें मैसर्स हिन्दुस्तान यूनीलीवर लिमिटेड, मैपी इण्डस्ट्रीज, डीएस ग्रुप आफ इण्डस्ट्री, गुरू नानक इन्टरप्राईज, कृष्णा आर्गेनिक एवं मौर्या मोल्ड उद्योग प्रमुख हैं। इनमें से डीएस ग्रुप आफ इण्डस्ट्रीज द्वारा खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों में विदेशी तकनीकि के आधार पर परियोजना लगाई जा रही है तथा मैपी उद्योग जो कि इटली का प्रतिष्ठित उद्यम समूह है द्वारा विदेशी निवेश पर आधारित परियोजनाएं स्थापित की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना निवेश को लेकर प्रतिदिन समीक्षा कर रहे हैं और कारखाने पूरी क्षमता के साथ फिर से काम कर सके इसके लिए उनका पूरा ध्यान इस पर केंद्रित रहता है कि सोशल डिस्टेसिंग के साथ काम किया जाए।

मजदूर बेबस, अधिकारी कर रहे अपनी मनमानी:अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● मृतक आश्रितों को समाजवादी पार्टी देगी एक लाख रूपए की मदद

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि आपदा के समय अपने भाग्य पर छोड़ दिए गए मजदूर अपने परिवार की महिलाओं और मासूम बच्चों के साथ जिन दर्दनाक हालत से गुजर रहे हैं वह सबूत है भाजपा सरकार के मानवता विरोधी रवैये का। हजारों मील चलने से श्रमिकों के पैरों में छाले पड़ गए हैंए भोजन के भी लाले हैं। मासूम बच्चें धूप और भूख में तड़प रहे हैं। दम तोड़ते इंसानों के प्रति उत्तर प्रदेश की पुलिस और प्रशासन की इंसानियत भी मर चुकी है। अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में सड़क हादसे में 24 से ज्यादा गरीब प्रवासी मजदूरों की मौत दिल दहला देने वाली घटना है। दो ट्रकों की टक्टर में लाशें बिछ गईं। सड़क खून से लाल हो गईए लेकिन औरैया में थानाध्यक्ष ने कफ्न का इंतजाम न कर शर्मनाक काम किया है। मुख्यमंत्री संवेदना प्रकट करने की औपचारिकता से कब तक काम चलाएंगे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी दु:ख की इस घड़ी में मजदूरों के साथ है। समाजवादी पार्टी प्रदेश के प्रत्येक मृतक परिवार को एक लाख रूपए की मदद पहुंचाएगीं हादसों की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए भाजपा सरकार को मृतक आश्रितों को 10-10 लाख रूपए की आर्थिक मदद करनी चाहिए। अपनी रोजी.रोटी गंवाकर बेबसी और बदहाली में सिसकते हुए गरीबों की जान भी भाजपा सरकार में सस्ती हो गई है। इनकी जान बचाने में भाजपा सरकार नाकाम हैं। क्वारंटीन सेंटर गोण्डा में सांप काटने से मौत पर व्यक्ति के परिजन को एक लाख की समाजवादी पार्टी द्वारा सहायत दी गयी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की अक्षमता के कारण अधिकारी अपनी मनमानी कर रहे हैं। सड़कों पर श्रमिकों की भीड़ है। सरकारी बसों में भी उनसे वसूली हो रही है। अखिलेश ने कहा कि विपक्ष के तौर पर समाजवादी पार्टी आवाज उठाती है तो मुख्यमंत्री जी का रवैया इतना नकारात्मक है कि वह इसे दर किनार कर मनमानी पर उतारू हो गये हैए उन्हें लोकतंत्र में सकारात्मक सुझाव सुनना भी गवांरा नहीं है। समाजवादी पार्टी ने शुरू से ही अपनी विपक्षी जिम्मेदारी निभाते हुए तमाम समस्याओं के समाधान के सुझाव दिए लेकिन सरकार अपनी प्रशासनिक जड़ता से उबर नहीं पायी है। लॉकडाउन के 54 दिन के बाद भी हालात दिन-ब-दिन बिगड़ते जा रहे है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि मुख्यमंत्री जी की टीम इलेवन के नियंत्रण के बाहर अराजकता व्याप्त है और सरकार चैन की बंसी बजाने में व्यस्त है।

कल से शुरू होंगी बीजेपी की क्षेत्रीय बैठकें वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिये होगा संवाद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश पदाधिकारियों से वीडियो कांफ्रेंसिंग द्वारा बात करते भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने संगठन के सेवा अभियानों की शनिवार को समीक्षाा की, वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए हुई इस समीक्षा बैठक में निर्णय लिया गया कि 18 मई से पार्टी की क्षेत्रीय बैठकें प्रारम्भ होगी। साथ ही प्रदेश पदाधिकारी सेक्टर प्रमुखों व सेक्टर प्रभारियों के साथ संवाद करेंगे। स्वतंत्र देव सिंह ने प्रदेश पदाधिकारियों से कहा कि आपदा की इस घड़ी में मानवता की सेवा करना हम सब का दायित्व है। वैश्विक आपदा के कारण अपने गांव घर की ओर लौट रहे प्रवासी श्रमिक बड़ी संख्या में प्रदेश की सड़कों से गुज़र रहे है। पार्टी ने इन प्रवासी श्रमिकों की सहायता के लिए अभियान चला रखा है। इसलिए सभी पदाधिकारी अपने-अपने प्रभार वाले क्षेत्र, जिले के स्थानीय स्तर के पार्टी पदाधिकारियों के साथ समन्वय संवाद स्थापित करते हुए यह सुनिश्चित करें कि अपने घरों को लौट रहे प्रवासी श्रमिकों को किसी तरह की कोई समस्या न हो। साथ ही उन्हें भोजन, पानी, मास्क व सैनिटाइजर उपलब्ध कराने के साथ-साथ अवश्यक्तानुसार चप्पलें व दवाइयां भी उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि हमें मानसिक रूप से लंबी लड़ाई के लिए तैयार रहना है। लोगों की जितनी सेवा हम से हो सके, हमें करना है, इससे पीछे नहीं हटना है। मानवता को ध्यान में रखते हुए प्रवासी मजदूरों के लिए आवश्कता पड़ने पर स्थानीय प्रशासन के साथ सहयोग कर उनकी समस्याओं के समाधान के उपाय करने हैं। प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल ने कहा कि पार्टी ने तय किया है कि प्रत्येक पंद्रह दिनों में प्रदेश, क्षेत्र, जिला व मण्डल इकाई बैठकें होगी। उन्होंने कहा कि पार्टी द्वारा तय कार्ययोजना के अनुसार सेवा अभियान जारी रखते हुए सभी को दो गज की शारीरिक दूरी, मास्क पहनने के साथ-साथ लॉक डाउन के नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करना है।

प्रियंका ने सीएम योगी को पत्र लिखकर मांगी 1000 बसें चलाने की अनुमति

● कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री कार्यालय को दिया महासचिव का पत्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस महासचिव व यूपी कांग्रेस की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिख कर 1000 बसें चलाने की अनुमति मांगी है।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू और विधायक दल नेता आराधना मिश्रा मोना के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री कार्यालय पहुंचकर महासचिव का पत्र मुख्यमंत्री कार्यालय को दिया। प्रतिनिधि मंडल में नसीमुद्दीन सिद्दीकी, आरके चौधरी और श्याम किशोर शुक्ला शामिल थे। प्रियंका ने पत्र में लिखा है कि अलग.अलग हादसों में उत्तर प्रदेश में अब तक 65 मजदूरों की सड़क दुर्घटनाओं में मौत हो चुकी है जोकि कोरोना महामारी से मरने वालों की संख्या से भी अधिक है। कांग्रेस महासचिव ने अपने पत्र में लिखा है कि लाखों की

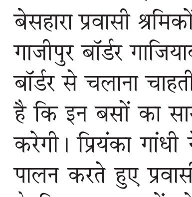

संख्या में उत्तर प्रदेश के मजदूर देश के कोने-कोने से पलायन कर वापस लौट रहे हैं। लगातार सरकार द्वारा की गई घोषणाओं के बावजूद पैदल आ रहे इन मजदूरों को सुरक्षित उनके घरों तक पहुंचने की कोई व्यवस्था नहीं हो पाई है। प्रदेश में अब तक 65 मजदूरों की सड़क दुर्घटनाओं में मौत हो चुकी है जोकि कोरोना महामारी से मरने वालों की संख्या से भी अधिक है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि बेसहारा प्रवासी श्रमिकों के लिए कांग्रेस 500 बसें गाजीपुर बॉर्डर गाजियाबाद और 500 बसें नोएडा बॉर्डर से चलाना चाहती है। प्रियंका गांधी ने कहा है कि इन बसों का सारा खर्च कांग्रेस पार्टी वहन करेगी। प्रियंका गांधी ने महामारी के नियमों का पालन करते हुए प्रवासी श्रमिकों की मदद करने के लिए 1000 बसों को चलाने की अनुमति मांगी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रनिर्माता मजदूरों को इस तरह नहीं छोड़ा जा सकता है। उम्मीद है कि आप इस प्रयास में हमारा सहयोग करेंगे।

हजारों बसों के बावजूद मजदूर पैदल चल रहे हैं, यह अमानवीय और शर्मनाक: लल्लू

लखनऊ। प्रदेश कॉन्ग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने औरैया में सड़क दुर्घटना में मारे गए मजदूरों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह दुर्घटना नहीं बल्कि मजदूरों की सामूहिक हत्या है। सूबे की आवाम योगी सरकार को माफ नहीं करेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तत्काल इस्तीफा दें। उन्होंने सरकार से मृतकों को 20 लाख रुपये का मुआवजा और घायलों को 5 लाख रुपये देने की मांग की। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा अब तक प्रदेश सरकार के मजदूरों के प्रति सौतेले रवैये से श्रमिक सड़क दुर्घटना के शिकार हुए हैं। पैदलए साइकिलों पर सवारए ट्रकए मैटाडोर और टैंपो से आ रहे दर्जनों मजदूर हर रोज सड़क हादसों में मारे जा रहे हैं।

कोविड-19 : सूरत में सुधार दर अहमदाबाद, वडोदरा से बेहतर

भाषा। सूरत

गुजरात के सूरत जिले में कोविड-19 मामलों की संख्या भले ही 1,000 के पार चली गई हो लेकिन क्षेत्र में बीमारी से स्वस्थ होने वालों की दर अहमदाबाद और वडोदरा के बुरी तरह प्रभावित इलाकों से बेहतर है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार शुक्रवार को 32 नए माामले सामने आने के बाद सूरत जिले में संक्रमित लोगों की संख्या 1,015 हो गई जिनमें से 991 मामले शहरी इलाके से सामने आए हैं।

गुजरात में कोरोना वायरस संक्रमण के सबसे अधिक मामलों के लिहाज से अहमदाबाद के बाद सूरत का ही नंबर आता है लेकिन यहां मरीजों के स्वस्थ होने की दर 62 प्रतिशत है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक 1,015 कोविड-19 मरीजों में से 634 को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है जबकि संक्रमण के कारण 47 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं इसके उलट, अहमदाबाद में मरीजों के स्वस्थ होने की दर अब तक 35 प्रतिशत है जबकि जिले में 479 लोगों की मौत हुई है।

मामलों के लिहाज से तीसरे सबसे अधिक प्रभावित वडोदरा जिले में मरीजों के स्वस्थ होने की दर 58 प्रतिशत है जहां 720 कोविड-19 मरीजों में से 371 स्वस्थ हुए हैं और 32 की इसके चलते मौत हो गई। सूरत के नगर आयुक्त बी एन पाणि ने कहा कि नगर निकाय मामलों का जल्द पता लगाने के लिए कदम उठा रही है और उसने घर-घर जाकर संक्रमितों का पता लगाने के लिए निगरानी दल की संख्या बढ़ाकर 1,933 कर दी है। इसके अलावा, उन इलाकों में 41 ज्वर क्लिनिक भी स्थापित किए गए हैं जहां ज्यादातर गरीब लोग रहते हैं। पाणि ने कहा, हमने 41 ज्वर क्लिनिक बनाए हैं जिन्होंने अब तक कोरोना वायरस के 108 मामलों की पहचान की है। 520 निजी क्लिनिकों की सरसरी निगरानी ने 281 संक्रमितों का पता लगाया है। उन्होंने बताया कि शहर में करीब 39.11 लाख लोगों का सर्वेक्षण किया गया है जिसमें से 2.7 लाख उच्च जोखिम वाली श्रेणी में आते हैं जिन्हें एहतियात बरतने को कहा गया है।

केंद्र ने जम्मू से सीएपीएफ की 10 कंपनियों को हटाया नौ इकाइयों को भेजा महाराष्ट्र

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर से सीएपीएफ की 10 कंपनियों को हटाने और ऐसी नौ इकाइयों को महाराष्ट्र भेजने का शनिवार को आदेश जारी किया। अधिकारियों ने बताया कि केंद्र शासित प्रदेश के जम्मू क्षेत्र से 1,000 से अधिक जवानों की 10 इकाइयों को हटाया जा रहा है। उसने त्वरित कार्वाई बल (आरएएफ) की चार, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की दो और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की तीन इकाइयों को महाराष्ट्र भेजे जाने का आदेश दिया है। महाराष्ट्र के लिए पांच कंपनियां जम्मू से बुलाई गई हैं और आरएएफ की मुंबई स्थित इकाई से चार कंपनियों को तैनात किए जाने का आदेश दिया गया है। राज्य ने कोरोना वायरस के कारण लागू लॉकडाउन के दौरान पुलिस बल पर काम के अत्यधिक बोझ का हवाला देते हुए उसे राहत देने के लिए हाल ही में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 20 कंपनियों को तैनात किए जाने की मांग की थी।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से पटना स्टेशन पर राजधानी एक्सप्रेस से पहुंचे यात्री अपना सामान लेकर जाते हुए

मप्र पुलिस ने तबलीगी जमात के 60 से अधिक विदेशी सदस्यों को गिरफ्तार किया

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस ने वीजा नियमों का उल्लंघन करके भारत में तबलीगी जमात की धार्मिक गतिविधियों में हिस्सा लेने के लिए 60 से अधिक विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इससे पहले पुलिस ने प्रदेश की राजधानी भोपाल के विभिन्न पुलिस थानों में इन लोगों के खिलाफ सात मामले दर्ज किए थे। भोपाल रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) उपेन्द्र जैन ने शनिवार को बताया, तबलीगी जमात के विदेशी सदस्यों के खिलाफ वीजा शर्तों के उल्लंघन के मामले दर्ज किए गए थे। वे देश में पर्यटक वीजा पर आए हैं जिससे तहत वे धार्मिक गतिविधियों में शामिल नहीं हो सकते हैं।

उन्होंने कहा कि यह वीजा शर्तों का उल्लंघन है जो कि विदेशी अधिनियम के तहत अपराध है। इसलिए इनके खिलाफ मामले दर्ज किए गए। इन मामलों में इन विदेशी नागरिकों की गिरफ्तारी की गई है। जैन ने कहा कि आरोपियों को शुक्रवार को गिरफ्तार करके अदालत में पेश किया गया जहां इनकी जमानत अर्जी नामंजूर हो गई। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि शहर के ऐशबाग, मंगलवार, श्यामला हिल्स, पिपलानी और तलैया पुलिस थानों में दर्ज सात मामलों के तहत 64 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया।

इन आरोपियों को भादवि की धारा 188, धारा 269, धारा 270 तथा राष्ट्रीय आपदा प्रबंध अधिनियम तथा विदेशी अधिनियम की सम्बद्ध धाराओं में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि इससे पहले इन तबलीगी जमात के विदेशी सदस्यों में से कुछ में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि होने के बाद उनका उपचार किया गया और शेष को पृथक करके रखा गया था। पुलिस ने बताया कि तबलीगी जमात के ए विदेशी सदस्य किर्गिस्तान, उज्बेकिस्तान, कजाखिस्तान, तंजानिया, दक्षिण अफ्रीका और म्यांमार के हैं।

विशेष ट्रेनों से प्रवासियों की वापसी का पूरा खर्च पश्चिम बंगाल सरकार उठाएगीः ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को घोषणा की है कि देश के विभिन्न हिस्सों में फंसे राज्य के प्रवासी मजदूरों के परिवहन की संपूर्ण लागत का वहन राज्य सरकार करेगी और किसी भी प्रवासी मजदूर से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। बनर्जी ने ट्वीट किया, हमारे प्रवासी श्रमिकों के कठिन परिश्रम को सलाम करते हुए, मुझे पश्चिम बंगाल सरकार के निर्णय की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि दूसरे राज्यों से प्रवासी कामगारों को विशेष ट्रेनों द्वारा लाए जाने का पूरा खर्चा राज्य सरकार उठाएगी। किसी भी प्रवासी से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस संबंध में राज्य के मुख्य सचिव राजीव सिन्हा द्वारा रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष विनोद कुमार यादव को एक संदेश भेजा गया है। बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा था कि उनकी सरकार ने देश के विभिन्न हिस्सों में फंसे लोगों को वापस लाने के लिए 105 और ट्रेनों की व्यवस्था की है, जबकि विपक्षी दलों ने सरकार पर आरोप लगाया था कि राज्य सरकार की मंशा अन्य राज्यों में फंसे हुए मजदूरों और तीर्थयात्रियों को उनके घर तक पहुंचाने की नहीं है। इन 105 ट्रेनों में से तीन शनिवार को नई दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु से रवाना होंगी। लॉकडाउन के दौरान फंसे हुए लोगों को उनके घर पहुंचाने के लिए ट्रेनों को चलाने की सरकार की यह कवायद 14 जून तक जारी रहेगी।

कोविड-19: प्रवासियों के लौटने से उत्तराखंड में बढ़े संक्रमण के मामले

भाषा। देहरादून

उत्तराखंड में प्रवासियों के वापस आने से कोविड-19 के मामलों में अप्रत्याशित वृद्धि देखी जा रही है। दस दिन पहले राज्य के लोगों को वापस लाने की प्रक्रिया शुरू होने के बाद से अब तक 17 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने यहां कहा कि राज्य में जब से प्रवासियों का लौटना शुरू हुआ है तब से जिन लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है ए सभी व्यक्ति महाराष्ट्र, गुजरात, हरियाणा या दिल्ली से आए हैं।

पिछले दस दिन में उत्तराखंड में संक्रमण के 17 नए मामले सामने आए हैं जिसके बाद राज्य में कोविड-19 के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 82 हो गई है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता जे सी पांडेय ने कहा, संक्रमण के सभी ताजा सामने आए मामले उन लोगों के हैं जो बाहर से आए हैं। महानिदेशक (कानून व्यवस्था) अशोक कुमार ने कहा, राज्य में जब से प्रवासियों का लौटना शुरू हुआ है कोविड-19 के मामले बढ़ गए हैं। पिछले दस दिन में 17 लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार दो लाख से अधिक प्रवासियों में से अभी तक 82,834 लोग राज्य में वापस आए हैं और यह प्रक्रिया आने वाले 10-15 दिन तक चलेगी।

कुमार ने कहा कि बाहर से आने वाले सभी व्यक्तियों को 14 दिन के लिए अनिवार्य रूप से घर पर या सरकारी केंद्र में पृथक-वास में रखा जा रहा है और यदि वे स्थानीय लोगों के साथ भागने की कोशिश करेंगे तो महामारी अधिनियम और आपदा प्रबंधन कानून के तहत उन पर कार्वाई की जाएगी।

स्वास्थ्य सचिव नितेश झा ने कहा कि प्रवासियों की संक्रमण की औचक जांच चार श्रेणियों में की जा रही है। इनमें 65 साल से अधिक की उम्र के लोग, बाहरी राज्यों में स्थित अस्पताल से लौटे व्यक्ति और लॉकडाउन के तीसरे चरण के दौरान वापस आए लोग शामिल हैं। सड़क मार्ग से वापस आ रहे प्रवासियों की औचक जांच उधमसिंह नगर, पौड़ी, नैनीताल, हरिद्वार और देहरादून जिले में सीमा पर स्थित जांच चौकी पर की जा रही है।

गढ़वा के कांडी में सोन नदी में डूबने से पांच व्यक्तियों की मौत, दो लापता

गढ़वा। गढ़वा जिले के कांडी प्रखंड के डूमर सोता गांव में शनिवार सुबह सात बजे सोन नदी में नहाने गए सात लोग डूब गए जिनमें से पांच की मौत हो गई जबकि दो अन्य लापता हैं। कांडी के अंचल पदाधिकारी राकेश सहाय ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि डूबने से सात लोगों की मौत होने की खबर है, हालांकि दो लोगों के शव अभी तक नहीं मिले हैं। लापता लोगों की तलाश गोताखोरों द्वारा घटना के बाद से ही लगातार जारी है। नदी में डूबने से जिन लोगों की मौत हुई है उनमें से ब्रजेश सिंह (30 वर्ष), आलोक मिश्रा (29 वर्ष), अंकित मिश्रा (19 वर्ष), नीरज मिश्रा (21 वर्ष), तथा अश्विनी दूबे (25 वर्ष) के शव मिल गए हैं जबकि 21 वर्षीय राजन दूबे एवं 25 वर्षीय सुशील मिश्रा लपाता हैं। डूमर सोता गांव के ही कुल आठ लोग एकसाथ झारखंड के सीमांत क्षेत्र स्थित सोन नदी में स्नान करने के लिए आज सुबह सात बजे निकले थे। उक्त सभी लोगों में से एक बचकर बाहर निकल गया जबकि शेष सात लोग एक दूसरे को बचाने में नदी में डूब गए। इधर पेयजल स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर में इस घटना पर ट्वीट करके कहा, सात युवकों की मौत की खबर मिलने पर स्तब्ध हूँ। मृतकों को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि। सभी मृतकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूँ। दुख की इस घड़ी में सरकार आपके साथ खड़ी है।

मुंबई में कोविड-19 से पुलिसकर्मी की मौत

मुंबई। मुंबई पुलिस के एक सहायक पुलिस निरीक्षक की कोविड-19 संक्रमण के कारण शनिवार को यहां एक सरकारी अस्पताल में मौत हो गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि धारावी में शाहू नगर पुलिस थाने में तैनात 33 वर्षीय अधिकारी को सुबह उनके घर में बेहोश पाया गया और उन्हें सायन स्थित लोकमान्य तिलक अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। सायन के प्रतीक्षा नगर में रहने वाले यह अधिकारी छुट्टी पर थे। वह सर्दी और बुखार से पीड़ित थे। अधिकारी ने बताया कि मरीज की बुधवार को जांच की गई थी और उनकी रिपोर्ट शनिवार को आई, जिसमें उन्हें संक्रमित पाया गया। मुंबई पुलिस बल में कोविड-19 से यह आठवीं मौत है।

भूमि विवाद में पुलिसकर्मी ने दो भाइयों को मारी गोली

बैरकपुर (पश्चिम बंगाल)। पश्चिम बंगाल के उत्तरी 24 परगना जिले में एक भूमि विवाद में एक पुलिस कांस्टेबल ने दो भाइयों की गोली मारकर हत्या कर दी। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह घटना शुक्रवार रात अमदंगा थाना क्षेत्र के तेतुलिया में हुई। पुलिस ने कहा कि मृतकों की पहचान अरूप मंडल (30) और सुमंत मंडल (28) के रूप में हुई है। बिधाननगर पुलिस आयुक्तालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के अंगरक्षक के रूप में तैनात आरोपी कांस्टेबल घटना के बाद से ही फरार है। पुलिस ने कहा कि गोलीबारी में एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया था जिसे बारासात के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आगे की जांच चल रही है।

पलामू में तीन नक्सली गिरफ्तार

मेदिनीनगर। पलामू जिले के पांकी थानाक्षेत्र से शनिवार को पुलिस ने अलग-अलग ठिकानों पर छापामारी करके प्रतिबंधित तृतीय प्रस्तुति कमेटी के तीन नक्सलियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार नक्सलियों से पूछताछ की जा रही है। गिरफ्तार तीनों नक्सली गत बृहस्पतिवार को पांकी थानाक्षेत्र के ही सड़क निर्माण में लगे दो जेसीबी को जलाने की घटना में शामिल थे। पुलिस अधीक्षक ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है फिलहाल विस्तृत विवरण देने से इनकार किया है।

मप्र के नौ जिले कोरोना वायरस से मुक्त

भोपाल। मध्य प्रदेश सरकार ने नौ जिलों के कोरोना वायरस संक्रमण से मुक्त होने की घोषणा की है। इन नौ जिलों में पहले कोरोना वायरस के मामले पाए गए थे। प्रदेश के अतिरिक्त मुख्य सचिव (स्वास्थ्य) मोहम्मद सुलेमान ने शुक्रवार को आयोजित समीक्षा बैठक में बताया कि प्रदेश के नौ जिले बड़वानी, आगर-मालवा, शाजापुर, श्योपुर, अलीराजपुर, हरदा, शहडोल, टीकमगढ़ और बैतूल अब संक्रमण से मुक्त हैं।

चंडीगढ़ से प्रवासी मजदूर उप्र के विभिन्न जिलों के अपने गंतव्य स्थान तक साइकिल से जाते हुए।

वंदे भारत मिशन के तहत अमेरिका से 121 भारतीय हैदराबाद पहुंचे

भाषा। हैदराबाद

कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए लागू लॉकडाउन की वजह से विदेश में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए सरकार ने वंदे भारत मिशन की शुरुआत की है जिसके तहत 121 भारतीय शनिवार को अमेरिका के नेवार्क से दिल्ली होते हुए हैदराबाद पहुंचे। हवाई अड्डे के सूत्रों ने बताया कि एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई-1839 शनिवार तड़के तीन बजकर 14 मिनट पर उतरी।

उन्होंने बताया कि सभी यात्रियों को जीएमआर हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के मुख्य यात्री टर्मिनल के जरिए देश में प्रवेश दिया गया और इस दौरान परिसर को संक्रमण मुक्त रखने का पूरा ख्याल रखा गया। एयरोब्रिज से लेकर पूरे टर्मिनल में यात्रियों के बीच सामाजिक दूरी का ख्याल रखा गया। उन्होंने बताया कि यात्रियों और विमान चालक दल के सदस्यों को 20-25 की टोलियों में विमान से बाहर लाया गया।

आव्रजन औपचारिकताओं के साथ-साथ हवाई अड्डे के स्वास्थ्य कर्मियों ने सभी यात्रियों और चालक दल सदस्यों के शरीर के तापमान की जांच की। सूत्रों ने बताया कि स्वास्थ्य जांच के बाद व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों से लैस केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के जवानों की सुरक्षा में यात्रियों को आव्रजन औपचारिकता के लिए ले जाया गया।

उन्होंने बताया कि यात्रियों के सामान को संक्रमण मुक्त करने के लिए उसे एक सुरंग से गुजारा गया जिसकी व्यवस्था हवाई अड्डे पर की गई थी। सरकारी नियमावली के तहत यात्रियों को शहर के निर्धारित स्थानों पर 14 दिनों तक पृथकवास में रहने के लिए भेजा गया है।

श्रमिकों को लेकर सरकार का रुख दुखद और आर्थिक पैकेज लोगों की समझ से परेः शरद

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं विपक्षी नेता शरद यादव ने प्रवासी श्रमिकों की स्थिति को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि व्यवस्था एवं साधन रहते हुए भी मजदूरों के लिए ठोस प्रबंध नहीं किया जाना आश्चर्यजनक एवं दुखद है और इसके बाद सरकार का आर्थिक पैकेज साधारण लोगों की समझ से परे हैं। शरद यादव ने अपने एक बयान में कहा कि प्रवासी श्रमिकों को लेकर इन दिनों जो दृश्य देखने को मिल रहे हैं, ऐसी दुखद और बेबस स्थिति को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। हम आत्मनिर्भर होने की बात कर रहे हैं और यह आज के समय में किसी मजाक से कम नहीं है। आज जो स्थिति है, उसके बारे में कहते हैं कि ऐसी स्थिति विभाजन के समय देखने को मिली थी।

यादव ने कहा, मैं प्रवासी मजदूरों के लिए ठोस व्यवस्था करने में विफल रहने और राज्य सरकारों की अनदेखी की घोर निंदा करता हूं। उन्होंने कहा कि हमारे पास व्यवस्था और साधन दोनों मौजूद होते हुए भी मजदूरों की सड़कों एवं अन्य स्थानों पर जो स्थिति देखने को मिल रही है, वह आश्चर्यजनक है कि सरकार हरकत में क्यों नहीं आ रही है। समय रहते, इन मजदूरों के लिए ठोस प्रबंधन क्यों नहीं किया गया।

सरकार जिस आर्थिक पैकेज की घोषणा कर रही है, वह किसी के समझ से परे है। वैसे सरकार हर मामले में दूसरे देशों का उदाहरण दे रही है लेकिन किस तरह की आर्थिक मदद दूसरे देश दे रहे हैं, इसकी कोई चर्चा नहीं करती है। दूसरे देशों में अगर जर्मनी ने अपने देश में हर प्रभावित व्यक्ति को सीधी मदद पहुंचाई। शरद यादव ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, हम जीडीपी का 10 प्रतिशत पैकेज के रूप में देने की बात कर रहे हैं लेकिन विशेषज्ञ बता रहें हैं कि पूरा पैकेज जीडीपी का 2.5 प्रतिशत ही निकलेगा।

मप्रः प्रवासियों ने रेलवे स्टेशन पर वेंडिंग मशीन में की तोड़फोड़

जबलपुर। मध्यप्रदेश के जबलपुर रेलवे स्टेशन पर एक विशेष ट्रेन में यात्रा कर रहे कुछ प्रवासी मजदूरों द्वारा प्लेटफार्म पर खाने की चीजें देने वाली मशीन का सामान कथित तौर पर लूटने की घटना के एक दिन बाद पश्चिम मध्य रेलवे (डब्ल्यूसीआर) ने शनिवार को अपने क्षेत्र के सभी स्टेशनों पर लगी डिस्पेंसर वेंडिंग मशीन खाली कर दीं। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार सुबह जबलपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 5 पर मुम्बई से दानापुर जा रही विशेष ट्रेन जब रुकी तो इस ट्रेन में यात्रा कर रहे कुछ प्रवासी श्रमिकों ने वेंडिंग मशीन का दरवाजा तोड़ कर इसमें भरे स्नेक्स, कोल्ड ड्रिंक्स और पानी की बोतलें लूट लीं। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गया। रेलवे के डब्ल्यूसीआर जोन में जबलपुर, भोपाल और कोटा रेल मंडल शामिल हैं तथा इसका जोनल मुख्यालय जबलपुर में है।

नगालैंड में कोरोना का एक भी मामला नहीं, स्वास्थ्य संबंधी ढांचे का भी अभाव

कोहिमा। नगालैंड में कोरोना वायरस संक्रमण का एक भी मामला नहीं है लेकिन उसके पास किसी तरह के प्रकोप से निपटने के लिए पर्याप्त स्वास्थ्य अवंरचना भी नहीं है। यह बात अधिकारियों के लिए चिंता का विषय है जो मानते हैं कि प्रार्थनाओं ने राज्य को इस घातक वायरस से दूर रखा हुआ है। करीब 20 लाख की आबादी वाले इस पूर्वोत्तर राज्य में एक भी मेडिकल कॉलेज नहीं है। उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद कोहिमा में कोविड-19 की जांच के लिए एकमात्र प्रयोगशाला स्थापित की गई है लेकिन उचित प्रांगण नहीं मिलने के चलते यह काम करना अब तक नहीं शुरू कर पाया है।

मुख्य सचिव तेमजेन तॉय ने पीटीआई-भाषा को बताया कि यह भगवान का करिश्मा है जिसने नगालैंड को अब तक कोविड-19 से सुरक्षित रखा हुआ है। उन्होंने कहा कि अन्य कारण संदिग्ध मामलों से निपट रहे स्वास्थ्य कर्मियों की कड़ी मेहनत है। तॉय ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों और सीमित ढांचों को देखते हुए हमने कोरोना वायरस को रोकने के लिए तमाम ताकत झोंक दी है, हालांकि अभी और प्रयास की जरूरत है खासकर स्वास्थ्य क्षेत्र में।

वर्तमान में, नगालैंड नमूनों को जांच के लिए मणिपुर और असम भेजता है और शुक्रवार तक 910 नमूने भेजे गए थे। इनमें से 889 नमूनों में संक्रमण नहीं मिला है जबकि 21 रिपोर्टों की प्रतीक्षा की जा रही है। तॉय ने कहा कि हमारी जांच दर कम है लेकिन लैब स्थापित होने के बाद, जांच दर बढ़ जाएगी और राज्य की साफ-साफ तस्वीर सामने आ पाएगी। मुख्य सचिव ने कहा कि सबसे बड़ी चुनौती वायरस के उन लोगों के साथ राज्य में प्रवेश करने की है जो देश के अन्य हिस्सों में फंसे रहने के बाद अब लौट रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार राज्य की स्वास्थ्य अवसंरचना को सुधारने का काम कर रही है।

मथुरा में आगरा-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग से अपने मूल स्थान पर पहुंचने के लिए प्रवासियों ने ट्रक की सवारी की।

कोरोना के विरुद्ध सभी देशों का साथ मिलकर काम करना महत्वपूर्ण

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप से कहा

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि कोरोना वायरस के प्रसार के कारण उत्पन्न वैश्विक स्वास्थ्य संकट के इस समय में दुनिया को स्वस्थ एवं कोविड-19 से मुक्त करने के लिए सभी देशों को एक साथ काम करना जरूरी है।

प्रधानमंत्री ने यह बात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस ट्वीट के जवाब में दिया जिसमें उन्होंने भारत को अच्छा मित्र बताया और घोषणा की कि अमेरिका अदृश्य शत्रु कोविड-19 से लड़ाई में मदद के लिए भारत को बड़ी संख्या में वेंटिलेटर देगा और इस बीमारी के खिलाफ टीका के विकास में दोनों देश साथ मिलकर काम कर रहे हैं। मोदी ने अपने ट्वीट में कहा, धन्यवाद राष्ट्रपति ट्रंप। इस महामारी से हम सभी सामूहिक रूप से लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में राष्ट्रों को एक साथ काम करने और दुनिया को स्वस्थ बनाने और कोविड-19 से मुक्त करने के लिए जितना संभव हो उतना काम करना जरूरी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और अमेरिका की दोस्ती अधिक शक्ति मिले। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत और अमेरिका के बीच नजदीकी साझेदारी का जिक्र किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना अच्छा मित्र बताया। उन्होंने घोषणा की कि अमेरिका अदृश्य शत्रु से लड़ाई में मदद के लिए भारत को बड़ी संख्या में वेंटिलेटर देगा। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका और भारत मिलकर घातक कोरोना वायरस के लिए टीका विकसित कर रहे हैं। ट्रम्प ने शुक्रवार को ट्वीट किया, मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है कि अमेरिका भारत में हमारे मित्रों को वेंटिलेटर्स देगा। वहीं, बुधवार को पीएम केयर्स फंड ट्रस्ट ने निर्णय किया कि कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई के खिलाफ इसका 3100 करोड़ रूपए आवंटित किया जाएगा। इसमें से 2000 करोड़ रु पया वेंटिलेटर की खरीद के लिए आवंटित किया जाएगा।

लाकडाउन के बीच मुरादाबाद से बिहार जाने वाली ट्रेन पर बैठने वाले यात्रियों के कागजातों की जांच करते रेलवे कर्मचारी

क्विक न्यूज

वेंकैया नायडू और मोदी ने सिक्किम दिवस पर लोगों को बधाई दी

नई दिल्ली। उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सिक्किम राज्य दिवस पर लोगों को बधाई दी। उन्होने कहा कि राज्य ने कई क्षेत्रों में भारत की प्रगति को समृद्ध किया है।उल्लेखनीय है कि 16 मई 1975 को सिक्किम भारत का 22वां राज्य बना था। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, सिक्किम दिवस की बधाई। प्रतिभाशाली और दयालु लोगों के गृह राज्य सिक्किम ने विभिन्न क्षेत्रों मे राष्ट्रीय प्रगति को समृद्ध किया है। प्रधानमंत्री ने जैविक खेती जैसे क्षेत्रो मे सिक्किम की प्रगति को रेखांकित किया जिसकी सभी जगह प्रशंसा हो रही है। उन्होने कहा कि वह आने वाले वर्षो मे सिक्किम की प्रगति के लिए प्रार्थना करते हैं। अपने संदेश मे उप राष्ट्रपति नायडू ने कहा, सिक्किम दिवस के अवसर पर सभी प्रदेशवासियो को हार्दिक बधाई। अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्म के लिए विख्यात सिक्किम भारत का पहला पूर्ण जैविक कृषि राज्य है, जिसने प्रकृति के साथ जीना सिखाया। स्वस्थ,समृद्ध और खुशहाल सिक्किम के लिए सभी सिक्किमवासियो को मेरी शुभकामनाएं।

लॉकडाउन से प्रभावित वकीलों को वित्तीय सहायता दी जाएगी: बार काउंसिल

नागपुर। बार काउंसिल ऑफ महाराष्ट्र एंड गोवा (बीसीएमजी) ने बम्बई उच्च न्यायालय से कहा है कि लॉकडाउन के कारण काम नही मिलने से प्रभावित अधिवक्ताओं को वह अपनी कल्याणकारी योजना के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने शुक्रवार को अदालत को यह बताया कि उसने जरूरतमंद वकीलों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से बीसीएमजी को धनराशि प्रदान की है।उच्च न्यायालय की नागपुर पीठ के न्यायमूर्ति अमित बोरकर, अधिवक्ता मोहम्मद आरिफ शेख दाऊद द्वारा दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रहे थे, जिसमे लॉकडाउन के बीच जरूरतमंद और गरीब वकीलो को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए बीसीआई और बीसीएमजी को निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। याचिकाकर्ता के वकील मीर नागमन अली ने अदालत को बताया कि जिला स्तर की अदालतो मे काम करने वाले कई वकील अदालती कामकाज बंद होने से प्रभावित हुए है। बीसीएमजी ने अदालत से कहा कि ऐसे सभी जरूरतमंद और पात्र अधिवक्ता सहायता मांगने के लिए उससे संपर्क कर सकते है और उनके मामले पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा और उन्हे वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

प.बंगाल में सात और लोगों की मौत कुल आंकड़ा बढ़ कर 160 पहुंचा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल मे कोविड-19 से सात और लोगो की मौत होने के साथ राज्य मे अब तक इस महामारी से मरने वाले लोगों की संख्या बढ़ कर 160 पहुंच गई है। वही, संक्रमण के 115 नए मामले सामने आने के साथ कुल मामले बढ़ कर 2,576 हो गए है। गृह सचिव अल्पन बंदोपाध्याय ने शनिवार को यह जानकारी दी। गृह सचिव ने बताया कि शुक्रवार से कोविड-19 के कम से कम 115 नए मामले सामने आए है और इस तरह अब तक संक्रमण के कुल 2,576 मामलों की पुष्टि हुई है।

ममता सरकार कोरोना संकट से निपटने में विफल: विजयवर्गीय

भाषा। कोलकाता

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने शनिवार को आरोप लगाया कि कोविड-19 महामारी और प्रवासी श्रमिकों के संकट से निपटने में पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पूरी तरह से विफल रही है। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस को राज्य में अगले विधानसभा चुनाव में इसके लिए भारी कीमत चुकाने के लिए तैयार रहना होगा और कोई पीआर एजेंसी या चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर इस पार्टी को नहीं बचा पाएंगे। विजयवर्गीय ने कांग्रेस की इस आलोचना को भी खारिज कर दिया कि कोरोना वायरस से निपटने के लिए लगाए गए लॉकडाउन की योजना खराब थी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पार्टी राजनीतिक रूप से दिवालिया हो चुकी है और टीएमसी जैसे भ्रष्ट क्षेत्रीय दलों की ओर देख रही हैं। विजयवर्गीय ने पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे भाजपा शासित राज्यों में श्रम कानूनों में बदलाव के मुद्दे पर कहा कि यदि भारत को चीन की तरह विनिर्माण के क्षेत्र में अग्रणी बनाना है तो मजदूरों के हित को ध्यान में रखते हुए परिवर्तन आवश्यक है।

लॉकडाउन में रेलवे ने चलाईं 1,074 श्रमिक ट्रेन

● चौदह लाख प्रवासियों को मंजिल तक पहुंचाया

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने एक मई से अब तक 1074 श्रमिक विशेष ट्रेनों का परिचालन किया। इनसे लॉकडाउन के कारण देश के विभिन्न हिस्सों में फंसे 14 लाख से अधिक प्रवासी श्रमिकों को उनके गृह राज्य पहुंचाया गया है। रेलवे ने शनिवार को यह जानकारी दी। शुक्रवार को, रेलवे ने कहा कि प्रवासियों के परिवहन के लिए उसे पिछले 15 दिनों में राज्यों से 1,000 से अधिक मंजूरियां मिली हैं।

इन ट्रनों से सबसे अधिक श्रमिक उत्तर प्रदेश पहुंचे। इसके बाद बिहार का स्थान रहा। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने प्रवासियों के परिवहन के लिए ट्रेनों के संचालन में उत्तर प्रदेश और बिहार की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि 80 प्रतिशत श्रमिक ट्रेनें इन्हीं दोनों राज्यों में गई हैं। रेलवे ने बताया कि पिछले तीन दिनों में, प्रति दिन 2 लाख से अधिक व्यक्तियों को मंजिल तक पहुंचाया गया। आने वाले दिनों में प्रतिदिन यात्रा करने वाले लोगों संख्या 3 लाख तक पहुंचने की उम्मीद है। अब तक अपने गंतव्यों तक पहुंची गाड़ियों में से अधिकतम 387 ट्रेनें उत्तर प्रदेश गई हैं। उत्तर प्रदेश ने 526 ट्रेनों के लिए मंजूरी दी है, उसके बाद बिहार ने 269 और मध्य प्रदेश ने 81 ट्रेनों के लिए मंजूरी दी है। झारखंड ने 50, ओडिशा ने 52, राजस्थान ने 23 और पश्चिम बंगाल ने नौ ट्रेनों के लिए मंजूरी दी है। गोयल ने पश्चिम बंगाल, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और झारखंड जैसे राज्यों से अधिक ट्रेनों को मंजूरी देने की अपील की थी।

रेलवे ने कहा कि ट्रेनों में सवार होने से पहले यात्रियों की समुचित जांच की जा रही है। यात्रा के दौरान यात्रियों को नि:शुल्क भोजन और पानी दिया जाता है। इन श्रमिक स्पेशल ट्रेनों में 1,200 की जगह अब ।,700 यात्रियों को ले जाया जा रहा है, ताकि ज्यादा से ज्यादा श्रमिकों को उनके घर तक पहुंचाया जा सके।

महाराष्ट्र से प्रवासियों को लेकर बिहार और पश्चिम बंगाल के लिए रवाना हुईं ट्रेनें

मुंबई। महाराष्ट्र से शनिवार को बिहार और पश्चिम बंगाल के प्रवासियों को लेकर पहली ट्रेनें रवाना हुईं। दोनों राज्यों ने अभी तक कामगारों की वापसी की अनुमति नहीं थी। महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार लॉकडाउन के दौरान पश्चिम बंगाल और बिहार के अलावा अन्य राज्यों के करीब 2.45 लाख प्रवासी मजदूरों को विशेष ट्रेनों से उनके गंतव्य स्थल भेज चुकी है। देशमुख ने कहा कि राज्य सरकार अपने गृह राज्यों को जाने के इच्छुक प्रवासी कामगारों के टिकटों का खर्च उठा रही है। देशमुख ने एक वीडियो संदेश में कहा, अब तक 191 ट्रेनों के जरिए करीब 2.45 लाख प्रवासी कामगारों को उनके गृह राज्यों में भेजा जा चुका है। ये ट्रेनें महाराष्ट्र से उत्तर प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, ओडिशा, जम्मू-कश्मीर, झारखंड और आंध्र प्रदेश के लिए चलाई गईं। देशमुख ने कहा, हम बिहार और पश्चिम बंगाल इसलिए ट्रेनें नहीं भेज पा रहे थे चूंकि इन राज्यों ने इसकी इजाजत नहीं दी थी। लेकिन शरद पवार और मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने व्यक्तिगत रूप से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से फोन पर बात की। इसके बाद पहली बार ट्रेनों को पश्चिम बंगाल और बिहार रवाना किया गया है।

भाई-बहन के खिलाफ कोरोना वायरस संक्रमण फैलाने की धमकी देने को लेकर मामला दर्ज

भाषा। खरगोन, (मप्र)

मध्यप्रदेश के खरगोन जिले में पुलिस ने 27 वर्षीय महिला और उसके भाई के खिलाफ जानलेवा कोरोना वायरस का संक्रमण फैलाने की धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज किया है। धमकी देने वाले दोनों भाई-बहन कोरोना वायरस से संक्रमित हैं तथा इनकी इस धमकी का वीडियो यहां सोशल मीडिया में वायरल हुआ है। यह जानकारी एक अधिकारी ने शनिवार को दी। अधिकारी ने बताया कि खरगोन के कोतवाली पुलिस थाने में दोनों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। सोशल मीडिया में वायरल हुआ वीडियो महिला के भाई ने बनाया था। हालांकि दोनों के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद महिला ने फिर एक ताजा वीडियो सोशल मीडिया में पोस्ट करते हुए कहा कि पहले वाला वीडियो हताशा और क्रोध में बनाया गया था क्योंकि कुछ पत्रकार उसके पिता के लिए परेशानी उत्पन्न कर रहे थे। उसके पिता भी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं और गंभीर रूप से बीमार हैं। कोतवाली पुलिस थाने के प्रभारी निरीक्षक ललित सिंह डागुर ने बताया कि महिला और उसका 21 वर्षीय भाई चीन में मेडिकल की पढ़ाई करके यहां वापस आए हैं। उन्होंने कहा, खरगोन में कोरोना वायरस संक्रमण फैलाने की धमकी वाला वीडियो पोस्ट करने पर हमने उनके खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार दोनों भाई बहन के माता-पिता भी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं और उनका उपचार चल रहा है। पुलिस ने बताया कि यह वीडियो तब बनाया गया था जब बुधवार को भाई और बहन को एम्बुलेंस में उपचार के लिए ले जाया जा रहा था। डागुर ने बताया कि दोनों के खिलाफ भादवि की धारा 188, धारा 269, धारा 270 तथा आपदा प्रबंध अधिनियम की सम्बद्ध धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। दूसरे वीडियो में महिला ने कहा है कि वह और उसका भाई डॉक्टर हैं और उनका कोरोना वायरस फैलाने का कोई इरादा नहीं है। वीडियो में महिला ने कहा, लक्षण देखने के बाद हम स्वयं ही जांच के लिए गए थे। हम डॉक्टर हैं और जानते हैं कि क्या करना है। हमारा इरादा यह नहीं था.. मैं कुछ संवाददाताओं के कारण परेशान थी। आपने देखा कि उन्होंने क्या खबर दी है। मेरे पिता के कोरोना वायरस संक्रमित होने का पता चलने के बाद उन्होंने बेकार के खबरें दी हैं। मेरे पिता गंभीर हालत में हैं।

पेज एक का शेष

सड़क हादसों..

शनिवार सुबह एक डीसीएम मेटाडोर दिल्ली से मजदूरों को लेकर आ रही थी। उन्होंने बताया, औरैया और कानपुर देहात मार्ग पर मजदूरों ने चाय पीने के लिए मेटाडोर सड़क किनारे एक चाय की दुकान पर रोकी थी। इसी दौरान राजस्थान के जयपुर से मजदूरों को लेकर आ रहे एक ट्रक ने इस मेटाडोर को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन सड़क किनारे बने गड्ढे में जा गिरे। उन्होंने बताया कि इस हादसे में 24 मजदूरों की मौत हो गई जबकि 36 मजदूर घायल हो गए। इनमें से 22 घायलों को औरैया के एक अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है जबकि गंभीर रूप से घायल 14 मजदूरों को सैफेई के पीजीआई में भर्ती कराया गया है। अग्रवाल ने बताया कि डीसीएम मेटाडोर का ड्राइवर बुरी तरह से घायल है और वह सैफेई पीजीआई में भर्ती है जबकि दूसरे ट्रक के ड्राइवर के बारे में ऐसी आशंका जताई जा रही है कि जिन 24 लोगों की मौत हुई है उनमें वह भी शामिल है क्योंकि बहुत से मृतकों की अभी पहचान नहीं हो पाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दुर्घटना पर दुख व्यक्त करते हुए ट्वीट किया, उत्तर प्रदेश के औरैया में सड़क दुर्घटना बेहद दुखद है। सरकार राहत कार्य में तत्परता से जुटी है। इस हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूं , साथ ही घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नडडा, कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। औरैया के पुलिस क्षेत्राधिकारी सुरेंद्रनाथ यादव ने बताया कि यह हादसा शनिवार सुबह तीन से साढ़े तीन बजे के बीच औरैया के मिहोली गांव के पास हुआ। अपर मुख्य सचिव (गृह) अवनीश अवस्थी ने बताया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस सड़क दुर्घटना में प्रवासी श्रमिकों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया है तथा मरने वाले मजदूरों के परिवार को दो-दो लाख रुपए और गंभीर रूप से घायल मजदूरों को 50-50 हजार रुपए की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने पीड़ितों को हरसंभव राहत प्रदान करने तथा सभी घायलों का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं। अवस्थी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने दो थानों के एसएचओ को तत्काल निलंबित करने तथा संबंधित प्रभारी क्षेत्राधिकारियों को कठोर चेतावनी देने के आदेश दिए हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने सभी सीमा क्षेत्रों को यह सुनिश्चित करने पर पुन: बल दिया है कि लोगों को ट्रक जैसे असुरक्षित वाहनों से न लाया जाए। मुख्यमंत्री ने सीमा क्षेत्र के हर जिले में 200 बसें जिलाधिकारी के पास रखने का आदेश पहले ही दे रखा है। साथ ही श्रमिकों को बस से भेजने के लिए धनराशि को भी स्वीकृति दी है। जिलाधिकारियों को इन आदेशों का सख्ती से पालन करने का पुन: निर्देश दिया गया है। इस बीच पत्रकारों से बात करते हुए उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक एचसी अवस्थी ने कहा, यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है जिसमें 24 लोगों की मौत हो गई है। मजदूर जब सो रहे थे तब उनके ऊपर सीमेंट के बोरे गिर पड़े जिससे उनकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि अधिक से अधिक ट्रेनें चलाने के निर्देश दिए गए हैं और लगातार ट्रेनें चल भी रही हैं। करीब 10 हजार बसें भी चल रही है, मजदूरों की सुरक्षित वापसी के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे है उसके बाद भी यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना हो गई जिसकी जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

योगी ने...

करने तथा सभी घायलों का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने इस घटना की जवाबदेही तय करते हुए दो थानों के एसएचओ को तत्काल निलम्बित करने का आदेश दिया। साथ ही संबंधित थाना क्षेत्र के प्रभारी क्षेत्राधिकारियों को कठोर चेतावनी देने का आदेश दिया। बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने कहा कि मथुरा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एसपी) तथा आगरा के एसएसपी एवं अतिरिक्त एसपी का तत्काल स्पष्टीकरण लिया जाए। इसके साथ ही आगरा जोन के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) एवं महानिरीक्षक (आईजी) का भी इस प्रकरण में स्पष्टीकरण मांगा गया है। उन्होंने दोनों ट्रक मालिकों पर आईपीसी की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज करने तथा दोनों ट्रकों को जब्त करने के निर्देश भी दिए हैं।

एमपी में...

एक अन्य हादसे में गुना जिले में भदोरा के पास एक टेम्पो पलट जाने से उसमें सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई। लॉकडाउन के कारण प्रतापगढ़ (उप्र) में फंसा धारावी, मुम्बई का रहने वाला एक परिवार प्रतापगढ़ से मुम्बई वापस लौट रहा था तब एक बाइक को बचाने के प्रयास में उनका वाहन शनिवार दोपहर को पलट गया। इस हादसे में 45 वर्षीय शराफत अली की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए जिनमें दो की हालत गंभीर है। बडवानी जिले में शनिवार दोपहर को आगरा-मुम्बई राष्ट्रीय राजमार्ग पर गवघाटी के पास एक ट्रक को पीछे से एक अन्य वाहन ने टक्कर मार दी। इससे ट्रक में सवार आजमगढ़ (उप्र) के रहने वाले अनिकेत ठाकुर (22) की मौत हो गई। मृतक जिस ट्रक में सवार था वह 45 प्रवासी श्रमिकों को मुम्बई से आजमगढ़ ले जा रहा था।

पीएम केयर्स...

अपने रिसर्च और प्रोडक्शन के लिए अलग फंड की स्थापना का भी प्रावधान किया। पीएम केयर्स फंड के नाम से एक अलग कोष की स्थापना की घोषणा को लेकर काफी विवाद भी हुआ। कांग्रेस और वाम दलों जैसी विपक्षी पार्टियों ने इसके औचित्य पर सवाल उठाया तथा इसके संचालन में पारदर्शिता बरतने की मांग की। उनकी दलील थी कि पीएमएनआरएफ जैसे कोष के रहते हुए अलग से पीएम केयर्स की फंड की कोई आवश्यकता नहीं थी। कई राजनीतिक दलों ने पीएम केयर्स फंड को मिले दान और उसके खर्च को सार्वजनिक करने की भी मांग की थी। कई अधिकारियों का मानना है कि विपक्षी दलों द्वारा इसके विरोध में अभियान चलाने से भी पीएम केयर्स फंड को झटका लगा है और इसमें आने वाला दान कम हुआ है। उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि जागरूकता का अभाव और खास तौर पर कोविड-19 के खिलाफ जंग को लेकर इसकी स्थापना को बारे में स्पष्टता न होने से भी दिक्कत पेश आई। भारत में 5.4 करोड़ लोग सालाना आयकर रिटर्न दाखिल करते हैं और 44.57 करोड़ लोगों के पास पैन कार्ड है। इन आंकड़ों को देखते हुए पिछले 50 दिनों में पीएम केयर्स फंड में 9000 करोड़ रुपये से कम जमा होना उत्साहवर्धक नहीं है।

उप्र में...

पर रोक लगा दी गई है। मुख्य सचिव आरके तिवारी ने सभी जिलाधिकारियों को इस बारें में निर्देश भी जारी कर दिया है। अपने निर्देश में मुख्य सचिव ने कहा है कि अन्य प्रदेशों से उत्तर प्रदेश की सीमा में पैदल, दो पहिया वाहन एवं ट्रक के माध्यम से किसी भी प्रवासी व्यक्ति को प्रवेश न करने दिया जाए। जो पैदल व्यक्ति किसी प्रकार से जिले में आ जाते हैं तो उन्हें वहीं रोक कर स्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्गत निर्देशों के अनुरूप कार्रवाई कराई जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रवासी को सड़क अथवा रेलवे लाइन पर न चलने दिया जाए। समस्त प्रवासियों के लिए खाने-पीने की सुदृढ़ व्यवस्था कराई जाए। उन्होंने शेल्टर होम्स एवं क्वारेंटाइन सेन्टर्स में समस्त व्यवस्थाएं बिस्तर, साफचादरें, पंखा भोजन, पानी, प्रकाश की उचित व्यवस्था कराये जाने के भी निर्देश दिए। तिवारी ने अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में ट्रेनों के माध्यम से प्रदेश आ रहे एवं आने वाले प्रवासियों के लि प्रत्येक रेलवे स्टेशन जहां ट्रेन का आगमन अपेक्षित है, उक्त प्रवासियों के आते ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्गत प्रोटोकॉल के पालन के लिए विशेष टीमें लगाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रवासियों को अन्य जनपद अथवा क्वारेंटाइन सेन्टर एवं शेल्टर होम्स भेजे जाने के लिए पर्याप्त संख्या में निजी बसों एवं स्कूल बसों की व्यवस्था कराये जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे वाहनों के चालकों का स्वास्थ्य परीक्षण अवश्य कराया जाए। उन्होंने नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए कि समय-समय पर समस्त व्यवस्थाओं का विशेष रूप से अनुश्रवण करें।

कोयला निजी...

तहत खनिजों के 500 ब्लॉकों की नीलामी की जाएगी। उन्होंने कहा कि एल्युमीनियम उद्योग की प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ाने के लिए बॉक्साइट और कोयला ब्लॉकों की संयुक्त नीलामी की जाएगी। उन्होंने कहा कि इससे एल्युमीनियम उद्योग को बिजली की लागत में कमी लाने में मदद मिलेगी। वित्त मंत्री ने कहा कि खनन पट्टे के स्थानांतरण और अधिशेष खनिजों की बिक्री के लिए कैप्टिव (खुद के इस्तेमाल के लिए) और नॉन-कैप्टिव खानों के अंतर को समाप्त किया जाएगा। इससे दक्षता और उत्पादन बढ़ाया जा सकेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि देश में रक्षा साजोसामान बनाने वाले ऑर्डिनेंस (आयुध) फैक्टरी बोर्ड का निगमीकरण किया जाएगा। वित्त मंत्री ने साफ किया कि यह निजीकरण नहीं है। इससे बोर्ड के कामकाज में सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि यह आगे सूचीबद्ध होगी जिससे आम नागरिकों को उसके शेयर खरीदने का मौका मिलेगा। इस क्षेत्र में स्वदेशीकरण को बढ़ावा दिया जाएगा। रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में विदेशी निवेश की सीमा 49 फीसदी के बढ़ाकर 74 फीसदी कर दी गई है। डिफेंस उत्पादन में मेक इन इंडिया पर जोर दिया जाएगा। सेना को आधुनिक हथियारों की जरूरत है और उनका उत्पादन भारत में ही होगा। ऐसे उपकरणों और हथियारों की एक सूची अधिसूचित की जाएगी जिनके आयात पर पाबंदी होगी, उन्हें केवल देश में ही खरीदा जाएगा। इसके अलावा असैन्य विमानों के लिए वायुक्षेत्र की पाबंदी में कमी की जाएगी। उन्होंने कहा कि अभी देश में उनके लिए केवल 60 फीसदी वायुक्षेत्र ही उपलब्ध है। इससे ईंधन और समय की बचत होगी और हवाई यात्रा करने वालों को कम किराया देना पड़ेगा। देश में पीपीपी के तहत 6 नए हवाई अड्डे विकसित किए जाएंगे। पहले और दूसरे चरण में 12 हवाई अड्डों में 13 हजार करोड़ रुपए का निवेश आएगा। देश में ही विमानों के रखरखाव और मरम्मत को बढ़ावा दिया जाएगा। विमान रखरखाव और मरम्मत के लिए भारत को एक वैश्विक केंद्र बनाया जाएगा। सरकार का अनुमान है कि वायु क्षेत्र को अधिक खुला करने से नागर विमानन क्षेत्र को प्रति वर्ष लगभग 1,000 करोड़ रुपये का लाभ होगा। संवाददाता सम्मेलन में वित्त मंत्री ने कहा कि अंतरिक्ष में निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ाने का मौका दिया जाएगा। निजी कंपनियों को इसरो की सुविधाओं का इस्तेमाल कर सकेंगे। जियोस्पेशल डेटा के लिए उदार नीति लाई जाएगी ताकि हमारे स्टार्ट अप को विदेशों पर निर्भर न रहना पड़े। उन्होंने कहा कि मेडिकल आइसोटोप बनाने के लिए पीपीपी मोड में रिसर्च रिएक्टर की स्थापना होगी। इससे कैंसर जैसी बीमारियों के इलाज में दुनिया को मदद मिलेगी। अभी परमाणु ऊर्जा पूरी तरह सरकार के पास है। जल्दी खराब होने वाली सब्जियों के लिए विकिरण तकनीक के माध्यम से एक खाद्य संरक्षण बनाया जाएगा। इससे फसलों को बर्बाद होने से बचाया जा सकेगा और प्याज जैसी उपज का लंबे समय तक भंडारण हो सकेगा। स्टार्ट अप को देश की परमाणु ऊर्जा का लाभ दिया जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सामाजिक ढांचागत परियोजनाओं को आर्थिक दृष्टि से व्यावहारिक बनाने को सरकार की ओर से दी जाने वाली वित्तीय मदद यानी वायबिलटी गैप फंडिंग (वीजीएफ) बढ़ाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि सामाजिक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए वीजीएफ के तहत 8,100 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे। सीतारमण ने कहा कि सामाजिक ढांचागत परियोजनाओं की व्यवहार्यता कमजोर रहती है। ऐसे में सरकार कुल परियोजना लागत पर वीजीएफ को बढ़ाकर केंद्र और राज्य-सांविधिक निकायों के दोनों के स्तर पर 30-30 प्रतिशत करेगी। उन्होंने कहा कि अन्य क्षेत्रों के लिए भारत सरकार और राज्य-सांविधिक निकायों की ओर से 20-20 प्रतिशत का वीजीएफ समर्थन जारी रहेंगे। सरकार केंद्र शासित प्रदेशों में बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) का भी निजीकरण करेगी। उन्होंने कहा कि बिजली की दर को लेकर ऐसी नीति की गारंटी दी जायेगी, जिसमें उपभोक्ताओं को बोझ नहीं उठाना पड़े।

प्रवासी मजदूरों...

मजदूरों का पलायन जारी है। कांग्रेस महासचिव और राहुल गांधी की बहन प्रियंका गांधी ने मजदूरों से बातचीत को लेकर कहा कि ये अपने लोग हैं। हम इन्हें अकेला नहीं छोड़ सकते। उन्हें अपने नेता राहुल गांधी पर नाज है। वह उनका दुख दर्द बांट रहे हैं। सुखदेव विहार फ्लाईओवर के पास राहुल गांधी के पहुंचने के बाद दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौधरी और युवा कांग्रेस अध्यक्ष श्रीनिवास भी वहां आ गए और राहुल गांधी के कहने पर मजदूरों को कार से भेजने की व्यवस्था करने लगे। यहां राहुल गांधी से मुलाकात करने वाले एक मजदूर ने कहा कि राहुल गांधी ने उनसे पूछा कि कहां जाना है। हमने अपने गांव का पता बता दिया। इस पर राहुल ने उन्हें भेजने की व्यवस्था करने का भरोसा दिलाया। हम रास्ते में चले जा रहे थे, वे अचानक आ गए। हम लोग रुक गए और थोड़ी बातचीत हो गई। दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष अनिल चौधरी ने कहा कि हमें पता चला कि जिन मजदूरों से बातचीत हुई थी, उन्हें हिरासत में लिया जा रहा है। पुलिस से बातचीत के बाद यह तय हुआ कि दो लोगों को एक साथ जाने देंगे। अब कांग्रेस के कार्यकर्ता उन्हें घर भेजने का इंतजाम कर रहे हैं। इससे पहले शनिवार को राहुल गांधी ने कोरोना वायरस महामारी में मुसीबत का सामना कर रहे गरीबों, किसानों और मजदूरों तक 'न्याय' योजना की तर्ज पर मदद पहुंचाने की मांग की है। उन्होंने नरेंद्र मोदी सरकार से आग्रह किया कि वह आर्थिक पैकेज पर पुनर्विचार करें और सीधे लोगों के खातों में पैसे डालें। उधर, पुलिस सूत्रों का कहना है कि यह गलत सूचना है कि राहुल गांधी से मिलने वाले प्रवासियों को पुलिस ने हिरासत में लिया गया है।

दिल्ली में...

155 मरीज आईसीयू में हैं, इनमें से 26 मरीज वेंटिलेटर पर हैं। दिल्ली के भीतर अब तक 1,30,845 टेस्ट किए जा चुके हैं। सरकार उन सभी इलाकों को हॉटस्पॉट मानकर सील कर रही है, जहां कोरोना के तीन से अधिक मामले पाए गए हैं। यहां अब कुल 76 कंटेनमेंट जोन है। ये इलाके पूरी तरह सील है। किसी भी कोरोना कंटेनमेंट जोन या कोरोना हॉटस्पॉट में बाहर का कोई व्यक्ति प्रवेश नहीं कर सकता। दिल्ली सरकार ने शनिवार को बताया कि कोरोना से मरने वालों में सबसे ज्यादा 60 साल या उससे ऊपर उम्र के लोग हैं। यहां ऐसे 1367 व्यक्तियों को कोरोना संक्रमण हुआ है। इनमें से अब तक 67 की मौत हो चुकी है। इनके अलावा 50-60 वर्ष की उम्र के 1416 लोग संक्रमित पाए गए हैं, इनमें से 35 मरीजों की मौत हुई है। दिल्ली में कोरोना के सबसे ज्यादा मरीज 50 साल या उससे कम उम्र के हैं। इस एज ब्रैकेट के कुल 6550 मरीजों में से 27 जान गंवा चुके हैं।

बिहार में संक्रमण के 46 नए मामले आए सामने

भाषा । पटना

● संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 1,079 हुई

बिहार में कोविड-19 से 46 और लोगों के संक्रमित पाए जाने के बाद राज्य में संक्रमित लोगों की कुल संख्या बढ़कर 1,079 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव संजय कुमार ने बताया कि शुक्रवार को वायरस संक्रमण के 46 और मामले सामने आए। ताजा मामलों में से पांच पटना जिले से सामने आए हैं जहां संक्रमित लोगों की संख्या अब 105 हो गई है। उन्होंने कहा कि नए मामलों में से 14 वर्षीय एक लड़की बख्तियारपुर ग्रामीण इलाके की है जबकि चार अन्य बिहार मिलिट्री पुलिस (बीएमपी) की 14वीं बटालियन के जवान हैं।

शहर के खाजपुरा इलाके में स्थित बीएमपी-14 के अब तक 25 जवान संक्रमित हो चुके हैं। संक्रमण की यह श्रृंखला तब शुरू हुई जब बिजलीगली इलाके की 32 वर्षीय एक महिला सांस में तकलीफ के कारण एम्स में भर्ती कराए जाने पर संक्रमित मिली। कुछ दिनों के अंदर ही इलाक के 20 लोग संक्रमण का शिकार हो गए और जल्द ही आस पास के इलाकों जैसे राजा बाजार और बेली रोड स्थित बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) के कार्यालय के पास स्थित झुग्गियों में फैल गया। पटना के जिलाधिकारी कुमार रवि ने कहा कि बीपीएससी के पास स्थित झुग्गियों के इलाके बिजली गली और राजा बाजार की मछली गली के अलावा बीएमपी-14 की कम से कम पांच बैरकों को निषिद्ध क्षेत्र घोषित किया गया है। उन्होंने कहा कि इन इलाकों में लॉकडाउन का सख्ती से पालन कराया जा रहा है। प्रधान सचिव ने कहा कि जमुई जिले में कोविड-19 से सात और लोग संक्रमित मिले हैं। यहां पहला मामला 12 मई को सामने आया था और अब जिले में कुल मामले बढ़कर 10 हो गए हैं। बांका जिले से 18 नए मामले मिले हं जबकि शेखपुरा से कोविड-19 के 10 नए मामले मिले हैं। कटिहार में तीन और औरंगाबाद में दो लोग संक्रमित मिले हैं। मुंगेर जिले में दो साल का एक बच्चा कोविड-19 संक्रमित मिला है। जिले में अब तक सबसे ज्यादा 123 मामले सामने आ चुके हैं। कोरोना वायरस संक्रमण अब राज्य के सभी 38 जिलों में पांव पसार चुका है। रोहतास में अब तक 77, कैमूर में 66 और बक्सर में 59 मामले सामने आ चुके हैं। बिहार में इस महीने के शुरू से संक्रमण के मामले तेजी से बढ़े हैं खास तौर पर विशेष ट्रेनों और अन्य माध्यमों के जरिए राज्य में प्रवासियों के बड़ी संख्या में लौटने के बाद। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक चार मई के बाद प्रदेश में लौटे प्रवासियों में से 427 कोरोना वायरस संक्रमित पाए गए हैं। इनमें से अधिकतर दिल्ली (112), गुजरात (106), महाराष्ट्र (97) से आए हैं। राज्य में श्रमिक विशेष ट्रेनों से अब तक देश के अलग-अलग हिस्सों से करीब तीन लाख प्रवासी लौट चुके हैं।

आंध्र प्रदेश में कोविड-19 से एक की मौत, 48 नए मामले सामने आए

भाषा । अमरावती (आंध्र प्रदेश)

आंध्र प्रदेश में कोविड-19 के 48 और मामले सामने आने से शनिवार को संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 2,355 हो गए। जबकि संक्रमण से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जिससे राज्य में वायरस से मरने वालों की संख्या 49 हो गई है। इस बीच, सरकार प्रदेश के भीतर प्रवासी श्रमिकों के लिए मुफ्त बसें चलाने के लिए तैयारी कर रही है। स्वास्थ्य विभाग के बुलेटिन में कहा गया कि कुल मामलों में से 31 चेन्नई के कोयमबेडु बाजार से जुड़े हुए हैं।

शनिवार सुबह नौ बजे तक पिछले 24 घंटे की अवधि में सामने आए नए मामलों में से नेल्लोर, गुंटूर और कुरनूल जिलों के नौ-नौ मामले हैं। चित्तूर से आठ, कृष्णा से सात, विशाखापत्तनम से चार और कडपा एवं पश्चिम गोदावरी से एक-एक मामला सामने आया है। इसमें बताया गया कि एक मरीज की मौत कुरनूल में हुई। कुल 9,628 लोगों के नमूनों की जांच की गई और 101 लोगों को इलाज के बाद विभिन्न अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई जिसके बाद स्वस्थ हुए लोगों की संख्या ।,353 हो गई। राज्य में अभी 803 मरीजों का इलाज चल रहा है। इस बीच, मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने उपमुख्यमंत्री (स्वास्थ्य) ए के के श्रीनिवास, मुख्य सचिव नीलम साहनी, डीजीपी गौतम सवांग और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की और लॉकडाउन से बाहर निकलने के दौरान होने वाली रणनीतियों पर चर्चा की।

जबलपुर में नेशनल हाईवे पर चल रहे राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान एक ट्रक पर सवार होकर अपने मूल स्थानों पर वापस जाते प्रवासी मजदूर

वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से वकालत करने का अभ्यास डालें

भाषा । मुंबई

● उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने वकीलों से कहा

बंबई उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश ने ने शनिवार को टिप्पणी की कि कोरोना वायरस फैलने के कारण वकीलों को मिलीजुली व्यवस्था अपनानी होगी जहां कुछ काम वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से होंगे न कि वास्तव में अदालतों में उपस्थित होकर। न्यायमूर्ति गौतम पटेल ने महामारी के समय में ई-अदालतों और वकालत पर ऑनलाइन व्याख्यान के दौरान कहा कि वर्तमान स्थिति में कानूनी पेशेवरों की कमाई भी प्रभावित होगी। उन्होंने कहा, खासे लंबे समय तक और कोई नहीं बता सकता कि कब तक मिलीजुली व्यवस्था रहेगी जहां सामाजिक दूरी को अधितम करने के लिए कुछ काम वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से होगा और अन्य कार्य अदालतों में होंगे। न्यायमूर्ति पटेल ने कहा कि वकीलों को इसके लिए तैयार रहने की जरूरत है और कम्प्यूटर, टैबलेट और अच्छी इंटरनेट कनेक्टिविटी जैसे अच्छे उपकरणों में निवेश करना होगा। उन्होंने कहा कि कमाई भी कम हो जाएगी। उन्होंने कहा, मैं ऐसी स्थिति की उम्मीद करता हूं कि वादी अब उतने शुल्क का भुगतान भी नहीं करना चाहेंगे, जो हाल में जनवरी या फरवरी में करने के लिए तैयार थे और काम भी कम होगा। न्यायमूर्ति पटेल ने कहा कि कानूनी पेशेवरों को भी वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से अदालत में पेश होने का तौर-तरीका सीखना होगा। उन्होंने कहा, आपको सावधान रहना होगा कि आप किस तरह से अदालत के माहौल में पेश होते हैं। आप घर से काम कर रहे हैं, तो इसका यह मतलब नहीं कि यह अदालत से कम है। उन्होंने कहा कि लोगों को उसी तरह से गंभीरता दिखाने की जरूरत होगी जैसी वे नियमित अदालत में दिखाते हैं।

उत्तराखंड में एक दिन में कोविड-19 के सर्वाधिक मामले सामने आए, कुल संख्या 88 हुई

भाषा । देहरादून

उत्तराखंड में शनिवार को कोविड-19 के छह मामले सामने आए जिसके बाद संक्रमण के मामलों की संख्या बढ़कर 88 हो गई। राज्य में संक्रमण के सामने आए ए मामले एक दिन की सर्वाधिक संख्या है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी एक बुलेटिन में यह जानकारी दी गई। बुलेटिन में कहा गया कि ताजा सामने आए मामलों में से चार देहरादून जिले के और दो उधमसिंह नगर के हैं। उधमसिंह नगर के दो मरीज महाराष्ट्र और हरियाणा से लौटे थे।

स्वास्थ्य अधिकारियों ने यहां कहा कि संक्रमण से अत्यधिक प्रभावित महाराष्ट्र और गुजरात जैसे राज्यों से वापस आने वाले प्रवासियों के कारण उत्तराखंड में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने राज्य में कोविड-19 की स्थिति की समीक्षा करने के लिए अधिकारियों के साथ शनिवार को बैठक की और अधिकारियों से कहा कि वापस आने वाले प्रवासियों को पृथक-वास में भेजे जाने की पूरी जानकारी रखी जाए ताकि उनके स्वास्थ्य की निगरानी की जा सके।

रूपाणी ने अहमद पटेल पर साधा निशाना

भाषा । अहमदाबाद

● अहमदाबाद में कोरोना वायरस के लिए परीक्षण संख्या को लेकर तकरार

गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने अहमदाबाद में कोरोना वायरस के लिए नमूनों के परीक्षण की संख्या को लेकर सवाल उठाने वाले कांग्रेस के नेता अहमद पटेल पर शनिवार को निशाना साधा। पटेल ने महामारी के हॉटस्पॉट अहमदाबाद में कोरोना वायरस परीक्षण की संख्या घटाने के लिए सरकार पर सवाल उठाए थे। गुजरात में शुक्रवार की अपराह्न तक कोरोना वायरस संक्रमण के 9,932 मामले थे जिनमें 606 मरीजों की मौत के मामले भी शामिल हैं। इस संक्रमण से 4,035 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। इसमें से अहमदाबाद में कोरोना वायरस के 7,171 मामले हैं जिसमें से 479 लोगों की मौत हो चुकी है और 2,382 लोग स्वस्थ हो चुके हैं।

पटेल ने ट्वीट किया, गुजरात सरकार जांच क्यों कम कर रही है? यह बहुत परेशान करने वाला है और यह परीक्षण को बढ़ाए जाने की राष्ट्रीय नीति के विपरीत है। एक महामारी में समस्या को छिपाने की कोशिश करने के बजाय समस्या के बारे में ईमानदार होना महत्वपूर्ण है। पटेल द्वारा साझा की गई एक तालिका के अनुसार अहमदाबाद जिले में 17 मई को कोरोना वायरस के लिए ।,724 नमूनों की जांच की गई जबकि एक मई को 2,522 नमूनों की जांच की गई थी। इसके अनुसार 12 मई 1,227 नमूनों की जांच की गई जबकि 13 मई को 1,503 नमूनों की जांच गई और 14 मई को 1,240 नमूनों की जांच की गई। इस आरोप पर पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री रुपाणी ने गुजरात के साथ-साथ अहमदाबाद, सूरत और वडोदरा में 16 मई तक नमूनों की जांच की कुल संख्या से संबंधित एक तालिका ट्वीट की। उन्होंने ट्वीट में कहा, श्रीमान अहमद पटेल, गुजरात ने परीक्षणों की संख्या में कमी नहीं की है। कृपया अपनी सूचना के स्रोतों की फिर से जांच करें जो तथ्यों तथा जमीनी हकीकत से परे है। रुपाणी ने कहा कि गुजरात में कोरोना वायरस के लिए अब तक 1,27,858 लोगों के नमूनों की जांच की गई है। उन्होंने कहा कि 52,277 नमूनों की जांच अहमदाबाद जिले में की गई थी जबकि सूरत में 23,928 और वडोदरा में 6,371 नमूनों की जांच की गई।

गुजरात में एक सप्ताह में 700 सुपरस्प्रेडर कोरोना संक्रमित पाए गए

भाषा । अहमदाबाद

अहमदाबाद में सात मई से 14 मई के बीच सब्जी विक्रेताओं और दुकानदारों की जांच किए जाने पर कम से कम 700 सुपरस्प्रेडर कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। इसके पहले अधिकारियों ने दूध और दवा की दुकानों के अलावा सभी दुकानें बंद करने का आदेश दिया था। एक वरिष्ठ नौकरशाह ने शनिवार को यह जानकारी दी। बड़ी संख्या में लोगों के संपर्क में आने वालों जैसे सब्जी विक्रेताओं को सुपरस्प्रेडर नाम दिया गया है क्योंकि वे कई लोगों को संक्रमित करने की क्षमता रखते हैं। ऐसे लोगों में सब्जी विक्रेता, किराना और दूध की दुकान के मालिक, पेट्रोल पंप कर्मी या कचरा बीनने वाले भी हो सकते हैं जो अपने काम के कारण संक्रमण के प्रसार का जोखिम उठाते हैं। अहमदाबाद में कोविड-19 के मामलों पर संज्ञान लेने के लिए नियुक्त अतिरिक्त मुख्य सचिव राजीव गुप्ता ने कहा, एक सप्ताह में कुल 33,500 सुपर स्प्रेडरों में से 12,500 (उनमें से)लोगों की जांच की गई जिनमें से 700 सुपरस्प्रेडर संक्रमित पाए गए और उन्हें पृथक-वास में भेज दिया गया। अहमदाबाद में सात मई से आवश्यक वस्तुओं की दुकानें भी बंद कर दी गई थीं जिन्हें कुछ दिन बाद कुछ शर्तों के साथ खोल दिया गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, किराने की दुकानों और सब्जी विक्रेताओं को 15 मई से अपने व्यवसाय को फिर से शुरू करने की अनुमति दी गई थी, बशर्ते उनके पास स्वास्थ्य जांच कार्ड हो।

कोलकाता में देशव्यापी तालाबंदी के दौरान भारतीय रेलवे द्वारा यात्री ट्रेन सेवाओं को फिर से शुरू करने के बाद नई दिल्ली से हावड़ा स्टेशन पर पहुंचे यात्री

आईएनएलसीयू एल57 युद्धपोत भारतीय नौसेना में शामिल

नई दिल्ली । गार्डन रिच शिप बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) द्वारा निर्मित लैंडिंग क्राफ्ट यूटिलिटी मार्क फोर युद्धपोत को शुक्रवार को पोर्ट ब्लेयर में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। इसे अंडमान-निकोबार कमान के कमांडर इन चीफ लेफ्टिनेंट जनरल पी. एस. राजेश्वर ने नौसेना में शामिल किया। सरकारी जीआरएसई ने एक आधिकारिक विज्ञप्ति में बताया गया कि युद्धपोत आईएनएलसीयू एल57 भारतीय नौसेना में शामिल किया गया सातवां एलसीयू मार्क फोर है। एलसीयू मार्क फोर जल और थल दोनों पर चलने में सक्षम पोत है और इसका प्राथमिक काम मुख्य युद्धक टैंको, बख्तरबंद वाहन, सैनिकों और साजो-सामान का पोत से से तट तक परिवहन करना और उनकी तैनाती करना होगा। जीआरएसई ने कहा, मार्क फोर एलसीयू का पहला पोत आईएनएलसीयू एल51 मार्च 2017 में नौसेना में शामिल हुआ था। बयान के मुताबिक इन एलसीयू मार्क फोर पोत का पूरा डिजाइन जीआरएसई ने नौसेना की जरूरतों के मुताबिक विकसित किया है।

रक्षा क्षेत्र में एफडीआई बढ़ाने और आयुध कारखानों के निजीकरण के प्रयास निंदनीयः कांग्रेस

भाषा । नई दिल्ली

कांग्रेस ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा आर्थिक पैकेज की चौथी किस्त की घोषणा किए जाने के बाद शनिवार को कहा कि रक्षा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) सीमा का बढ़ाया जाना और आयुध कारखानों के निजीकरण का प्रयास निंदनीय है क्योंकि ए विषय देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़े हैं। पार्टी प्रवक्ता गौरव वल्लभ ने यह भी कहा कि सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह बताना चाहिए कि अब तक की घोषणाओं से देश के आम लोगों की जेब में कितना पैसा गया? उन्होंने वीडियो लिंक के माध्यम से संवाददताओं से बातचीत में दावा किया, निगमीकरण के नाम पर आयुध कारखानों का निजीकरण किया जा रहा है। आयुध कारखाने हमारी सामरिक संपत्ति हैं, इनके निजीकरण का हम कड़ा विरोध करते हैं।

वल्लभ ने कहा कि आयुध कारखानों का निजीकरण नहीं, बल्कि आधुनिकीकरण करने की जरूरत है। सरकार को इस आधुनिकीकरण के लिए नए निवेश और नई प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल की घोषणा करनी चाहिए।उन्होंने कहा, सरकार ने रक्षा क्षेत्र में एफडीआई बढ़ा दिया। यह सामरिक महत्व का क्षेत्र है। संप्रग सरकार के समय भी ऐसा प्रस्ताव था, लेकिन हमने इसे खारिज किया। कांग्रेस रक्षा क्षेत्र में एफडीआई बढ़ाने का घोर विरोध करती है क्योंकि हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता का सवाल है। वल्लभ ने कहा कि सरकार का ए कदम निंदनीय हैं। कांग्रेस के डेटा विश्लेषण विभाग के प्रमुख प्रवीण चकवर्ती ने कहा, क्या वित्त मंत्री यह मानती हैं कि देश में आर्थिक संकट है? हमारा मानना है कि देश में गंभीर मानवीय और आर्थिक संकट है। उन्होंने आरोप लगाया कि विदेशी एजेंसियों की ओर से रेटिंग घटा देने की चिंता में सरकार इस तरह के कदम उठा रही है। चक्रवर्ती ने कहा, हम वित्त मंत्री से आग्रह करते हैं कि रेटिंग के चक्कर में नहीं पड़े और अर्थव्यवस्था के मांग के पक्ष पर ध्यान दें। गौरतलब है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को आर्थिक पैकेज की चौथी किस्त की जारी करते हुए खनिजों के खनन के क्षेत्र में कई सुधारों समेत विभिन्न घोषणाएं कीं। उन्होंने रक्षा विनिर्माण क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की सीमा को 49 से बढ़ाकर 74 प्रतिशत करने का ऐलान किया। वित्त मंत्री ने कहा कि बेहतर प्रबंधन के लिए आयुध कारखाना बोर्ड को कंपनी बनाया जाएगा। बाद में इसे शेयर बाजारों में सूचीबद्ध किया जाएगा।

आरोग्य सेतु ऐप के नाम पर धोखाधड़ी के मामले बढ़े हैंः साइबर एजेंसी

नई दिल्ली । भारत की साइबर सुरक्षा एजेंसी ने शनिवार को कहा कि देश में आरोग्य सेतु मोबाइल ऐप के नाम पर ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामलों में तेजी आई है। एजेंसी का कहना है कि कोविड-19 महामारी के दौरान इंटरनेट उपयोक्ताओं की जिज्ञासा का लाभ उठा कर ठग उनके साथ साइबर धोखाधड़ी कर रहे हैं। एजेंसी ने कहा कि साइबर अपराधी विश्व स्वास्थ्य संगठन से जुड़ी लिंक और लोकप्रिय वीडियो कांफ्रेंस साइटों जैसे जूम आदि से मिलते-जुलते लिंक बनाकर भी लोगों की संवेदनशील सूचनाएं चुरा रहे हैं। पीटीआई को प्राप्त हुई भारतीय कम्प्यूटर इमरजेंसी प्रतिक्रिया दल (सीईआरटी-इंडिया) द्वारा जारी परामर्श की प्रति में एजेंसी ने कहा है, आरोग्य सेतु ऐप के नाम पर साइबर धोखाधड़ी के मामले बढ़े हैं। अपराधी एसआर विभाग, सीईओ या अन्य किसी जानकारी व्यक्ति का नाम लेकर उपयोक्ताओं को यह कह कर निशाना बनाते हैं कि आपका पड़ोसी संक्रमित हो गया है, देखें और कौन-कौन प्रभावित है, क्या आपके संपर्क में आया कोई व्यक्ति भी संक्रमित हुआ है, आरोग्य सेतु ऐप का उपयोग करने के दिशा-निर्देश आदि बहानों का उपयोग करते हैं।

दो पड़ोसी परिवारों में विवाद, महिला सहित दो व्यक्तियों की हत्या

भिण्ड, (मप्र) । मध्यप्रदेश के भिण्ड शहर की एक कॉलोनी में कोरोना वायरस संक्रमण के भय को लेकर दो पड़ोसी परिवारों में शुक्रवार को गहरा विवाद हो गया। इस विवाद में एक महिला सहित दो लोगों के हत्या हो गई। पुलिस ने हत्या के आरोप में एक परिवार के पांच लोगों को गिरफ्तार किया है जबकि चार आरोपी फिलहाल फरार हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव कंचन ने शनिवार को बताया कि शहर के प्रेमनगर कॉलोनी में विष्णु और छुटंगी खान का परिवार आसपास रहता है। शुक्रवार को छुटंगी का दामाद जो कि एक माह पहले दिल्ली से आया था, घर के बाहर बैठा था और उसे छींकें और खांसी आ रही थीं। इस पर पड़ोस में रहने वाले विष्णु के परिवार की महिलाओं ने आपत्ति जताई और उसे कोरोना वायरस के संक्रमण के चलते घर के अंदर बैठने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि इस बात पर दोनों परिवारों में झगड़ा हो गया और झगड़े में छुटंगी के परिवार ने कथित तौर पर कलावती (45) के सिर में पत्थर मारकर तथा विष्णु (55) के पेट में चाकू मारकर उन्हें गंभीर रुप से घायल कर दिया। दोनों की बाद में अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने हत्या के आरोप में छुटंगी खान सहित उसके परिवार के नौ लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है जबकि चार आरोपी फिलहाल फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

महाराष्ट्र के बांधों में जल भंडार पिछले साल से लगभग तीन गुना ज्यादा

भाषा । मुंबई

महाराष्ट्र में भले ही कोरोना वायरस के कारण स्थिति विकट हो लेकिन जल भंडार के लिहाज से वहां इस समय थोड़ी राहत है क्योंकि पिछले साल इसी अवधि की तुलना में इस बार राज्य में करीब तीन गुना ज्यादा उपयोगी जल भंडार उपलब्ध है। राज्य ने पिछले कुछ वर्षों से लगातार सूखे का सामना किया है। हालांकि, पिछले साल राज्य के अधिकांश हिस्सों में अच्छी बारिश हुई थी।

महाराष्ट्र सरकार की शनिवार की एक रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य भर में 3,267 बड़े, मध्यम एवं छोटे जलाशयों में 16,472.13 मिलियन घन मीटर जल भंडार दर्ज किया गया है जो 40,897.95 मिलियन घन मीटर की कुल क्षमता का 40.28 प्रतिशत है। पिछले साल इसी दिन, इन सभी बांधों में उपलब्ध जल भंडार 14.8 प्रतिशत था। हालांकि मराठवाड़ा क्षेत्र के मांजरा (बीड) समेत कुछ बड़े बांधों में पिछले साल की ही तरह इस साल भी उपयोगी जल का भंडार कम है। मराठवाड़ा के औरंगाबाद मंडल में नौ बड़े बांधों में अब तक।,792.31 मिलियन घन मीटर उपयोगी जल भंडार है जो कि इनकी 4,097.77 मिलियन घन मीटर की कुल जल भंडार क्षमता का 43.74 प्रतिशत है। पिछले वर्ष, औरंगाबाद, बीड, हिंगोली, नांदेड़, उस्मानाबाद और परभणी जिलों के इन बांधों में जल भंडार महज 0.44 प्रतिशत था। औरंगाबाद जिले की एक प्रमुख परियोजना पैठन में जयकवाड़ी बांध पिछले साल सूख (उपयोगी जल के लिहाज से) गया था। हालांकि इस साल इसमें ।,006.32 मिलियन घन मीटर उपयोगी जल भंडार की मौजूद है जो उसकी कुल क्षमता 2,170.93 मिलियन घन मीटर का 46.35 प्रतिशत है। इसी तरह मजलगांव (बीड) एलदारी और सिद्धेश्वर (हिंगोली) और लोअर टर्ना (उस्मानाबाद) में इस साल जल भंडार की स्थिति बेहतर है। हालांकि, मंजरा, सिना कोलेगांव (उस्मानाबाद) और लोअर दुधाना बांधों में पिछले साल की ही तरह इस साल भी उपयोगी जल समाप्त हो गया है। विदर्भ के अमरावती क्षेत्र के 10 बड़े बांधों में तापमान बढ़ने के बाद जल सूख जाता है। वर्तमान में इनमे उपयोगी जल ।,187.69 मिलियन घन मीटर है जो कुल क्षमता 2,482.65 मिलियन घन मीटर का 47.84 प्रतिशत है।

एनसीएमसी ने आसन्न चक्रवात को लेकर तैयारियों की समीक्षा की

नई दिल्ली । राष्ट्रीय संकट प्रबंधन समिति (एनसीएमसी) ने आसन्न चक्रवात के लिए तैयारियों की शनिवार को समीक्षा की। इस चक्रवात के ओडिशा और पश्चिम बंगाल तट से टकराने की आशंका है। समिति ने इन दो राज्यों को तत्काल मदद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार कैबिनेट सचिव राजीव गौबा की अध्यक्षता में यहां हुई समिति की बैठक में बंगाल की खाड़ी में आसन्न चक्रवात के लिए तैयारियों का जायजा लिया। इसमें कहा गया है कि कैबिनेट सचिव ने मौजूदा स्थिति और राहत अभियानों की तैयारियों की समीक्षा की और तत्काल मदद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में बने अधिक दबाव वाले क्षेत्र के चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है और यह 20 मई तक ओडिशा तथा पश्चिम बंगाल तटों को पार कर सकता है। इसके प्रभाव से तीव्र हवाओं के साथ भारी बारिश होने का अनुमान है। बैठक के दौरान राज्य सरकारों के संबंधित अधिकारियों ने चक्रवाती तूफान के कारण उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अपनी तैयारियों की पुष्टि की। बयान में कहा गया है कि राज्य सरकारों ने मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी है। राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), सशस्त्र बलों और भारतीय तटरक्षक बल को सतर्क किया गया है और राज्य सरकार के अधिकारियों से समन्वय करने को कहा गया है।

जालंधर में लाकडाउन के दौरान बल्ले बनाने वाले कारखाने में मास्क पहनकर काम करते कारीगर

इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी सैनसम सिर में चोट के कारण अस्पताल में भर्ती

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व फुटबाल खिलाड़ी केनी सैनसम सिर में गंभीर चोट के कारण अस्पताल में भर्ती हुए है। आर्सेनल के 61 साल के रक्षापंक्ति के इस पूर्व खिलाड़ी के ट्विटर हैंडल ने उनके इलाज की पुष्टि की। सैनसम 1986 विश्व कप में हैंड ऑफ गॉड गोल वाले प्रकरण में शामिल थे। इंग्लैंड के लिए 86 मैच और दो विश्व कप (1982, 1986) में खेलने वाले इस खिलाड़ी के परिवार ने हालांकि चोट का कारण नहीं बताया लेकिन इस बात की पुष्टि की कि वह कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं है।

कोरोना महामारी के कारण वेस्टइंडीज क्रिकेट आईसीयू में

किंग्सटन। क्रिकेट वेस्टइंडीज के प्रमुख रिकी स्केरिट ने कहा है कि पहले ही से रुग्ण उनका क्रिकेट संघ कोरोना वायरस महामारी के कारण आईसीयू में चला गया है और इस आर्थिक संकट से उबरने के लिए उन्हें काफी कटौतियां करनी होंगी। कोरोना महामारी के कारण दुनिया भर मे क्रिकेट समेत सारे खेल बंद है। इस संकट ने पहले ही से आर्थिक संकट में चल रहे हमारे क्रिकेट बोर्ड को आईसीयू मे डाल दिया है। यह ऐसा ही है कि आप डॉक्टर के पास इलाज के लिए गए और वह दवा देने की वाला था कि आपको दिल का दौरा पड़ गया।

अफरीदी ने मुश्फिकुर के बल्ले को 20,000 डालर में खरीदा

नई दिल्ली। पाकिस्तान के पूर्व हरफनमौला शाहिद अफरीदी ने नीलामी के लिए रखे बांग्लादेशी विकेटकीपर बल्लेबाज मुश्फिकुर रहीम के बल्ले को 20,000 डॉलर में खरीदा है। पिछले महीने मुश्फिकुर ने घोषणा की थी कि कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिए राहत कार्यों में मदद के लिए वह अपने बल्ले को नीलाम करेंगे। उन्होंने इस बल्ले से 2013 मे श्रीलंका के खिलाफ दोहरा शतक लगाया था। अफरीदी ने अपने संस्थान के लिए इस यादगार बल्ले को 20,000 डॉलर मे खरीदा। ईएसपीएनक्रिकइंफो के मुताबिक मुश्फिकुर ने कहा, शाहिद अफरीदी ने अपने संस्थान के लिए इस बल्ले को खरीदा है।

खिलाड़ियों ने हाकी इंडिया के ऑनलाइन कोचिंग कोर्स की प्रशंसा की

बेंगलुरु राष्ट्रीय सीनियर टीम के खिलाड़ियों ने शनिवार को कहा कि हाकी इंडिया के बेसिक लेवल के कोचिंग कोर्स ने खेल के बारे काफी चीजें बताई जिससे उन्हें मैदान पर बेहतर फैसले लेने में मदद मिलेगी। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के यहां स्थित केंद्र में मौजूद 32 सीनियर पुरूष और 23 महिला कोर संभावित खिलाड़ियो ने इस ऑनलाइन कोर्स में हिस्सा लिया जिसे हाकी इंडिया कोचिंग एजुकेशन पाथवे का नाम दिया गया है जो पिछले साल शुरू हुआ था।

‘कोहली के आस-पास भी नही स्मिथ’

• भारतीय कप्तान तेंदुलकर से भी बेहतर : पीटरसन

भाषा। लंदन

इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी केविन पीटरसन ने कहा कि विराट कोहली के अविश्वसनीय आंकड़ों के सामने ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ कही नहीं ठहरते।

उन्होंने कहा कि रनों का पीछा करने के मामले में भारतीय कप्तान ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को भी पछाड़ दिया है। मौजूद समय में स्मिथ और कोहली दुनिया के शीर्ष बल्लेबाज है लेकिन पीटरसन के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया का यह पूर्व कप्तान कोहली के आस-पास नहीं। पीटरसन ने जिम्बाब्वे के पूर्व क्रिकेटर पॉमी एमबांग्वा के साथ इंस्टाग्राम लाइव चैट में कहा, कोहली शानदार है। रनों का पीछा करते समय उसका रिकार्ड गजब का है। लगातार इतने दबाव में होते हुए भी वह भारत को मैच जिताता है। जब एमबांग्वा ने पीटरसन से किसी एक को चुनने को कहा तो इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी ने कहा, मैं फिर से कोहली का नाम लूंगा, रनों का पीछा करने में वह लाजवाब है। ऐसे में उसका औसत 80 का है और उसने ज्यादातर शतकीय पारी रनों का पीछा करते हुए खेला है। पीटरसन ने कहा, वह लगातार भारत के लिए मैच जीतता है। रनों का पीछा करने में उसका आंकड़ा और बेहतर हो रहा है। कोहली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 70 शतक लगाए है और तीनों प्रारूपों में उनका औसत 50 से अधिक है। स्मिथ का टेस्ट में औसत कोहली से बेहतर है। स्मिथ ने 73 मैचों में 62.74 की औसत से 7227 रन बनाए है। कोहली के नाम 86 टेस्ट में 7240 रन है और उनका औसत 53.62 का है। एकदिवसीय में भारतीय खिलाड़ी का औसत 59.33 और टी20 50.80 का है। स्मित का एकदिवसीय और टी20 में क्रमश: 42.46 और 29.60 का औसत है।

इंग्लैंड के एंडरसन को खाली स्टेडियम में खेलने से कोई परेशानी नही

लंदन। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने कहा कि वह टीम के लिए इस सत्र में खेलने को लेकर रोमांचित हैं, भले ही उन्हें ए मैच दर्शकों के बिना खाली स्टेडियम में खेलने पड़े। इंग्लैंड के क्रिकेटर अगले हफ्ते से सीमित व्यक्तिगत ट्रेनिंग शुरू करेंगे। इंग्लैंड एंव वेल्स क्रिकेट बोर्ड को उम्मीद है कि वे कोरोना वायरस के कारण स्थगित सत्र शुरू कर सकते हैं। लेकिन अधिकारियों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय मैच दर्शकों के बिना ही खेले जा सकते हैं। एंडरसन का उत्साह हालांकि इस बात से कम नही हुआ है और वह इंग्लैंड के लिए खेलने के लिए बेताब हैं। इस तेज गेंदबाज ने नई गेंद के उनके साथी स्टुअर्ट ब्राड से इंस्टाग्राम लाइव पर बातचीत करते हुए कहा, हम इन गर्मियों में जिस तरह से क्रिकेट खेलने की संभावना के बारे में बात कर रहे है, वह एक तरह से रोमांचित करने वाला है। मुझे लगता है कि जहां तक सुरक्षा का संबंध है तो मुझे ऐसे खेलने में कोई परेशानी नही होगी। हम काफी लंबे समय से इंग्लैंड के लिए खेल रहे हैं। हमारे पास कुछ शानदार लोग हैं जो हर संभावना पर काम कर रहे हैं ताकि हम आगे बढ़े। सैंतीस वर्ष के इस अनुभवी गेंदबाज ने कहा कि उन्हें लंकाशर के लिए काउंटी मैचो मे कम दर्शको के साथ खेलने का अनुभव है।

ग्रैंडस्लैम खिताब, नंबर एक रैंकिंग का रिकार्ड कायम कर सकता हूं: जोकोविच

पेरिस। नोवाक जोकोविच को विश्वास है कि वह अपना करियर खत्म होने से पहले सबसे ज्यादा ग्रैंडस्लैम खिताब जीतने के साथ सबसे ज्यादा सप्ताह तब विश्व रैंकिंग में पहले स्थान पर रहने का रिकार्ड अपने नाम कर लेंगे। सर्बिया के इस टेनिस खिलाड़ी ने 17 ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं। वह इस मामले में पहले स्थान पर काबिज रोजर फेडरर (20) से तीन और राफेल नडाल (19) से दो कदम दूर हैं। कोरोना वायरस महामारी के कारण 2020 सत्र का खेल रोके जाने से पहले जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन का अपना आठवां खिताब जीता था। इस साल उन्होंने ने 18 मुकाबले खेले और सभी में जीत दर्ज की। जोकोविच ने इन डेप्थ विद ग्राहम बेंसिंगर टेलीविजन कार्यक्रम में कहा, मुझे लगता है कि मेरे पास अभी भी इस खेल में काफी कुछ करने की क्षमता है। मेरा मानना है कि मैं और अधिक ग्रैंडस्लैम जीत सकता हूं और नंबर वन रैंकिंग सबसे अधिक सप्ताह तक रहने का रिकॉर्ड तोड़ सकता हूं। निश्चित रूप से ए दोनों मेरे लक्ष्य हैं।

अफरीदी पर बरसे कनेरिया

• गलत व्यवहार का आरोप- उनकी वजह से वनडे में नहीं मिला मौका

भाषा। नई दिल्ली

पाकिस्तान के पूर्व स्पिनर दानिश कनेरिया ने शाहिद अफरीदी पर उनके करियर के दौरान गलत व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए शनिवार को कहा कि इस हरफनमौला खिलाड़ी के कारण उन्हें सीमित ओवरों के प्रारूप मे ज्यादा मौके नही मिले। कनेरिया अपने मामा अनिल दलपत के बाद पाकिस्तान के लिए खेलने वाले केवल दूसरे हिंदू खिलाड़ी है। दलपत ने 61 टेस्ट में 34.79 की औसत से 261 विकेट लिए है। कनेरिया को हालाँकि साल 2000 से 2010 के बीच सिर्फ 18 एकदिवसीय मैच खेलने का मौका मिला। कनेरिया ने कराची से पीटीआई से बात करते हुए कहा कि उनके लिए अपने धर्म से परे अफरीदी के इस भेदभावपूर्ण व्यवहार के पीछे के कारण के बारे में सोचना मुश्किल था। कनेरिया से जब पूछा गया कि क्या वह धार्मिक भेदभाव का शिकार है तो 39 साल के इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा, जब हम घरेलू क्रिकेट मे एक ही टीम के लिए खेल रहे थे या जब मै एकदिवसीय टीम का हिस्सा था, वह हमेशा मेरे खिलाफ थे। यदि कोई व्यक्ति हमेशा आपके खिलाफ हो तो ऐसी स्थिति में इसके (धर्म) अलावा और क्या कारण हो सकता है। पिछले साल शोएब अख्तर ने कनेरिया के इस दावे का समर्थन किया था कि धर्म के कारण टीम में उनके साथ गलत व्यवहार किया गया था। कनेरिया ने कहा कि अगर अफरीदी नही होते तो वह 18 से कही ज्यादा एकदिवसीय मैच खेले होते। उन्होंने कहा, मै उनकी वजह से अधिक वनडे नही खेल सका और उन्होने मेरे साथ गलत व्यवहार किया। जब हम डिपार्टमेंट क्रिकेट (घरेलू क्रिकेट) में खेलते थे तब वह कप्तान थे। वह मुझे हमेशा टीम से बाहर रखते थे और एकदिवसीय टीम मे भी हमेशा मेरे साथ ऐसा ही करते थे। वह बेवजह मुझे टीम से बाहर रखते थे। कनेरिया लंबे समय तक टीम का हिस्सा रहे लेकिन उन्हे अंतिम 11 मे कम मौका मिला। उन्होने कहा, अफरीदी दूसरो का समर्थन करते थे लेकिन मेरा नही। भगवान का शुक्र है कि इसके बाद भी मुझे पाकिस्तान के लिए खेलने का मौका मिला। इसके लिए मुझे खुद पर गर्व है। उन्होंने अफरीदी पर आरोप लगते हुए कहा कि इसका एक और कारण यह था, मै लेग स्पिनर था और वह भी लेग स्पिनर थे। वह वैसे भी बड़े खिलाड़ी थे और पाकिस्तान के लिए लगातार खेल रहे थे। फिर भी मेरे साथ ऐसा व्यवहार मेरी समझ से परे था। उन्होंने कहा, वे कहते थे कि टीम में एक साथ दो स्पिनर नही खेल सकते। मेरे क्षेत्ररक्षण पर भी सवाल उठाया जाता था। आप खुद ही बताइए उस समय टीम में कौन सा खिलाड़ी बेहद फिट था? सिर्फ एक या दो ऐसे खिलाड़ी होंगे। जब वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नही खेलते थे तक घरेलू टीम से मुझे बाहर कर देते थे। कनेरिया को इंग्लैंड मे काउंटी क्रिकेट खेलते वक्त 2009 मे स्पॉट फिक्सिंग का दोषी पाया गया था। वह इस मामले मे लंबे समय से पीसीबी से मदद की गुहार लगा रहे है। वह फिर से खेल से जुड़ना चाहते है। मै धर्म का मामला नही उठाना चाहता। मै केवल पीसीबी का समर्थन चाहता हूं। अगर वे मोहम्मद आमिर, सलमान बट को वापसी का मौका दे सकते है तो मुझे क्यों नही? उन्होने कहा, हाँ, मैने एक गलती की लेकिन ऐसा दूसरों भी किया। वे मुझे टॉयलेट पेपर की तरह इस्तेमाल करके फेंक नही सकते। मैने लंबे समय तक पाकिस्तान की सेवा की है और इतने वर्षों के बाद उन्हे मेरा समर्थन करना चाहिए।

सरवन के खिलाफ दिए बयान पर गेल कायम, सीपीएल ने विवादित मुद्दे को खत्म करने का फैसला किया

किंग्सटन। दिग्गज बल्लेबाज क्रिस गेल ने कहा कि वेस्टइंडीज टीम के पूर्व साथी खिलाड़ी रमनरेश सरवन के खिलाफ दिए बयान पर वह कायम है लेकिन उनकी इस हरकत से क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) की छवि को नुकसान हुआ है। गेल के इस बयान के बाद कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) ने इस मामले को बंद करने का फैसला किया। गेल ने 2020 सत्र के लिए सेंट लुसिया टीम से जुड़ने वाले सरवन को कोरोना वायरस से भी खतरनाक बताया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि सरवन के कारण उन्हे जमैका टालावाज टीम से बाहर कर दिया गया था।

बलबीर सिंह सीनियर की हालत स्थिर, अब भी वेंटिलेटर पर

नई दिल्ली। तीन बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बलबीर सिंह सीनियर की हालत स्थिर हो रही है लेकिन उन्हें अभी भी होश नही आया है और उन्हे जीवन रक्षक प्रणाली पर रखा हुआ है। इस 96 वर्षीय दिग्गज को निमोनिया के कारण मोहाली के फोर्टिस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हे बुधवार की सुबह भी दो बार दिल का दौरा पड़ा था लेकिन इसके बाद से उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है। बलबीर सीनियर के नाती कबीर ने उनकी हालत पर जारी मेडिकल अपडेट में बताया, नानाजी को बुधवार सुबह दो बार दिल का दौरा पड़ा था लेकिन उसके बाद उनकी हालत नही बिगड़ी। उनकी स्थिति हालांकि अब भी नाजुक है और वह वेंटिलेटर पर ही हैं।

फीफा 2023 महिला विश्व कप का मेजबान अगले महीने चुनेगा

ज्यूरिख। फीफा परिषद 25 जून को 2023 महिला फुटबॉल विश्व कप के मेजबान का चयन करेगी जिसमें ब्राजील, जापान और कोलंबिया बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। इनके अलावा आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने भी संयुक्त बोली लगाई है। फीफा परिषद के 37 सदस्यों के मतों को सार्वजनिक किया जाएगा। फीफा जांच दल ने जनवरी और फरवरी में बोली लगाने वाले देशों का दौरा किया था जिसके बाद कोरोना वायरस के कारण यात्रा पांबंदियां लगा दी गई।

बुंदेसलीगा में फुटबॉल की वापसी

• दो महीने बाद खाली स्टेडियम में खेले गए मैच

भाषा। बर्लिन

कोरोना वायरस महामारी के बाद जर्मनी में दो महीने बाद खाली स्टेडियम में फुटबॉल बहाल हुई और पूरी दुनिया के बेसब्र खेल प्रेमियों की निगाहें बुंदेसलीगा मुकाबले देखने पर गड़ी रही जिसमें शनिवार को शीर्ष और दूसरे दर्जे की लीग के मैच खेले गए और यह लॉकडाउन के बाद शुरू होने वाली पहली यूरोपीय लीग बन गई। हालांकि दूसरे दर्जे की बुंदेसलीगा लीग लॉकडाउन के बाद शुरू होने वाली पहली पेशेवर पश्चिमी यूरोपीय लीग बनी क्योंकि इसके कुछ घंटों बाद बुंदेसलीगा की मुख्य लीग के मैच शुरू हुए। मैचों का आयोजन दर्शकों के बिना किया गया जिससे जर्मनी में लोग इन्हें घोस्ट गेम्स भी बुला रहे हैं यानी दर्शकों के बिना खाली स्टेडियम में मैच खेले जाना। इनका आयोजन कड़े स्वास्थ्य दिशानिर्देशों के साथ किया गया जिसमें खिलाड़ियों पर कई तरह की पांबंदियां लागू थीं। बुंदेसलीगा के मैचों में सामान्य दिनों में कभी भी इतनी शांति नहीं होती। लेकिन बोरूसिया डार्टमंड और शाल्के04 के बीच हुए मैच में हजारों दर्शकों के बजाय कुछ चुनिंदा (नियमों के तहत खिलाड़ियों सहित केवल 213 लोग) लोगे शामिल थे जिसकी क्षमता 81,000 दर्शकों की है। स्टेडियम के चारों ओर पुलिस गाड़ियों और बाइक पर मौजूद थी। बुंदेसलीगा 2 इससे ढाई घंटे पहले शुरू हो गई जिसमें हनोवर और डायनेमो ड्रेसडन के बीच मैच स्थगित हो गया क्योंकि ड्रेसडन की टीम को कोविड-19 के लिए हुई जांच में दो परीक्षण पॉजिटिव पाए जाने के बाद पृथकवास में रहने को कहा गया।

महामारी के कारण मिला ब्रेक बार्सिलोना के लिए फायदेमंद हो सकता है : मेस्सी

बार्सिलोना। स्टार स्ट्राइकर लियोनल मेस्सी का मानना है कि कोरोना वायरस के कारण मिला लंबा ब्रेक बार्सिलोना के लिए फायदेमंद साबित होगा। मेस्सी ने शुक्रवार को स्पेनिश खेल दैनिक स्पोर्ट से कहा, शायद इस ब्रेक से हमे फायदा मिलेगा, लेकिन हमे देखना होगा जब हम प्रतियोगिता मे खेलना शुरू करेंगे क्योंकि तभी सच्चाई पता चलेगी। बार्सिलोना और स्पेन की फुटबॉल लीग 12 मार्च के बाद से बंद है। मेस्सी ने हालांकि बार्सिलोना के लिए इस ब्रेक को अच्छा बताने के लिए कारण नही बताया लेकिन उनके साथी स्ट्राइकर लुईस सुआरेज का चोट से वापसी करना निश्चित रूप से एक कारण होगा। जब खेल रोका गया था तो हम जिस तरह खेल रहे थे, उससे हम कभी भी चैम्पियंस लीग नही जीत पाते। मुझे अपने साथी खिलाड़ियों पर कोई शक नही है लेकिन हम जिस तरह से खेल रहे थे, उससे ऐसा नही कर पाते।

कड़े दिशानिर्देशों के बीच पिच पर लौटी

बर्लिन। जर्मन फुटबॉल लीग शनिवार से पिच पर लौट गई और कोरोना वायरस महामारी के बाद बहाल होने वाली यह पहली यूरोपीय लीग बन गई। दो महीने के ब्रेक के बाद जर्मन फुटबॉल लीग ने मैचों की बहाली के लिए असाधारण विस्तृत योजना चांसलर एंजेला मर्केल और अन्य 16 नेताओं को भेजी थी। उन्होंने साथ ही संक्रमण को रोकने के लिए कई दिशानिर्देश भी भेजे थे। स्टेडियम खाली होंगे, जिसमें सिर्फ खिलाड़ियों के चिल्लाने की आवाजें और रैफरियो की सीटी की आवाज सुनाई देगी।

सभी महिला फुटबॉलरों के लिए प्रेरक है बाला : प्रफुल्ल पटेल

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने देश की महिला फुटबॉलरो से बाला देवी से प्रेरणा लेने को कहा है जिन्होंने स्कॉटिश लीग क्लब रेंजर्स के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। मणिपुर की इस स्ट्राइकर का रेंजर्स के साथ पेशेवर करार है। विदेशी लीग खेलने वाली वह पहली भारतीय महिला फुटबॉलर है। हर आयुवर्ग की टीमों के साथ आनलाइन बातचीत में पटेल ने बाला देवी से कहा , हमे आपकी उपलब्धियों पर गर्व है।

एनएफएल टीमें अगले सप्ताह प्रशिक्षण सुविधाओं को खोल सकती हैं : रिपोर्ट

लास एंजिलिस। अमेरिका की घरेलू नेशनल फुटबॉल लीग (एनएफएल) ने कहा कि राज्य और स्थानीय सरकार से मंजूरी मिलने के बाद टीमे सख्त स्वास्थ्य दिशानिर्देशों के साथ अपनी सुविधाओं को फिर से खोल सकती है।अमेरिकी मीडिया के मुताबिक लीग के कमिश्नर रोजर गुडेल ने सभी 32 क्लबो के महाप्रबंधको को भेजे ज्ञापन कहा कि चुनिंदा कर्मचारियो के लिए क्लब के दरवाजे मंगलवार से खुल सकेंगे। एनएफएल नेटवर्क को मिले ज्ञापन के मुताबिक गुडेल ने कहा, राज्य और स्थानीय नियमों के तहत अगर अनुमति दी जाती है तो क्लब 19 मई से अपनी सुविधाओं को फिर से खोल सकते है। इसके लिए टीमों को सख्त स्वास्थ्य दिशानिर्देशों का पालन करना होगा।

डुप्लेसिस के पास अब युवा बल्लेबाजों के लिए अधिक समय होगा: डुसेन

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज रासी वान डेर डुसेन का मानना है कि कप्तानी से हटने के बाद टीम के वरिष्ठ खिलाड़ी फाफ डु प्लेसिस के पास अब युवाओं के साथ जानकारी को साझा करने का अधिक समय होगा। डु प्लेसिस ने फरवरी में दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट और टी 20 प्रारूप की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया था। डुसेन से स्पोर्ट्स 24 से कहा, कप्तानी एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी है, इसके साथ आपको कई चीजों को कंधे पर उठाना होता है। आपके काम का हमेशा आकलन होता रहता है। आपको आलोचना और प्रशंसा से भी निपटना पड़ता है। शायद फाफ (डुप्लेसिस) के कंधे से यह बोझ हट गया, ऐसा नही है कि उन्हे यह भूमिका निभाने में कभी परेशानी हुई। अब उनके पास युवा बल्लेबाजों के लिए अधिक समय होगा, कप्तानी के कारण पहले वह ऐसा नही कर पाते थे। उनके पास ज्ञान का खजाना है जिससे युवा बल्लेबाजों के फायदा हो सकता है जैसा कि मेरे साथ पिछले 18 महीने से हो रहा है।

दिल्ली के गैर-प्रवासी मजदूरों की आय लॉकडाउन में 57 प्रतिशत घटी : अध्ययन

नई दिल्ली। कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए लाग लॉकडाउन को अब करीब दो माह होने जा रहे है। इस दौरान दिल्ली के गैर-प्रवासी श्रमिको की औसत साप्ताहिक आय मे करीब 57 प्रतिशत की गिरावट आई है। अमेरिकी और कनाडा विश्वविद्यालय द्वारा किए गए एक संयुक्त मे यह निष्कर्ष निकला है। इस अध्ययन मे 1,392 गैर-प्रवासी श्रमिकों के आंकड़े लिए गए हैं। इनमे से बड़ी संख्या मे श्रमिक दिल्ली की बस्तियो मे रहते है। ए आंकड़े 2018, 2019 और लॉकडाउन के दौरान 27 मार्च से 13 मई के बीच लिए गए।मई के पहले सप्ताह तक दस मे से नौ श्रमिको ने कहा कि उनकी मासिक आमदनी अब शून्य रह गईर्द्य है। यह अध्ययन शिकॉगो विश्वविद्यालय और ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्याल ने संयुक्त रूप से किया है। अध्ययन से पता चलता है कि लॉकडाउन शुरू होने के बाद गैर-प्रवासी मजदूरो की औसत साप्ताहिक आमदनी मे 57 प्रतिशत की गिरावट आई है। राष्ट्रव्यापी बंद के प्रभाव का आकलन करने के लिए संबंधित मजदूरो के बंद से पहले और बाद कीर आर्थिक स्थिति और व्यवहार मे आए बदलाव की तुलना की गई है।

प्रवासी मजदूर परिवारों को मुफ्त राशन देने को गोदामों से अनाज शीघ्र उठाएं राज्य सरकारे: पासवान

नई दिल्ली। कोविड-19 संकट की वजह से सैकड़ो की संख्या मे प्रवासी मजदूरो के पैदल घर वापस जाने के लिए लंबी यात्रा की घटनाओ के बीच केंद्रीय खाद्य मंत्री रामविलास पासवान ने शनिवार को राज्य सरकारो से अपील की कि वे तुरंत गोदामो से खाद्यान्न और दालो का उठान करें और 15 दिनो के भीतर उन लगभग आठ करोड़ प्रवासियो को इसका मुफ्त वितरण करें जिनके पास न तो केंद्र और न ही राज्य का राशन कार्ड है। खाद्य मंत्रालय के अनुसार, इस कदम से उत्तर प्रदेश मे 142 लाख, बिहार मे 86.45 लाख, महाराष्ट्र (70 लाख), पश्चिम बंगाल (60.1 लाख), मध्य प्रदेश (54.64 लाख), राजस्थान (44.66 लाख), कर्नाटक मे 40.19 लाख, गुजरात (38.25 लाख), तमिलनाडु (35.73 लाख), झारखंड (26.37 लाख), आंध्र प्रदेश (26.82 लाख) और असम मे 25.15 लाख मे प्रवासी मजदूर लाभान्वित होगे।

राष्ट्रीय राजधानी मे, लगभग 7.27 लाख प्रवासियो को मई और जून के लिए प्रति व्यक्ति प्रति व्यक्ति 5 किलो अनाज और एक किलो चना मुफ्त मिलेगा।

परिचालन की छूट चाहता है होटल, रेस्तरां उद्योग

मुंबई। होटल और रेस्तरां उद्योग ने सरकार से लॉकडाउन 4-0 में उन्हें भी परिचालन की छूट देने की अपील की है। उद्योग का कहना कि कोरोना वायरस महामारी की वजह से वह काफी संकट मे है। उद्योग का कहना है कि सरकार को उसे कम से कम ग्रीन और ऑरेंज क्षेत्रो में छूट देने पर विचार करना चाहिए। फेडरेशन आफ होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएचआरएआई) ने कहा कि सरकार को ग्रीन क्षेत्रो मे होटलो और रेस्तरांओ को 100 प्रतिशत परिचालन की अनुमति देनी चाहिए। वही ऑरेंज क्षेत्रो में क्षमता के 50 प्रतिशत पर परिचालन की अनुमति दी जानी चाहिए। एफएचआरएआई के उपाध्यक्ष गुरबक्शीश सिंह कोहली ने कहा, आज भी देश की सबसे बड़ी प्राथमिकता कोरोना वायरस को फैलने से रोकना है। लेकिन हमे यह ध्यान मे रखना चाहिए कि होटल और पर्यटन क्षेत्र मे 4.3 करोड़ लोगो को रोजगार मिला हुआ है। आज ए लोग संघर्ष कर रहे हैं। हर बार लॉकडाउन को बढ़ाने के साथ हमारी परेशानी बढ़ जाती है। ऐसे मे लोगो को रोजगार पर बनाए काफी मुश्किल होता जा रहा है। कोहली ने कहा, चूंकि सरकार ने कई उद्योगो को छूट देते हुए परिचालन की अनुमति दी है ऐसे मे हम उम्मीद करते है कि हमें भी कुछ छूट दी जाएगी।

अमेरिका में खुदरा बिक्री अप्रैल में रिकॉर्ड 16 प्रतिशत गिरी

बाल्टीमोर। अमेरिका मे अप्रैल में फुटकर विक्रेताओं के कारोबार मे मार्च की तुलना मे 16.4 प्रतिशत की गिरावट आई। कोरोना वायरस महामारी से खरीदार बाजार से दूरी बनाए हुए है और खुदरा स्टोर चलाने वाली कंपनियों के लिए कारोबार संभालना कठिन हो रहा है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने फुटकर खरीद के बारे मे शुक्रवार को एक रपट मे यह जानकारी दी। इसमे कहा गया है कि पिछले 12 महीने मे बिक्री 21.6 प्रतिशत गिर चुकी है।

देश को एमआरओ का हब बनाने के लिए कदम उठाएगी सरकार : सीतारमण

भाषा। नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि सरकार देश को विमानों के रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉल (एमआरओ) का हब बनाने के लिए कदम उठा रही है। सीतारमण ने शनिवार को आर्थिक पैकेज की चौथी किस्त की घोषणा करते हुए कहा, यदि हम भारत को एक बड़ा केंद्र बना पाते हैं, तो इससे नागर विमान ही नहीं, रक्षा विमान क्षेत्र को भी लाभ होगा। इससे सभी एयरलाइंस के लिए रखरखाव की लागत घटेगी। अंत में इसका लाभ यात्रियों को मिलेगा। उनके लिए यात्रा की लागत घटेगी। उन्होंने छह और हवाई अड्डों की नीामी सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के आधार पर करने की घोषणा की। वित्त मंत्री ने कहा कि भारतीय हवाई क्षेत्र के बेहतर इस्तेमाल के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि एक प्रतिस्पर्धी भारतीय एमआरओ उद्योग से स्थानीय एयरलाइंस को इस तरह के कार्यों पर खर्च घटाने में मदद मिलेगी। अभी तक यह काम ज्यादातर विदेशों में किया जाता है।

पीपीपी मॉडल के तहत छह अन्य हवाईअड्डों की नीलामी करेगी सरकार

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि सरकार जल्द ही सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत छह और हवाई अड्डो की नीलामी की प्रक्रिया शुरू करेगी।उन्होने कहा कि इस तरह कुल 12 हवाई अड्डो मे निजी कंपनियो से लगभग 13 हजार करोड़ रुपए का अतिरिक्त निवेश प्राप्त होगा। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) पहले ही सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत परिचालन और रखरखाव के लिए पेश किए गए छह हवाई अड्डो मे से तीन को निजी कंपनियो को सौंप चुकी है। वित्त मंत्री ने कोरोना वायरस महामारी के प्रभाव से अर्थव्यवस्था को राहत देने के लिए घोषित 20 लाख करोड़ रुपए के प्रोत्साहन पैकेज की चौथी किस्त मे छह अन्य हवाई अड्डो की नीलामी की तैयारी की जानकारी दी।

नाभिकीय चिकित्सा अनुसंधान रिएक्टर में निजी भागीदारी की छूट

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि भारत चिकित्सकीय समस्थानिक (मेडिकल आइसोटोप) के उत्पादन के लिए पीपीपी माडल पर अनुसंधान केंद्रित रिएक्टर (नाभिकीय संयंत्र) स्थापित करेगा। उन्होने प्रोत्साहन आर्थिक पैकेज की चौथी किस्त की घोषणा करते हुए कहा कि यह चिकित्सकीय समस्थानिक का उत्पादन करेगा और कैंसर एवं अन्य बीमारियों के लिए किफायती उपचार उपलब्ध कराएगा। सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के आधार पर तैयार होने वाला अनुसंधान रिएक्टर खाद्य संरक्षण, कृषि सुधारों को तेजी तथा किसानों की मदद करने के लिए विकिरण प्रौद्योगिकी का उपयोग करेगा।

सरकार ने निजी कंपनियों के लिए खोला अंतरिक्ष क्षेत्र

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को निजी क्षेत्र को उपग्रहो, प्रक्षेपणो और अंतरिक्ष-आधारित सेवा कारोबार जैसे भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम मे भूमिका देने की घोषणा की। वित्त मंत्री ने आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज की चौथी किस्त की घोषणा करते हुए कहा कि अंतरिक्ष गतिविधियो मे निजी भागीदारी को बढ़ाने के लिए सरकार उपग्रहो, प्रक्षेपणो और अंतरिक्ष-आधारित सेवाओ मे निजी कंपनियो के लिए बराबर के मौके प्रदान करेगी। उन्होने कहा कि सरकार निजी कंपनियो के लिए विश्वसनीयनीति और विनियाम बनाएगी।

लावा अपना कारोबार चीन से भारत लाएगा

नई दिल्ली। मोबाइल उपकरण बनाने वाली घरेलू कंपनी लावा इंटरनेशनल ने शुक्रवार को कहा कि वह चीन से अपना कारोबार समेट कर भारत ला रही है। भारत मे हाल मे किए गए नीतिगत बदलावो के बाद कंपनी ने यह कदम उठाने का फैसला किया है। कंपनी ने अपने मोबाइल फोन विकास और विनिर्माण परिचालन को बढ़ाने के लिए अगले पांच साल के दौरान 800 करोड़ रुपए निवेश की योजना बनाई है।

अमेरिका ने चीन की प्रौद्योगिकी कंपनी हुवावेई पर नए प्रतिबंध लगाए

बोस्टन। अमेरिका सरकार ने चीन की प्रौद्योगिक क्षेत्र की दिग्गज कंपनी हुवावेई पर कुछ नए प्रतिबंध लगाए है। इसके तहत हुवावेई की अमेरिकी प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करने की क्षमता पर अंकुश लगाया गया है। इससे उद्योग विकास और सुरक्षा के मुद्दे पर अमेरिका-चीन विवाद और बढ़ सकता है। अमेरिका के वाणिज्य मंत्री विल्बर रॉस ने शुक्रवार को कहा कि हुवावेई पर विदेशो मे सेमीकंडक्टर के डिजाइन और उत्पादन के लिए अमेरिकी प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल को लेकर पूर्व मे प्रतिबंध लगाए गए थे।

ईईपीसी ने निर्यातकों के लिए पैकेज मांगा

कोलकाता। इंजीनियरिंग निर्यात संवर्द्धन परिषद (ईईपीसी) ने कोविड-19 संकट के बीच सरकार से निर्यातको के लिए पैकेज की मांग की है। परिषद का कहना है कि इस महामारी की वजह से निर्यातक बुरी तरह प्रभावित हुए है। साथ ही निर्यात में भी लगातार गिरावट आ रही है। अप्रैल मे देश का निर्यात रिकॉर्ड 60.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 10.36 अरब डॉलर रह गया।

ओसीआई कार्डधारक भारत सरकार के यात्रा अंकुशों से नाखुश

वाशिंगटन। भारतीय-अमेरिकी मूल के विदेश मे रहने वाले भारतीय नागरिक यानी ओसीआई कार्डधारक कोरोना वायरस की वजह से वैश्विक स्तर पर लगे यात्रा अंकुशों के बीच अस्थाई रूप से उन के दीर्घावधि के वीजा को अस्थाई रूप से रोकने को लेकर भारत सरकार से नाखुश है।

अमेरिकी कंपनियों को चीन छोड़ने के लिए कर प्रोत्साहन का प्रस्ताव

• अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बड़े आर्थिक सलाहकार का समर्थन

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बड़े आर्थिक सलाहकार ने अमेरिकी कंपनियों को चीन छोड़ने के लिए कर प्रोत्साहन दिए जाने के सुझाव का समर्थन किया है। कोरोना वायरस महामारी से अमेरिका के चीन से संबंध और कटु हो गए हैं। कोरोना वायरस के संक्रमण की शुरुआत सबसे पहले चीन से हुई। कोविड-19 महामारी से निपटने के चीन के तरीके से अमेरिकी प्रशासन खिन्न है। अमेरिका में इस महामारी से 87,530 व्यक्तियों की मृत्यु हो चुकी है। व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय आर्थिक परिषद के निदेशक लैरी कुडलॉव ने शुक्रवार को संवाददातओं से इस बारे में कहा, अभी यह कोई नीति नहीं बनी है, लेकिन हम अमेरिका को काम करने की सबसे आकर्षक जगह बनना चाहते हैं। उन्होंने यह बात ऐसी खबरों के बीच कही है जबकि कई कंपनियां चीन से अपने कारखाने बाहर ले जाना चाहती हैं। मैं पुरस्कार, न कि दंड देने में विश्वास रखता हूं। इसलिए मेरा विचार है कि यदि आप बाहर से निकलकर अमेरिका आ रहे है तो इसमें पूंजी खर्च का पूरा शत-प्रतिशत वहन करने के साथ-साथ कंपनी कर की दर में 50 प्रतिशत की छूट भी क्यों न दी जाए।

रिलायंस का राइट्स शेयर निर्गम 20 मई से तीन जून तक, आकार 53,125 करोड़ रुपए

भाषा। नई दिल्ली

तेल खनन से लेकर रोजमर्रा के सामानों के खुदरा कारोबार में लगी निजी क्षेत्र की विशाल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. (आरआईएल) का राइट्स शेयर का निर्गम 20 मई को खुलेगा। कंपनी के शेयरधारक इस 53,125 करोड़ रुपए के निर्गम में शेयर के लिए तीन जून तक आवेदन कर सकते हैं।

मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली आरआईएल ने राइट्स इश्यू लाने की घोषणा 30 अप्रैल को की थी। इसमें वर्तमान 15 पर एक शेयर खरीदने का अधिकार देने की पेशकश की गई है। यह भारत में अब तक का सबसे बड़ा राइट्स शेयर निर्गम है। रिलायंस ने तीन दशक में पहली बार राइट्स शेयर जारी करने का कदम उठाया है। कंपनी पहले कह चुकी है कि जिनके नाम 14 मई तक उसके शेयर रहे होंगे वे इस निर्गम में आवेदन कर सकेंगे। कंपनी ने शेयर बाजारों को ताजा सूचना में कहा है कि उसके निदेशक मंडल ने 15 मई की बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकृति दी कि राइट्स शेयर का यह निर्गम 20 मई, 2020 को खुलेगा और इसकी अंतिम तिथि 3 जून, 2020 होगी।

वाशिंगटन स्थित व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान बच्ची के साथ फोटोग्राफ देते अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप

कोरोना वायरस से लड़ाई के लिए भारत को वेंटिलेटर देगा अमेरिका

● ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका और भारत घातक कोरोना वायरस के इलाज के लिए टीका विकसित करने में आपस में सहयोग कर रहे हैं

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने घोषणा की है कि अमेरिका कोविड-19 रोगियों के उपचार के लिए तथा अदृश्य शत्रु से लड़ाई में मदद के लिए भारत को बड़ी संख्या में वेंटिलेटर देगा।इससे पहले उन्होंने भारत और अमेरिका के बीच गहन साझेदारी का जिक्र किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना अच्छा मित्र बताया। ट्रम्प ने यह भी कहा कि अमेरिका और भारत घातक कोरोना वायरस के इलाज के लिए टीका विकसित करने में आपस में सहयोग कर रहे हैं। गौरतलब है कि पिछले वर्ष दिसंबर में कोरोना वायरस महामारी चीन से शुरू हुई थी और अब यह पूरी दुनिया में फैल चुकी है। विश्वभर में कोरोना वायरस के कारण 3,07,666 लोगों की मौत हो चुकी है और 45 लाख से अधिक लोग संक्रमित हैं। भारत में शुक्रवार तक कोविड-19 के कुल मामले 85,000 का आंकड़ा पार कर गए जो चीन में संक्रमण के कुल 82,933 मामलों से अधिक हैं।ट्रम्प ने ट्वीट किया, मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है कि भारत में अपने मित्रों को अमेरिका वेंटिलेटर्स दान करेगा। हालांकि व्हाइट हाउस ने अभी यह नहीं बताया कि कितने वेंटिलेटर दान किए जाएंगे।शुक्रवार को कैंप डेविड जाने के लिए मरीन वन में सवार होने से पहले ट्रम्प ने संवाददाताओं को बताया, हम भारत में बहुत सारे वेंटिलेटर भेज रहे हैं। मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की है। हमारे पास वेंटिलेटरों की बड़ी संख्या में आपूर्ति है। उन्होंने व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में संवाददाताओं से कहा, हम मिलकर इस अदृश्य शत्रु को पराजित करेंगे। हम इस महामारी के वक्त भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़े हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प इस सप्ताहांत में कुछ बैठकों के लिए कैंप डेविड में रहेंगे। ट्रम्प के अनुरोध पर पिछले महीने भारत ने अमेरिका में कोविड-19 के मरीजों इलाज के लिए हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन की पांच करोड़ गोलियां भेजी थीं।अमेरिका इस महामारी से सबसे बुरी तरह प्रभावित देशों में शामिल है। जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के आंकड़ों के अनुसार अब तक अमेरिका में 87,530 लोगों की संक्रमण के कारण मौत हो चुकी है। देश में कोरोना वायरस संक्रमण के अब तक कुल 14 लाख से अधिक मामले सामने आए हैं।

चीन में कोविड-19 के 21 नए मामले सामने आए

● वुहान में बड़े पैमाने पर हो रही लोगों की जांच

भाषा। बीजिंग

चीन में कोविड-19 के 21 नए मामले सामने आए हैं, जिसमें बिना लक्षण वाले 13 मामले शामिल हैं। इन नए मामलों के साथ देश में संक्रमण के मामले बढ़ कर 82,941 पर पहुंच गए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

वुहान शहर में बड़े पैमाने पर लोगों की जांच शुरू हुई है, जहां से यह प्रकोप शुरू हुआ था। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने बताया कि शुक्रवार को सामने आए कोविड-19 के आठ नए पुष्ट मामलों में से छह ऐसे लोग हैं, जो बाहर से आए हुए हैं। आयोग ने बताया कि अन्य दो मामले स्थानीय स्तर पर संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने के हैं। ए दोनों मामले जिलिन प्रांत के हैं, जहां बड़ी संख्या में संक्रमण के मामले आने के बाद हाल ही में लॉकडाउन लगाया गया। हालांकि, बिना लक्षण वाले मामलों की संख्या में वृद्धि जारी रही, शुक्रवार को ऐसे 13 और मामले सामने आए। एनएचसी ने कहा कि बिना लक्षण वाले 561 मामलों में से 30 विदेश से आए हुए हैं, जो अभी भी चिकित्सा निगरानी में हैं। बिना लक्षण वाले मामलों में व्यक्ति कोरोना वायरस से संक्रमित होता है, लेकिन उसमें बुखार, खांसी या गले में खराश जैसे कोई लक्षण नहीं होते हैं। हालांकि, उनसे बीमारी दूसरों तक फैलने का खतरा रहता है। मध्य हुबेई प्रांत और इसकी राजधानी वुहान में शुक्रवार तक कोविड-19 के बिना लक्षण वाले 439 मामले सामने आ चुके हैं। चीनी अधिकारियों ने बुधवार से 1.1 करोड़ की आबादी वाले इस शहर में सब की जांच शुरू की है। शुक्रवार तक, हुबेई प्रांत में वायरस से मौत का आंकड़ा 4,512 था, जिनमें से केवल वुहान में ही 3,869 मौतें हुई हैं। हुबेई में अब तक कोविड-19 के कुल 68,134 मामलों की पुष्टि हुई है, जिसमें वुहान में सामने आए 50,339 मामले शामिल हैं। एनएचसी ने कहा कि शुक्रवार तक, पूरे चीन में कोविड-19 के पुष्ट मामले 82,941 तक पहुंच गए, जिसमें 89 मरीजों का अब भी इलाज चल रहा है, और 78,219 लोग ठीक हो चुके हैं। कुल 4,633 लोगों की बीमारी से मौत हो चुकी है।

ट्रम्प ने भारतीय-अमेरिकी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं की प्रशंसा की

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने जानलेवा कोरोना वायरस के इलाज के लिए दवाइयां और टीका विकसित करने के प्रयासों के लिए भारतीय-अमेरिकी वैज्ञानिकों तथा शोधकर्ताओं की प्रशंसा की।ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका इस वैश्विक महामारी से निपटने के लिए भारत के साथ निकटता से मिलकर काम कर रहा है।उन्होंने शुक्रवार को व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में पत्रकारों से कहा, अमेरिका में भारतीयों की अच्छी-खासी तादाद है और कई लोग टीका विकसित करने पर भी काम कर रहे हैं। महान वैज्ञानिक और शोधकर्ता। वह कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में भारतीय-अमेरिकी समुदाय की सराहना के सवाल पर जवाब दे रहे थे। यह पहली बार है कि किसी राष्ट्रपति ने भारतीय-अमेरिकी समुदाय की वैज्ञानिक और शोध प्रतिभा की तारीफ की है। अनुमान है कि अमेरिका में 40 लाख भारतीय-अमेरिकी हैं जिनमें से करीब 25 लाख इस साल नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में संभावित मतदाता हैं।राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर ट्रंप पहले प्रत्याशी थे जिन्होंने न्यू जर्सी में अक्टूबर 2016 में भारतीय-अमेरिकियों के लिए अलग चुनावी रैली की थी। तब से वह अपने आप को व्हाइट हाउस में भारत और भारतीय-अमेरिकियों का सबसे अच्छा मित्र बताते रहे हैं। ट्रम्प विक्ट्री इंडियन-अमेरिकन फाइनेंस कमिटी के सह-अध्यक्ष अल मैसन ने कहा कि राष्ट्रपति न केवल 32.5 करोड़ अमेरिकियों के संवेदनशील संरक्षक है बल्कि वह दृढ़ और मानवीय कमांडर-इन-चीफ भी हैं।मैसन ने कहा, ट्रम्प अपराजेय हैं। उनके आलोचकों और शत्रुओं को उन्हें अकेला छोड़ देना चाहिए। उन्हें अदृश्य कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के खिलाफ सभी अमेरिकियों के लिए लड़ने और अर्थव्यवस्था को फिर से खड़ा करने की खातिर ध्यान केंद्रित करने पर छोड़ देना चाहिए। राष्ट्रपति के वरिष्ठ सलाहकार और ट्रम्प विक्ट्री फाइनेंस कमिटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष किम्बर्ली गिलफॉयले ने हाल ही में एक संपादकीय में कहा था कि ट्रम्प के साथ अमेरिका के लोग हैं।गौरतलब है कि चीन के वुहान में शुरू हुए कोरोना वायरस से दुनियाभर में अब तक 3,00,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 45 लाख लोग संक्रमित हैं।

दक्षिण कोरिया में क्लबों से जुड़े संक्रमण के 162 मामलों की पुष्टि

सियोल। दक्षिण कोरिया के घनी आबादी वाले सियोल में क्लबों से जुड़े संक्रमण के 162 मामलों की पुष्टि हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारी सोन यंग राइ ने शनिवार को बताया कि उस क्षेत्र में संक्रमण बढ़ने से रोकने में संभवत: सफलता हासिल हो गई है, जहां पांच करोड़ 10 लाख जनसंख्या वाले देश की आधी आबादी रहती है। उन्होंने बताया कि जांच की संख्या बढ़ाने के बावजूद पिछले कुछ दिनों में संक्रमण के रोजाना बढ़ने वाले मामलों की संख्या 30 से कम रही हैं सोन ने बताया कि स्वास्थ्य कर्मियों ने इस माह की शुरुआत में पता लगाया कि संक्रमण के कई मामलों का संबंध सियोल में क्लबों और इसी प्रकार के अन्य स्थानों से है। इसके बाद से अब तक 46,000 लोगों की जांच की जा चुकी हैं सोन ने कहा, गौर करने वाली बात यह है कि संक्रमित लोग जिन गिरजाघरों, कॉल सेंटरों और जिम में गए थे, वहां संक्रमण के नए मामले सामने नहीं आए है।

पाकिस्तानी डॉक्टर पर आतंकवाद के आरोप तय

भाषा। वाशिंगटन

पाकिस्तानी मूल के एक डॉक्टर पर अमेरिका की संघीय ग्रांड जूरी ने इस्लामिक स्टेट आतंकवादी संगठन के प्रति वफादारी निभाने की प्रतिज्ञा लेने और अमेरिका में स्वतंत्र रूप से आतंकवादी हमलों को अंजाम देने की इच्छा जताने के आरोप तय किए हैं।अभियोग के मुताबिक, मुहम्मद मसूद (28), पाकिस्तान का लाइसेंस धारक मेडिकल डॉक्टर है जो एच।बी वीजा के तहत पूर्व में मिनेसोटा के रोचेस्टर के मेडिकल क्लिनिक में शोध समन्वयक के तौर पर कार्यरत था। मसूद के खिलाफ अभियोग की घोषणा अमेरिकी अधिवक्ता एरिका मैकडोनाल्ड ने शुक्रवार को की थी। मसूद पर शुरुआत में आपराधिक मामले के संबंध में आरोप लगा था और 19 मार्च को मिनियापोलिस- सेंट पॉल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर गिरफ्तार किए जाने के बाद से वह हिरासत में था। इस साल जनवरी और मार्च के बीच, उसने कई अन्य बयान दिए जिसमें उसने इराक में इस्लामिक स्टेट और अल शाम (आईएसआईएस) एवं उसके सरगनाओं के प्रति वफादारी निभाने तथा आईएसआईएस के लिए लड़ने के लिए सीरिया जाने की अपनी इच्छा के बारे में बताया। अदालती दस्तावेजों के मुताबिक मसूद ने अमेरिका में स्वतंत्र रूप से आतंकवादी हमले करने की अपनी इच्छा भी जाहिर की। इस साल 16 मार्च को, मसूद की यात्रा योजना इसलिए बदल गई क्योंकि जॉर्डन ने कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के चलते अंतरराष्ट्रीय आगमन के लिए अपनी सीमाएं बंद कर दी थी। उसने फिर मिनियापोलिस से लॉस एंजिलिस जाने की योजना बनाई जहां उसे उस व्यक्ति से मिलना था जो उसे मालवाहक पोत के जरिए आईएसआईएस के क्षेत्र में पहुंचाने में मदद करता। वह 19 मार्च को रोचेस्टर से मिनियापोलिस पहुंचा जहां से वह लॉस एंजिलिस के लिए विमान में सवार होता लेकिन एफबीआई के संयुक्त आतंकवाद कार्यबल ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

पोम्पिओ ने ट्रंप के कदमों की आलोचना करने वाले विदेश मंत्रालय के निरीक्षक को बाहर किया

● वह विदेश सेवा के पूर्व करियर अधिकारी है जिनके उपराष्ट्रपति माइक पेंस से करीबी संबंध है

भाषा। वाशिंगटन

विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने मंत्रालय के महानिरीक्षक को बर्खास्त कर दिया है। उन्हें ओबामा प्रशासन ने इस पद पर नियुक्त किया था और अधिकारी का कार्यालय एजेंसी के प्रबंधन में कथित राजनीतिक पक्षपात की आलोचना करने वाला रहा है। उनकी बर्खास्तगी स्वतंत्र कार्यकारी शाखाओं के उन निगरानीकर्ताओं के खिलाफ उठाए गए कदमों का ताजा उदाहरण है जिन्होंने ट्रंप प्रशासन में कुछ खामियां पाई हैं।मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पोम्पिओ ने स्टीव लिनिक को शुक्रवार को नौकरी से निकाल दिया लेकिन उनकी बर्खास्तगी का कोई कारण नहीं दिया। लिनिक 2013 से अपनी सेवाएं दे रहे थे। लिनिक के कार्यालय ने ऐसी कई रिपोर्ट जारी की जिसमें मंत्रालय द्वारा निजी मामलों के निपटान के तरीके की आलोचना की गई। एक अधिकारी ने नाम उजागर न करने की शर्त पर बताया कि लिनिक का स्थान स्टीफन अकार्ड लेंगे। वह विदेश सेवा के पूर्व करियर अधिकारी हैं जिनके उपराष्ट्रपति माइक पेंस से करीबी संबंध हैं। अकार्ड वर्तमान में मंत्रालय के विदेशी दूतावास कार्यालय का संचालन देखते हैं। उन्हें विदेश सेवा का महानिदेशक नियुक्त करने के लिए नामित किया गया था लेकिन उनके पास पर्याप्त अनुभव न होने को लेकर उठी आपत्तियों के बाद उनका नाम वापस ले लिया गया। कैलिफोर्निया और वर्जीनिया में पूर्व सहायक वकील रहे लिनिक ने महानिरीक्षक की उन रिपोर्टों की निगरानी की है जिनमें ट्रंप प्रशासन के दौरान मंत्रालय की प्रबंध नीतियों की अत्यधिक आलोचना की गई थी।

पाक में आंशिक रूप से बहाल हुई घरेलू उड़ान सेवा

भाषा। इस्लामाबाद

कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के लिए देशभर में लगाए गए लॉकडाउन में ढील दी गई है। इसी क्रम में पाकिस्तान में शनिवार को घरेलू विमान सेवाएं चरणबद्ध तरीके से बहाल की गईं।पाकिस्तान में कोविड-19 के कारण 830 लोगों की मौत हो चुकी है। जियो न्यूज के मुताबिक पाकिस्तान सरकार ने पिछले हफ्ते कहा था कि लॉकडाउन में वह चरणबद्ध तरीके से ढील देगी क्योंकि लॉकडाउन के कारण अर्थव्यवस्था और कार्यबल पर खराब प्रभाव पड़ रहा है। शनिवार को देश के पांच प्रमुख हवाईअड्डों से घरेलू उड़ानें शुरू कर दी गई हैं। रिपोर्ट में कहा, पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन के विमान ने 84 यात्रियों को लेकर कराची से लाहौर के लिए उड़ान भरी। निजी एयरलाइनों के विमानों ने भी लाहौर और इस्लामाबाद के लिए उड़ान भरी। कराची, लाहौर, इस्लामाबाद, क्वेटा और पेशावर के हवाईअड्डों से उड़ानों का संचालन शुरू किया गया है। विमानों में कुल यात्री क्षमता की 50 फीसदी सीटें ही भरने की इजाजत होगी। यहां अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर पाबंदी 31 मई तक बढ़ा दी गई है। पाकिस्तान में शनिवार तक 24 घंटे के भीतर कोरोना वायरस के।,581 नए मामले आए और देश में संक्रमण के कुल 38,799 मामले हो गए।

ब्राजील के ब्रासीलिया में एक सरकारी जागरूकता कार्यक्रम के दौरान मास्क पहनकर वार्ता करते ब्राजील के राष्ट्रपति जैर बोलसोनारो और उनके चीफ ऑफ स्टाफ ब्रागा नेटो

शी चिनफिंग से अभी बात नहीं करना चाहता: ट्रम्प

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कोरोना वायरस वैश्विक महामारी से निपटने के मामले में चीनी नेतृत्व के प्रति अपनी नाराजगी का संकेत देते हुए कहा है कि वह अपने चीनी समकक्ष शी चिनफिंग से अभी बात नहीं करना चाहते। व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में ट्रम्प से सवाल किया गया कि वह शी से बात क्यों नहीं करना चाहते हैं, इसके जवाब में उन्होंने कहा, उनसे अभी बात नहीं करना चाहता हूं। हम देखेंगे कि आने वाले समय में क्या होता है। इस साल की शुरुआत में हुए व्यापार समझौते के अनुसार चीन पिछले साल की तुलना में अमेरिकी वस्तुएं अधिक खरीद रहा है।ट्रम्प ने कहा, वे व्यापार समझौते पर काफी खर्च कर रहे हैं, लेकिन व्यापार समझौते को लेकर मेरा मजा थोड़ा किरकिरा हो गया है, आप समझ सकते हैं। इससे पहले ट्रम्प ने कहा था कि वह व्यापार समझौते के बारे में बात नहीं करना चाहते हैं। ट्रम्प ने कहा, मैं इसके बारे में बात नहीं करना चाहता। मैं कह सकता हूं कि चीन हमारे काफी उत्पाद खरीद रहा है, लेकिन व्यापार समझौता-- अभी स्याही सूखी भी नहीं थी कि चीन से यह (कोरोना वायरस) आ गया। इसलिए, ऐसा नहीं है कि हम खुश हैं। उन्होंने कहा, ऐसा कभी नहीं होना चाहिए था। यह चीन से आया। इसे दुनिया में फैलने से पहले चीन में ही रोका जा सकता था। कुल 186 देश प्रभावित हुए हैं। रूस बुरी तरह प्रभावित है, फ्रांस बुरी तरह प्रभावित है। आप किसी भी देश की ओर देखिए और आप यह कह सकते हैं कि वह प्रभावित है या यह कह सकते हैं कि वह संक्रमित है।

व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव केलीग मैकेनानी ने संवाददाताओं से कहा कि ट्रम्प चीन से हताश हैं। इस बीच, अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने कहा कि ट्रम्प प्रशासन अमेरिकी नागरिकों की निजता या विश्वभर में आगामी पीढ़ी के नेटवर्कों की अखंडता को कमजोर करने के चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी के प्रयासों को सहन नहीं करेगा।पिछले कई हफ्तों से ट्रम्प पर चीन के खिलाफ कार्वाई करने का दबाव बढ़ रहा है। सांसदों और विचारकों का कहना है कि चीन की निर्षक्रियता की वजह से वुहान से दुनियाभर में कोरोना वायरस फैला है। कोरोना वायरस के कारण विश्वभर में 45 लाख लोग संक्रमित हुए हैं और तीन लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है।

ट्रंप की आपात शक्तियों से कुछ सीनेटर, कानूनी विशेषज्ञ चिंतित

एपी। वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस दिन कोविड-19 महामारी को राष्ट्रीय आपातकाल घोषित किया था, तब अजीबोगरीब बयान देते हुए कहा था, मुझे बहुत कुछ करने का अधिकार है जिसके बारे में लोग जानते तक नहीं हैं। ट्रंप शेखी नहीं बघार रहे थे। दरअसल जब कोई राष्ट्रपति राष्ट्रीय आपात स्थिति की घोषणा करता है तो दर्जनों वैधानिक संस्थाएं उसके अधीन आ जाती हैं। यूं तो इन संस्थाओं का इस्तेमाल न के बराबर होता है लेकिन ट्रंप ने पिछले महीने यह कहकर कानूनी जानकारों और अन्य लोगों को स्तब्ध कर दिया था कि कोविड-19 के दिशानिर्देशों में ढील देने में उन्हें गवर्नर्स पर पूरी तरह अधिकार है। इसके बाद दस सीनेटरों ने यह जानने की कोशिश की कि ट्रंप जिन आपातकालीन शक्तियों की बात कर रहे हैं, वह आखिर हैं क्या। उन्होंने इस प्रशासन के प्रेसिडेंशियल इमर्जेंसी एक्शन डॉक्यूमेंट देखने को मांगे हैं। ए दस्तावेज राष्ट्रपति को संविधान से इतर अधिकार तो नहीं देते हैं लेकिन ए बताते हैं कि राष्ट्रीय आपात स्थिति से निपटने के लिए संविधान राष्ट्रपति को क्या शक्तियां देता है। सीनेटरों का मानना है कि दस्तावेज उन्हें यह समझने में मदद करेंगे कि व्हाइट हाउस राष्ट्रपति की आपात शक्तियों की किस तरह व्याख्या करता है।सीनेटर एनगस किंग ने कहा, यह एक ऐसा मामला है जब राष्ट्रपति आपात स्थिति की घोषणा करता है और कहता है कि चूंकि यह आपात स्थिति है इसलिए मैं यह और वह कर सकता हूं। उन्होंने और सात डेमोक्रेट सदस्य तथा एक रिपब्लिकन सदस्य ने पिछले महीने कार्यवाहक राष्ट्रीय आसूचना निदेशक रिचर्ड ग्रेनेल को पत्र लिख वर्तमान प्रेसिडेंशियल इमर्जेंसी एक्शन डॉक्यूमेंट की जानकारी मांगी है।

नवाज शरीफ के खिलाफ दर्ज होंगे भ्रष्टाचार के दो व मामले

एजेंसी। लाहौर

पाकिस्तान की भ्रष्टाचार रोधी एजेंसी ने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के खिलाफ जवाबदेही अदालत में भ्रष्टाचार के दो और मामले दायर करने की मंजूरी दी है।राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) के महानिदेशक शहजाद सलीम की अध्यक्षता में शुक्रवार को यहां क्षेत्रीय बोर्ड की बैठक बुलाई गई। बोर्ड ने धन शोधन और आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामलों में 69 वर्षीय नवाज, उनके छोटे भाई शहबाज शरीफ, बेटी मरयम नवाज और 13 अन्यों के खिलाफ भ्रष्टाचार के अतिरिक्त मामलों पर चर्चा की।इसी तरह बोर्ड ने 54 कनाल भूमि मामले में नवाज शरीफ, जियो मीडिया समूह के संस्थापक मीर शकीलुर रहमान तथा दो अन्यों के खिलाफ एक अन्य मामला दायर करने की भी मंजूरी दी। एनएबी-लाहौर ने जवाबदेही अदालत में दायर करने से पहले दोनों मामले अंतिम मंजूरी के लिए अपने अध्यक्ष न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) जावेद इकबाल को भेज दिए हैं। एक अधिकारी ने बताया, एनएबी अध्यक्ष की मंजूरी के बाद शरीफ परिवार के सदस्यों के खिलाफ दोनों मामले अगले हफ्ते लाहौर की जवाबदेही अदालत में दायर किए जाएंगे। शरीफ परिवार पर सात अरब पाकिस्तानी रुपए की हेराफेरी का आरोप है। अधिकारी ने बताया, इस मामले में नवाज, शहबाज और मरयम को मुख्य संदिग्ध घोषित किया गया है। एनएबी संदिग्धों के खिलाफ अभियोजन पक्ष के 100 गवाहों को पेश करेगा।भ्रष्टाचार के एक अन्य मामले में तीन बार प्रधानमंत्री रहे शरीफ पर 1986 में नियमों का उल्लंघन कर शकीलुर रहमान को लाहौर कनाल के पास भूमि आवंटित करने में अपने अधिकार का दुरुपयोग करने का आरोप है। शरीफ उस समय पंजाब के मुख्यमंत्री थे। रहमान 12 मार्च को गिरफ्तार किए जाने के बाद से ही न्यायिक हिरासत में हैं। अभी वह मेडिकल आधार पर अस्पताल में हैं।

पायनियर
रविवार, 17 मई, 2020

एजेण्डा

> मेलो हमेशा अच्छी कहानी के लिए बनता है, बल्कि अच्छे जीवन के लिए बनता है
> - ऐनी हेथवे

लॉकडाउन में
मनोरंजन के नए अवसर

महामारी ने हमें घर में कैद कर रखा है। लेकिन इसने मनोरंजन को तालाबंद नहीं किया है। दुनिया भर की नामी हस्तियां डिजीटल समारोहों, डांस कार्यशालाओं, म्यूजिक जैमिंग और खरीदारी-प्रेमियों के लिए शिल्पमेलों के जरिए उत्साह को बरकरार रखने में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। विस्तृत जानकारी देती शालिनी सक्सेना की रिपोर्ट

सिर्फ इसलिए कि यह लाकडाउन है, तो इसका अर्थ यह नहीं होता कि इंसान को लाइव संगीत समारोहों को देखना छोड़ना पड़ेगा। यह कोल्डप्ले या फिर पिंक की लेडी गागा या क्रिस मार्टिन हो सकते हैं जिन्होंने दुनिया को जानने को मौका दिया जब उन्होंने सीखा कि कैसे प्यानो बजाते हैं। भारत की बात करें, तो यहां बालीवुड की, शाहरूख खान, अभिषेक बच्चन, करन जौहर, वरूण धवन, ऋतिक रोशन और अनेक अन्य हस्तियां कोविड-19 योद्धाओं के लिए आर्थिक धन जुटाने तथा लोगों का मनोरंजन करने के लिए चार घंटे के चेरिटी कार्यक्रम में फेसबुक पर लाइव आईं।

फिर कुछ अन्य हैं जो अपने दुखों से परे, या तो जूम एप पर लाइव टिकटयुक्त शोज करके या फिर इंस्टा पर आडियो क्लिप या वीडियो पोस्ट करके अपने प्रशंसकों को हंसा रहे हैं।

अमित टंडन को देखिए। वह न केवल फीस देकर, जो कि चेरिटी कार्य में जाने वाली है, सीखना चाहने वाले लोगों के लिए कामेडी लेखन पर कार्यशालाएं करने में व्यस्त हैं, बल्कि जूम एप पर लोगों को हंसा भी रहे हैं।

टंडन कहते हैं, '' दो तीन चीजें थीं जो लाकडाउन होते ही शुरू हो गयीं। पहली, मैं जानता था कि अगले तीन चार महीनों के लिए कोई लाइव प्रस्तुति वाले कार्यक्रम नहीं होंगे। इसलिए, मैंने फीस लेकर आनलाइन कार्यशालाएं शुरू कीं, जिसका पैसा चैरिटी को जाता है। मैं जानता था कि पढ़ाना डिजीटल प्लेटफार्म पर शो करने से अधिक आसान था। हमारे पास पाचं देशों के लोग थे जो दो दिन में ये पांच घंटे की कक्षाओं में भाग ले रहे हैं। इस प्रक्रिया में, मैं जाना कि एप का प्रभावशाली से इस्तेमाल कैसे करना है। दूसरी, मुझे आनलाइन कार्पोरेट शोज करने के प्रस्ताव मिलने शुरू हो गए, और मैनें उन्हें किया। तीसरी, मुझे आनलाइन शो करने के लिए मानसिक बदलाव करना पड़ा था। ''

इसके लिए, उन्हें अपनी शारीरिक भाषा बदलनी पड़ी थी। शुरूआत में, वह स्टेंडअप कलाकार के रूप में काम किया करते थे। आज, वह बैठ जाते हैं और ऐसे अभिनय करते हैं मानो वह अपने ड्राइंग रूम में अपने दोस्तों से बातचीत कर रहे हों। इसने उन्हें उचित शारीरिक भाषा हासिल करने में सहायता की। उन्हें अपनी उचित भाव भंगिमा हासिल करने पर भी ध्यान देना पड़ा था।

बकौल टंडन, '' स्टेज पर, व्यक्ति को अपनी शारीरिक मुद्रा पर ध्यान देना पड़ता है क्योकि स्टेज छह फीट दूर होता है। आनलाइन के लिए, व्यक्ति को भावभंगिमाओं का ध्यान रखना पड़ता है क्योकि कैमरा केवल दो फीट दूर होता है। मुझे इन सब बदलावों में माहिर होना पड़ा, समेत इस बात के कि एप्प का कैसे इस्तेमाल करें। हमारा स्टेंडअप आर्टिस्टों को एक समूह है, हम 35 लोग यह सीखने के लिए एक साथ मिले कि कैसे यह काम करता है और कैसे अपने अनुभव साझा करें व कैसे उत्तम अभ्यासों के साथ सामने आएं। आज मुझे लगातार टिकटयुक्त शोज मिल रहे हैं। हम आपेने माइसर्स को भी अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। लाकडाउन के बाद, उनकी आमदनी का जरिया समाप्त हो गया है। शो शुरू करने के लिए हम कामेडियन रखते हैं। फिर वह कुछ पैसे देने की अपील भी करते हैं। एप पर, जब मैं हर किसी को ध्यानकेन्द्रित् रखता हूं, अगर उनमें से किसी का चिड़चिड़ा बच्चा होता है, और उससे दिक्कत होती है, यह व्यक्ति वो सब सुलझा देता है। मैंने अमरीका श्रोताओं के लिए भी उनके समयानुसार शोज करना शुरू किया है। ''

टंडन को सीखना पड़ा कि वह आनलाइन विषय को कैसे प्रस्तुत करें। वह बताते हैं, कि हालांकि कंटेंट कुल मिलाकर एक जैसा है, मगर उसमें थोड़े बदलाव होते हैं। टंडन जिनके टिकट वाले शोज पचास से अधिक लोगों के लिए नहीं होते हैं, लेकिन कार्पोरेट्स के लिए यह संख्या 2500 से अधिक हो सकती है, वह बताते हैं, '' चुटकुले भिन्न होते हैं। व्यक्ति को आनलाइन लाइनें दोहराने पड़ती हैं क्योंकि कभी कभी, साऊंड क्वालिटी अच्छी नहीं होती। व्यक्ति को चिल्लाना और माइक के ज्यादा करीब रहना पड़ता है। ''

स्टेंड-अप कलाकार अनुभव बस्सी अपने प्रशंसकों का इंस्टा पर आडियो क्लिपिंग पोस्ट करके मनोरंजन करते आए हैं। बस्सी, जो लाकडाउन खत्म होने के बाद के अपने शोज के लिए कंटेंट सोचने और उसे कलमबद्ध करने में व्यस्त रहते हैं, कहते हैं, '' लोग मुझे मेरे पहले के शोज के वीडियोज पोस्ट करने के लिए कहते हैं। उन्हें यह नहीं पता कि सारे लाइव शोज को रिकार्ड करना हमेशा संभव नहीं होता है। हालांकि, मैं कोई नया कंटेंट नहीं रच रहा हूं, मैं अपने तमाम शोज की सीन के पीछे की क्लिपिंग पोस्ट कर रहा हूं। मैं उन्हें एडिट करने की, उन्हें दिलचस्प बनाने तथा पोस्ट करने की कोशिश कर रहा हूं। साथ ही, वे लोग जो इस सोशल प्लेटफार्म पर सक्रिय है, मेरे व्यक्तित्व के बारे में जानना चाहते हैं। मेरा कुछ भी नया रचने का कोई इरादा नहीं होता है लेकिन जैसे ही मुझे उस दिन कुछ मजेदार मिल जाता है, मैं उसे पोस्ट कर देता हूं। '' बस्सी बताते हैं, '' कंटेंट स्वाभाविक तौर पर लाकडाउन से जुड़ा होता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि उस दिन मेरा मूड कैसा है। मसलन मैंने ट्वीट किया था: अगर आपको लगता है कि आपका घर छोटा है, कोई पोछा लगाकर देखें। हालांकि मैं लिखने में व्यस्त रहता हूं मगर मुझे मालूम नहीं है कि इसका कितना हिस्सा असलियत में मेरे लाइव शोज में अपनी जगह बना पाएगा। '' लोग उन्हें कथावाचक कहते हैं, लेकिन वह ऐसा नहीं मानते हैं। बस्सी कहते हैं, '' मैं केवल एक प्रकार की कामेडी ही करता हूं, यह किस्सागोई है। ''

> भले ही यह इंडस्ट्री के लिए नियम बनने जा रहा है, मगर अरोरा इसे शुरुआती दिन मानते हैं, वह कहते हैं, '' हर रोज अलग रिपोर्ट होती हैं। लेकिन हम जानते हैं कि चीजें वहां नहीं जा रही हैं जिसके लिए अगले कुछ महीनों के लिए सोशल डिस्टेंसिंग दी गयी थीं। फिर भी, लाइव कार्यक्रम देखने का मजा और रोमांच डिजीटल के जरिए दोहराया नहीं जा सकता। सोनू निगम या शान या कैटरिना कैफको लाइव डांस करते हुए देखना अलग आनंद प्रदान करता है। हम वापसी करेंगे लेकिन इसमें समय लगेगा। ''
> - एक्टर नितिन अरोरा

एक्टर नितिन अरोरा जिन्होंने सोनू निगम व सुनील ग्रोवर जैसे कलाकारों को सलाम करते हुए आनलाइन ग्रेटीट्यूड कांसट्र्स की मेजबानी की है, बताते हैं कि कंसर्ट करने का खयाल तब आया जब मैं बालकनी पर टहल रहा था और लाकडाउन के बारे में फोन पर बात कर रहा था कि फ्रंटलाइन योद्धाओं के लिए कुछ करने की जरूरत है। अरोरा याद करते हैं, '' पहला शो करने के लिए हमें दो दिन लगे। जैसे ही खयाल ने जड़ जमाया, मैंने सोनू निगम को फोन किया। असलियत में, वह इसका प्रस्ताव देने वाले पहले व्यक्ति थे कि हम लाकडाउन शुरू होने पर डिजीटल स्तर पर कुछ करें। लेकिन चूंकि हम एक कंपनी हैं जो बड़े आयोजन करती है, मैं बहुत आश्वस्त नहीं था। लेकिन जैसे ही खयाल जमा, मैंने उन्हें फोन किया। समस्या यह थी कि वह दुबई में थे इसलिए उन्हें खुद की उसके उपकरणों का इंतजाम करना था और वाद्ययंत्र बजाना था। लेकिन उन्होंने बहुत मेहनत की और खूबसूरत ढंग से सामने आए।''

सोच बदलना अरोरा के लिए आसान नहीं था। डिजिटल स्तर पर शो करना कुछ ऐसा नहीं था जिसके बारे में एक्टर ने कभी सोचा था। लेकिन एक कहावत है कि आवश्यकता आविष्कार की जननी होती है।

अरोरा, जिन्होंने शोज की मेजबानी भी की है, कहते हैं, ''यह समय की आवश्यकता थी और मैं उसमें कूद पड़ा। शो को 20000 डाक्टरों तक पहुंचना था इसलिए हमने उसके मुताबिक योजनाएं बनाईं और वैसा करने में कामयाब हुए। हमने दस शोज किए और प्रतिक्रिया बहुत उत्साहवर्द्धक रही।''

आनलाइन शो करने के इर्दगिर्द मन को जोड़ने के अलावा वह बताते हैं, बिना दर्शक के इसकी मेजबानी करना अजीब था।

अरोरा कहते हैं, ''यह बहुत अजीब था। जब हमने पहला शो किया, तो सिर्फ सोनू भइया, सुनील ग्रोवर और मैं थे। मैं जानता था कि 19-20 हजार मेडिकल कर्मचारी थे जो देख रहे थे लेकिन मेरे लिए सिर्फ हम तीन लोग थे। जूम पर, जब आप बात कर रहे हैं तो आप ज्यादा बड़ा चित्र हैं और दूसरे छोटे चित्र होते हैं। मैंने 4500 से अधिक शोज की मेजबानी की है, मैंने कभी पटकथा को नहीं देखा था। लेकिन यहां, मैं डरा हुआ था और मुझे आइने के सामने अभ्यास करना पड़ा था। लेकिन हम तीनों ने एक दूसरे को प्रोत्साहित किया और यह आसान हो गया। ''

भले ही यह इंडस्ट्री के लिए नियम बनने जा रहा है, मगर अरोरा इसे शुरूआती दिन मानते हैं, वह कहते हैं, '' हर रोज अलग रिपोर्ट होती हैं। लेकिन हम जानते हैं कि चीजें वहां नहीं जा रही हैं जिसके लिए अगले कुछ महीनों के लिए सोशल डिस्टेंसिंग दी गयी थीं। फिर भी, लाइव कार्यक्रम देखने का मजा और रोमांच डिजीटल के जरिए दोहराया नहीं जा सकता। सोनू निगम या शान या कैटरिना कैफको लाइव डांस करते हुए देखना अलग आनंद प्रदान करता है। हम वापसी करेंगे लेकिन इसमें समय लगेगा। ''

>> पेज 3

चर्चा - परिचर्चा

हम अभी कुछ महीनो से आनलाइन कांसर्ट करते आए हैं। हमारे पास डिजीटल एप भी है। हम जानते हैं कलाकारों व श्रोताओं को एकसाथ आनलाइन लाने के लिए तकनीक का कैसे उपयोग करना है। लेकिन एचसीएल संगीत कार्यक्रमों - बैठक सीरीज- के लिए कोविड 19 और उसके कारण हुआ लाकडाउन एक बहाना बना था।

हमने परंपरागत बैठकों का खयाल अपनाया जहां कलाकार प्रस्तुतियां दिया करते थे और कला रूप, जीवन यात्रा और कहावतों के बारे में चर्चा करते थे। लेकिन कांसर्ट आयोजित करना - वर्चुअल भारतीय शास्त्रीय संगीत व नृत्य प्रस्तुतियों की लाइव श्रंखला- कामयाबी पाने के संदर्भ में आसान नहीं था। कलाकार तकनीक की सीमित पहुंच के साथ घर पर होता था। हमें उसे स्थिति में भी काम करना था यदि बैंडविड्थ कमजोर हो जाती हो। हमें कई बार बात करनी पड़ती थी कि साफ्टवेयर कैसे परेशान करता है, कैसे बैंडविड्थ चेक करें और किस एंगल पर अपना मोबाइल रखें। लेकिन अनेक अच्छाइयां भी रहीं। कलाकार सोशल मीडिया से परिचित हैं और वे हमारे साथ काम कर चुके थे।

और हालांकि कलाकार को अपने सामने प्रत्यक्ष श्रोता नहीं दिखता है, लेकिन हमने सुनिश्चित किया कि कलाकारों को फेसबुक पेज पर सजीव प्रतिक्रिया प्रदान की गयी।

हमने मई अंत तक के लिए सीरीज जारी रखने की योजना बना ली है। चूंकि हम नहीं जानते कब प्रत्यक्ष कार्यक्रम शुरू होंगे, इसलिए डिजीटल कांसर्ट भविष्य में एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनेंगे।

हमें , अभी तक आयोजित किए अपने दस सत्रों के लिए, सोशल मीडिया मंचों व ईमेल प्रेषकों से पांच मिलियन से अधिक शानदार प्रतिक्रियाएं प्राप्त हुई हैं। कलाकार भी सहायता करते हैं। हम व्हाट्सएप का उपयोग करते हैं और लिंक्स भेजते हैं। हमारे पास अपने कर्मचारी हैं जो सहायता करते हैं।

रोहित कौल, हेड, एचसीएल कांसट्र्स

अभी तक हमने इंस्टाग्राम पर 15 लाइव शोज किए हैं और हर सत्र 45 मिनट से लेकर एक घंटे का होता है। अब, जबकि लाकडाउन आगे बढ़ा दिया गया है, हम कार्यक्रम को आगे बढ़ाने जा रहे हैं। मकसद है लोगों को शास्त्रीय संगीत से परिचित कराया जाए, यह किस प्रकार विभिन्न घरानों के जरिए विकसित हुआ है। इन सत्रों में हम एक विषय चुनते हैं और नामचीन कलाकारों के जरिए चर्चा आरंभ होती है कि उनके अपने घरानों के संगीत में कैसे बदलाव आया। वे अपने घरानों की विशिष्टता के बारे में बताते हैं। उदाहरण के लिए, उस्ताद विलायत खान ने अपने सितार में बदलाव लाए हैं, उन्होंने तुंबा का बड़ा किया था और तारें भी थोड़ा मोटी हुई थीं। यह लोगों में न सिर्फ संगीत बल्कि संगीत के इतिहास में गहरी दिलचस्पी जगाता है।

हमारे लाइव सत्रों में मुराद अली (सारंगी वादक), नंदिनी शंकर (वायलिन वादक), अजय प्रसन्ना (बांसुरी वादक) , रमाकांत गायकवाड (गायन) , तथा अमरीका से आलम खान जैसी हस्तियां हिस्सा बनी हैं। ये लोग इस बारे में चर्चा करते हैं कि किस प्रकार वे अन्य घरानों जैसे हैं और किस प्रकार अलग हैं। लोगों को भी अपने घरों में इन महान कलाकारों को सुनने का अवसर मिलता है। रियाज रूम की अच्छाई यह है कि वे लोग जो शास्त्रीय संगीत नहीं समझते हैं, उन्हें समझ हासिल होगी। हम अपने कार्यक्रमों की सोशल मीडिया पर पोस्टरों के जरिए घोषणा करते हैं। कलाकार भी अपने स्तर पर प्रयास करते हैं ताकि लोग जान सकें।

- अंशुल अग्रवाल, संस्थापक, रियाज रूम

इंडिया क्राफ्ट वीक (आईसीडब्लू) एक अभियान है जिसे हम पिछले तीन सालों से चलाते आए हैं। हम डिजाइनरों व दस्तकारों को एक साथ लाना चाहते हैं। दुनिया स्थायित्व, जैविकता, नैतिकता व जिम्मेदारी की बात कर रही है। क्राफ्ट सेक्टर अकेला ऐसा सेक्टर है जो इन मामलों में योगदान कर सकता है।

इस साल, लाकडाउन हो गया लेकिन हम फिर भी क्राफ्ट सेक्टर, जो कि कई हिस्सों में विभाजित हैं, के लिए माहौल बनाना जारी रखना चाहते थे। इसलिए इंडिया क्राफ्ट वीक डिजीटल प्रीव्यू आयोजित हुआ जहां लोग आ सकें और दस्तकारों के काम व अपने पसंदीदा प्रीबुक को देख सकें। हमारे फेसबुक पर पहले से बहुत सारे फालोअर्स हैं। हमने भारी मात्रा में इमेल भेजे और अद्भुत प्रतिक्रियाएं हासिल कीं। हमने ब्रिटिश कौंसिल जैसे औद्योगिक लोगों को आकर्षित किया और इंडिया व वर्ल्ड क्राफ्ट कौंसिल ने हमें सहयोग दिया।

लोगों को बस इतना करना था कि उन्हें हमारे फेसबुक पेज पर लागइन करना था और न सिर्फ प्रीव्यू का हिस्सा बन जाना था बल्कि वे शानदार नृत्य जैसी कुछ महान प्रस्तुतियों को भी देख सकते थे जो उन्होंने अपने घरों में रहने के दौरान प्रस्तुत की थीं। कलाकारों की ओर से प्राप्त भागीदारी को देखना अद्भुत था। एक लोक नृत्य समूह तो वीडियो शूट करने के लिए रेगिस्तान तक चला गया और उसने वहां से अपना वीडियो भेजा। जो लोग इन प्रीव्यू को नहीं देख पाए हैं, उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है। सारी रिकार्डिंग उपलब्ध हो जाएंगी। साथ ही, उत्पाद सूची भी आईसीडब्लू वेबसाइट पर उपलब्ध होगी।

हमें अब अपनी सोच को बदलना होगा कि खरीदारी कैसे करें, क्योंकि सोशल डिस्टेंसिंग एक नियम बना रहेगा। डिजीटल प्लेटफार्म एक अग्रणी तरीका है हालांकि चुनौतियां भी रहीं कि तत्काल सूचना पर ऐसा प्रीव्यू कैसे प्रस्तुत किया जाए।

- सोमेश सिंह, सहसंस्थापक, क्राफ्ट विलेज

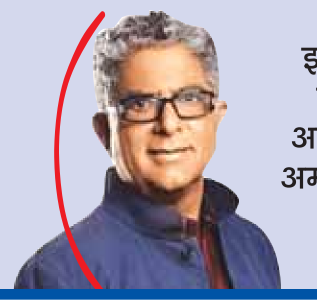

इसलिए सृष्टि निरंतर उच्चत विकासशील आवेगों, रचनात्मकता, अमूर्तन व अर्थ की दिशा में बढ़ रही है
- दीपक चोपड़ा

सशक्तीकरण के लिए ध्यान

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

पिछले अंक में, मन को कैसे सहज और फिर शुद्ध करने के तरीकों पर चर्चा को आगे बढ़ाते हुए, अब यह समय उन तरीकों व माध्यमो को तलाशने कां है जो मानसिक शक्ति प्रदान करते हैं। मन में अपार शक्ति होती है जो अधिकांशतया अज्ञानता के कारण हाशिए पर पड़ी रहती है, जो अगर उजागर होती हैं, तो वह सीमाओं से परे होती है। हालांकि विडंबना यह है कि आम लोग बमुश्किल अपनी मानसिक क्षमता का पांच से सात फीसदी उपयोग कर पाते हैं, जो कि सहज तौर पर उपलब्ध रहती है। क्योंकि, आम तौरपर हमारा मन अनेक अनुवांशिक सीमाओं से घिरा रहता है। हालांकि हमारी पहुंच सजग प्रयासों के जरिए विस्तारित हो सकती है। बताया जाता है कि आइंस्टीन व उनकी क्षमता के लोगों ने लगभग 10 से 14 फीसदी अपनी बौद्धिक क्षमता का उपयोग किया था और उतने से ही इतिहास रच डाला था।

अब, अपनी मानसिक शक्ति को उन्नत स्तर पर कैसे ले जाएं ? पहली जरूरत तो यह है कि मानसिक शुद्धिप्रक्रिया का पालन कर अनुवांशिक सीमाओं पर काबू पाया जाए, जैसा कि पिछले अंक में चर्चा हुई थी। उसके बाद, अधिकांश नगण्य व नकारात्मक विचार मन के आंतरिक दायरों में अपनी छाप छोड़ जाते हैं, जो फिर हमारी चिंतन प्रक्रिया को भटका देते हैं, उनसे मुक्त होना होगा। फिर भी, मन की गहन परतों में कुछ स्मृतिगत छवियां बची रह जाती हैं जो हमारी गहरे जड़ जमाए स्वभाव प्रवृत्तियों की कुंजी रखती है। क्योंकि अंतिम हमला जो मन की पूर्णतया शुद्धि में सहायता करता है, वो यह कि हमें ध्यान करने की आवश्यकता है। उसके बाद, चिंतन प्रक्रिया सहज व सरल हो जाती है। कृपया ध्यान रखें, सरलता स्पष्टता, शुद्धता व दिशाबोध है। यह जटिलताओं, उलझाव व भ्रम से मुक्त है। सरलता सफलता, शांति, एकाग्रता व खुशहाली का मार्ग प्रशस्त करती है। उसके बाद, आप पूर्ण आत्मसंयमित होंगे, जब मन की समग्र शक्तियां उपलब्ध होंगी। आप फिर मन को उपकरण के रूप में उपयोग कर सकते हैं, जो कि यह है, न कि इसकी मनमानियों का शिकार होंगे। परिणामस्वरूप, मन अपनी सर्वोत्तम सृजनात्मकता के साथ उभरता है, जब यह सहजतापूर्वक हमें अपेक्षित उचित कार्यदिशा की ओर अग्रसर करता है।

मन उपरोक्त अवस्था पर पहुंच सकता है, जब व्यक्ति योग की अवस्था में होता है, जिसका व्यवहारिक अर्थ यह होता है कि एकाग्र मन पूर्णतया चेतना तत्व से साथ मेल खाता है, जो हमारे समग्र कार्यकलापों की कुंजी लिए होता है।

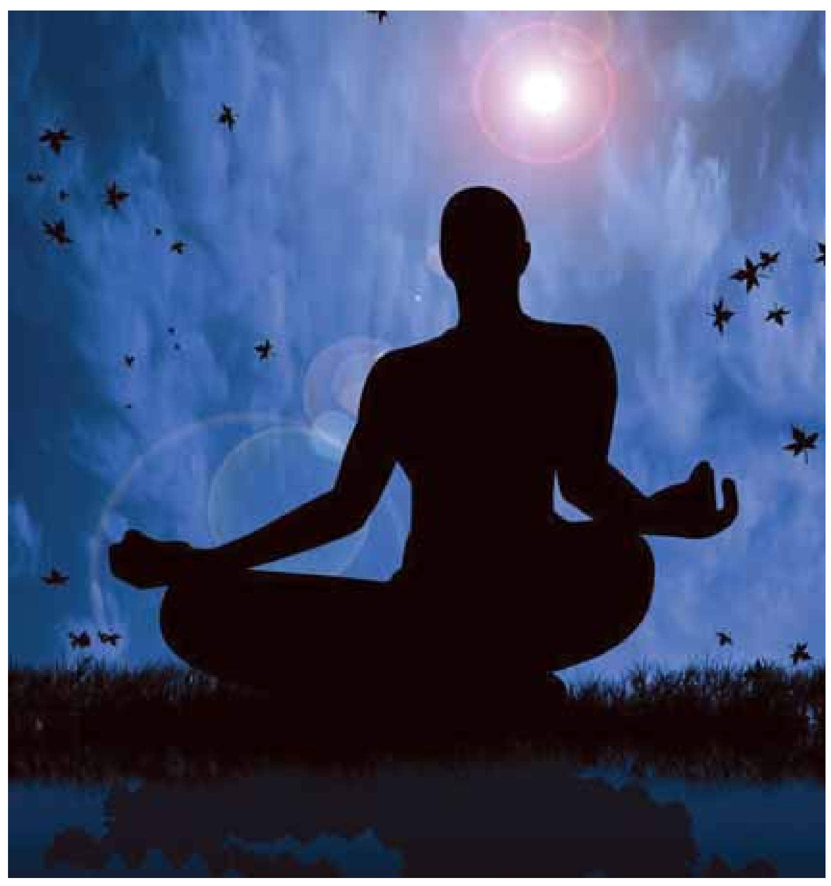

ऋषि पतंजलि द्वारा इसके लिए प्रस्तावित प्रक्रिया है ध्यान यानी उन्नायक की अवधारणा। इसके शाब्दिक अर्थ के आधार पर, ध्यान शब्द का अर्थ है एकाग्र होना। किसकी ? यह और कोई नहीं, बल्कि स्वयं अपनी आत्मा की ओर, जिसके पास यह कुंजी होती है कि हम आमतौर जीवन में कैसे आचरण करते हैं। यह, सबसे पहले, अपने मन की सीमाओं को परखने और फिर उसके प्रति जागरूक होने की मांग करता है। दूसरा, व्यक्ति की अंतर्निहित क्षमता का कार्यशील हिस्सा है।

और अंतिम है अपनी समग्र अंतनिर्हित क्षमता की तलाश करना जो अज्ञानता के कारण अछूती व दबी रह जाती है, जो अगर उभर आती हैं तो वह असीम होती हैं। इसका पता लगाने का तरीका है कि पहले बाह्य भटकावों से अपनी एकाग्रता को अलग करना, और फिर आत्ममंथन व तलाशने के लिए अपने भीतर झांकना जो मन के आंतरिक दायरों में विभिन्न स्तरों पर दर्ज रहता है। उसका जानकार होने के बाद, सजगतापूर्वक उस पर विचार करना और उसके अनुसार चिंतन प्रक्रिया को पुनर्परिभाषित करना ताकि व्यक्ति को सर्वोत्तम सामने आ सके।

अंग्रेजी भाषा में, मेडिटेशन, वो शब्द है जो आम तौर पर ध्यान के संदर्भ में प्रस्तुत किया जाता है। हालांकि, यह ध्यान के मर्म व मूलतत्व को पूरी तरह व्यक्त नहीं करता है, फिर भी यह उसके बहुत करीब होता है। क्योंकि, ध्यान शब्द, किसी विचार, सोच, या अवधारणा पर गहराई से मंथन करने का संदेश देता प्रतीत होता है। इसके विपरीत, ध्यान एक प्रक्रिया है जो व्यक्ति के होने की अवस्था की ओर निर्देशित होता है, जब मन समस्त विचारों के मूल के प्रति ध्यानाकर्षित हो जाता है। यह तभी संभव होता है जब मन का भटकाव लगभग समाप्त हो जाता है, जिसे पतंजलि, ' चित्त वृति निरोध ' कहते हैं। वर्ना, मन में बेलगाम विचार अभिव्यक्तियां आपको इतना उलझाए रहती हैं कि ये आपकी चिंतन प्रक्रिया को वस्तुगत ढंग से समझने का अवसर प्रदान नहीं करती, जिसका फिर खामियाजा सामने आता है। ध्यान इस प्रक्रिया का अनिवार्य हिस्सा बनता है और इसलिए परिप्रेक्ष्यगत स्तर पर प्रासंगिक रहता है।

जब मन पूर्णतया शुद्धि पाता है, तो फिर ऐसे कोई विचार नहीं होते जिनका आपको सामना करना पड़े। फिर आपको जागरूकता स्तर उन्नत करते हुए मन के मूल सिद्धांत को नए ढंग से पोषित करने की जरूरत होती है। यह प्रक्रिया नयी शैक्षणिक जानकारियों पर निरंतर ध्यान देने की मांग करती हैं जैसा कि धर्मग्रंथों में वर्णित है या किसी ज्ञानी गुरू द्वारा बताया गया हो। इसके बाद, आप अपनी सर्वोत्तम सृजनात्मकता के साथ उभर सकते हैं। फिर आप सहजतापूर्वक जीवन में सही फैसले कर सकते हैं। याद रखें, एक उपकरण होने के कारण मन, अपनी मर्जी में आगे नहीं बढ़ सकता। इसे मार्गदर्शक सिद्धांत की जरूरत होती है। अंत में, ध्यान मन को साधने की प्रक्रिया है।

आलेख जारी.....

मूर्तिया हैं शोपीस नहीं

आचार्य प्रवीण चौहान का कहना है कि ईश्वर की मूर्तियों को शोपीस के रूप में रखना सही नहीं है, क्योंकि ईश्वर सजावटी चीज होने के बजाय पूजा योग्य है। प्राचीन काल में, हम देवी देवताओं की गिली मिट्टी की बनी मूर्तियों का उपयोग किया करते थे। लेकिन जैसे जैसे समय गुजरा, हमने इन मिट्टी की मूर्तियों में रंगों का उपयोग करना शुरू किया। परिणामस्वरूप, देवी-देवताओं की मूर्तियों का आकर्षण बढ़ता चला गया।

आज ईश्वर, देवताओं की वे मिट्टी की रंगबिरगी मूर्तियां प्लास्टिक, पीओपी, धातु, चांदी, सोने, शीशे, फोटो और केलेंडरों आदि के रूप में बाजार में उपलब्ध रही हैं।

ऐसी मूर्तियां, मिट्टी से बनी उन साधारण मूर्तियों की तुलना में अधिक चमकीली, सुंदर, कलात्मक, भव्य व टिकाऊ हैं। वर्तमान मे, अधिकांश लोगों ने देखा है कि लोग देवी देवताओं की मूर्तियों, तस्वीरों व केलेंडरों को अपने घरों, दुकान व आफिस में किसी भी जगह पर, किसी भी दिशा में रख देते हैं, जहां उन्हें घुमाना उचित नहीं होता है।

ईश्वर के नाम को सकारात्मक एवं रचनात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है और जिस प्रकार हर चीज की सीमा होती है उसी प्रकार सकारात्मक ऊर्जा की भी सीमा होती है। अपने घर, कार्यालय आदि में शोपीस के रूप में ईश्वर की मूर्ति रखना सही नहीं है, क्योंकि ईश्वर सजावटी चीज होने के बजाय पूजा योग्य है। इंसान को उसकी शक्ति, शुद्धता व गरिमा का पूर्णतया पालन भी करना चाहिए।

आज हम अनेक अवसरों पर देवी देवताओं की मूर्तियां पाते हैं। ऐसी स्थिति में, हम उन्हें अपने घर व आफिस में कहीं भी रख देते हैं। इन सबके अलावा, अधिकांश वैवाहिक निमंत्रण कार्डों पर भगवान श्री गणेश की एक छोटी प्लास्टिक प्रतिमा लगी होती है, हम निमंत्रण कार्डों से इन प्लास्टिक प्रतिमाओं को हटाते हैं और अपने घर में कहीं भी रख देते हैं और हमें पता तक नहीं होता कि वो जगह उचित है या नहीं ?

वास्तुशास्त्र के अनुसार देवी देवताओं की मूर्तियां, तस्वीरें, केलेंडर आदि को मुख्यतया रसोईघर, बेडरूम, बाथरूम आदि में नहीं रखा जाना चाहिए। इन मूर्तियों, तस्वीरों, केलेंडरों को घर व आफिस के पूजास्थल पर ही रखा जाना चाहिए।

साथ ही साथ, 6 इंच से बड़ी ईश्वर की मूर्तियों को घर के पूजा के स्थान पर नहीं रखा जाना चाहिए। साथ ही, किसी भी रूप में, ईश्वर की टूटी या फटी मूर्ति या छवि को घर या आफिस में नहीं लगाया जाना चाहिए। मूर्तियों व तस्वीरों को किसी भी जगह ठूंस नहीं दिया जाना चाहिए साथ ही साथ मूर्तियों की गरिमा का पूरा ध्यान रखना चाहिए। घर में कुछ देवताओं की मूर्तियों को रखना बहुत अशुभ माना जाता है। इनमें मुख्यतया शनिदेव, भैरवदेव, राहु-केतु, नटराज की मूर्तियां शामिल हैं।

धातु, प्लास्टिक, ग्लास, चांदी व सोने की देवी देवताओं की मूर्ति शोपीस नहीं है, बल्कि वह सकारात्मक एवं रचनात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। यही कारण है कि हमें इन ऊर्जा प्रतीकों को उचित स्थान पर रखते हुए उनकी शक्ति, शुद्धता व गरिमा का पूर्णतया पालन करना चाहिए।

-- लेखक दिल्लीवासी ज्योतिष तथा हस्तरेखा ज्ञानी हैं।

जीता जा सकता है भय को

अजित कुमार बिश्नोई का कहना है कि हमने भय और सावधानी के बीच कां अंतर भुला दिया है। भय से छुटकारा पाने व शांत होने के लिए ईश्वर में भरोसा रखें

मुझे उम्मीद है कि हम आज नहीं तो कल सामान्य मन:स्थिति में लौट सकते हैं। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं होता कि हम हड़बड़ी में कोरोना वायरस का खतरा दूर कर सकते हैं। नहीं, हम ऐसा नहीं कर सकते। खतरा बेहद वास्तविक है और इसे हूबहू स्वीकार करना होगा। हमारी समस्या यह है कि हमने भय और सावधानी के बीच कां अंतर भुला दिया है। हमें सदैव सजग रहना होगा, जैसा कि हम निजी तौर पर ऐसी सलाह भी दी जा रही है, लेकिन कोई भी सुदूर यह सलाह नहीं दे रहा है कि हमें डरपोक हो जाना चाहिए या भय से पंगु हो जाना चाहिए। यह इंसानी समझदारी नहीं है।

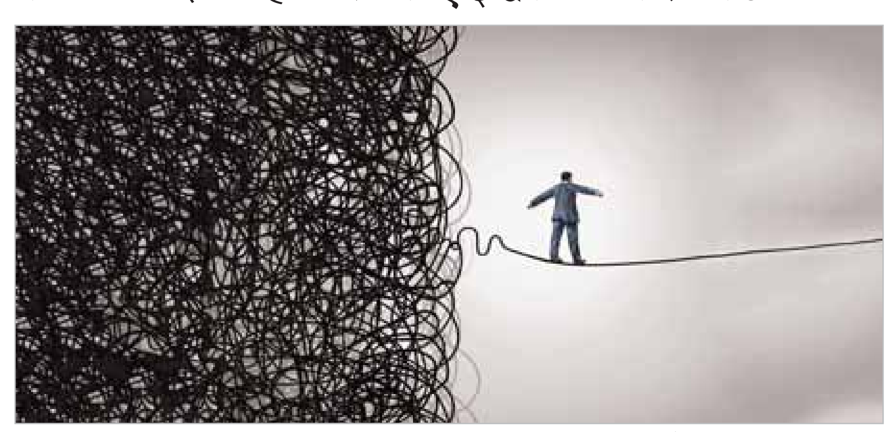

इसीलिए, आइए भय को सजगत से अलग करें। हमें अभी समेत हमेशा सजग रहना होगा लेकिन हमें कभी भी भयभीत नहीं होना चाहिए। भय से छुटकारा पाने व शांत होने के लिए ईश्वर में भरोसा रखें। लेकिन हम असहाय रूप में भयभीत हो गए हैं। हम डरते हैं, क्यों नहीं डरते हैं ? आइए उन तरीकों को समझें कि डर किस प्रकार हमारे मन में काम करता है। कभी कभी भय हमारे मन मे आता है और हम उसे आसरा दे देते हैं, मसलन उसके साथ तार्किक ढंग से निपटते । इसका अर्थ है कि हमारा मन हमारे शत्रु में बदल गया है, जिसके बारे में भगवान कृष्ण ने भागवतगीता में बताया है। (6.5-6) पर्याप्त सुनिश्चित, यह हमारे शरीर को प्रभावित करता है जैसे इसने अर्जुन को प्रभावित किया था। गांडीव उसके हाथ से छूटा जा रहा था, उसकी त्वचा भी जल रही थी, वह खड़ा नहीं रह पा रहा था और उसका मन शिथिल पड़ रहा था। (1.30) अब हमें एक गंभीर समस्या है, वो यह कि मन नकारात्मक ऊर्जा प्रदान कर रहा है जो शरीर पर विपरीत प्रभाव डाल रही है।

हमें इसका कैसे विरोध करना चाहिए ? हम अर्जुन के उदाहरण से सीख सकते हैं। अर्जुन बड़े पैमाने पर अपने संबंधियों व मित्रों की मृत्यु होने के कारण भयभीत हो गया था। हम भी उसी स्थिति में हैं। वायरस के हमारे मित्रों व संबंधियों को प्रभावित करने का खतरा है। तो अर्जुन ने क्या किया? शुरूआत में उसने इस स्थिति को स्वीकार किया । फिर, उसने भगवान कृष्ण से मार्गदर्शन करने, उसकी सहायता करने की विनती की। उसने कहा, ''कृपया मुझे रास्ता दिखाएं जिसने आपकी शरण ली है। ''(2.7) भगवान कृष्ण ने बिलकुल वही किया। उन्होंने अर्जुन को बताया कि मानव मन कैसे काम करता है, यह व्यक्ति का मित्र बन सकता है और शत्रु भी। फिर, भगवान ने अर्जुन को यह भी बताया कि किस प्रकार परम समाधान यानी ईश्वर की ओर मुड़कर, इस मन को मित्र बनाया जा सकता है। भगवान ने कहा, '' मेरा ध्यान करो, मेरे भक्त बनो और मुझे प्रार्थनाएं अर्पित करो। ''(18.65) अर्जुन ने समझदारी से ईश्वर का आदेश माना और कहा, '' मैं संदेह से मुक्त हूं, मैं सुस्थिर हूं और मैं अब आपके आदेशों का पालन करूंगा। '' (18.73)

हालांकि हमने किसी युद्ध का सामना नहीं किया है लेकिन समान रूप से महामारी के सामने खड़े हैं। और हमारा मन इससे काफी भयभीत हो रहा है। हमारे तन हमारे भयभीत मन से उत्पन्न नकारात्मक ऊर्जा के कारण प्रभावित हो रहे हैं। दुख की स्थिति छा रही है। इसलिए हमें ईश्वरीय चेतना विकसित करके, ईश्वर का भक्त बनकर, तथा ईश्वर के प्रति समर्पित होकर भगवान कृष्ण के निर्देशों का पालन करना चाहिए। जैसा कि हम सभी भिन्न हैं, हम अपने खुद के तरीके चुन सकते हैं जो ईश्वर ने बताया है और जो हमारे अनुकूल हैं। मैं अपना व्यक्तिगत उदाहरण दूंगा। मैंने अपने कमरे में ईश्वर के अनेक अवतारों के चित्र रखे हुए हैं। मैं ईश्वर का जाप भी करता हूं और कुछ मंत्रोच्चारण भी करता हूं। जब मैं ईश्वर के चित्र की ओर देखता हूं या ईश्वर का नाम लेता हूं या कुछ मंत्र पढ़ता हूं या दोनों काम एक साथ करता हूं, एक चमत्कारिक बदलाव होना शुरू हो जाता है। मेरी आत्मा, जो कि मैं हूं- मेरे मन से अधिक उच्चतर तत्व सक्रिय हो जाता है। आत्मा अब ईश्वर के साथ एकाकार है। यह आत्मा में चमत्कारिक आनंद लाता है। यह प्रक्रिया सकारात्मक आध्यात्मिक ऊर्जा जागृत करती है और नकारात्मक कमतर मानसिक ऊर्जा का विरोध होता है और वह निष्प्रभावी हो जाती है। मैं धीरे धीरे स्थिर व शांत हो जाता हूं।

मेरा विश्वास करें यह बहुत सरल है लेकिन अभ्यास पूरी आस्था के साथ करना होगा और तब तक के लिए जब तक कि प्रभाव महसूस न होता हो। लेकिन यह निश्चित रूप से होगा। यह विफल नहीं हो सकता। ईश्वर और आत्माएं दोनों वास्तविकता हैं। जैसे ही हम ईश्वर से जुड़ते हैं, उसकी ऊर्जा हमारे भीतर प्रवाहित होने लगती है। हमारा आनंद भाग सक्रिय हो जाता है। भय- नकारात्मक ऊर्जा प्रारूप का विरोध होता है और हम शांत हो जाते हैं, स्थिर हो जाते हैं। बस इसे शुरू करें और इसके लाभ प्राप्त करें जैसा कि मैं प्राप्त कर रहा हूं।

इस हफ्ते आपका भविष्य

मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

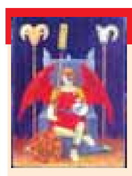

इस सप्ताह, आपको अपनी स्वास्थ्य स्थिति पर काम करना चाहिए। हर काम असर डालता है। सकारात्मक रहें। आध्यात्मिक पुस्तकें ज्यादा पढ़ें और ऐसे लोगों से मिलें जो आपकी मान्यताओं से भिन्न सोच रखते हैं। आपको उससे बहुत लाभ होगा। करियर मोर्चे पर, आप ऐसी स्थिति हासिल करने वाले हैं जहां आप काम का चुनाव कर सकते हैं। कोई भी फैसला करने से पहले, समस्त उपलब्ध जानकारी को परख लें। यह संभव है कि जिसे आप शुरू में बुरी बात समझते हों वो आपके पक्ष में काम करने लगे। बिजनेस को अपने निजी जीवन से मिलाने के प्रति सजग रहें।

शुभ अंक: 1 **शुभ रंग:** इंडिगो **शुभ दिन:** शुक्रवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

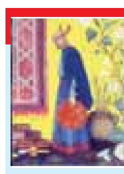

अपनी खुराक व व्यायाम दिनचर्या में बदलाव लाने की आवश्यकता है। आप किसी संस्थान या समूह में शामिल हो सकते हैं। पोषण विशेषज्ञ से सलाह लें और प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में व्यायाम करें। करियर मोर्चे पर, दिल के बजाय दिमाग से काम लें। आपके मामूली बातों पर भावुक हो जाने की संभावनाएं हैं और यह आपके लिए हानिकारक होगा। आप पेशेवर मामलों में व्यवहारिक व तार्किक हैं। ठोस फैसला लेने की जरूरत है। कोई महिला आपको मानसिक व भावनात्मक सहयोग देने में सहायक हो सकती है। रचनात्मक कार्यों में रूचि बनेगी।

शुभ अंक: 16 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** रविवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

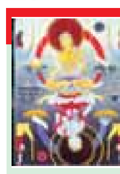

जो लोग स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे हैं, उनके लिए मौजूदा डाक्टर शायद सर्वोत्तम परामर्श विकल्प नहीं होंगे। वैकल्पिक उपचार तलाशें। आराम करें व अवकाश लें। अपनी तरोताजगी के लिए प्राणायाम करें। करियर मोर्चे पर, दिवास्वप्न व कल्पनाशीलता हावी हो सकते हैं। सावधान रहें कि अपना धन कहां निवेश करना है और किस भरोसा करना है। रचनात्मक क्षेत्र के लोगों के लिए, यह प्रगति करने का उत्कृष्ट समय है। इस सप्ताह अपने अधिकारियों या सहकर्मियों से ऊंची अपेक्षाएं न पालें। अपने प्रियजनों के साथ संपर्क बनाए रखें।

शुभ अंक: 10 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** सोमवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

सावधान रहें क्योंकि इस सप्ताह जलजनित बिमारियों तंग कर सकती हैं। अपनी जीवनशैली में संतुलित बदलाव लाने की आवश्यकता है। अपने खानपान के प्रति सावधान रहें इससे पाचन, जलन जैसी समस्याओं के आसार हैं। पेशेवर रूप में, आप काम पर थोड़ा अड़ियल रहेंगे, जो अच्छा नहीं है। स्वयं में सीमाओं में रखें। अपनी सैद्धांतिक सोच को व्यवहारिक नजरिए से मिलाएं। यदि चीजें काम नहीं कर रही हैं तो दूसरों की आलोचना न करें, उनमें गलतियां न ढूंढ़ें। आपको बस गंभीरता व समझदारी के साथ काम करना है।

शुभ अंक: 31 **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ दिन:** रविवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

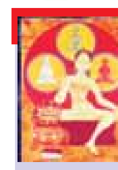

आप इस सप्ताह ऊर्जा से भरपूर हैं। अपनी रचनात्मकता व कल्पनाशीलता का उपयोग नये भविष्य की कल्पना में करें और फिर उसे साकार करें। आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। फिट रहने के लिए सभी सावधानियां बरतें। खुद को स्वस्थ बनाए रखने व बेहतर जीवन जीने पर अपने कुछ समय व धन का निवेश करें। करियर मोर्चे पर, आप आत्मविश्वास के साथ काम करेंगे और यह भरोसा आपके अधिकारियों का सहयोग हासिल करेगा। सकारात्मक नतीजों में देरी हो सकती है, मगर आपको बस धैर्य रखने की जरूरत है।

शुभ अंक: 12 **शुभ रंग:** पीला **शुभ दिन:** बुधवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

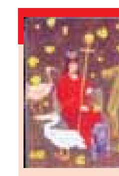

आप ऐसे जोशीले व्यक्ति हैं जो अपने जीवन के हर क्षण का मजा लेना चाहता है। आप शारीरिक व मानसिक रूप से बहुत सक्रिय हैं। अपार क्षमता आपको निष्क्रिय नहीं बैठने देगी, चाहे आप पेशेवर व व्यक्तिगत रूप से कितने भी व्यस्त हों। यह सही समय है कि आप इस क्षमता को अपने फायदे के लिए रचनात्मक कार्यों में लगाएं। करियर स्तर पर, आपके जीवन में पेशेवर व वित्तीय संदर्भों में हर चीज सहज नहीं है। काम से असंतुष्टि की संभावना है। आप नौकरी बदलने की योजना बना सकते हैं। हड़बड़ी में फैसला नहीं लेने की सलाह है।

शुभ अंक: 7 **शुभ रंग:** भूरा **शुभ दिन:** गुरूवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

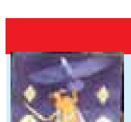

आपका स्वास्थ्य अच्छा है और रचनात्मकता बुलंदी पर है। यह अपार दूरदर्शिता का समय है। आप ऐतिहासिक पल महसूस कर सकते हैं जहां सजग समझदारी अपने चरम पर है। यह उस संशय को मिटाने का उत्तम समय है जिसने आपको आंतरिक सत्य तलाशने से रोके रखा है। क्रोध, आक्रामकता व हड़बड़ी से बचें, इससे आपकी सेहत प्रभावित हो सकती है। आप पेशेवर व आर्थिक रूप से धनी महसूस करेंगे। धन प्रवाह अच्छा रहेगा। अतीत में किये गए निवेश अब अच्छा लाभ प्रदान करेंगे। आप जो कुछ आपके पास है, उससे खुश महसूस करेंगे।

शुभ अंक: 8 **शुभ रंग:** बादामी **शुभ दिन:** शुक्रवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

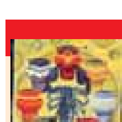

अपनी पुरानी पंरपराओं को परिष्कृत करना इस समय आपके लिए बहुत कारगर काम करेगा। बचपन के मित्रों से मुलाकात हो सकती है और आप उनके साथ अब तक का जीवन अनुभव साझा करेंगे। आप रचनात्मक विचारों के साथ जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हैं। किसी प्रकार की प्रथा आपके लिए सहायक होगी। करियर मोर्चे पर, अपने आत्मविश्वास व इच्छाशक्ति के साथ आप उस लक्ष्य को भी हासिल करेंगे जो पहले असंभव नजर आता था।

शुभ अंक: 9 **शुभ रंग:** लाल **शुभ दिन:** मंगलवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

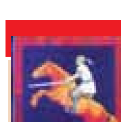

इस सप्ताह आप अच्छे सप्ताह का आनंद लेंगे। आप दूसरों के कल्याण में अपनी खुशी, संपत्ति या जानकारी बांटने के योगदान की सजगता महसूस करेंगे। आप अपने समुदाय में अधिक भागीदारी करेंगे। आपमें योगदान करने, वापस लौटाने तथा दूसरों की सहायता में अपनी विशेष प्रतिभाव का उपयोग करने तथा दुनिया को एक बेहतर स्थान बनाने की प्रबल इच्छा है। करियर मोर्चे पर, आपमें क्षमता है तथा आप अपनी प्रतिभा दुनिया को दिखाना चाहते हैं। लिखित संवाद पर ध्यान देने की जरूरत है। अपनी सोच व अभिव्यक्ति में सौम्य व उदार हों।

शुभ अंक: 17 **शुभ रंग:** रजत **शुभ दिन:** शनिवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

फिट रहने के लिए, सुनिश्चित करें कि आप नियमित अंतराल पर खा रहे हैं और शारीरिक व्यायाम कर रहे हैं। पैसा व करियर आपके लिए महत्वपूर्ण हैं। व्यस्त दिनचर्या के बीच आप भूल जाते हैं कि हमेशा काम और आनंद नहीं, एक कर्मठ को नीरस व्यक्ति बना देता है। यदि आप ध्यान नहीं रखते हैं तो आप ऐसी बिमारियों को बुला सकते हैं जो आपके लिए बहुत महंगी पड़ सकती हैं। आराम करें और थोड़ा समय मनोरंजन में बिताएं और खुद को ताजगी दें। पेशेवर रूप में, अब अप्रत्याशित वापसी हो सकती है।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ दिन:** मंगलवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

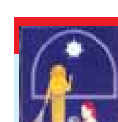

इस सप्ताह मामूली समस्याओं पर तनाव के संकेतक हैं। आप असाधारण मूड, दुनियावी सुखों में हैं और गतिविधियां अब आपका एजेंडा नहीं रह गयी हैं। आप एकांत चाहते हैं। आप अपनी वर्तमान स्थिति से निपटने के लिए निजता चाहते हैं। हालांकि अधिक उत्साह के साथ चुनौतियों का सामना करने के लिए जीवन में वापसी करने के संकेतक भी हैं। करियर मोर्चे पर, काम थोड़ा बहुत जटिल होता दिखता है, लेकिन तय लक्ष्यों को हासिल करने के लिए कृतसंकल्पित हैं। आपको पैसे या फिर प्यार तक के मामले में कड़ा चुनाव करना पड़ सकता है।

शुभ अंक: 3 **शुभ रंग:** बादामी **शुभ दिन:** शनिवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

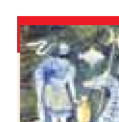

आपका स्वास्थ्य तत्काल ध्यान देने की मांग करता है। आप ऊर्जा में कमी महसूस कर सकते हैं, और बीपी अनियमित हो सकता है। शारीरिक एवं मानसिक बाधाएं जीवन गति को सुस्त बना सकते हैं। बिमारियों के कारण, आप जीवन में कुछ आनंदकारी क्षणों से महरूम हो सकते हैं। रोकथाम उपाय अपनाएं। इस सप्ताह आपका करियर ग्राफबेहतरी का संकेत करता है। पदोन्नति, पहचान व स्वीकार्यता की संभावनाएं हैं। व्यापार करने वालों की प्रतिष्ठा बाजार में बढ़ेगी। निजी मोर्चे पर, रिश्तों में भी आपका चिड़चिड़ापन व निराशा जाहिर होंगे।

शुभ अंक: 11 **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ दिन:** गुरूवार

कठिन दौर में, हम परम विश्वसनीय नहीं माने जाते हैं, हम परम अग्रगामी नहीं माने जाते हैं
- जोएल आस्टीन

शांति की तलाश करें

आध्यात्मिक होने के लिए, हमें दिल और दिमाग को स्वच्छ करना होगा। संत राजिंदर सिंह का कहना है कि ऐसा करने के लिए तरीका है क्षमा करना और भूल जाना

जीवन हमारे लिए अनेक दुख और चुनौतियां लेकर आता है। शिकार होना न केवल उनके प्रति आसान होता है जो हमें दुख देते हैं या हमारे साथ दुराचरण करते हैं, बल्कि हमारे अपने क्रोध के प्रति भी। जब कोई हमें दुख देता है और हम क्रोधित हो जाते हैं, हम दोतरफा पीड़ित होते हैं। पहला, हमें वो दुख बर्दाश्त करना पड़ता है जो दूसरों के कारण हमें होता है। दूसरा, हमें वो दुख व कष्ट सहना पड़ता है जो क्रोधित महसूस करने से होता है।

क्रोध न केवल हमें भावनात्मक रूप से दुखी करता है, बल्कि इसका हमारे शारीरिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है। इससे तनाव होता है, जो फिर तनाव संबंधी रोग में योगदान करता है। यह हृदय रोग, कैंसर, हृदयाघात, उच्च रक्तचाप व अन्य बिमारियों के खतरा बढ़ाकर हमें प्रभावित कर सकता है। यह क्रोध पर काबू पाने की लालसाओं के साथ चलने में अपार ऊर्जा खाता है। हमें लग सकता है कि क्रोधित व्यक्ति मजबूत है, लेकिन असलियत में वे कमजोरी के कारण मन की इस चाल के आगे घुटने टेक देते हैं। यह उस व्यक्ति को, जो हृदय से साहसी है, क्रोध को ना कहने के लिए कहता है।

आइए पता लगाते हैं कि हमें क्या होता है जब हम क्षमा नहीं करते हैं। हमारी सारी व्यक्तिगत कहानियां आम तौर पर किसी ऐसी घटना से आरंभ होती है जो हमारे साथ घटती है और जिसे हम नहीं चाहते हैं। किसी व्यक्ति ने किसी रूप में हमें गलत ठहराया है। शायद किसी ने हमारी भावनाओं को आहत करने के लिए या हमें शारीरिक तौर पर दुख पहुंचाने के लिए कुछ कह दिया हो। शायद जिससे हम प्रेम करते हैं, उसने हमें प्रेम करना या हमारी परवाह करना बंद कर दिया हो या हमें धोखा दिया है। शायद किसी ने हमारी ताकत, पद या संपत्ति ले ली है या हमारे साथ बेइमानी की है।

हम सुरक्षित ढंग से मान सकते हैं कि हम सभी कुछ ऐसी घटनाओं का जीवन में सामना करते हैं जिन्हें हम पसंद नहीं करते या जो हमें दुख देती हैं। तो, उसके बाद क्या होता है? हम आहत, दुखी, क्रोधित होते हैं। हम उस बारे में सोचते हैं जो हमारे साथ हो चुका था। हमें वो अच्छा नहीं लगता है और हम उसे भूलते नजर नहीं आते हैं। हम बार बार उसके बारे में सोचते हैं। हम बार बार उसके बारे में बता सकते हैं या तो उस व्यक्ति को जो हमें दुख देता है या दूसरों को। कोई व्यक्ति जिसका अपने आप पर कम नियंत्रण होता है उस व्यक्ति पर सीधे हमला कर देता है या शारीरिक या किसी अन्य रूप में अपना गुस्सा निकाल देता है। जैसे ही घटना घटती है, हम अपने विचारों या शब्दों को उलझा हुआ पाते हैं कि कैसे स्थिति को सुधारें। कुछ लोग उस व्यक्ति से बातचीत के जरिए शांतिपूर्ण ढंग से समस्या सुलझाने का प्रयास करेंगे, जिसने उनके मुताबिक उनके साथ गलत किया है।

कभी कभी वे उसकी कोशिश करते हैं लेकिन दूसरा व्यक्ति सुनने या बदलने के लिए तैयार नहीं होता है। तो, हमें लगता है कि हमें कुछ जबरदस्त करना पड़ेगा। यह प्रतिशोध या जवाबी कार्रवाई की ओर ले जा सकता है। हम उस व्यक्ति को वापस लाने के तरीकों के बारे में सोचने लगते हैं जो हमें दुख देता है या हम उसके साथ तालमेल बनाने के तरीकों के बारे में सोचने लगते हैं। हम न्याय होते देखना चाहते हैं। हमारा मन उस घटित घटना को तब तक भूलने से

जब हम अतीत को तथा दूसरों द्वारा किए गए गलत कार्यों को त्याग देते हैं तो प्राप्ति यह होती है कि हम अपने जीवन में शांति हासिल करते हैं। यदि हम आध्यात्मिक मार्ग पर आगे बढ़ना चाहते हैं तो हमें एक शुद्ध व स्वच्छ हृदय व मन की आवश्यकता होती है।

इंकार कर देता है जब तक कि जवाब नहीं देते या न्याय होते नहीं देखते। इस तरह, एक घटना के प्रतिउत्तर में, हम अधिक परिदृश्य या स्थितियां रच बैठते हैं। दूसरा व्यक्ति फिर प्रतिरोध में हमारा जवाब दे सकता है। क्रिया और प्रतिक्रिया का चक्र चलता रह सकता है और एक छोटी घटना बड़ी समस्या का रूप ले लेती है।

इस प्रक्रिया में क्या हुआ है? हमने अपने मन की शांति खो दी है। शुरूआती घटना कुछ पलों या कुछ घंटों या दिन में समाप्त हो सकती है लेकिन हमने अब जो हुआ था, उसे पुन:खेलने तथा कैसे बराबरी की जवाबी कार्रवाई की जाए, उस पर सोचने में सैंकड़ों घंटे या अनगिनत दिन बिता दिए हैं।

इस प्रक्रिया में, हमारे जीवन के मूल्यवान क्षण बर्बाद हो गए हैं। इसके बजाय अपना ध्यान इस बात पर लगाने कि किससे हमें जीवन में अधिक खुश व बेहतर होने में सहायता मिल सकती है, हमने एक खराब फिल्म को दुबारा देखने में समय बर्बाद किया है। इस तरह, हम उस व्यक्ति से कहीं ज्यादा खोते हैं जिसके खिलाफहम अपना गुस्सा दिखा रहे हैं।

एक चीनी कहावत कहती है कि जब हम बदला चाहते हैं, हम दो कब्रें खोदते हैं, एक उस व्यक्ति के लिए, जिससे हम बदला चाहते हैं और दूसरी कब्र स्वयं अपने लिए खोदते हैं।

हम एक टेपरिकार्डिंग या वीडियो रिकार्डिंग से ज्यादा कुछ नहीं रह जाते जो बार बार वही बुरा सीन दिखाती है। हममें से कितने लोग दुबारा खराब फिल्म देखना चाहते हैं या वो गाना सुनते हैं जो हम बार बार सुनना नहीं चाहते हैं ? हममें से कितने लोग वही खाना चाहते हैं जो हम फिर से खाना नहीं चाहते ? हम आमतौर पर कहते हैं, '' यह घिनौना है ''। यही होता है जब हम अपने मन में अपने साथ हुए गलत कामों को दोहराते हैं। घृणा, क्रोध व प्रतिशोध से जारी हार्मोन्स के खिलाफशरीर को बचाने का समाधान सरल है: क्षमादान। यह केवल क्षमादान से संभव है कि हम खुद को शांत रख सकते हैं और घृणा व हिंसा की प्रतिक्रियाओं से बच सकते हैं। क्षमादान की शक्ति विकसित करने के तरीके क्या हैं ?

एक प्रमुख तरीका है भूल जाना। जब हम माफकरते और भूल जाते हैं, हम अतीत को और जो हुआ है, उसे भूल रहे हैं। हम कह रहे हैं, '' जो कुछ हुआ है उसके लिए मैं उक्त व्यक्ति को क्षमा करता हूं। फिर मैं उसे भूलने जा रहा हूं। '' इस तरह से, हम उसे त्याग रहे हैं। जब हम अतीत को तथा दूसरों द्वारा किए गए गलत कार्यों को त्याग देते हैं तो प्राप्ति यह होती हैं कि हम अपने जीवन में शांति हासिल करते हैं। यदि हम आध्यात्मिक मार्ग पर आगे बढ़ना चाहते हैं तो हमें एक शुद्ध व स्वच्छ हृदय व मन की आवश्यकता होती है। ऐसा करने का तरीका क्षमा करने व भूल जाने व ईश्वर को प्राप्त करने के जरिए है।

आइए क्षमा करना व भूलना सीखें। यह स्लेट को पोंछकर साफकरने एवं नयी शुरूआत करने का समय है। आइए सभी क्रोधों से मुक्त हों। सभी घृणाओं से मुक्त हों। प्रतिशोध वाली सभी भावनाओं से मुक्त हों। समस्त बैरभाव से मुक्त हों। खुद को क्षमा करने व भूलने के लिए, मुक्त होने तथा ईश्वर को पाने के प्रति समर्पित करें।

हम अपने मन को बता सकते हैं कि हमें हर एक को तथा अतीत की हर चीज को क्षमा करने तथा सभी पूर्व के दुखों को भूलन का सजग प्रयास करने की जरूरत है। ध्यान में बैठकर, समस्त दुनियावी इच्छाओं व जुड़ावों से मुक्त, हम भूल सकते हैं और ईश्वर के पास वापस लौटने के लिए खुद को मुक्त पा सकते हैं। इस तरह से, हम अपना समूचा समय आनंद, कृपा, हंसी, खुशी व प्रेम में बिता सकते हैं।

- लेखक आध्यात्मिक गुरू हैं।

अंतर्दृष्टि
प्रमोद पाठक

कोरोना वायरस पर कहावतें

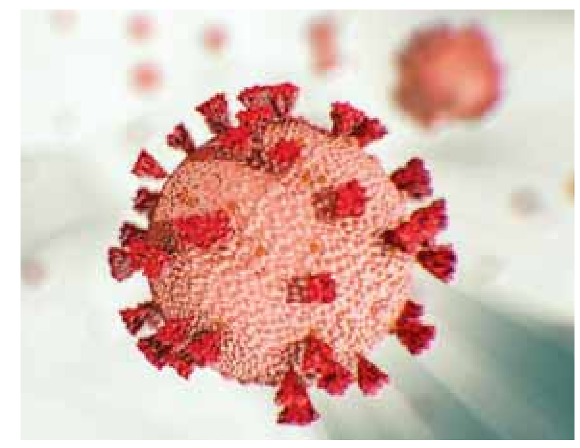

मौजूदा दौर जैसी किसी अनिष्टसूचना के लिए, खास अमरीकी बोली है एसएचटीएफ जिसका विस्तृत अर्थ है शिट हिट्स द फेन यानी मुसीबत का पहाड़ टूटना। बल्कि आपदा संबंधित ज्यादा क्रूर अभिव्यक्ति। इसके बावजूद, जैसा कि समूची दुनिया ऐसी स्थिति में है, आइए देखें कि क्या हो रहा है। यहां दो पुराने जमाने की कहावतों का उल्लेख मदद कर सकता है। पहली जिसे मैंने अंग्रेजी साहित्य में, चौथी कक्षा में पढ़ा था, लगभग साढ़े पांच दशक पहले। कहानी यूंहै कि जंगल में एक खरगोश रहता था जो हमेशा धरती के ढहने की चिंता किया करता था। एक दिन, जब वह नारीयल के पेड़ के नीचे सो रहा था, एक बड़ा नारीयल धड़ाम से नीचे आ गिरा। खरगोश घबरा कर उछल पड़ा और चिल्लाते हुए भागने लगा कि धरती ढह रही है। उसके साथ के खरगोश भी उसके साथ भागने लगे। सामने अन्य जानवर दिखाई दिए, उन्होंने चिल्लाते हुए वही संदेश उन्हें सुनाया। जल्द, सारे जानवर भागने लगे, चारों तरफ अफरा तफरी मच गयी। शेर ने यह देखा और बहुत तेजी से दहाड़ते हुए उसने पूछा कि मामला क्या है। सामने मौजूदा जानवर ने कहा कि वे भाग रहे हैं क्योंकि धरती ढह रही है। शेर ने पूछा कि उसने कहां यह देखा। जानवर ने अपने पीछे इशारा किया। जब उस जानवर से पूछा गया तो उसने भी अपने पीछे इशारा किया। इस प्रकार पहले खरगोश का पता लगाया गया। फिर वह शेर को उस जगह पर ले गया जहां उसने सोचा था कि धरती ढह रही थी। जैसे ही उसने नारीयल् वृक्ष की ओर इशारा किया, कि एक और नारीयल नीचे आ गिरा। खरगोश फिर उछल पड़ा, और भागना चाहा। लेकिन शेर ने उसे रूकने और देखने के लिए कहा। खरगोश ने नारीयल को देखा और महसूस किया कि सच्चाई क्या थी। शेर ने उससे सभी जानवरों को सच्चाई बताने के लिए कहा। यहां सबक यह है कि संकट की स्थिति में तार्किकता आम तौर पर हाशिए पर चली जाती है। लेकिन यहीं पर भरोसेमंद नेतृत्व की आवश्यकता होती है। ऐसा नेतृत्व जो दृढ़ हो और वैज्ञानिक नजरिया रखता है। बाद की उल्लिखित दूसरी कहावत स्वघोषित विशेषज्ञों की सहायता करेगी जो सावधानी से ज्यादा भय की अधिक पैरवी कर रहे हैं, जो समझते हैं कि भय भी जान लेता है। एक गांव के बाहरी इलाके में एक झोपड़ी में एक तपस्वी रह रहा था। एक रात उसने देखा कि एक काली परछाई भयावह ढंग से गांव की ओर बढ़ रहा है। तपस्वी ने हिम्मत जुटाकर उससे पूछा कि वह कौन है और वह किसलिए गांव जा रहा था। परछाई ने उत्तर दिया कि वह मृत्यु है और उन लोगों को लेने के लिए गांव जा रही थी जो उस संभावित महामारी के कारण मरने वाले थे जो चोट करने वाली थी। तपस्वी ने पूछा कि कितने लोग मर जाएंगे। साए ने कहा कि एक हजार और गांव की ओर चली गयी। कुछ दिनों में, महामारी फैली और कई हजार लोग मर गए। तपस्वी स्तब्ध था। उसने सोचा कि मृत्यु ने झूठ बोला था। उसने परछाई के लौटने की प्रतीक्षा करने का फैसला किया । जैसे ही वो परछाई लौटी, तपस्वी ने यह कहते हुए उस पर आरोप लगाया कि उसने झूठ बोला था क्योंकि 1000 नहीं बल्कि कई हजार लोग मरे थे। परछाई ने कहा कि उसने झूठ नहीं बोला था। महामारी ने केवल एक हजार लोग मारे थे शेष भय के कारण मर गए। कहानी का संदेश साफहै। मौत का भय स्वयं मौत की तुलना में अधिक खतरनाक हो सकता है। संकट के इस दौर में, पुराने जमाने की कहावतें तथाकथित आज की वास्तविक जानकारी के मुकाबले अधिक शिक्षाप्रद व सूचनाप्रद हैं, जो कि मनमाने ढंग से फैलाई जा रही हैं। मनोवैज्ञानिक पहले से मानते आए हैं कि अच्छा पाठन सहायता करता है। यह लोगों को प्रेरित करता है, उन्हें बेहतर ढंग से संकट का सामना करने के लिए प्रोत्साहित करता है। दुनिया को आज ऐसे लोगों की जरूरत है। हमें भय को भूलना होगा। यह समय काम पर वापस लौटने का है।

पेज एक का शेष

लॉकडाउन में मनोरंजन के नए अवसर

लइव कार्यक्रमों व समारोहों के अलावा, डिजीटल दायरा जन्मदिन व शादी की सालगिरह मनाने में लोगों की सहायता कर रहा है। जी टीवी का सारेगामापा कार्यक्रम उल्लेखनीय है जो अपने 25वां साल मना रहा है। चैनल 34-24 मई, 2020 को एक लाइव-आ-थन तथा एक देश, एक राग कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। यह एक 25 घंटे का डिजीटल संगीत मैराथन कार्यक्रम है जिसमे हिमेश रेशमिया, जावेद अली, कमाल खान जैसे गायकों की अपने घरों से गाते हुए 350 से अधिक प्रस्तुतियां होंगी।

कार्यक्रम की मेजबानी करने वाले शान बताते हैं कि वे इस कार्यक्रम का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस करते हैं। वह कहते हैं, '' सा रे गा मा पा शुरूआत से ही मेरे दिल के बहुत करीब रहा है। इसे 25 साल पूरे करते देखना अद्भुत है। मैं मानता हूं कि संगीत में लोग का मूड बेहतर बनाने की शक्ति होती है और मुझे भरोसा है कि यह कार्यक्रम इस महामारी के असर से उबरने में लोगों की सहायता करने में कामयाब होगा। ''

इंटरटेनमेंट कारक के अलावा, वोडाफोन, अपने अभियान रीचार्जफारगुड के हिस्से के रूप में, बुक माइ शो के साथ साझीदारी में, 24 अप्रैल से लाइव सत्रों का आयोजन करता आया है। नौ कलाकार आपके लिए नि:शुल्क अपने घरों से लाइव कार्यक्रम प्रस्तुत करते हैं। प्रतीक कुहाड, ध्वनि भानुशाली, अंकुर तिवारी व इंडियन ओशन जैसे कलाकारों द्वारा महान संगीत कार्यक्रमों से आपको प्रोत्साहित करते हैं।

जिनकी शास्त्रीय संगीत में रूचि है उन्हें अप्रासंगिक महसूस नहीं करना चाहिए। नेशनल सेंटर फार द परफार्मिंग आर्ट्स (एनसीपीए) ने डिजीटल सीरीज आयोजित किए हैं- एनसीपीए / होम अपने यूट्यूब चैनल पर। पिछले महीने, सीरीज ने गिरिजा देवी, मल्लिका साराभाई एवं उस्ताद जाकिर हुसैन तथा उन जैसी कई अन्य हस्तियों को मंच का केन्द्र बनते देखा है। यदि आप इस अवसर को नहीं खोया है। तो आपने विगत 10 मई 2020 को सांय 6 बजे, पंडित बिरजू महाराज द्वारा कथक कार्यक्रम में आनंद लिया होगा।

एनसीपीए,मुंबई के नृत्य विभाग के अध्यक्ष, व प्रसिद्ध ओडिसी नर्तक व स्वर्गीय केलुचरन मोहापात्रा की शिष्या, स्वप्नकल्प देशगुप्ता बताती हैं कि भारत में, डिजीटल शोज की राह में कुछ चुनौतियां हैं। देशगुप्ता कहती हैं, '' बैंडविड्थ होना उनमें से एक है। लेकिन अच्छा यह है कि कलाकार बदलती स्थितियों को अपना रहे हैं और चीजों को अपने हक में ले रहे हैं। गुरू-शिष्य परंपरा की विपरीत देखना भी विचित्र है। कोविड -19 के दौरान, यह शिष्य का गुरू को पढ़ाना है कि तकनीक का कैसे इस्तेमाल करें।''

वह बताती हैं कि उनके जैसी नृत्यांगनाएओं को प्रशिक्षण तकनीक को बदलाव पड़ा है और वह इसका उदाहरण देती हैं। वह कहती हैं, ''यदि कोई जूम क्लास ले रहा है, तो उसे इस बात को ध्यान में रखना पड़ता है कि छात्र आपका अनुसरण करने के लिए आपके पीछे नहीं है, बल्कि आपके सामने हैं। यदि मैं बायां हाथ उठाने के लिए कहती हूं तो मुझे स्क्रीन पर अपना दायां हाथ उठाना पड़ेगा। ''

मुरादाबाद घराने से छठी पीढ़ी के सारंगी वादक तथा उस्ताद गुलाम साबिर खान के पुत्र मुराद अली खान कहते हैं कि एक कलाकार के लिए प्रत्यक्ष श्रोता मूड निर्धारित करता है लेकिन यहां, सामने कोई नहीं होता है इसलिए यह थोड़ा अजीब था।

खान कहते हैं, '' लेकिन तकनीक ने बहुत सारी चीजें संभव बनाई हैं। हालांकि मेरे पास कोई श्रोता नहीं है, मगर मैं टिप्पणियां पढ़ सकता था और उनसे राय जान सकता था। डिजीटल प्लेटफार्म पर आने के पीछे मेरा कारण लोगों को उनकी सामान्य दिनचर्या से अवकाश प्रदान करना था। यदि हम अपने संगीत के जरिए ऐसा कर सकें, लोग घर में बनाए रख सकें तो हमने अपना फर्ज निभा दिया है।''

उस्ताद शुजात खान, जो एचसीएल कांसर्ट बैठक सीरीज का हिस्सा थे, का मानना है कि बिना श्रोता के कार्यक्रम प्रस्तुत करने का विचार बहुत ही विचित्र था। शुजात बताते हैं, '' किसी भी प्रकार का संगीत, सिनेमा या पेंटिंग के बरक्स, इंसानों के साथ एक सजीव संवाद है। जब कोई ऊर्जा प्रदर्शित कर रहा है जो रागों के नोट्स से आती है तो वह लोगों तक पहुंचती है और वापस कलाकार तक आती है। लेकिन इस प्रकार के सजीव प्रदर्शन सचमुच विचित्र थे।डिजीटल दायरे का हिस्सा बनने को लेकर मुझे एक ही आशंका तकनीक पक्ष तथा उससे होने वाली बेचैनी से पोषित थी। ''

श्रोता न होने के बावजूद, सितारवादक बताते हैं कि चूंकि वह लगभग 55 सालों से स्टेज पर कार्यक्रम देते आए हैं, तो सालों का वो तजुर्बा काम आया क्योंकि उन्होंने कला को भटकाव से बचाना और उसे सुस्थिर रखना सीखा है जहां वह खुद पर नियंत्रण रखते हैं और स्थिर रहते हैं जहां वह इन सबसे ऊपर उठ जाते हैं और उस अवस्था में होते हैं जहां वह स्वयं के लिए बजाने की अपनी ऊर्जा व भावनाओं का उपयोग करते हैं।

यामिनी रेड्डी डिजीटल प्लेटफार्म पर उपस्थित हुई क्योंकि हालांकि उन्होंने अनेक मंचीय शोज किए हैं, मगर वह वर्चुअल दुनिया का हिस्सा बनना चाहती थीं। रेड्डी कहती हैं, '' मैं उलझी हुई थी और जानना भी चाहती थी कि सबकुछ कैसे काम करेगा। डिजीटल प्लेटफार्म पर होकर, व्यक्ति बेहद व्यापक दर्शक तक पहुंच बना सकता है। वर्चुअल कांसर्ट से, व्यक्ति कहीं भी रहकर कार्यक्रम देख सकता है, यह तकनीक सीमाओं व समय कालों के पार जाती है। ''

तैयारी भी की गयी थी। उन्हें देखना पड़ता था कहां प्रकाश व्यवस्था अच्छी थी, कैमरा कहां पर रखें और बैकग्राउंड कैसा चुनें जिसमें डांस प्रस्तुति के लिए बैंकग्राउंड स्कोर की क्यूरेटिंग भी शामिल था। उन्हें ऐसे संगीत को भी चुनना पड़ा था जिसमें उनके कुचीपुड़ी नृत्यप्रस्तुति को बुलंदी देने के लिए उत्तर और दक्षिण का संतुलन था, इसके बावजूद तैयार होना, बैकस्टेज में इंतजार न करना तथा अपना नाम बुलाए जाने की प्रतीक्षा न करना विचित्र था, मगर समूचा अनुभव दिलचस्प था।

मालविका मनोज उर्फ माली, जिन्होंने स्पाटिफाई के रडार कवर पर अपना सिंगल रिलीज किया है, कहती हैं कि उन्हें अपने सिंगल के लिए प्रेरणा हासिल हुई जब उन्होंने सीरियन युद्ध के संदर्भ के साथ कैनल विदआउट बार्डर्स का एक संस्करण देखा।

माली बताती हैं, '' इससे मुझे इस सिंगल के बारे में सोचने और लिखने के लिए प्रेरित किया। यह बिलकुल संयोग की बात है कि गाना मौजूदा स्थिति से बिलकुल मेल खाता है। मैंने गाने को रिकार्ड भी कर लिया था लेकिन हमें वीडियो बनाना था। मैंने दुनिया भर में अनेक परिवारों व मित्रों से बात की जिन्होंने मुझे 5 से दस सेकेंड के वीडियो भेजे। मैंने इस फुटेड को अपने गाने के लिए उपयोग किया।''

हालांकि, उनके लिए, डिजीटल प्लेटफार्म कोई ऐसी चीज नहीं है जिसकी वह सदस्यता लेंगी।

'' जो मैंने देखा है, वो यह कि सोशल मीडिया पर लोगों की उपस्थिति कम हो रही है। लोग थक रहे हैं और अपना एप खोलना नहीं चाहते हैं। सजीव प्रस्तुतियों की जगह कोई नहीं ले सकता, फिर भी ऐसे लोग हैं जो डिजीटल दायरे से कमाने के तरीके ढूंढ़ रहे हैं। कलाकारों के लिए, सीधे दर्शकों के साथ कार्यक्रम प्रस्तुत करना बिलकुल अलग अहसास देता है और इस ऊर्जा को दुबारा नहीं रचा जा सकता है। विकल्प होना अच्छी बाता है लेकिन हर चीज, जो अभी हो रही है, अस्थायी है।''

कोरोना ने हमें अपने खानपान और जीवनशैली के माध्यम से अपनी बेहतर इम्युनिटी की दिशा में काम करना चाहिए। इसने कुछ मायनों में जिंदगी के प्रति मेरी सोच भी बदल दी है।

- कैटरीना कैफ

प्रवासी भारतीय और उनके परिजनों की कहानी है वृत्तचित्र 'सेंट अवे ब्वाएज़'

फिल्म निर्माता हरजंत सिंह अपना एक वृत्तचित्र 'सेंट अवे ब्वॉएज़' बनाने के दौरान अपना हर कदम लय में करते दिखते हैं। इस वृत्तचित्र में वो ऐसे प्रवासी भारतीयों के उन परिजनों तथा मित्रों के अनुभवों को समेटने का प्रयास करते हैं जो उनके विदेश जाने पर पीछे छूट जाते हैं।

उस समय तेज बरसात हो रही थी जब उस वृद्ध महिला का पुत्र अमेरिका चला गया। उसने बताया कि घर भी उस दिन उसके जाने पर रोया था। अब वृद्ध महिला आंगन में अकेली बैठी है। ऐसा इसलिये भी हो सकता है कि घर के कमरे अब भी शोकमग्न हैं।

हरजंत सिंह ने जिस प्रकार से ये वृत्तचित्र 'सेंट अवे ब्वॉएज़' बनाया है वो उनके काम के प्रति समर्पण को बताने के लिए पर्याप्त है। इसमें उन लोगों के अनुभवों को सामने लाने का प्रयास किया गया है जो प्रवासियों द्वारा पीछे छोड़ दिये जाते हैं। इस वृत्तचित्र में उन्होंने लैंगिक (पौरुष) आधार पर वैश्विक प्रवसन की पड़ताल की है। उन्होंने प्रवासियों की यात्राओं के बारे में जानने के स्थान पर उन परिवारों और समुदायों के अनुभवों का संकलन किया है जो उनके द्वारा पीछे छोड़ दिये जाते हैं। उनकी अनुपस्थिति और उन परिस्थितियों, जिनके कारण उन्हें घर छोड़ने को विवश होना पड़ा, के कारण जैसे सबकुछ बदल जाता है।

यदि आप गिल के तीनों वृत्तचित्र –'सेंट अवे ब्वॉएज़, मर्दिस्तान और रूट्स ऑफ लव, देखेंगे तो आपको लोगों के जीवन या रिसर्च आदि की बजाय आपको उस सार्थक चुप्पी सबसे अधिक प्रभावित करती है जो बीच बीच में आपको अनुभव होगी। मर्दिस्तान में जहां एक ओर पौरुष को प्रतिबिंबित करती है और इसमें भारतीय समाज में व्याप्त पितृसत्ता, पुत्र को प्राथमिकता, यौन हिंसा और समलैंगिकता से घृणा जैसी प्रवृत्तियों को उजागर करने का प्रयास किया गया है, साथ ही इसमें भारतीय पुरुषों के सामने आज उत्पन्न चुनौतियों तथा दायित्वों को भी रेखांकित किया गया है। इसमें एक विवाहित समलैंगिक अपनी पत्नी को छोड़े जाने का ये कहता है कि वो अपनी पत्नी का कोई दोष न होने के चलते उसे नहीं छोड़ सकता।

रूट्स ऑफ लव में पहचान को आधार बनाया गया है। इसके लिए पगड़ी और बालों को इसका प्रतिनिधि माना गया है। एक युवा सिख जिसने अपने बाल कटा लिये हैं। वो अपनी मां को इसके लिए गुस्सा होते देखता रहता है। गिल टॉसन यूनिवर्सिटी में समाजशास्त्र, मानवविज्ञान और अपराधिक न्याय, के प्रोफेसर हैं। वो 2020के फुलब्राइट-नेहरू रिसर्च फेलो हैं आजकल अमेरिकन उपन्यास 'द ग्रेट गेट्सबाय' को पंजाबी में रूपांतरण कर एक स्क्रिप्ट विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं। वो एक पुस्तक 'कमिंग ऑफएज इन माचोलैंड' भी लिख रहे हैं।

यद्यपि पौरुष आधारित उनके तीनों वृत्तचित्र पब्लिक सर्विस ब्रॉडकास्टिंग ट्रस्ट द्वारा वित्तपोषित हैं, लेकिन उनका मानना है कि अब इस प्रारूप पर वित्तपोषण में कमी आती जा रही है। उनका कहना था, 'मैंने भारतीय संस्थाओं को वित्तपोषण हेतु लिखना बंद कर दिया है क्योकि मैंने कम होते वित्तपोषण को भारतीय फिल्म निर्माताओं हेतु छोड़ने का निश्चय किया है। मैंने पिछले 10 वर्षों की अवधि में ओटीटी के आ जाने से वितरण नेटवर्क में आने वाले परिवर्तनों पर भी काफी कुछ लिखा है।'

उन्होंने आगे बताया, 'अब कोविड19 के आ जाने से अब अपने काम को साझा करने और स्कॉलरशिप के लिए हमें नए माध्यम खोजने होंगे। आने वाले दिनों में नई सीमाओं के सामने आने के बाद नई संभावनाओं के प्रति भी अत्यंत आशावादी और उत्साहित हैं। इससे हमें कहानी कहने की नई तकनीक खोजने में भी मदद मिलेगी।'

आप उनसे पंजाबी सिनेमा के रोमांटिक कॉमेडी जॉनर और देश के इस भाग के लोगों के हंसोड़ होने के बारे में बात कीजिये और वो तुरंत कहने लगते हैं, 'पंजाबी पुरुषों को ये जॉनर सर्वाधिक प्रिय है। उदाहरण के लिए मेरे माता-पिता जो सीए में रहते हैं वो पिछले 20 की अवधि में रिलीज़ हुई हर पंजाबी फिल्म देख चुके हैं। मेरा मानना है कि पंजाबी दर्शक

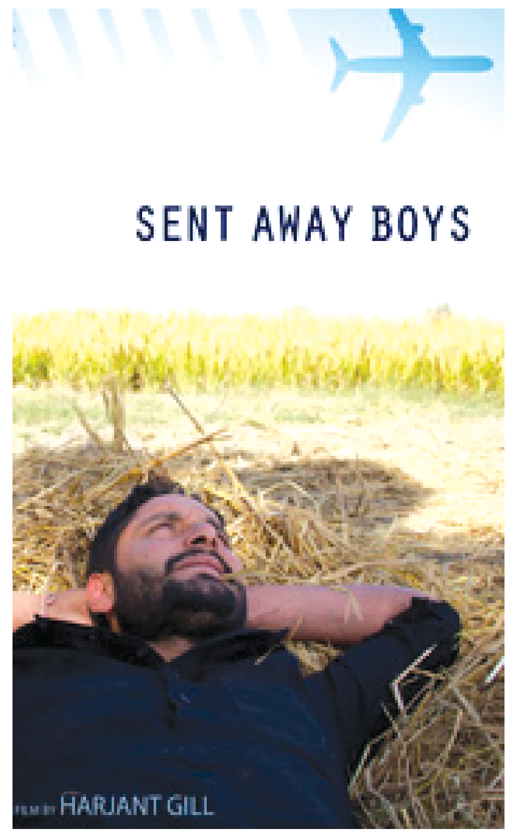

पंजाबी फिल्मों के प्रति हिंदी फिल्मों में पंजाबी अभिनेताओं से भिन्न प्रतिक्रिया देते हैं। सिंह इज़ किंग या डीडीएलजे को जहां एक ओर अतिशयवादी कल्पना आधारित फिल्म बताया जाता है जिनमें सामाजिक मान्यताओं का उल्लंघन होते हुए दिखाया जाता है जैसे कि अंतर्धार्मिक और अंतर्जातीय विवाह को संभव बताया जाता है वहीं 'तेरा मेरा की रिश्ता या मुंडे यूके दे' जैसी पंजाबी फिल्मों में पंजाब में व्याप्त वास्तविकता दिखाई गई है। हां, लेकिन कहानी अंतर्देशीय प्रवसन से प्रभावित तो रहती ही है।'

वो बताने लगते हैं, 'यद्यपि इन फिल्मों की पटकथा और अभिनय कुछ अधिक अच्छा नहीं होता लेकिन पंजाबी फिल्में देखने हेतु अधिक उपयुक्त हैं क्योंकि उनमें प्यार और विवाह के संबंध में सामाजिक मान्यताओं का उल्लंघन नहीं दिखाया जाता।' 1980 के दशक में लॉन्ग दा लिश्कारा जैसी फिल्म में ये किया गया था लेकिन 1990 के बाद विशेष रूप से एनआरआई जॉनर वाली पंजाबी फिल्मों में अधिक स्वतंत्रता लेने का प्रयास नहीं किया गया है। एक वार्ताकार ने मुझे इसकी व्याख्या करते हुए बताया, 'पंजाबी फिल्में वास्तव में विदेश के बारे में एक यात्रा वीडियो जैसी होती है जिनमें पंजाबियों के विदेश में रहन-सहन दिखाया जाता है। एक प्रकार से आप 3 घंटे एसी में बैठकर विदेश दी सैर ही करते हैं। इससे अधिक और आपको क्या चाहिये।'

सोशल मीडिया के आने के बाद अब कई कल्पनाएं आकार लेने लगी हैं। गिल ने बताया, 'युवा आजकल हर दिन कलात्मक ढंग से अभिव्यक्ति प्रेषित करते हैं। इससे एक प्रकार से वे भारतीयों में व्याप्त निराशा को दूर भगाने का ही प्रयास करते हैं। मैं युवाओं से इससे अधिक सार्थक, जिज्ञाशापूर्ण और चुनौतीपूर्ण कार्यों की अपेक्षा रखते हूं। हमें ऐसी फिल्में बनानी चाहिये जो उन्हें अच्छी लगें और जो उस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हों जो युवाओं को प्रिय हो। मेरी सभी फिल्में यदि 45 मिनट या इससे कम की रही हैं तो इसका भी एक कारण है। मेरे अमेरिका और और भारतीय छात्र तो 30 मिनट से कम की फिल्में चाहते हैं। ये उनकी कमी नहीं है बल्कि वे ऐसे वातावरण में बड़े हुए हैं जहां उन्हें अधिक एकाग्र होकर कुछ भी करने में अवरोध उत्पन्न होते रहते हैं। लेकिन इसके बाद भी अधिकांश भारतीय वृत्तचित्र निर्माता 2 घंटे की फिल्में ही बनाने में रुचि रखते हैं। ऐसे में फिल्म निर्माता और कहानीकार को अपने दृष्टिकोण पर विचार करने की आवश्यकता है।'

गिल आज भी अपने वृत्तचित्र के विषयों के संपर्क में रहते हैं। वो उनसे फेसबुक और वॉट्सऐप से जुड़े रहने का प्रयास करते हैं। उन्होंने बताया, 'कई बार यदि आप उनसे बात नही करना चाहते या करने की आवश्यकता ही नहीं है तो उनकी कॉल आ जाती है। मुझे इस बात से संतोष है कि वे संपर्क करने में किसी प्रकार का संकोच नहीं करते। एक ऐसा ही व्यक्ति नवंबर 2019 में कनाडा चला गया। मुझे ये फेसबुक से पता चला।

अधिकांश पंजाबी विदेश जाने से पहले अपने मित्रों को भी नहीं बताते कि वे विदेश जा रहे हैं। उन्हें केवल तभी पता चलता है जब वे एअरपोर्ट से अपनी सेल्फी पोस्ट करते हैं। यदि वायुसेवा प्रारंभ होती है तो मैं भी शीघ्र ही कनाडा जाने और अपनी पुस्तक के लिए उनके साक्षात्कार लेने के बारे में गंभीरता से विचार कर रहा हूं।'

कहानी घर-घर की फेम एक्टर सचिन कुमार का निधन

टीवी सीरियल कहानी घर घर की के अभिनेता सचिन कुमार का 15 मई को सुबह दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया. सचिन कुमार के निधन पर राकेश पॉल, चेतन हंसराज, विनीत रैना, सुरभि तिवारी जैसे कई टेलीविजन कलाकारों ने दुख और शोक प्रकट किया है. सचिन ने बहुत पहले ही अभिनय छोड़ दिया था और बाद में फोटोग्राफर बन गए. सचिन कुमार के निधन पर उनकी करीबी दोस्त राकेश पॉल का बयान आया है. राकेश पॉल ने कहा, हां, यह समाचार साझा करने के लिए दिल तोड़ने वाला है, लेकिन यह सच है. मैं देर से उनके निधन के बारे में जान नहीं पाया. मुझे पता चला था कि वह सो गया था और अगले दिन उसने दरवाजा नहीं खोला. उसके माता-पिता घबरा गए थे और जब उन्होंने दरवाजा खोला, तो वह गुजर चुका था. वह अपने माता-पिता के साथ रह रहा था. घटना शायद देर रात या सुबह की थी.

यह पूछे जाने पर कि उन्होंने आखिरी बार सचिन से कब बात की थी, उन्होंने कहा, विडंबना यह है कि हम पिछले दो दशक से एक-दूसरे को जानते हैं. हम एक ही एरिया में रहते थे और हम भाईयों की तरह रहते हैं. हम फोन पर जुड़े रहते थे, और हमने संदेशों के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़े रहने का वादा किया था. उन्होंने आगे कहा, मुझे याद है कि जब हम मिलते थे तो हम पकोड़े बनाते थे और खाते थे. मैं उनके पिछले जन्मदिन की पोस्ट पढ़ रहा था और वहाँ भी मैंने उसी के बारे में उल्लेख किया है. मुझे उसके साथ पकोड़े खाने की याद आ रही है. मुझे हमेशा मेरे प्रिय मित्र की याद आती रहेगी. मेरा दिल उसके परिवार के लिए निकला जा रहा है.

गौरतलब है कि सचिन कुमार ने कहानी घर-घर की और लजा सीरीयल में निगेटिव किरदार निभाए थे. ये दोनों सीरियल टीवी के सबसे पॉपुलर सीरियल में से एक रहे हैं. हालांकि सचिन कुमार ने एक्टिंग छोड़ फोटोग्राफी में अपना करियर बना लिया था. बता दें कि तमिल इंडस्ट्री के लिए बुरी खबर आई है. युवा डायरेक्टर एवी अरुण प्रसाद की शुक्रवार सुबह एक सड़क हादसे में मौत हो गई. खबरों के मुताबिक वह बाइक चला रहे थे जब एक लॉरी से टकराने के बाद मौके पर ही उनकी मौत हो गई.

हम प्रवासियों के लिए एसी में बैठकर, ट्वीट कर चिंता व्यक्त नहीं कर सकते : सोनू सूद

मुंबई। जाकर प्रवासी मजदूरों से कह दें कि चिंता न करें, क्योंकि सोनू सूद उनके लिए हैं.. हो सकता है कि वह व्यक्ति सिनेमा में नकारात्मक भूमिकाएं निभाता है, लेकिन वह व्यक्ति वास्तविक दुनिया में नायक है, ये पंक्तियां एक छात्र की है, जो कोलकाता का है और उसने अपने फेसबुक पोस्ट में सोनू सूद के बारे में लिखा है।

पिछले कुछ महीनों से, सोनू सूद ने स्वास्थ्य कर्मियों के लिए अपने जुहू होटल की पेशकश की, सोनू सूद ने जरूरतमंदों के बीच भोजन वितरित किया है, सोनू सूद ने रमजान के दौरान 25,000 से अधिक प्रवासियों को खाना खिलाया जैसे शीर्षकों ने हमारा ध्यान आकर्षित किया है।

हाल ही में अभिनेता ने महाराष्ट्र और कर्नाटक सरकारों से अनुमति प्राप्त करने के बाद फंसे हुए प्रवासी मजदूरों को उनके गृहनगर ले जाने के लिए बसों की व्यवस्था भी की। यहां तक कि वे व्यवस्था की देखरेख के लिए बस टर्मिनल भी गए।

इस बारे में सोनू सूद ने कहा, मुझे लगता है कि यह मेरा कर्तव्य है कि मैं प्रवासियों, हमारे देश की धड़कनों की मदद करूं। हमने प्रवासियों को अपने परिवारों और बच्चों के साथ राजमार्गों पर चलते देखा है। हम सिर्फ एसी में बैठकर

ट्वीट नहीं कर सकते और अपनी चिंता तब तक नहीं दिखा सकते हैं जब तक हम खुद उनमें से एक नहीं हो जाते। अन्यथा उन्हें यह भरोसा नहीं होगा कि कोई व्यक्ति उनके लिए खड़ा है। इसलिए मैं उनकी यात्रा के लिए समन्वय कर रहा हूं और विभिन्न राज्यों से अनुमति ले रहा हूं।

उन्होंने आगे दावा किया, अब मुझे बहुत सारे संदेश और सैकड़ों ईमेल रोज मिलते हैं, जिसमें लोग कहते हैं कि वे यात्रा करना चाहते हैं और मैं सुबह से शाम तक नॉन-स्टॉप उनके साथ समन्वय कर रहा हूं। इस लॉकडाउन के दौरान यह मेरा एकमात्र काम बन गया है। इससे मुझे इतनी संतुष्टि मिलती है कि मैं शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता।

उन्होंने आगे कहा, जब मैं इन प्रवासियों और उन सभी लोगों को देखता हूं जो पीड़ित हैं, तो मुझे लगता है कि हमने एक इंसान होने का सम्मान खो दिया है। मैं रात में ठीक से सो नहीं पाता, क्योंकि ये विचार मेरे दिमाग में आते रहते हैं। पूरे दिन मैं ईमेल पढ़ता रहता हूं, उनके फोन नंबर को नोट कर रहा हूं, उन्हें कॉल करने की कोशिश कर रहा हूं। इनमें सैकड़ों शामिल हैं। मेरी इच्छा है कि मैं दिन-रात उन्हें व्यक्तिगत रूप से उनके गांवों तक ले जाऊं और उनके परिवारों से उन्हें फिर से मिलाऊं।

उन्होंने कहा, वे भारत का असली चेहरा हैं, जिन्होंने हमारे घरों को बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है। उन्होंने अपने घर, अपने माता-पिता, अपने प्रियजनों को छोड़ दिया है और सिर्फ हमारे लिए ही इतनी

मुझे लगता है कि यह मेरा कर्तव्य है कि मैं प्रवासियों, हमारे देश की धड़कनों की मदद करूं। हमने प्रवासियों को अपने परिवारों और बच्चों के साथ राजमार्गों पर चलते देखा है।

कड़ी मेहनत करते हैं। आज, अगर हम उनका समर्थन करने के लिए आगे नहीं आते हैं, तो मुझे लगता है कि हमारे पास खुद को इंसान कहने का कोई अधिकार नहीं रहेगा है। हमें आगे आना होगा और अपनी सर्वाधिक क्षमताओं के साथ उनकी मदद करनी होगी। हम उन्हें सड़कों पर नहीं छोड़ सकते, हम उन्हें राजमार्गों पर मरते हुए नहीं देख सकते, हम उन छोटे बच्चों को उनके साथ चलने नहीं दे सकते, जो सोचते हैं कि उनके माता-पिता के लिए कोई नहीं है।

न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी से ऑनलाइन एक्टिंग कोर्स कर रही हैं एलनाज

बर्लिन। भारतीय फिल्मों में काम करने वाली ईरानी-जर्मन मॉडल व अभिनेत्री एलनाज नौरोजी क्वॉरेंटाइन का भरपूर सदुपयोग कर रही हैं। वह आजकल न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी से ऑनलाइन एक्टिंग का कोर्स कर रही हैं। नेटफ्लिक्स पर प्रसारित बहुचर्चित सीरीज सेक्रेड गेम्स की अभिनेत्री ने इस पर कहा, मुझे खुद पर और अपनी एक्टिंग पर काम करना अच्छा लगता है। मुझे लगता है कि इसमें अभी भी सीखने के लिए बहुत कुछ है। न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी संसार के कुछ बेहतर संस्थानों में से एक है और मैं हमेशा से ही वहां जाना चाहती थी, लेकिन सौभाग्य से अपने काम में हमेशा व्यस्त रही।

वह आगे कहती हैं, मुझे लगा कि ऑनलाइन कोर्स करने का यह एक उपयुक्त समय है। काफी सारा वक्त भी है। मैं इसे सिर्फ बैठकर और इंतजार में नहीं बिताना चाहती। कम से कम मुझे यह पता है कि इस महामारी से मैं एक बेहतर कलाकार बनकर बाहर आऊंगी और मुझे इसके लिए बेहद खुशी भी होगी। एलनाज फिलहाल जर्मनी में हैं और खाना पकाना, बागवानी सहित और अधिक गतिविधियों में खुद को व्यस्त रख रही हैं।

मैं नंबर 1 हूं, इसलिए लोग मेरे बारे में बात करते हैं : नेहा कक्कड़

नई दिल्ली। आंख मारे, दिलबर, ओ साकी साकी और गर्मी जैसे कई सुपरहिट गानों से बॉलीवुड प्लेबैक में राज कर रहीं गायिका नेहा कक्कड़ नेगेटिव कमेंट से बहुत परेशान नहीं हैं, क्योंकि उनका कहना है कि लोग उनकी आलोचना इसलिए करते हैं, क्योंकि वह नंबर वन हैं।

नेहा ने आईएएनएस से कहा, बेशक, मैं भी एक इंसान हूं और मुझे भी इसे लेकर बुरा लगता है, लेकिन बुरा महसूस करने के बाद मैं इसे पीछे छोड़ देती हूं। मुझे लगता है कि ये लोग जो मेरे बारे में बुरा लिख रहे हैं, वे और कोई नहीं, बल्कि ईर्ष्यालु लोग हैं। उन्हें लगता है, नेहा यहां क्यों है? जो नंबर वन सिंगर है उसके बारे में लिखेंगे लोग।

उन्होंने आगे कहा, इसलिए मैं समझती हूं कि मैं नंबर वन हूं इसलिए लोग मेरे बारे में बातें करते हैं और जलते हैं। वहीं गायिका का मानना है कि वह नफरत करने वालों से नहीं डरती हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि इनकी संख्या सीमित है।

उन्होंने कहा, जलने वाले लोग कम हैं, और प्यार देने वाले बहुत हैं।

बहुत ही कम समय में नेहा रीमिक्स गानों की क्वीन बन गई हैं। उन्होंने सुपरहिट रीक्रिएशन जैसे आंख मारे, ओ साकी-साकी, एक तो कम जिंदगानी, काला चश्मा, तुम पर हम है अटके जैसे कई गाने गाए हैं।

गायिका ने कहा, मुझे लगता है कि अगर यह अच्छा रीमिक्स है तो कोई समस्या नहीं है, क्योंकि यह अनुमति के साथ किया गया है। क्या होता है, शुरू में लोग नकारात्मक व्यवहार करते हैं और कहते हैं, गाने को बर्बाद कर दिया। बाद में, वे मेरे गाने को सुनते भी हैं और उस पर नाचने का आनंद भी लेते हैं।

उत्तराखंड के ऋषिकेश में पैदा हुई नेहा को लगता है कि जब बात कौशल की आती है तो वह सही राह पर हैं।

नेहा ने कहा, तो, शुरू में प्रतिक्रिया नकारात्मक होती है, लेकिन बाद में वही प्रतिक्रिया वो इतना कमाल का हो जाता है, जो आप उन गीतों के लिए सुनते हैं। मैं जब रेडियो सुनती हूं तो मुझे अपने ही गाने सुनने को मिलते हैं, इसलिए मुझे अच्छा लग रहा है। तब मुझे पता चलता है कि मैं सही रास्ते पर हूं, और लोग मुझे हर समय सुनना चाहते हैं।

माइकल बी को मैथूसेलाह में निर्देशित करेंगे डैनी बॉयल

लॉस एंजेलिस। फिल्मकार डैनी बॉयल अभिनेता माइकल बी जॉर्डन को वार्नर ब्रोस की प्रोजेक्ट 'मैथूसेलाह' फिल्म में निर्देशित करेंगे। ईडब्ल्यू डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, बॉयल की फिल्में स्लमडॉग मिलिनेयर और 127 आवर्स लिखने वाले ऑस्कर विजेता साइमन बेओफोय इसी फिल्म की पटकथा लिखेंगे। 'मैथूसेलाह' का ऑरिजनल कॉन्सेप्ट बाइबिल के उस व्यक्ति से प्रेरित है, जो 969 वर्ष पहले जीवित थे। हालांकि बॉयल और बेओफोय कथित तौर पर कहानी पर फिर से काम करेंगे। फिल्म पर सालों से काम किया जा रहा है। इसमें शुरुआत में टॉम क्रूज को लिए जाने की संभावना थी और टोनी गिलरॉय ने हालिया स्क्रीनप्ले ड्राफ्ट लिखा था। प्रोजक्ट में जॉर्डन की भागीदारी का खुलासा बीते साल किया गया। वहीं इसके अलावा वह बॉयल और प्रोडयूसर डेविड हेमेन के साथ भी एक फिल्म प्रोड्यूस करने वाले हैं।

गुलाबो सिताबो की डिजिटल रिलीज से नाराज हुआ आईनोक्स

लॉकडाउन की वजह से महीनों से सिनेमाघर बंद पड़े हैं। ऐसे में अब बहुत सी फिल्मों को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज करने की तैयारी कर ली गई है। अमिताभ बचन और आयुष्मान खुराना की फिल्म गुलाबो सिताबो भी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाली है।

12 जून को यह फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। लॉकडाउन में जहां लोगों को इस खबर ने खुशी दी, वहीं आइनॉक्स फिल्म थिएटर ने इस पर कड़ी आपत्ति जाहिर की है। आईनॉक्स ने एक लेटर जारी किया है। इसमें उन्होंने गुलाबो-सिताबो के थिएटर से पहले डिजिटल रिलीज पर नाराजगी जाहिर की है।

उन्होंने लिखा, आईनोक्स पिछले कई साल से वर्ल्ड क्लास थिएटर बनाने में अपने पैसे लगा रहा है। इसका मकसद केवल ये है कि लोगों तक अच्छा सिनेमा पहुंचे। इस मुश्किल की घड़ी में ये बेहद दुखद है कि हमारे एक पार्टनर पिछले कई साल से चले इस रिश्ते को नहीं निभा रहे हैं। वह भी तब जब हमें कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने की जरूरत है।

आईनोक्स ने अपने बयान में आगे लिखा, ये अपने आप में ऐसा पहली बार हो रहा है। ये हमारी पार्टनरशिप को तोड़ रहा है। हम और कंटेंट प्रोड्यूसर काफी वक्त से पार्टनर है। हम ये दोहराना चाहते हैं कि इससे रेवेन्यू को काफी झटका लगेगा। हम सभी कंटेंट क्रिएटर से विनती करते हैं कि वह काफी पुराने थिएटर सिस्टम को नहीं छोड़े और डिजिटल प्लेटफॉर्म में फिल्में रिलीज न करें। इसके अलावा वेल्यू चेन में मौजूद सभी लोगों के हितों का ख्याल रखें।